नई दिल्ली, बुधवार
17 अप्रैल, 2024
राजधानी
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 14+8=22

दैनिक जागरण

www.jagran.com
दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित
भये प्रकट कृपाला...

कानपुर आइआइटी से पढ़े आदित्य श्रीवास्तव सिविल सेवा परीक्षा के टापर 1
यह चुनाव उन लोगों को सजा देने के लिए है, जो संविधान के खिलाफ हैं: मोदी 3

हम हैं जागरण

अखबार नहीं, है एक अभियान क्योंकि जड़ों में है राष्ट्र-निर्माण

जागृत हैं तो जीवित हैं हम। यही मूलमंत्र है दैनिक जागरण का। हमारी सुबह शुरू होती है इस विश्वास से कि हम आपके जीवन में जागृति लाते हैं हर पल, हर दिन

दैनिक जागरण
देश का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

SOURCE: IRS Q4 2019, TR

****

1998 के लोकसभा चुनाव में सोम मरांडी को नौ वोट से जीत मिली थी। तब वह बिहार (अब झारखंड) की राजमहल सीट से भाजपा के प्रत्याशी थे। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी थामस हासंदा को हराया था।

पहले रण में सीधा मुकाबला

19 अप्रैल मतदान

3 लोकसभा सीटों पर पहले चरण में मतदान होगा बंगाल में

1-1 लोकसभा सीट पर नागरिक मताधिकार का उपयोग करेंगे जम्मू-कश्मीर और छत्तीसगढ़ में पहले चरण में

चुनावी परिदृश्य

लोस चुनाव के पहले चरण में जम्मू-कश्मीर व छत्तीसगढ़ की एक-एक सीट पर मतदान होगा व बंगाल की तीन सीटों पर। जम्मू-कश्मीर में विकास के साथ ही स्थानीय मुद्दों पर चुनाव लड़ा जा रहा है तो छत्तीसगढ़ के बस्तर में विकास संग नक्सल समस्या के समाधान की बात भी हो रही है। बंगाल में भाजपा घोटालों के साथ राष्ट्रवाद तो तृणमूल कांग्रेस सीएए और एनआरसी को मुद्दा बना रही है। तीनों जगह आमने-सामने का मुकाबला है।

जम्मू-कश्मीर में विकास और स्थानीय मुद्दों पर जंग

12 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे ऊधमपुर लोस क्षेत्र के 12 लाख से अधिक मतदाता

10 वर्ष बाद कांग्रेस में लौटे लाल सिंह दे रहे भाजपा प्रत्याशी जितेंद्र सिंह को चुनौती

किसको-कितने मत मिले

पिछले चुनाव में भाजपा के डा जितेंद्र सिंह को 7,24,311 वोट मिले थे। दूसरे नंबर पर रहे कांग्रेस के विक्रमादित्य सिंह को 3,67,059 वोट मिले थे।

राज्य ब्यूरो ● जागरण

जम्मू: कभी जम्मू-कश्मीर का सबसे पिछड़ा क्षेत्र माने जाने वाले ऊधमपुर-डोडा लोकसभा क्षेत्र में अब विकास पहचान बन चुका है। इस सीट पर काबिज केंद्रीय मंत्री व भाजपा प्रत्याशी डा. जितेंद्र सिंह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम और विकास के नारे के सहारे हैट्रिक लगाने को प्रयासरत हैं। कांग्रेस ने दो बार के सांसद रहे चौधरी लाल सिंह को मैदान में उतारा है। वह स्थानीय मुद्दों पर लड़ रहे हैं। स्टार प्रचारकों की चकाचौंध व पार्टियों की जोर-आजमाईश से स्पष्ट है कि कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता।

डा जितेंद्र सिंह के समर्थन में पीएम मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, खेल मंत्री अनुराग ठाकुर, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रैलियां कर चुके हैं। कांग्रेस में 10 वर्ष बाद लौटे लाल सिंह अपनी टीम के सहारे चुनाव को रोचक बनाए हुए हैं। कांग्रेस के बड़े नेता प्रचार में नहीं आए, पर उन्हें नेकां-पीडीपी का समर्थन प्राप्त है। पूर्व सीएम उमर व फारूक अब्दुल्ला उनके समर्थन में रैलियां भी कर रहे हैं। वह रोजगार, राज्य का दर्जे के साथ जम्मू-कश्मीर को उनका हक देने की मांग उठा रहे हैं। कांग्रेस देश में 370 के मुद्दे पर चुप है, पर लाल सिंह के 370 के समर्थन में बयान देने से भाजपा को कांग्रेस को घेरने का अवसर मिल गया है। इस सीट पर खास प्रभाव रखने वाले पूर्व सीएम गुलाम नबी आजाद कांग्रेस से अलग हो अपनी नई पार्टी बना चुके हैं। उन्होंने भी प्रत्याशी मैदान में उतारा है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विकार रसूल वानी भी इसी क्षेत्र से आते हैं।

अटल सेतु और एशिया की सबसे लंबी सुरंग भी यहीं

संसदीय क्षेत्र के बनिहाल में एशिया की सबसे लंबी सुरंग, उत्तर भारत का पहला केबल ब्रिज अटल सेतु हिमाचल सीमा पर बना है। दिल्ली से कठुआ होते हुए कटड़ा तक एक्सप्रेस वे व लखनपुर-बनी-बसोहली-डोडा तक नया राष्ट्रीय राजमार्ग व छतरगला टनल भी यहीं बन रही हैं। क्षेत्र आने वाले समय में छह हजार मेगावाट पनबिजली पैदा करेगा।

छत्तीसगढ़ के बस्तर में भाजपा और कांग्रेस हैं आमने-सामने

300 नक्सल प्रभावित गांवों तक पहुंची हैं बुनियादी सुविधाएं

10 वर्ष की उपलब्धियां गिनाने के साथ भाजपा राम मंदिर की भी कर रही बात

इनके बीच मुकाबला

भाजपा प्रत्याशी महेश कश्यप पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। वह विहिप के सक्रिय सदस्य रहे। छह बार के विधायक व पूर्व मंत्री कवासी लखमा कांग्रेस के प्रत्याशी हैं।

संदीप तिवारी ● नईदुनिया

रायपुर: छत्तीसगढ़ में बस्तर एकमात्र ऐसी लोकसभा सीट है, जहां पहले चरण में मतदान होगा। यहां भाजपा प्रत्याशी महेश कश्यप और कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा में सीधा मुकाबला है।

भाजपा-कांग्रेस दोनों ही दलों ने यहां ताकत झोंक दी है। आठ अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जगदलपुर जिले से 40 किलोमीटर दूर वनांचल के गांव छोटे आमाबाल में सभा की थी, जबकि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी जगदलपुर में मतदाताओं को साधने के लिए सभा कर चुके हैं। पिछली बार यहां कांग्रेस के दीपक बैज चुनाव जीते थे। इसके पहले 1999, 2004, 2009 और 2014 के चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी ने चुनाव जीता था।

यह संयोग है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव और कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज इसी लोकसभा क्षेत्र से हैं। इस लिहाज से सीट पर मोदी-राहुल और महेश-लखमा के साथ किरण सिंह देव-दीपक बैज की प्रतिष्ठा भी जुड़ी हुई है। भाजपा की ओर से आदिवासी समुदाय का मुख्यमंत्री बनाने का जादू चला या नहीं, ये भी इस सीट के नतीजे से सामने आने वाला है।

प्रभावी मुद्दे: बस्तर में विकास बनाम नक्सलवाद की लड़ाई है। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने करीब 300 नक्सल प्रभावित गांवों तक सुरक्षा कैंप के माध्यम से आदिवासियों तक बुनियादी सुविधा पहुंचाने में कामयाबी हासिल की है। हालांकि, पिछले एक साल में कई भाजपा नेताओं की हत्या हुई है। कांग्रेस यहां नक्सल वारदात को मुद्दा बनाती दिख रही है। भाजपा पीएम मोदी की 10 वर्ष की उपलब्धियां, अयोध्या धाम में राम मंदिर निर्माण, कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति, प्रदेश में पहला आदिवासी मुख्यमंत्री जैसे मुद्दे मतदाताओं के बीच रख रही है।

बंगाल में भाजपा सीट बचाने तो तृणमूल छीनने को लगा रही जोर

42 लोकसभा सीटें हैं समूचे बंगाल में, जिनमें 22 पर तृणमूल काबिज

18 सीटों पर बंगाल में भाजपा विजयी हुई थी पिछले चुनाव में

सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

चुनावी क्षेत्र बांग्लादेश सीमा से लगे होने की वजह से, सीमा पर अभी से ही सुरक्षा के कड़े इंतजाम। बीएसएफ को कर दिया गया है अलर्ट

जागरण संवाददाता, सिलीगुड़ी: बंगाल की तीनों लोकसभा सीटों कूचबिहार, अलीपुरद्वार तथा जलपाईगुड़ी की सीमाएं बांग्लादेश से लगती हैं। चुनाव से पहले यहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। केंद्रीय बलों की कई कंपनियां पहुंच चुकी हैं। सीमा पर बीएसएफ को अलर्ट कर दिया गया है।

इस बार तीनों सीटों पर मुख्य मुकाबला भाजपा-तृणमूल कांग्रेस के बीच है। कांग्रेस-वाम मोर्चा गठबंधन ने भी अपने उम्मीदवारों को उतारा है, लेकिन वे मजबूत स्थिति में नहीं दिख रहे हैं।

कूचबिहार से केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निशिथ प्रमाणिक भाजपा की टिकट पर एक बार फिर से मैदान में हैं। उनका मुकाबला तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार जगदीश चंद्र बासुनिया से है। यहां मुकाबला कांटे का माना जा रहा है। दूसरी ओर अलीपुरद्वार सुरक्षित संसदीय सीट पर भाजपा ने केंद्रीय राज्य मंत्री जान बारला का टिकट काट दिया है। उनके स्थान पर मदारीहाट के भाजपा विधायक मनोज तिग्गा को मैदान में उतारा है। तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा सदस्य प्रकाशचिक बराइक को मैदान में उतारा है। जलपाईगुड़ी से भाजपा सांसद जयंत राय दोबारा संसद पहुंचने की कोशिश में हैं। उनको पार्टी ने देर से ही सही, लेकिन एक बार फिर यहां से मौका दिया है। उनका मुकाबला तृणमूल कांग्रेस के धूपगुड़ी के विधायक निर्मल चंद्र राय से है। माकपा प्रत्याशी देवराज बर्मन भी यहां से मैदान में हैं।

बूथ : चुनावी समर का असली मैदान

मतदान वाले दिन दलों की सक्रियता होती है सबसे अहम, चुनाव जीतने के लिए बूथ जीतना जरूरी

- दिल्ली और पंजाब में आप की सफलता के पीछे भी बेहतर चुनाव प्रचार और उम्दा बूथ प्रबंधन
- पिछले एक दशक में भाजपा बूथ प्रबंधन को पेशेवर तरीके से संस्थागत स्वरूप देने में रही सफल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: पांच-छह महीने की मैराथन चुनावी तैयारी में यूं तो बहुत कुछ शीर्ष स्तर पर होता है और बहुत कुछ पर्दे के पीछे, लेकिन सारी रणनीति की सफलता की असली कुंजी बूथ प्रबंधन पर होती है। बूथ जनता और पार्टी के बीच संपर्क की अंतिम कड़ी है। चुनाव में यही वह स्थान होता है, जहां असल निचोड़ दिखता है कि अलग-अलग दलों के विमर्श से जनता कितनी प्रभावित हुई। अगर कुछ चूक रही भी तो बूथ प्रबंधक यह सुनिश्चित करने में जुटे होते हैं कि उनकी पार्टी का कोई मतदाता उदासीन न बैठा रह जाए। वैसे तो पार्टियां किसी न किसी रूप में बूथ प्रबंधन करती रही हैं, लेकिन पिछले एक दशक में भाजपा इसे पेशेवर तरीके से संस्थागत स्वरूप देने में सफल रही है। चुनाव जीतने को बूथ जीतना जरूरी है।

भाजपा के लिए बूथ प्रबंधन की अहमियत को इससे समझा जा सकता है कि 2024 के लोस चुनाव में पार्टी के लिए 370 और राजग के 400 से अधिक सीटों का लक्ष्य देने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए हर बूथ पर पिछली बार की तुलना में 370 अधिक वोट लाने का लक्ष्य दिया और इसे जीत का मंत्र बताया। मोदी समेत भाजपा के बड़े नेता सीधे बूथ कार्यकर्ताओं से संवाद कर रहे हैं। भाजपा ने बूथ प्रबंधन को बूथ के बाहर टेबल लगाकर बैठने व मतदाताओं की मदद करने से लेकर जनता से संपर्क कर उन तक पार्टी के उद्देश्यों, कार्यक्रमों व उपलब्धियों को पहुंचाने का जरिया बना दिया।

पन्ना प्रमुख की अहम भूमिका: भाजपा के बूथ प्रबंधन की रणनीति में पन्ना प्रमुख सबसे छोटी इकाई है, जिसके पास उस बूथ के चुने हुए मतदाताओं तक पहुंचने की जिम्मेदारी होती है। ऐसे ही छह-सात पन्ना प्रमुख को मिलाकर शक्ति केंद्र बनाया जाता है। मतदाताओं के साथ पन्ना प्रमुखों के जीवंत जुड़ाव को इस बात से समझा जा सकता है कि अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के पहले पूरे देश में घर-घर जाकर अक्षत पहुंचाने में इन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। ये प्रधानमंत्री के मन की बात को बूथ स्तर पर जनता के साथ सामूहिक रूप से सुने जाने की जिम्मेदारी भी निभाते रहे हैं। इनकी जिम्मेदारी मतदान के दिन अपने-अपने पन्ने के मतदाताओं को वोट देने तक लाकर उनका वोट सुनिश्चित करने की होती है। ये दोपहर बाद उन मतदाताओं से संपर्क साधना शुरू करते हैं, जिन्होंने अभी तक वोट नहीं दिया है। इसके कारण कई बूथों पर शाम के समय मतदाताओं की लंबी कतार भी देखने को मिल जाती है।

कांग्रेस में बनी बूथ स्तर की इकाई: कांग्रेस में बूथ प्रबंधन का कोई संस्थागत स्वरूप नहीं था। केंद्रीय स्तर पर निगरानी की भी व्यवस्था नहीं थी। यह जिम्मेदारी मुख्य रूप से जिला, ब्लाक स्तर पर पार्टी संगठन को सौंप दी जाती थी, लेकिन भाजपा के पेशेवर बूथ प्रबंधन और उसके परिणाम को देखते हुए कांग्रेस ने भी इस पर काम शुरू किया है। पिछले चार-पांच सालों में कई राज्यों में बूथ स्तर की इकाई खड़ी की गई है। हालांकि, बिहार, उत्तर प्रदेश, बंगाल, ओडिशा जैसे राज्यों में संगठन कमजोर होने से बूथ प्रबंधन की टीम खड़ी करने में बड़ी बाधा साबित हो रही है। दिल्ली और पंजाब में आप की सफलता के पीछे भी बेहतर चुनाव प्रचार और बेहतर बूथ प्रबंधन की अहम भूमिका रही है। बूथ स्तर पर मतदाताओं से संपर्क बनाए रखने के लिए, पार्टी ने सांगठनिक ढांचा तैयार कर रखा है। इसी तरह से अपने-अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों में वामपंथी पार्टियों के कैडर बूथ प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालते हैं।

पार्टियों की रणनीति

क्षेत्रीय दल प्रत्याशी को ही देते हैं जिम्मेदारी

वैसे तो राजद और सपा जैसी क्षेत्रीय पार्टियों में बूथ प्रमुखों की तैनाती किये जाने का दावा करती है, लेकिन पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के स्तर पर इसका कोई डाटा उपलब्ध नहीं है। क्षेत्रीय दलों से अंतिम समय में टिकट पाने वाले प्रत्याशी के लिए पैसे देकर बूथ एजेंट नियुक्त करने की मजबूरी होती है।

राजनीति के सिंघम का जोशीला प्रचार

संजय मिश्र ● जागरण

प्रत्याशी के साथ एक दिन

कोयंबटूर

- अपने तेवर और अंदाज से सियासत में सनसनी बने तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई
- युवाओं व मध्यम वर्ग के लोगों के बीच भाजपा के राजनीतिक विमर्श के लिए बना रहे जगह
- तीन घंटे की नींद के बाद सुबह साढ़े छह बजे ही नए दिन के अभियान की कर देते हैं शुरुआत

कोयंबटूर में 15 अप्रैल को प्रचार अभियान के दौरान अन्नामलाई (इनसेट में) को देखने-सुनने जुटे लोग ● जागरण

कोयंबटूर: कोयंबटूर का चुनावी रणक्षेत्र तमिलनाडु की राजनीति में नई सनसनी के उभार का आधार तैयार करता दिख रहा है। उभर रहा यह युवा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई है, जिसने कोयंबटूर ही नहीं, राज्य की राजनीति में भाजपा के विमर्श के लिए भी जगह बना दी है। अन्नाद्रमुक-द्रमुक के गढ़ माने जाने वाले कोयंबटूर में उसके प्रचार अभियान के दौरान जुट रही भीड़ नए संकेत दे रही।

शहर के बाहरी इलाके सुलुर, पापमपटटीपुरम, टीचर्स कलोनी जैसे मध्यम वर्गीय इलाके से लेकर कुछ कस्बों में रात 10 बजे तक उसको सुनने-देखने आने वाली भीड़ का लंबे इंतजार के बाद भी उनके पहुंचते ही जोश के साथ तालियां व सीटी बजाने का उत्साह राज्य की राजनीति के नवोदित सियासी सेलिब्रिटी की पंक्ति में उनके शामिल होने का संदेश दे रहा है। चुनाव प्रचार के लिए तैयार अपना विशेष बस के हाइड्रोलिक प्लेटफार्म पर ही भीड़ से रूबरू होते अन्नामलाई द्रमुक की एमके स्टालिन सरकार पर हमला करते हैं तो भीड़ उत्साहित होती है। खासकर जब वे द्रमुक सरकार के कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ने के लिए "डीएमके फाइल्स" का जिक्र करते हैं। आधे से लेकर एक घंटे तक प्रमुख इलाकों के चौक-चौराहे, गांव-कस्बे तक अपनी प्रचार बस पर सवार अन्नामलाई भीड़ का उत्साह देखकर नीचे भी उतरते हैं तो युवा व महिलाएं उनके साथ सेल्फी लेती हैं। बच्चों में आटोग्राफ लेने की होड़ दिखती है।

तमिलनाडु भाजपा का खुद को एक पुराना कार्यकर्ता बताते हुए राजेंद्रन ने सुलुर में ऐसे ही एक दृश्य पर टिप्पणी में कहा कि राज्य में भाजपा के किसी नेता को ऐसा जोशीला समर्थन मिलेगा, इसकी कल्पना भी कुछ समय पहले मुश्किल थी। पापमपटटीपुरम में रात साढ़े आठ बजे जुटी भीड़ में महिलाओं की संख्या भी काफी थी, जो आरती की थालियों के साथ मौजूद थीं। कई लोग परिवार तथा बच्चों के साथ नजर आ रहे थे, जिसमें शामिल गृहिणी चित्रा ने अपनी मां तथा 75 वर्षीय पिता रामचंद्रन की ओर इशारा करते हुए कहा कि अन्नामलाई के तेवर व अंदाज के हम सब फैन हैं। उनके बगल में खड़ी पीएचडी छात्रा अस्मिता की टिप्पणी थी कि राज्य को एक नए नेतृत्व की जरूरत है और अन्नामलाई में उम्मीद दिख रही है। हालांकि, अरूविल अलग राय रखते हैं। वह कहते हैं कि कोयंबटूर में उनकी लोकप्रियता है, पर राज्य की राजनीति की बागडोर भाजपा के हाथों में दिला पाएंगे, इसमें संदेह है। हालांकि, अन्नामलाई ही पार्टी के प्रचार का चेहरा हैं और उन्हें राज्य में पार्टी तथा सहयोगी दलों के प्रचार के लिए भी जाना पड़ता है। अन्नाद्रमुक से बाहर किए गए पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम जैसे वरिष्ठ नेता को भी अपने क्षेत्र रामनाथपुरम में उनकी सभाएं करानी पड़े तो उनके उभरते राजनीतिक कद को नजरअंदाज करना द्रमुक और अन्नाद्रमुक दोनों के लिए मुश्किल है। इसलिए दोनों द्रविड़ पार्टियां भी उन पर हमले कर रही हैं तो 39 वर्षीय कर्नाटक कैडर के पूर्व आइपीएस रहे अन्नामलाई भी स्टालिन ही नहीं अन्नाद्रमुक पर भी खूब बरस रहे। टीचर्स कालोनी के निकट अन्नाद्रमुक पर हमला बोलते हुए उन्होंने यह कहने से गुरेज नहीं किया कि जयललिता भी भ्रष्ट थीं और अब अन्नाद्रमुक ध्वस्त हो रही है तथा भाजपा राज्य में इस राजनीतिक शून्य की जगह भरेगी।

केवल तीन घंटे सोते: सुबह सात बजे धोती व सफेद शर्ट पहनकर चुनाव प्रचार पर निकले अन्नामलाई अधिकतम लोगों तक सीधे पहुंचने का प्रयास करते हैं। दोपहर की तपती धूप में भी उनका कारवां कम होता नहीं दिखता। रात 10 बजे दिन के प्रचार पर विराम लगता है तो वह पीलामेडू के अपने चुनाव कार्यालय के वार रूम में पहुंचे सहयोगियों से आगे की रणनीति की समीक्षा करते हैं। चुनाव में उनके मीडिया प्रबंधन की कमान संभाल रही कोयंबटूर जिला भाजपा की मीडिया प्रमुख सौम्या कहती हैं कि रात दो-ढाई बजे तक यह अलग-अलग टीमों के साथ रणनीतिक बैठकों का दौर चलता है। इसके बाद अन्नमलाई घर जाते हैं और केवल तीन घंटे की नींद के बाद सुबह साढ़े छह बजे ही नए दिन के अभियान की शुरुआत हो जाती है।

एक समीकरण ने बढ़ा दी चुरू में सियासी तपिश

इन्द्रप्रीत सिंह ● जागरण

ग्राउंड रिपोर्ट चुरू

- पोस्टरों-बैनरों की बेशक कमी हो, लेकिन लोग चुनाव की बात कर रहे
- यहां लड़ाई भाजपा की पृष्ठभूमि वाले दो बड़े नेताओं के बीच

प्रचार करते देवेंद्र झांझड़िया ● जागरण

चुरू: राजपूतों और जाटों में संघर्ष के इतिहास के बीच चूरू लोकसभा चुनाव की लड़ाई दिलचस्प हो चुकी है। बीकानेर रियासत के राजपूतों ने जब चूरू पर कब्जा कर लिया तब से यह लड़ाई चली आ रही है। इस बार लोस चुनाव में भी इसकी झलक दिखाई दे रही है। चुरू में आते ही यह अहसास हो जाता है कि यहां चुनाव चल रहा है। पोस्टरों-बैनरों की बेशक कमी हो, लेकिन लोग चुनाव की बात कर रहे हैं। यहां लड़ाई भाजपा बनाम कांग्रेस जरूर है, लेकिन बड़ी लड़ाई भाजपा की पृष्ठभूमि वाले दो बड़े नेताओं के बीच है। इनमें से एक प्रत्याशी राहुल कस्वा हैं, जिनके परिवार का भाजपा की ओर से पिछले 25 सालों से इस संसदीय क्षेत्र पर दबदबा रहा है। वह इस बार कांग्रेस के टिकट से मैदान में हैं। उनके सामने भाजपा की ओर से देवेंद्र झांझड़िया हैं, जो पैरालिंपियन हैं।

दोनों पार्टियों के प्रत्याशी जाट हैं, पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और विपक्ष के पूर्व नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ की चर्चा के कारण यहां लड़ाई जाट बनाम राजपूत भी हो गई है। कहा जा रहा है कि राठौड़ के कारण कस्वा का भाजपा से टिकट कट गया, जिससे जाट समुदाय नाराज हो गया। कस्वा दो बार के सांसद हैं। राठौड़ इससे साफ इन्कार करते हैं कि कस्वा का टिकट उनके कारण कटा। उनका कहना है कि पार्टी ने पूरे राजस्थान में 13 पुराने प्रत्याशियों के टिकट काटकर नए लोगों को मौका दिया है, पर वह इस नैरेटिव को तोड़ नहीं पा रहे हैं कि राहुल कस्वा का टिकट उन्होंने नहीं कटवाया।

कस्वा के पिता राम सिंह कस्वा 1999 से 2004 तक सांसद रहे और उससे पहले वह एक बार 1991 में भी सांसद रहे। कस्वा अपने प्रचार में परिवार की ओर से किए गए कार्यों को गिनवा रहे हैं, वहीं यह बताना भी नहीं भूलते कि किस प्रकार एक नेता के दबाव में आकर उनका टिकट काटा गया। कस्वा के पक्ष में यह भी है कि इस संसदीय सीट की आठ में से पांच विधानसभा सीट नोहर, तारानगर, सरदार शहर, रतनगढ़ और सुजानगढ़ में कांग्रेस के विधायक हैं और दो भद्र और चुरू भाजपा के पास हैं, जबकि एक सीट सादुलपुर बसपा के खाते में है।

अजय बेनीवाल चुरू सीट के रतनगढ़ क्षेत्र में लंबे समय से रह रहे हैं। उनका मानना है कि केंद्र और राज्य की सत्ता में काबिज भाजपा के लिए इस बार हालात कठिन हैं। यह बात बड़े नेता भी जानते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शेखावटी इलाके की इस सीट के लिए पांच अप्रैल को प्रचार भी किया। यहां एक बड़ी जनसभा रखी गई, लेकिन इसके बावजूद अभी लड़ाई कांटे की लग रही है। दिलचस्प बात यह भी है कि भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र झांझड़िया अपने विरोधी कस्वा पर इस क्षेत्र के विकास को लेकर आरोप भी नहीं लगा सकते, क्योंकि ऐसा करने से आरोप उनकी अपनी पार्टी पर ही आ जाएगा। वह केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथ मजबूत करने की बात कर रहे हैं।

... जब मुलायम बोले-बेटा छोड़ जा रहा हूं, सांसद बना देना!

पहलवानी के दांव में माहिर मुलायम सिंह यादव ने जनसभा में अचानक बेटे अखिलेश यादव की राजनीति में इंट्री कराकर हर किसी को चौंका दिया था। कन्नौज सीट मुलायम के त्याग-पत्र देने से खाली हुई थी।

अतीत के आईने से

सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने 1999 में हुए लोकसभा चुनाव में कन्नौज और संभल सीट से चुनाव लड़ा था। दोनों सीटों पर उन्होंने जीत हासिल की। बाद में उन्होंने कन्नौज सीट से त्याग-पत्र दे दिया। इससे 2000 में यहां उपचुनाव की घोषणा हुई। प्रचार अभियान जोर पकड़ चुका था और शहर के बोर्डिंग मैदान में मुलायम सिंह की जनसभा चल रही थी। मंच पर अमर सिंह और आजम खान के साथ एक युवा चेहरा भी था, जिसे कम ही लोग जानते थे। वह युवा कोई और नहीं, मुलायम सिंह के सुपुत्र अखिलेश यादव थे। इस बीच अमर सिंह ने मंच पर ही मुलायम सिंह के कान में कुछ कहा। वरिष्ठ सपा नेता अवधेश कुशवाहा बताते हैं कि अमर सिंह ने मुलायम से बेटे अखिलेश को सियासत में उतारने की बात कही। पहले तो मुलायम सिंह राजी नहीं हुए, लेकिन आजम खां ने भी दबाव बनाया तो वह कुछ देर सोचते रहे। फिर कुर्सी से उठे और अखिलेश का हाथ पकड़कर जनता से बोले- बेटा छोड़कर जा रहा हूं, सांसद बना देना! जनसभा में शोर बढ़ गया। पिता की जगह बेटे के चुनाव लड़ने की घोषणा से राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई। जनसभा के बाद जब अखिलेश पिता के साथ मंच से उतरने लगे, तो उन्होंने कहा कि अब तुम्हें यहीं रहकर चुनाव प्रचार करना है। उपचुनाव में बसपा के अकबर अहमद डंपी से टक्कर हुई। अखिलेश ने जीत दर्ज की। इसके बाद वर्ष 2004, 2009 में जीत दर्ज करते हुए 2012 में उप्र के मुख्यमंत्री पद तक पहुंचे।

कमल नाथ सहानुभूति के भरोसे, भाजपा बना रही आदिवासी अपमान को मुद्दा

वैभव श्रीधर ● नईदुनिया

चर्चित सीट छिंदवाड़ा

यह है परिदृश्य

- कांग्रेस प्रत्याशी हैं नकुल नाथ, लेकिन मैदान में चुनाव लड़ रहे हैं पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ
- भाजपा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू को जिताने के लिए पार्टी ने झोंकी पूरी ताकत
- विधायक रहे कमलेश, पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना व महापौर विक्रम समेत कई ने छोड़ा नाथ का साथ

छिंदवाड़ा: मध्य प्रदेश के 29 लोकसभा क्षेत्रों में से एक है छिंदवाड़ा। प्रदेश की यही सीट सर्वाधिक चर्चा में है। कांग्रेस या यूं कहें कि पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के इस गढ़ को भेदने के प्रयास में भाजपा वर्षों से जुटी है। कांग्रेस से दलबदल तो पूरे प्रदेश में हुआ है, पर यहां कमल नाथ के ऐसे समर्थकों ने उनका साथ चुनाव के मौके पर छोड़ दिया, जो उनकी ताकत थे और छिंदवाड़ा जिले में कांग्रेस के मजबूत स्तंभ। राजनीति के मंझे हुए खिलाड़ी कमल नाथ ने भाजपा की इस सेंधमारी को सहानुभूति कार्ड के रूप में खेल दिया है तो भाजपा भी पीछे रहने वाली नहीं है। कांग्रेस प्रत्याशी नकुल नाथ द्वारा आदिवासी विधायक कमलेश शाह को गद्दार बोला गया तो भाजपा ने इसे आदिवासी अपमान का मुद्दा बना दिया है। वहीं, शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी और रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को भुनाने का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा ने विवेक बंटी साहू को प्रत्याशी बनाया है, जो कमल नाथ से दो बार विस चुनाव हार चुके हैं। साहू को जिताने के लिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है।

छिंदवाड़ा से कांग्रेस के प्रत्याशी भले ही नकुल नाथ हों, पर चुनाव मैदान में उनके पिता कमल नाथ ही लड़ रहे हैं। प्रतिष्ठा भी उन्हीं की दांव पर है और भाजपा के निशाने पर भी वही हैं। इसकी असली वजह यह है कि छिंदवाड़ा में पूरी मैदानी जमावट कमल नाथ की ही है। आदिवासी क्षेत्र जुन्नारदेव, पांढुर्णा हो या फिर अमरवाड़ा, हर कोई कांग्रेस के नाम पर केवल कमल नाथ को जानता है। यही उनकी ताकत भी है, इसलिए भाजपा द्वारा कांग्रेस नेताओं को पार्टी में शामिल कराने का वैसा माहौल देखने को नहीं मिलता है, जिसकी संभवतः भाजपा नेताओं को उम्मीद थी। छिंदवाड़ा में कांग्रेस की मजबूती का मुख्य आधार आदिवासी हैं। इसे ही ध्यान में रखते हुए अमरवाड़ा से कांग्रेस विधायक कमलेश शाह को भाजपा की सदस्यता दिलाई गई। पांढुर्णा और जुन्नारदेव में कई कांग्रेसियों ने पाला बदला। भाजपा का जोर भी आदिवासी क्षेत्रों में है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के यहां दौरे हो चुके हैं। आदिवासी अपमान को मुद्दा बनाकर घेराबंदी की जा रही है तो कमल नाथ के लिए अपनी छिंदवाड़ा विस सीट छोड़ने वाले पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना का साथ छोड़ना अवश्य बड़ा झटका है। छिंदवाड़ा के ग्रामीण क्षेत्रों में सक्सेना का प्रभाव है। उन्हें भी अन्य नेताओं की तरह कमल नाथ नहीं, नकुल नाथ के व्यवहार से आपत्ति है। नकुल नाथ उन नेताओं से सामंजस्य नहीं बैठा पाए, जो असल में कमल नाथ की ताकत थे। भाजपा ने इसे ही अवसर बनाया और कांग्रेस के सामने चुनौती खड़ी कर दी है।

शहर का मानसरोवर काम्प्लेक्स, जहां लोग राजनीति पर खूब चर्चा करते हैं ● नईदुनिया

मोदी की गारंटी और राम लहर का आसरा

भाजपा की आस मोदी की गारंटी और राम लहर पर है, क्योंकि विकास का मुद्दा यहां अन्य क्षेत्रों के मुकाबले फीका पड़ जाता है। शहर हो या गांव, हर जगह भगवा झंडे देखने को मिल जाते हैं तो प्रचार रथों के माध्यम से 'जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे' गीत के माध्यम से संदेश देने का काम किया जा रहा है। भाजपा ने कमल नाथ के परिवारवाद को भी चुनावी मुद्दा बनाया हुआ है।

पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ कर रहे अपील-आखिरी दम तक साथ निभाना

पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ यह अच्छी तरह से जानते हैं कि भाजपा के लिए छिंदवाड़ा की सीट महत्वपूर्ण है, इसलिए वह लोगों से भावनात्मक रूप से जुड़ रहे हैं। हर सभा में दोहराते हैं कि आप से मेरा संबंध 44 वर्ष पुराना है। आखिरी दम तक साथ निभाऊंगा, आप भी निभाना। इस दौरान वह बिना नाम लिए उन को कटघरे में खड़ा कर रहे, जो साथ छोड़कर चले गए।

देखिए, केवल चौड़ी सड़कें और चौराहे ही विकास नहीं हैं। भले ही हम छिंदवाड़ा माडल की बात करते हैं, पर यहां रोजगार के अवसर नहीं हैं। कृषि प्रधान जिला होने के बाद भी इससे जुड़ा कोई बड़ा उद्योग नहीं है। पिछले 10 वर्ष में ऐसा कोई काम नहीं हुआ, जिससे यह कहा जा सके कि छिंदवाड़ा देश के साथ विकास की मुख्यधारा में जुड़ा है।

पीयूष शर्मा, अधिवक्ता, छिंदवाड़ा

जिस विकास की बात आज देश और प्रदेश में हो रही है, वह तो छिंदवाड़ा में 15 वर्ष पूर्व हो चुका है। रिंग रोड से लेकर अन्य सभी अधोसंरचना हमारे यहां है। मेडिकल कालेज से लेकर अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

मयंक मिश्रा, इंजीनियर

महासमर से जुड़ी खबरों और सामग्री को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें

****

नई दिल्ली, बुधवार
17 अप्रैल, 2024
राजधानी
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 14+8=22

दैनिक जागरण

www.jagran.com
दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

आइएमएफ ने भारत के विकास दर अनुमान को बढ़ाकर 6.8% किया 8

पीएम चार जून के बाद भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई तेज करेंगे: नड्डा 9

कानपुर आइआइटी से पढ़े आदित्य श्रीवास्तव सिविल सेवा परीक्षा के टापर

नई दिल्ली, प्रेट्र : संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने मंगलवार को सिविल सेवा परीक्षा, 2023 का परिणाम घोषित कर दिया। इसमें कानपुर आइआइटी से पढ़े और प्रशिक्षु आइपीएस आदित्य श्रीवास्तव ने पहला, अनिमेष प्रधान ने दूसरा, डोनुरु अनन्या रेड्डी ने तीसरा, पीके सिद्धार्थ रामकुमार ने चौथा व रुहानी ने पांचवां स्थान हासिल किया है।

कुल 1,016 अभ्यर्थियों ने (664 पुरुष और 352 महिलाओं) ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। इनमें 30 दिव्यांग भी हैं। शीर्ष 25 अभ्यर्थियों में 10 महिलाएं और 15 पुरुष हैं। शीर्ष पांच स्थानों में तीन पुरुष व दो महिलाएं हैं और इनमें से तीन-श्रीवास्तव, रामकुमार व रुहानी प्रशिक्षु आइपीएस हैं। एक दशक से ज्यादा समय में यह पहली बार है, जब प्रशिक्षु आइपीएस ने शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। आयोग ने बताया कि अभ्यर्थियों द्वारा परीक्षा में हासिल अंक परीक्षा परिणाम घोषित होने के 15 दिनों के अंदर वेबसाइट पर उपलब्ध हो जाएंगे।

शीर्ष स्थान हासिल करने वाले 27 वर्षीय आदित्य श्रीवास्तव ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है। उनके पास एमटेक की डिग्री भी है। वह लखनऊ के रहने वाले हैं। उन्होंने परीक्षा में अपने वैकल्पिक विषय के रूप में भी इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग को चुना था। 2022 की परीक्षा में उन्होंने 236वीं रैंक हासिल की थी। राउरकेला स्थित एनआइटी से कंप्यूटर साइंस में बीटेक 24 वर्षीय अनिमेष प्रधान ने वैकल्पिक विषय के रूप में समाज शास्त्र को चुना था। वह ओडिशा में अंगुल जिले के तलचर कस्बे के निवासी हैं और वर्तमान में दिल्ली में इंडियन आयल कारपोरेशन में कार्यरत हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस से भूगोल में स्नातक (आनर्स) डोनुरु अनन्या रेड्डी ने वैकल्पिक विषय के रूप में मानव विज्ञान को चुना था। 22 वर्षीय रेड्डी तेलंगाना में महबूबनगर की रहने वाली हैं।

टापर आदित्य श्रीवास्तव ● डोनुरु अनन्या रेड्डी, रैंक 3 रुहानी, रैंक 5 वरदाह खान, रैंक 18, नोएडा आकाश वर्मा, रैंक 20, नोएडा

अभिमन्यु मलिक, रैंक 60, सोनीपत सृष्टि मिश्रा, रैंक 95, फरीदाबाद

- **अनिमेष प्रधान दूसरे और डोनुरु अनन्या रेड्डी तीसरे स्थान पर रहे**
- **1,016 सफल उम्मीदवारों में 352 महिलाएं, शीर्ष पांच में से तीन प्रशिक्षु आइपीएस**

5,92,141 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए थे, 10,16,850 अभ्यर्थियों ने किया था आवेदन

2,855 अभ्यर्थी चयनित हुए थे साक्षात्कार के लिए

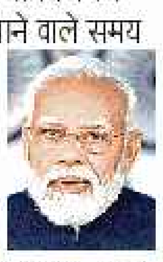

मैं सिविल सेवा परीक्षा, 2023 उत्तीर्ण करने वाले सभी अभ्यर्थियों को बधाई देता हूं। उनकी कड़ी मेहनत, दृढ़ता और समर्पण रंग लाया है। उनके प्रयास आने वाले समय में हमारे देश के भविष्य को आकार देंगे। उन्हें मेरी शुभकामनाएं। जो लोग अपेक्षित सफलता अर्जित नहीं कर पाए, उनसे मैं कहना चाहता हूं कि विफलताएं मुश्किल हो सकती हैं, लेकिन याद रखिए कि यह आपकी यात्रा का अंत नहीं है। भविष्य में परीक्षाओं में सफलता के अवसर मिलेंगे। परिश्रम करते रहिए और अपार संभावनाएं तलाशते रहिए। आप सभी को शुभकामनाएं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी (एक्स पर पोस्ट)

पांचवां स्थान पाने वाली रुहानी सेंट स्टीफेंस की रही हैं छात्रा >> पेज 4
जोश: पेज 11

संपादकीय

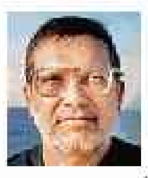

दलबदल कानून की दुर्गति: यह कोरी कल्पना है कि अधिक कठोर कानून बनाने से दलबदल रुकेगा, क्योंकि स्वयं कानून बनाने वाले ही दलबदल करते-कराते हैं। **शंकर शरण** का दृष्टिकोण।

जन-जन तक पहुंचे श्रीराम का संदेश: आज प्रभु राम की वंदना करने के साथ यह भी आवश्यक है कि हम उनके दिखाए मार्ग पर भी चलें। **प्रवीन लखेड़ा** का आलेख।

● पेज 6

नमो देव्यै महादेव्यै
नारी सशक्तीकरण

घर खर्च की बचत से सुगम बना रहीं दिव्यांगों का जीवन

यमुनानगर: कुछ महिलाएं हैं जो स्वयं से जो बन पड़े समाज को दे देती हैं। ऐसी ही कुछ महिलाएं हैं जो अपने खर्च की बचत से दिव्यांगों को समाज की मुख्य धारा में जोड़ रही हैं। इन्होंने नर सेवा को नारायण सेवा मान लिया है।

● जागरण सिटी

छत्तीसगढ़ में 29 नक्सली ढेर

जवानों को नक्सलियों के विरुद्ध अब तक की सबसे बड़ी सफलता मिली

नईदुनिया, कांकेर : छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के विरुद्ध अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई में कांकेर जिले के हापाटोला जंगल में जवानों ने 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया। मंगलवार को बीएसएफ और डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के 1,000 से अधिक जवानों ने 50 से 60 नक्सलियों को जंगल में घेरकर इस अभियान को अंजाम दिया। मारे गए कई नक्सलियों की अभी तक पहचान नहीं हुई है, पर घटनास्थल से मिले हथियार से पता चलता है कि कई बड़े नक्सली मारे गए हैं। मुठभेड़ दोपहर डेढ़ से शाम साढ़े चार बजे तक चली। मारे गए नक्सलियों में उनका कमांडर व 25 लाख रुपये का इनामी शंकर राव व 25 लाख की इनामी ललिता भी शामिल है। एक और नक्सली कमांडर राजू भी मारा गया। मुठभेड़ के दौरान बीएसएफ इंस्पेक्टर को पैर में गोली लगी है, जबकि डीआरजी के दो जवान भी घायल हुए हैं। तीनों को बेहतर इलाज के लिए हवाई मार्ग से रायपुर भेजा गया है। यह मुठभेड़ ऐसे समय में हुई है, जब पहले चरण (19 अप्रैल) में बस्तर में जब तीन दिन बाद मतदान होना है।

14 अप्रैल को राजनांदगांव में चुनावी सभा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्र की सत्ता में तीसरी बार काबिज होने पर नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ का संकल्प लिया था। राज्य के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने भी कहा कि गृह मंत्री के दिशानिर्देश के बाद प्रदेश सरकार आपरेशन मोड में है। लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए किसी भी स्तर पर ढील नहीं दी जा सकती। नक्सलियों को जवाबी कार्रवाई का कोई मौका नहीं देंगे। राज्य में नक्सली गतिविधियों पर लगाम के लिए डीआरजी की स्थापना 2008 में की गई थी। वहीं, संवेदनशील इलाकों में सरकार ने बीएसएफ की भी तैनाती कर रखी है।

बीजापुर में मारे गए थे 13 नक्सली : दो अप्रैल को बीजापुर जिले के जंगल में हुई मुठभेड़ में पुलिस ने 13 नक्सलियों को मार गिराया था। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जवानों को बधाई देते हुए कहा है कि सरकार प्रदेश को नक्सलियों से मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बड़ी सफलता : बस्तर के आइजी पी सुंदरराज व बीएसएफ के डीआइजी आलोक कुमार सिंह ने नक्सल विरोधी अभियान में इसे बड़ी सफलता करार दिया है। उन्होंने बताया कि नक्सलियों से सात एके 47, तीन लाइट मशीन गन (एलएमजी) और इंसास रायफल भी मिली है। कांकेर के एसपी आइके एलेसेला ने बताया कि महाराष्ट्र की सीमा से सटे क्षेत्र में नक्सलियों की बैठक की सूचना के आधार पर संयुक्त कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की गई। नक्सलियों ने जवाबी हमला किया, लेकिन उन्हें पहाड़ी क्षेत्र में नीचे की तरफ भागने को मजबूर होना पड़ा। जवानों को इसका लाभ मिला और उन्हें ढेर कर दिया।

25 लाख का इनामी नक्सली शंकर राव (फाइल फोटो) ● इंटरनेट मीडिया

- **50 से अधिक नक्सलियों को 1,000 जवानों ने घेरा था**
- **25-25 लाख के इनामी कमांडर शंकर राव और ललिता मारे गए**

10 अप्रैल को हुई थी बैठक

नौ और 10 अप्रैल को दो दिवसीय दौरे के दौरान गृह सचिव अजय कुमार भल्ला और आइबी के डायरेक्टर तपन कुमार डेका नक्सलियों के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई की रणनीति बनाने के लिए रायपुर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने 10 राज्यों के मुख्य सचिवों और डीजीपी के साथ आनलाइन बैठक भी की थी। उस दौरान शांतिपूर्ण चुनाव और नक्सल इलाकों में इंटेलीजेंस ब्यूरो के इनपुट के आधार पर खुफिया आपरेशन की रणनीति भी बनाई गई थी।

शाह ने दी बधाई, संकल्प दोहराया

कांकेर में 29 नक्सलियों को ढेर करने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षाबल के जवानों के बधाई दी है। साथ ही घायल जवानों के शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना की है। एक्स पर पोस्ट में शाह ने लिखा है- नक्सलवाद विकास, शांति और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का सबसे बड़ा दुश्मन है। पीएम मोदी के नेतृत्व में हम देश को नक्सलवाद के दंश से मुक्त करने के लिए संकलित हैं। जल्द ही छत्तीसगढ़ और पूरा देश पूर्णत: नक्सल मुक्त होगा।

बाबा रामदेव ने सुप्रीम कोर्ट से मांगी माफी, कहा-अब नहीं होगी गलती

पतंजलि भ्रामक विज्ञापन मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए पहुंचे योगगुरु बाबा रामदेव ● एएनआइ

- **कोर्ट ने कहा, आप किसी दूसरी पद्धति या एलोपैथी को नीचा नहीं दिखा सकते**
- **रामदेव, बालकृष्ण के वकील ने कहा कि वह सार्वजनिक माफी मांगेंगे**

भ्रामक विज्ञापन का मामला

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: भ्रामक विज्ञापन के मामले में सुप्रीम कोर्ट के अवमानना नोटिस का सामना कर रहे योग गुरु बाबा रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी। बाबा रामदेव ने कहा कि वह बिना शर्त माफी मांगते हैं। उनका इरादा कोर्ट की अवमानना करने का नहीं था और न ही कभी हो सकता है। उनसे काम के उत्साह में गलती हो गई। अब आगे से ऐसा नही होगा। वह सतर्क रहेंगे। हालांकि, कोर्ट ने अभी उनकी माफी स्वीकार नहीं की है।

अदालत ने कहा है कि वह उनके पिछले इतिहास और केस को देखने के बाद इस पर विचार करेगी। पीठ ने उन्हें भ्रामक विज्ञापन के लिए चेतावनी देते हुए कहा कि आपको मालूम होना चाहिए कि लाइलाज बीमारियों की दवाओं का विज्ञापन नहीं दिया जा सकता। आप अपना काम करिए, लेकिन आप दूसरी पद्धति या एलोपैथी को नीचा नहीं दिखा सकते। बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के माफी मांगने के अलावा उनके वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि वह खुद ही सार्वजनिक रूप से माफी मांगेंगे। कोर्ट उन्हें इसके लिए एक सप्ताह का समय दे। कोर्ट ने अनुरोध स्वीकार करते हुए उन्हें समय दे दिया और केस को 23 अप्रैल को फिर सुनवाई पर लगाने का आदेश दिया। साथ ही कहा कि दोनों लोग अगली सुनवाई पर भी कोर्ट में हाजिर होंगे।

ये आदेश न्यायमूर्ति हिमा कोहली व अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान मंगलवार को दिए। इस मामले में कोर्ट ने 21 नवंबर को कोर्ट में दी गई अंडरटेकिंग का उल्लंघन करने पर रामदेव और बालकृष्ण के खिलाफ अवमानना नोटिस जारी किया था। मंगलवार को दोनों कोर्ट में पेश हुए। पहले उनके वकील ने गलती मानते हुए कहा कि वह स्वयं से सार्वजनिक माफी मांगने को तैयार हैं। उसके बाद कोर्ट ने बाबा रामदेव और बालकृष्ण से बात की और उनसे सवाल पूछे। कोर्ट ने एलोपैथी की आलोचना पर फटकार लगाते हुए कहा कि वे दूसरों पर अंगुली उठाए बगैर अपना काम करें। कोर्ट ने रामदेव से कहा कि आपने योग में काफी काम किया है और आपकी काफी गरिमा है। आपने योग के अलावा भी कारोबार शुरू किया है। आपने कोर्ट के आदेश के बावजूद प्रेस कान्फ्रेंस की। रामदेव ने माफी मांगते हुए कहा कि उनसे भूल हो गई है। वह बिना शर्त माफी मांगते हैं।

2019 के अक्टूबर में अनधिकृत कालोनियों में रहने वालों को संपत्ति का मालिकाना हक देने के लिए केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी की ओर से योजना की शुरुआत की गई थी, कहा गया था इससे कालोनियों का बेहतर ढंग से विकास होगा

फ्लैश बैक

चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र चुनाव 1998

3,68,226
कुल मतदाता थे

पुरुष मतदाता: 2,02,863
महिला मतदाता: 1,65,363

2,27,411
मतदाताओं ने मत दिया था

मतदान की स्थिति

61.8% मत चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र में पड़े थे

प्रमुख दलों को मिले मत

भाजपा	35.0
कांग्रेस	33.1
जनता दल	29.7
एनएलपी	0.2
सपा	0.1

नोट: आंकड़े प्रतिशत में

421 बूथों पर चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र में मतदान हुआ था

23 प्रत्याशियों में से 18 निर्दलीय चांदनी चौक सीट से चुनाव मैदान में थे

0.9% कुल मत सभी 18 निर्दलीय प्रत्याशियों को मिले थे

मेरा पहला वोट

लोकतंत्र के महापर्व को पहली बार मनाने को लेकर काफी उत्साहित हूं। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना सामाजिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। हम सभी जानते हैं कि राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में महिलाओं के प्रति अपराध खत्म नहीं हो रहे हैं। दिल्ली को महिलाओं के लिए असुरक्षित शहर माना जाता है। दिल्ली में महिला असुरक्षा की यह स्थित कतई बेहतर नहीं हैं। परिवर्तन और सुरक्षित वातावरण की दिशा में बेहतर कानून व्यवस्था महत्वपूर्ण कदम हैं, इसलिए मेरा वोट महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए होगा। यह एक ऐसे भविष्य के लिए वोट है, जहां सभी महिलाएं अपने समुदायों में सुरक्षित महसूस कर सकेंगी। महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने का भरोसा दिलाने वाले प्रत्याशी को ही इस लोकसभा चुनाव में वोट दूंगा।

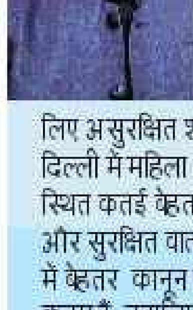

– हिमांशु पांडेय, पत्रकारिता छात्र, महाराजा अग्रसेन कालेज

'जहां झुग्गी, वहीं मकान' योजना का कब पूरा होगा इंतजार

महत्वाकांक्षी कठपुतली कालोनी परियोजना में अभी तक 50 प्रतिशत फ्लैट आवंटित नहीं हो सके हैं

स्लम पुनर्वास पर डीडीए का फोकस, 10 और कालोनियों में 22,752 फ्लैट बनाने की तैयारी

3,024 फ्लैट 2022 में प्रधानमंत्री ने कालकाजी में पात्र झुग्गी वासियों को सौंपे थे

2,800 में से 1,400 फ्लैट कठपुतली कालोनी योजना के तहत मार्च में पूरे होने थे

1,731 अनधिकृत कालोनियों में रहने वालों को संपत्ति का मालिकाना हक देने का लक्ष्य हासिल नहीं हुआ

प्रधानमंत्री उदय योजना के तहत 12 अप्रैल 2024 तक की यह है स्थिति

आवेदन आए	1,20,710
आवेदनों पर कार्यवाही	1,20,321
जारी की गई कन्वेंस डीड	22,596
अस्वीकृत आवेदन	34,420
लंबित आवेदन	63,694
आवेदक के स्तर पर लंबित मामले	60,279
डीडीए के स्तर पर लंबित मामले	3,415

योजना के तहत जेलरवाला बाग में तैयार ईडब्ल्यूएस फ्लैट ● सौजन्य : डीडीए

कितनी बदली जिंदगी

संजीव गुप्ता ● जागरण

नई दिल्ली: लोकसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच मतदाताओं से एक बार फिर कई वादे किए जा रहे हैं, लेकिन जरूरत पिछली बार के वादों की हकीकत देखने की है, ऐसी ही एक योजना इन-सीटू स्लम पुनर्वास यानी 'जहां झुग्गी, वहीं मकान' योजना के तहत दिल्ली में गरीबों को फ्लैट आवंटन बहुत ही धीमी गति से हो रहा है। कवायद सालों से चल रही है जबकि कालकाजी के बाद केवल जेलरवाला बाग के ईडब्ल्यूएस फ्लैट ही आवंटित हो पाए हैं। अति महत्वाकांक्षी कठपुतली कालोनी प्रोजेक्ट में तो कई समयसीमा पूरी होने के बावजूद अब तक 50 प्रतिशत फ्लैटों का आवंटन नहीं हो सका है। यह बात अलग है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) 10 कालोनियों में 22,752 ईडब्ल्यूएस फ्लैट और बनाने जा रहा है।

सीटू डेवलपमेंट के तहत स्लम क्लस्टरों में रहने वालों के लिए है योजना: मालूम हो कि इन सीटू डेवलपमेंट के तहत स्लम क्लस्टरों में रहने वाले लोगों के लिए वहीं पर पक्के मकान बनाए जा रहे हैं, जहां वे झुग्गी में रहते हैं। ये फ्लैट पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) माडल के तहत डीडीए की देखरेख में प्राइवेट बिल्डर बना रहे हैं। अपना व्यय निकालने के लिए बिल्डरों को उस क्षेत्र का कुछ हिस्सा व्यावसायिक उपयोग के लिए दिया जा रहा है।

4.5 साल में अनधिकृत कालोनियों में रहने वाले 22,519 लोगों को ही कन्वेंस डीड जारी की जा सकी है

1396 ईडब्ल्यूएस फ्लैटों को जेलरवाला बाग में इसी वर्ष आवंटित किया गया हैं

3415 आवेदन प्रधानमंत्री उदय योजना के तहत डीडीए के स्तर पर लंबित चल रहे हैं

1,675 फ्लैटों में से 1,396 फ्लैट इसी साल जेलरवाला बाग में आवंटित किए गए

10 झुग्गी बस्तियों में कहां और कितने फ्लैट बनने हैं

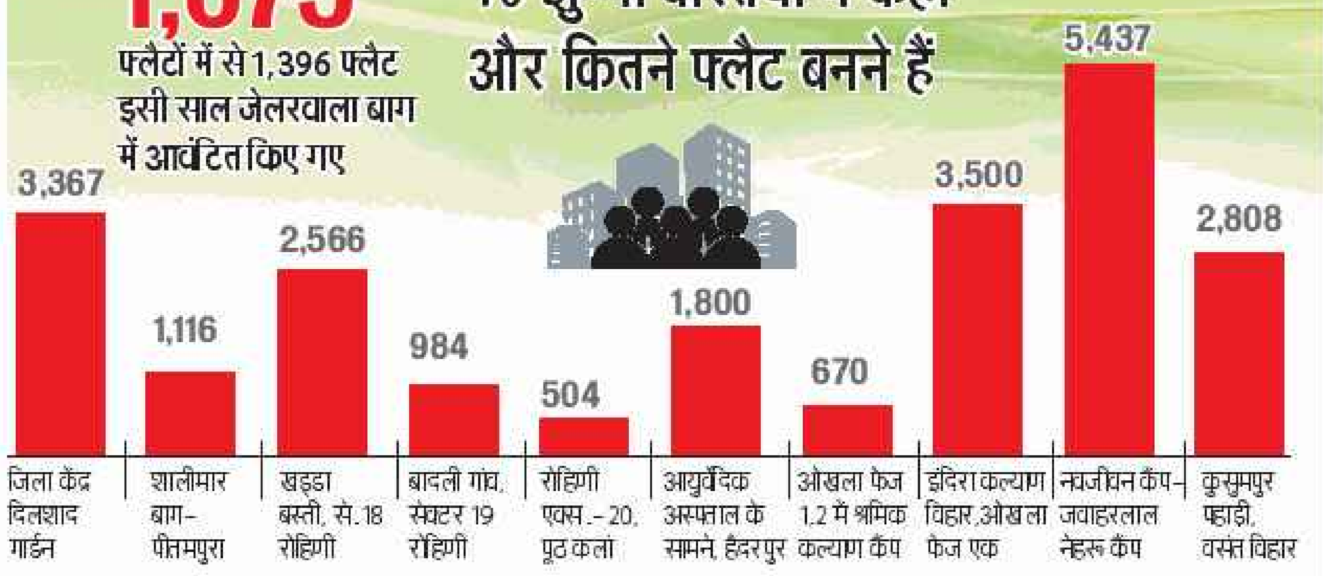

जिला केंद्र दिलशाद गार्डन	3,367
शालीमार बाग-पीतमपुरा	1,116
खड्डा बस्ती, से. 18 रोहिणी	2,566
बादली गांव, सेक्टर 19 रोहिणी	984
रोहिणी एक्स.- 20, पूठ कलां	504
आयुर्वेदिक अस्पताल के सामने, हैदरपुर	1,800
ओखला फेज 1,2 में श्रमिक कल्याण कैंप	670
इंदिरा कल्याण विहार, ओखला फेज एक	3,500
नवजीवन कैंप-जवाहरलाल नेहरू कैंप	5,437
कुसुमपुर पहाड़ी, वसंत विहार	2,808

40 लाख को मिलना था मालिकाना हक, साढ़े चार साल में केवल 22,519 को ही मिला

दिल्ली की 1,731 अनधिकृत कालोनियों में रहने वालों को संपत्ति का मालिकाना हक देने की स्कीम केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय की पहल पर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने वर्ष 2019 में शुरू की थी, लेकिन अभी तक भी यह स्कीम अपेक्षित लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी है। आलम यह है कि इसके तहत साढ़े चार साल में भी 22,519 लोगों को ही कन्वेंस डीड (सीडी) जारी की जा सकी है। आमजन को जहां डीडीए के अधिकारियों से शिकायत है, वहीं डीडीए का कहना है कि प्रक्रिया को और सरल बनाने की कोशिश चल रही है। फरवरी 2020 के विधानसभा चुनाव से पूर्व 29 अक्टूबर 2019 को इस महत्वाकांक्षी स्कीम की शुरुआत केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी के हाथों हुई थी। कहा गया था कि इससे अनधिकृत कालोनियों में न केवल बेहतर ढंग से विकास हो सकेगा बल्कि यहां रहने वालों को बैंक से ऋण भी मिल पाएगा। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने स्कीम पर सवाल उठाए, लेकिन लोगों ने फिर भी इसमें रुचि दिखाई। जानकारी के मुताबिक इस स्कीम के तहत उक्त अनधिकृत कालोनियों में रहने वाले लगभग 40 लाख लोगों को मालिकाना हक मिलना है। लेकिन चार साल में आवेदन करने वालों की संख्या जहां सवा लाख भी नहीं पहुंच पाई।

मालिकाना हक पाने की प्रक्रिया नहीं है आसान

इस स्कीम के तहत आवेदन करने वाले लोगों का कहना है कि मालिकाना हक पाने की प्रक्रिया सहज नहीं है। यदि लोग कोशिश करते भी हैं तो प्रक्रिया से संबद्ध अधिकारी गंभीरता से काम नहीं करते हैं। आवेदन अस्वीकृत हो जाते हैं। डीडीए के सूत्र बताते हैं कि पीएम उदय योजना में मालिकाना हक देने की प्रक्रिया में ज्यादातर वे अधिकारी तैनात रहे हैं, जो प्रतिनियुक्ति पर आए होते हैं। इनकी जवाबदेही अधिक नहीं होती, तो अपेक्षित परिणाम भी नहीं आते हैं। डीडीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोशिश रहती है कि हर पात्र व्यक्ति को उसकी संपत्ति को मालिकाना हक मिले। फिर भी कुछ मामलों में दस्तावेज पूरे न होने से दिक्कत आती है। प्रक्रिया को और सरल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

जेलरवाला बाग में तैयार ईडब्ल्यूएस फ्लैट इस तरह बने हैं ● सौजन्य : डीडीए

फ्लैटों का निर्माण होता जा रहा हैं, पर आवंटन में गति नहीं

विभिन्न आय वर्गों के लिए आवासीय योजनाएं लाने के साथ ही दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) स्लम पुनर्वास के तहत ईडब्ल्यूएस फ्लैट बनाने पर भी फोकस कर रहा है। इसी दिशा में कालकाजी में 3,024 फ्लैट नवंबर 2022 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पात्र झुग्गी वासियों को सौंपे थे। जेलरवाला बाग के 1,675 फ्लैटों में से 1,396 फ्लैट इसी साल आवंटित किए गए हैं। ऐसे ही कई समयसीमा पार कर चुकी कठपुतली कालोनी परियोजना में 2,800 में से 1,400 फ्लैट इसी वर्ष मार्च तक पूरे होने थे, लेकिन इनके आवंटन की दिशा में भी कुछ नया नहीं है। जानकारी के मुताबिक दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा दिलशाद गार्डन, शालीमार बाग, हैदरपुर एवं रोहिणी के अलग अलग सेक्टरों की 10 झुग्गी बस्तियों में भी जल्द ही ईडब्ल्यूएस फ्लैटों का निर्माण शुरू हो जाएगा। वहीं कालकाजी एक्सटेंशन, कुसुमपुर पहाड़ी और ओखला औद्योगिक क्षेत्र में आठ स्लम के लिए भी प्रोजेक्ट रिपोर्ट बन रही है।

भाजपा के पास सत्ता का अहंकार : राय

चुनावी हलचल

- पूर्वी दिल्ली लोस क्षेत्र से आप ने संकल्प सभा की शुरुआत की
- राय बोले-हमारे पास वोट की ताकत का अधिकार

संकल्प सभा में बोलते आप के प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ● पारस कुमार

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली: आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से 'जेल का जवाब वोट से' संकल्प सभा की शुरुआत की। त्रिलोकपुरी में दिल्ली के प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने कहा कि यदि भाजपा के पास सत्ता की ताकत का अहंकार है तो हमारे पास वोट की ताकत का अधिकार है। हम इस अपमान को बर्दाश्त नहीं करेंगे और जेल का जवाब वोट से देंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा को पता है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल बाहर रहेंगे, तो आइएनडीआइए गठबंधन दिल्ली की सातों सीटें जीत जाएगी और उसकी जमानत जब्त हो जाएगी। इसीलिए चुनाव के बीच में उन्हें जेल में डाल दिया गया। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवालों को मुफ्त बिजली, पानी, अच्छे स्कूल-अस्पताल, महिलाओं को बस में सफर, बुजुर्गों को तीर्थयात्रा की सुविधाएं दी हैं। अब हर महिला को एक हजार रुपये महीना देने की भी घोषणा की है। मोदी सरकार मुख्यमंत्री को जेल में डालकर अपमानित कर रही है, इसलिए अब चुप नहीं रहना है। हमें मिलकर जेल का जवाब वोट से देना है।

गोपाल राय ने जोशी कालोनी में 'जेल का जवाब वोट से' संकल्प सभा की। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव बिगुल बज चुका है और 19 अप्रैल को पहले चरण का मतदान है। चुनाव आचार संहिता लागू हो चुकी है और दिल्ली के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लिया गया। भाजपा की केंद्र सरकार ने सीएम केजरीवाल को जेल में डाल दिया। भाजपा वाले कहते हैं कि अरविंद केजरीवाल ने भ्रष्टाचार किया है, इसलिए उनको गिरफ्तार किया। जब देश की राजनीति में ईमानदारी की बात होती है, तो लोग केवल अरविंद केजरीवाल को ईमानदारी का आदर्श मानते हैं। दिल्ली वालों ने भाजपा के सांसदों को दस साल काम करने का मौका दिया, लेकिन उन्होंने नहीं किया। नतीजा भाजपा को सात में से छह सांसदों का टिकट काटना पड़ा।

गुजरात में चुनाव प्रचार को उतरेंगी सुनीता केजरीवाल

राज्य ब्यूरो ● जागरण

स्टार प्रचारक

नई दिल्ली: मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ईडी की ओर से गिरफ्तारी के बाद उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल अब पार्टी के प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार में उतरेंगी। गुजरात में लोकसभा चुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की सूची में सुनीता केजरीवाल का नाम शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बाद स्टार प्रचारकों में सुनीता केजरीवाल का नाम दूसरे नंबर पर है। दरअसल, अब सुनीता केजरीवाल पर पार्टी का दारोमदार है।

वह आम आदमी पार्टी को एकजुट बनाए रख सकती हैं और पार्टी के कार्यकर्ता चाहते हैं कि अरविंद केजरीवाल की अनुपस्थिति में सुनीता केजरीवाल अपनी सक्रियता बढ़ाएं। इसे ध्यान में रखते हुए पार्टी रणनीति तैयार कर रही है। पार्टी की योजना सीएम की गिरफ्तारी को मुद्दा बनाकर पर जनता से सहानुभूति लेना है। जिसके लिए भी सुनीता केजरीवाल का पार्टी के मंचों पर आना जरूरी माना जा रहा है। आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया गया था। पार्टी के लिए बेहतर माना जा रहा है कि अब सुनीता केजरीवाल को आगे बढ़ाया जाए।

- स्टार प्रचारकों में मुख्यमंत्री के बाद सुनीता केजरीवाल दूसरे नंबर पर हैं
- सुनीता केजरीवाल को आगे बढ़ाया जाना आप के लिए बेहतर माना जा रहा

अरविंद केजरीवाल ●

सुनीता केजरीवाल ●

शीर्ष नेताओं की भूमिका और जिम्मेदारी बढ़ी, कार्यकर्ता और प्रत्याशी चाहते हैं सुनीता केजरीवाल प्रचार में आएं

पार्टी सूत्रों का कहना है कि आप के राष्ट्रीय संगठन महासचिव संदीप पाठक, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, दिल्ली संयोजक गोपाल राय, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और दिल्ली की मंत्री आतिशी आदि सहित आप के अन्य शीर्ष नेताओं की भूमिका और जिम्मेदारियां बढ़ चुकी हैं। इस सब के साथ ही आप कार्यकर्ता और लोकसभा चुनाव में उतरे आप प्रत्याशी चाहते हैं कि सुनीता केजरीवाल चुनाव प्रचार में आएं। आप के एक नेता ने बताया कि गुजरात के साथ ही वह दिल्ली में भी चुनाव प्रचार करेंगी। जरूरत पड़ी तो पंजाब और हरियाणा भी जाएंगी।

आप के स्टार प्रचारकों में जेल में बंद तीनों नेताओं के नाम, अब कोर्ट से ली जाएगी अनुमति

गुजरात के लिए चुनाव आयोग को दी गई स्टार प्रचारकों की सूची में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन का नाम है। तीनों ही इस समय जेल में हैं। इनके अलावा मुख्यमंत्री की पत्नी सुनीता केजरीवाल, पंजाब के सीएम भगवंत मान, राष्ट्रीय संगठन महासचिव संदीप पाठक, राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता, सांसद संजय सिंह, राघव चड्ढा, दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय, आतिशी, सौरभ भारद्वाज, कैलाश गहलोत, इमरान हुसैन समेत 40 लोग शामिल हैं। इससे पहले आप ने कर्नाटक के लिए भी स्टार प्रचारकों की सूची चुनाव आयोग को दी थी। उसमें भी केजरीवाल और सिसोदिया का नाम था। हालांकि आप ने कर्नाटक में प्रत्याशी नहीं उतारा है, वह कांग्रेस का समर्थन कर रही है। आप ने कहा है कि जेल में बंद नेताओं से चुनाव प्रचार कराने के लिए कोर्ट से अनुमति मांगी जाएगी।

कांग्रेस छोड़कर भाजपा के साथ आए कई नेता और कार्यकर्ता

दल बदल

नई दिल्ली: लोकसभा चुनाव में एक दल को छोड़ दूसरे में जाना का सिलसिला जारी है। कांग्रेस में रहे डा. प्रवीण शर्मा, प्रतिक आनंद, भारत भूषण चंडोक, रोहित काथूरिया, प्रिंस सहरावत, कमल कपूर, संजय अनेजा, सौरभ ढल, नम्मी नामाधारी, अमित पाहुजा, पंडित रघुवीर शर्मा और अशोक मारवा सहित कई अन्य नेता अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली की पूर्व महापौर आरती मेहरा और प्रदेश भाजपा अजय सहरावत ने इन सभी नेताओं का भाजपा में स्वागत किया। सचदेवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर दूसरी पार्टियों के नेता व कार्यकर्ता भाजपा से जुड़ना चाहते हैं। (वि)

अंगुली पर लगी स्याही दिखाने पर मिलेगी होटल-रेस्तरां में 20 प्रतिशत की छूट

जागो वोटर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने और लोगों को मतदान के लिए प्रोत्साहित करने के लिए दिल्ली नगर निगम के साथ होटल और लाजिंग हाउस एसोसिएशन ने 20 प्रतिशत छूट देने की घोषणा की है। निगम के करोल बाग और नजफगढ़ जोन के तहत आने वाले होटल और रेस्तरां में यह सुविधा होगी। इसके तहत मतदान करने के बाद 24 घंटे के अंदर ही अंगुली पर स्याही दिखाकर बिल पर 20 प्रतिशत की छूट प्राप्त की जा सकेगी।

हर एक मत मायने रखता है और नागरिकों को अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना आवश्यक है। इस कार्य के लिए दिल्ली नगर निगम का जन स्वास्थ्य विभाग करोल बाग क्षेत्र के ज्यादा से ज्यादा व्यापारियों से संपर्क कर रहा है। होटल और रेस्तरां में 20 प्रतिशत की विशेष छूट के साथ अधिक से अधिक लोगों को वोट डालने और देश के भविष्य को आकार देने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया जा रहा हैं।

– **अभिषेक मिश्रा,** उपायुक्त, करोल बाग

होटल और गेस्ट हाउस एसोसिएशन महिपालपुर की ओर से 20 प्रतिशत की छूट देने के लिए कहा गया है। इस छूट का लाभ उठाने के लिए योग्य मतदाता वोट डालने के 24 घंटे के अंदर अपना कमरा बुक कर अंगुली पर स्याही का निशान दिखाकर छूट प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल लोकतंत्र को मजबूत करने और नागरिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देती है। यह छूट केवल दिल्ली में 25 मई को होने वाले मतदान के लिए ही लागू होगी। लाजिंग हाउस ओनर्स एसोसिएशन से संबद्ध होटलों में कमरे बुक करने और दिल्ली होटल एवं रेस्तरां ओनर्स एसोसिएशन के तहत प्रतिष्ठानों में 20 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

– **बादल कुमार,** उपायुक्त, नजफगढ़

बेघर भी मतदान कर लोकतंत्र के पर्व में निभाएंगे भागीदारी

राज्य ब्यूरो ● जागरण

पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में करीब 30 प्रतिशत बढ़े बेघर मतदाता

आयोग की तैयारी

नई दिल्ली: देश में रहने वाले हर नागरिक का वोट महत्वपूर्ण है, उनका अधिकार है। ऐसे में, दिल्ली के बेघर मतदाता भी लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भूमिका निभाएंगी। बेघर मतदाता यानी जिनके पास रहने के लिए न कोई स्थायी ठिकाना और कोई पहचान प्रमाण पत्र नहीं है। मजबूरी में खुले आसमान के नीचे सड़क किनारे फुटपाथ पर, फ्लाइओवर के नीचे तो रैन बसेरों में रहने को विवश हैं। इन बेघरों को मतदान का मौका मिलेगा।

दिल्ली में बेघर मतदाताओं का सर्वे कराया गया है। इसके साथ ही इन लोगों का पंजीकरण कर मतदाता पहचानपत्र बनाया गया है। इस तरह लोकतंत्र के महापर्व में बेघर लोग की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ ही चुनाव आयोग की ओर से इन्हें मतदान के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी कहा कि मतदान हर नागरिक का अधिकार है। किसी को इस अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है।

वर्ष 2019 के मुकाबले 24 सौ बेघर मतदाता बढ़े

पिछले लोस चुनाव की तुलना में इस बार बेघर मतदाता करीब 30 प्रतिशत बढ़ गए हैं। पिछले लोस चुनाव में करीब आठ हजार बेघर मतदाता थे। इससे पहले वर्ष 2014 के लोस चुनाव में दिल्ली में 7,032 बेघर मतदाता थे। इस बार के चुनाव में बेघर मतदाताओं की संख्या 10,415 हो गई है। वर्ष 2019 के लोस चुनाव की तुलना में इस बार 2,400 बेघर मतदाता बढ़े हैं।

एक ही जगह पर रहने वाले बेघरों का बना पहचान पत्र

बेघर मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाता है। इस वजह से बीएलओ सर्वे कर बेघर मतदाताओं की एक सूची तैयार करते हैं। दो-तीन बार के सर्वे किया जाता है, इस दौरार बेघर व्यक्ति अगर एक ही जगह पर लगातार रहते मिलते हैं तो उन्हें उस क्षेत्र का निवासी मान लिया जा जाता है और फिर मतदाता पहचान पत्र बनाया जाता है।

गठबंधन के तहत एक हैं आप और कांग्रेस, पर चुनाव प्रचार दिख रहे अलग

वी के शुक्ला ● जागरण

प्रचार प्रपंच

नई दिल्ली: लोकसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी और कांग्रेस में गठबंधन भले ही हो गया है, मगर चुनाव प्रचार अलग-अलग कर रहे हैं। इतना ही नहीं इनके मुद्दे भी अलग हैं। आप मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को प्रमुख चुनावी मुद्दा बना रही है और इस मुद्दे को लेकर घर-घर जा रही है, मगर कांग्रेस के चुनाव प्रचार में यह मुद्दा प्रमुख नहीं है। कांग्रेस यह तो मानती है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी गलत हुई है, मगर कांग्रेस महंगाई और बेरोजगारी को मुद्दा बना रही है। दोनों दलों के बीच अभी तक संयुक्त प्रचार कार्यक्रम को लेकर भी कोई योजना नहीं बनी है। आप सिर्फ अपने हिस्से की चार सीटों पर ही प्रचार कर रही है।

दिल्ली की तीन लोकसभा सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशियों की घोषणा के बाद उम्मीद की जा रही थी दिल्ली में चुनाव प्रचार जोर पकड़ेगा, मगर अभी ऐसा कुछ दिख नहीं रहा है। अभी चुनाव प्रचार के मैदान में भाजपा और आप ही हैं। भाजपा और आप के प्रत्याशी जुटे हैं। आप के सामने एक समस्या जरूर आ रही है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद से कार्यकर्ताओं और समर्थकों का मनोबल गिरा है। यहां तक कि आप को चुनाव में चंदा देने वाले भी अब खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं। गठबंधन के बैनर तले आप और कांग्रेस के चुनाव प्रचार की रणनीति अभी तक स्पष्ट नहीं है। हालांकि गठबंधन के समय इन दोनों दलों ने दावा किया था कि जल्द ही चुनाव प्रचार को लेकर संयुक्त टीम बनेगी और मिलकर प्रचार करेंगे। यहां तक कि रैलियां भी मिलकर करने की बात कही गई थी।

- लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए कांग्रेस और आप की संयुक्त टीमों का गठन नहीं हो सका है
- मुद्दे भी हैं अलग, आप सीएम की गिरफ्तारी तो कांग्रेस महंगाई-बेरोजगारी को बना रही मुद्दा

आप ने सातों सीट पर प्रत्याशी उतारने की घोषणा की थी

काफी प्रयास के बाद इस लोकसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन हो सका है। यह गठबंधन भी उस स्थिति में हुआ है, जब आप ने दिल्ली की सभी सातों सीटों पर प्रत्याशियों को उतारने की घोषणा कर दी थी। यह भी कहा था कि प्रत्याशियों की घोषणा में देरी से हो रहे नुकसान के चलते अब और समय नहीं लिया जा सकता है। आप ने कांग्रेस के लिए यहां तक कहा था कि आइएनडीआइ गठबंधन में हैं, इसलिए एक टिकट दे देंगे। आप ने धीरे से यह बात की भी कह दी थी कि अगर कांग्रेस गठबंधन में साथ आती है, तो उसका इंतजार रहेगा। यह बात कांग्रेस की समझ में आई और इसके बाद जल्द ही दोनों के बीच गठबंधन हो गया। जिसमें दिल्ली की चार सीटें आप और तीन सीटें कांग्रेस को मिलीं।

चुनाव प्रचार के लिए आप का जल्द ही संयुक्त टीम गठित करने का दावा

आप अपने हिस्से की चार सीटों पर कांग्रेस से पहले ही प्रत्याशी उतार चुकी थी। आप की रणनीति प्रत्याशियों को हर गली-मोहल्ले तक पहुंचा दे। दिल्ली संयोजक और कैबिनेट मंत्री गोपाल राय कहते हैं कि कांग्रेस की ओर से प्रत्याशी जब प्रत्याशी ही घोषित नहीं हुए थे, तो संयुक्त रणनीत कैसे बनती। अभी हम अपनी चार सीटों पर ही फोकस कर रहे है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि प्रचार के लिए जल्दी ही दोनों दलों की संयुक्त टीम बनेगी।

****

नई दिल्ली, बुधवार
17 अप्रैल, 2024
राजधानी
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 14+8=22

दैनिक जागरण

www.jagran.com
दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

कारावास से अधिक दर्दनाक है झूठे मुकदमे का कलंक : दिल्ली हाई कोर्ट 5
रोहित और विराट करेंगे ओपनिंग तो यशस्वी को होगी मुश्किल 10

यह चुनाव उन लोगों को सजा देने के लिए है, जो संविधान के खिलाफ हैं : प्रधानमंत्री

जागरण टीम, नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को बिहार और बंगाल में दो-दो जगहों पर चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। बिहार में उन्होंने भारत के संविधान को आस्था का केंद्र बताया और कहा कि यह चुनाव उन लोगों को सजा देने के लिए है, जो संविधान के खिलाफ है। मैं गरीब के घर से निकलकर आप सबके आशीर्वाद से यहां तक पहुंचा हूं। यह डा. राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व और बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर के संविधान की देन है। विपक्षी पार्टियां संविधान को राजनीतिक हथियार न बनाएं।

बंगाल में कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल को घुसपैठियों और अपराधियों को लीज पर दे दिया है। बंगाल सरकार घुसपैठियों को संरक्षण देती है और कानूनी शरणार्थियों को नागरिकता देने वाले सीएए का विरोध करती है। आपको इनकी अफवाह पर ध्यान नहीं देना है। पीएम मोदी बंगाल के रायगंज की रैली में सड़क मार्ग से रोड शो करते पहुंचे।

गया में एनडीए प्रत्याशी व पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी व पूर्णिया में जदयू प्रत्याशी संतोष कुशवाहा के समर्थन में आयोजित जनसभा में पीएम मोदी ने कहा कि घमंडिया गठबंधन के लोग झूठ फैलाना बंद करें। संविधान डा. राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर के दिल की कलम से लिखा गया है। यह महान है, इसे कोई बदल नहीं सकता है। संविधान को बनाने में 90 प्रतिशत से ज्यादा सत्य सनातनी थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह लोकसभा में संविधान दिवस मनाने के लिए अध्यादेश लाए थे, तो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विरोध किया था और कहा कि 26 जनवरी तो है ही। हम तो हर स्कूल में संविधान दिवस की परंपरा प्रारंभ किए हैं।

- पीएम ने गया की रैली में कहा- विपक्षी नेता देश का संविधान बदलने का गलत नैरेटिव फैलाकर कर रहे राजनीति
- पूर्णिया की रैली में कहा- राजद ने बिहार को केवल दो चीजें दीं, जंगलराज और भ्रष्टाचार
- बंगाल में रामनवमी समारोह का विरोध करने के लिए तृणमूल सरकार की आलोचना की

बिहार के गया में मंगलवार को चुनावी जनसभा के दौरान लोगों का अभिवादन करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। साथ में राजग गठबंधन के अन्य सहयोगी ● प्रेट्र

नीतीश के काम पर वोट मांग रहा राजद : पीएम मोदी ने कहा कि राजद जंगलराज और भ्रष्टाचार के लिए जाना जाता है। अब तो राजद अपने शासनकाल की बात नहीं बताकर मुख्यमंत्री नीतीश के कामों को अपना बता वोट मांग रहा है। बिहार की दुर्दशा के वो दिन याद कीजिए, जब अपहरण- फिरौती उद्योग बना था।

हम हिंदू शक्ति के उपासक : पीएम मोदी ने कहा कि घमंडिया गठबंधन हिंदू शक्ति का विनाश करने की बात करता है। घमंडिया गठबंधन के लोग सनातन को डेंगू-मलेरिया कह रहे हैं, यह सनातन का अपमान है। उन्होंने जनता से सवाल किया कि वैसे लोगों को क्या बिहार में एक भी सीट जीतने का अधिकार है। भीड़ से जवाब आया-नहीं।

सीएए का विरोध करने वालों को चेताया : राजनीतिक लाभ के लिए नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का विरोध करने वालों को पीएम मोदी ने पूर्णिया की सभा से कड़ा संदेश दिया। कहा कि सीएए का विरोध करने वाले जान लें, ये मोदी है, न डरने वाला है, न झुकने वाला।

तृणमूल अपराधियों और भ्रष्टाचारियों का अड्डा : बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज में पीएम मोदी ने कहा कि तृणमूल सरकार तोलाबाजों (रंगदारों), अपराधियों और भ्रष्टाचारियों का अड्डा बन गई है। संदेशखाली में महिलाओं पर जो जुल्म हुए, शोषण की जो घटनाएं सामने आईं उनसे पूरा देश दहल गया है व तृणमूल अपराधी को आखिर तक बचाने में लगी रही।

अबकी रामनवमी कुछ अलग

बालूरघाट में पीएम मोदी ने कहा है कि रामलला अयोध्या में अपने घर लौट आए हैं, इस वजह से इस साल रामनवमी समारोह कुछ अलग है। तृणमूल कांग्रेस पिछले वर्षों की तरह ही अब भी राज्य में रामनवमी समारोह का विरोध कर रही है। बंगाल में रामनवमी का विरोध करने के लिए तृणमूल सरकार की आलोचना की और कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस फैसले को सच्चाई की जीत करार दिया, जिसमें विहिप को हावड़ा में रामनवमी का जुलूस निकालने की अनुमति दी गई है। मोदी ने कहा कि इस साल भी तृणमूल कांग्रेस ने रामनवमी उत्सव मनाने से रोकने के लिए कसर नहीं छोड़ी, मगर सत्य की हमेशा जीत होती है।

महासमर 2024 — सभी चुनें सही चुनें

पीएम की सभाओं में मंच पर अब नजर नहीं आएंगे नीतीश » पेज 9
नेकां, पीडीपी, कांग्रेस ने युवाओं को थमाई बंदूकें, मोदी सरकार ने दिया काम : शाह » पेज 9

बैलेट से चुनाव कराने में क्या होता था, आप भूल गए होंगे, पर हमें याद है : सुप्रीम कोर्ट

कहा- किसी पर तो भरोसा करना होगा, सिस्टम को ऐसे खारिज करने की कोशिश न करें

ईवीएम-वीवीपैट मामला

- चुनाव आयोग से पूछी मतदान से लेकर मतगणना तक अपनाई जाने वाली पूरी प्रक्रिया
- अदालत ने कहा कि भारत में चुनाव कराना बहुत बड़ा काम है, यूरोप के उदाहरण यहां नहीं चल सकते

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : ईवीएम में हेरफेर की आशंका जताते हुए वीवीपैट पर्चियों की ईवीएम से 100 प्रतिशत मिलान करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सिस्टम पर संदेह नहीं करने की नसीहत दी। कहा-हमें किसी पर भरोसा करने की जरूरत है, सिस्टम को इस तरह ध्वस्त करने की कोशिश न करें। याचिकाकर्ताओं की ओर से बैलेट से चुनाव का जर्मनी का उदाहरण दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत में चुनाव कराना बहुत बड़ा काम है, इस तरह के उदाहरण न दें। बैलेट सिस्टम पर लौटने वाले यूरोप के उदाहरण यहां नहीं चल सकते। जर्मनी में पांच-छह करोड़ जनसंख्या है। भारत में 97 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं। कोर्ट ने याचिकाकर्ता संगठन की ओर से बैलेट से चुनाव की पैरोकारी कर रहे वकील प्रशांत भूषण से यह भी कहा कि जब बैलेट से चुनाव होता था, तब क्या होता था, आप भूल गए होंगे, हमें याद है।

जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने गैर सरकारी संगठन 'एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स' की ओर से दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान ये टिप्पणियां कीं। सुनवाई के दौरान वकील प्रशांत भूषण ने ईवीएम और वीवीपैट सिस्टम में हेरफेर की आशंका जताई। उन्होंने कहा कि वह यह नहीं कह रहे कि हेरफेर किया गया है, उनका तो कहना है कि हेरफेर किया जा सकता है। ईवीएम और वीवीपैट प्रोग्रामेबल चिप होते हैं और इनमें दुर्भावनापूर्ण प्रोग्राम डाले जा सकते हैं। इस पर जस्टिस खन्ना ने कहा कि मानवीय हस्तक्षेप से समस्याएं पैदा होती हैं, वहां मानवीय कमजोरियां और पूर्वाग्रह हो सकता है, लेकिन सामान्य तौर पर मानवीय हस्तक्षेप के बगैर मशीन एकदम सटीक परिणाम देगी। समस्या तब पैदा होती है, जब हेरफेर या अनधिकृत परिवर्तन करने के लिए मानवीय हस्तक्षेप होता है। यदि आप उस पर बहस करना चाहते हैं तो करें। इसके साथ ही कोर्ट ने चुनाव आयोग को मतदान से लेकर मतगणना तक अपनाई जाने वाली पूरी प्रक्रिया, आंकड़े और ईवीएम मशीन, वीवीपैट आदि की सुरक्षा की होने वाली व्यवस्था बताने को कहा। भूषण की दलीलों पर पीठ ने पूछा कि उनकी मांग क्या है। भूषण ने तीन मांगे रखीं। पहली, चुनाव बैलेट से कराए जाएं।

हमें चुनावी प्रक्रिया में आस्था बनाए रखना होगा: सुप्रीम कोर्ट » पेज 8
ईवीएम पर संदेह » संपादकीय

दिनदहाड़े बीच सड़क पर एएसआइ को गोली मारकर सफाई कर्मचारी ने की आत्महत्या

एएसआइ दिनेश शर्मा ●

हत्या का आरोपित मुकेश ●

- सफाई कर्मचारी से ब्याज की रकम लेने आया था एएसआइ, दे रखे थे पांच लाख रुपये उधार
- फायरिंग में एक स्कूटी सवार को भी लगी गोली, आटो चालक ने जाने से मना किया, तो उस पर भी चलाई गोली

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : मीत नगर फ्लाईओवर पर मंगलवार दोपहर दिल्ली नगर निगम के एक सफाई कर्मचारी ने ब्याज की रकम लेने पहुंचे दिल्ली पुलिस के एएसआइ की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद भागते समय एक आटो में बैठकर उसने खुद को भी गोली मार ली। कनपटी में गोली लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। फायरिंग में एक स्कूटी सवार युवक भी घायल हुआ है। ज्योति नगर थाना पुलिस ने मामले में हत्या, हत्या के प्रयास समेत आर्म्स एक्ट में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त पिस्टल बरामद कर ली है।

मध्य दिल्ली में स्पेशल ब्रांच में तैनात थे दिनेश शर्मा: मूल रूप से बुलंदशहर के रहने वाले एएसआइ दिनेश शर्मा परिवार के साथ जीटीबी नगर स्थित पुलिस लाइन में रहते थे। वह मध्य दिल्ली में स्पेशल ब्रांच में तैनात थे। उन्होंने नंद नगरी में रहने वाले मुकेश को ब्याज पर पांच लाख रुपये उधार दिए थे। वह मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे मीत नगर में मुकेश से मिलने के लिए गए थे। बताया जाता है कि वहां उन दोनों के बीच ब्याज की रकम को लेकर बहस हुई और इसी दौरान मुकेश ने पिस्टल निकाल कर उन पर गोलियां चला दीं। सीने में दो गोलियां लगते ही दिनेश सड़क पर गिर गए। इस दौरान मुकेश फायरिंग करता रहा जिसमें उधर से गुजर रहे स्कूटी सवार अमित नामक युवक को भी कमर में गोली लग गई। इसके बाद आरोपित वहां से भागा और एक आटो को रोककर उसमें बैठ गया। हाथ में पिस्टल देखकर चालक महमूद ने जाने से इन्कार किया, तो उस पर भी गोली चला दी। चालक ने आटो से कूदकर अपनी जान बचाई। इसके बाद मुकेश ने पिस्टल से कनपटी में गोली मारकर खुद की भी जान दे दी। पुलिस आरोपित के स्वजन से पूछताछ कर रही है। साथ ही एएसआइ और सफाई कर्मचारी की काल रिकार्ड रिपोर्ट भी चेक कर रही है। जिला पुलिस उपायुक्त डा. जाय टिर्की ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। स्कूटी सवार घायल अमित कुमार को एम्स में भर्ती कराया गया है।

संबंधित » पेज 5

अंदर पढ़ें

अक्षमता का कुबूलनामा है जल मंत्री का पत्र
नई दिल्ली : एलजी वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को खुला पत्र लिखकर जल संकट के लिए सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। कहा-पानी की किल्लत को मुख्य वजह बताते हुए जल मंत्री आतिशी ने अपनी ही सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उनका पत्र बीते 10 वर्षों के दौरान सरकार की निष्क्रियता और अक्षमता का कुबूलनामा है। ● पेज 5

झामुमो नेता के आवास सहित चार ठिकानों पर ईडी के छापे
रांची : रांची में भूमि घोटाला मामले में मनी लांड्रिंग के तहत जांच कर रही ईडी ने मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता अंतु तिर्की के आवास सहित चार ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। ● पेज 7

jagran.com वेबसाइट पर पढ़ें
इजरायल की ताकत
दुश्मनों के राकेट, ड्रोन और मिसाइल को कैसे धुआं-धुआं कर देता है इजरायल, जानिए क्या है वह तकनीक

फिल्म रिव्यू — देखें पृष्ठ » जागरण सिटी

आइपीएल — आज का मैच
गुजरात टाइटंस vs दिल्ली कैपिटल्स
शाम 7:30 बजे | स्थान: अहमदाबाद
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स/जियो सिनेमा

दैनिक जागरण सप्तरंग — सेहत भरे जीवन का
स्वस्थ व मजबूत रहे लिवर
हीमोफीलिया अब आसान हुआ उपचार
● जागरण सिटी

अभिनेता सलमान खान के घर पर गोलीबारी करने वाले गिरफ्तार

- पुलिस ने दोनों आरोपितों को गुजरात के मंदिर परिसर से दबोचा
- कोर्ट ने दोनों आरोपितों को 25 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेजा

मुंबई, प्रेट्र : बालीवुड अभिनेता सलमान खान के घर पर गोलीबारी करने के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गुजरात से गिरफ्तार किया है। कच्छ-पश्चिम के उप महानिरीक्षक महेंद्र बागड़िया ने बताया कि फायरिंग करने के बाद से फरार विक्की गुप्ता और सागर पाल को सोमवार देर रात कच्छ जिले के एक मंदिर परिसर से गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपित बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के रहने वाले हैं और उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। शुरुआती जांच से पता चला है कि दोनों आरोपितों ने फायरिंग करने से पहले तीन बार रेकी की थी।

बागड़िया ने बताया कि दोनों आरोपितों ने हमला करने के लिए 24 हजार रुपये में पुरानी बाइक खरीदी थी। हमले के दौरान सागर बाइक पर पीछे बैठा था। उसने ही पांच राउंड फायरिंग की थी। विक्की इस दौरान लारेंस बिश्नोई गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ संपर्क बनाए हुए था। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि सागर और विक्की दोनों को जेल में बंद गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई के गिरोह ने सलमान के घर पर गोलीबारी करने के लिए कहा था। मुंबई पुलिस ने दोनों आरोपितों को मुंबई की किला अदालत के सामने पेश किया, जहां से उन्हें 25 अप्रैल तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपितों द्वारा रेंट एग्रीमेंट और बाइक खरीदने के लिए जमा किए गए आधार कार्ड से पुलिस को उनकी पहचान सुनिश्चित करने में मदद मिली। बताते चलें, रविवार तड़के करीब पांच बजे मुंबई के बांद्रा इलाके में गैलेक्सी अपार्टमेंट में सलमान के घर के बाहर बाइक पर सवार दो लोगों ने गोलीबारी की थी। आरोपितों ने पनवेल इलाके में एक माह के लिए एक घर किराए पर लिया था, जहां अभिनेता का फार्महाउस है।

आरोपित विक्की गुप्ता और सागर पाल को कोर्ट ले जाती मुंबई पुलिस ● एएनआइ

घटना के बाद पहली बार दिखे सलमान, शिंदे की अगवानी की » पेज 7

कांग्रेस नेता सुरजेवाला के चुनाव प्रचार करने पर 48 घंटे तक रोक

जाब्यू, नई दिल्ली : अभिनेत्री व मथुरा से भाजपा प्रत्याशी हेमा मालिनी पर अभद्र टिप्पणी करना कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला को महंगा पड़ गया। चुनाव आयोग ने मंगलवार को उन्हें कड़ी फटकार लगाते हुए, उनके प्रचार करने पर 48 घंटे की रोक लगा दी है। यह 16 अप्रैल को शाम छह बजे से अगले 48 घंटे तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान वह किसी भी तरह के प्रचार, चुनावी रैली, सार्वजनिक बैठक, रोड शो, साक्षात्कार व मीडिया से बातचीत आदि में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। 2024 के लोकसभा चुनाव में किसी नेता के खिलाफ की गई इस तरह की यह पहली कार्रवाई है।

रणदीप सिंह सुरजेवाला

सुरजेवाला ने कैथल में (कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट) आइएनडीआइए गठबंधन के प्रत्याशी सुशील गुप्ता के पक्ष में प्रचार करते समय कहा था कि 'एमएलए-एमपी क्यों बनाते हैं? ताकि वो हमारी आवाज उठा सकें। हमारी बात मनवाएं, इसीलिए बनाते होंगे। कोई हेमा मालिनी तो है नहीं, जो चाटने के लिए बनाते हैं।' आयोग ने उनकी टिप्पणी को महिला गरिमा के खिलाफ बताया था। भाजपा ने भी इस मामले की शिकायत आयोग से की थी।

नए शिखर को स्पर्श करेगा सनातनियों का आह्लाद

रामनगरी में उत्सव

रघुवरशरण ● जागरण

अयोध्या : वह चिर अभिलाषित क्षण आ गया, जिसके लिए करोड़ों सनातनधर्मियों ने पांच शताब्दी तक संघर्ष किया। बुधवार को जन्मभूमि पर बने नव्य, भव्य और दिव्य मंदिर में जब रामलला का प्रकटोत्सव मनाया जाएगा तो अयोध्या ही नहीं, पूरे विश्व के सनातनियों का आह्लाद नए शिखर का स्पर्श करेगा।

श्रीराम जन्मोत्सव के साथ रामनगरी आस्था का नया प्रतिमान गढ़ रही है। प्राण प्रतिष्ठा के बाद से यहां उल्लास है और बुधवार को यह क्रम श्रीराम जन्मोत्सव के साथ नए शिखर का स्पर्श करेगा। जन्म के बाद 12 बजकर 16 मिनट पर रामलला का सूर्य तिलक भी होगा, इसके लिए परीक्षण सफल हो चुका है।

अनगिनत भक्तों के दबाव एवं कष्टों की चिंता किए बिना मंदिरों एवं धर्मशालाओं में डेरा जमाए श्रद्धालुओं को श्रीराम जन्म के मुहूर्त की प्रतीक्षा है। तड़के से सरयू स्नान का क्रम शुरू होगा। मध्याह्न तक यह क्रम थमेगा, तो मंदिरों में जन्मोत्सव की छटा बिखरेगी।

नौ अप्रैल को वासंतिक नवरात्र के प्रारंभ के साथ ही राम जन्मोत्सव का उल्लास परिलक्षित होने लगा था, पर मंगलवार संध्या तक इसमें तीव्र वृद्धि हुई। रामजन्मभूमि, कनकभवन, हनुमानगढ़ी जैसे प्रमुख मंदिरों सहित पुण्य सलिला सरयू से जुड़ते मार्गों पर मंगलवार की प्रथम बेला से ही उल्लास का संचार हो रहा है। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के बाद से उमड़ रहे भक्तों की संख्या रामनवमी को किस गणना को स्पर्श करेगी यह तो बुधवार को ही पता चलेगा, लेकिन मंदिर के श्रृंगार के बीच भक्तों का उल्लास गणित से परे है। अनुमान है 25 से 30 लाख भक्त रामनवमी को रामनगरी में रहेंगे।

रामजन्मोत्सव की पूर्व बेला में प्रकाश की इंद्रधनुषी छटा से सज्जित राममंदिर ● सौ.: श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट

- नव्य-भव्य मंदिर में आज जन्मेंगे रामलला, होगा सूर्य तिलक
- लाखों भक्तों के स्वागत सत्कार को प्रशासन ने कसी कमर

****

एयर क्वालिटी इंडेक्स

स्थान	दिन	AQI	श्रेणी
बुलंदशहर	आज का अनुमान	135	मध्यम
	मंगलवार	144	मध्यम
पटपड़गंज	आज का अनुमान	230	खराब
	मंगलवार	221	खराब
शादीपुर	आज का अनुमान	171	मध्यम
	मंगलवार	161	मध्यम
जहांगीरपुरी	आज का अनुमान	298	खराब
	मंगलवार	287	खराब
बवाना	आज का अनुमान	283	खराब
	मंगलवार	274	खराब
गुरुग्राम	आज का अनुमान	236	खराब
	मंगलवार	227	खराब
गाजियाबाद	आज का अनुमान	192	मध्यम
	मंगलवार	183	मध्यम
ग्रेटर नोएडा	आज का अनुमान	300	खराब
	मंगलवार	290	खराब
फरीदाबाद	आज का अनुमान	259	खराब
	मंगलवार	249	खराब
नोएडा	आज का अनुमान	216	खराब
	मंगलवार	205	खराब

0	50	अच्छा
51	100	संतोषजनक
101	200	मध्यम
201	300	खराब
301	400	बहुत खराब
401	500	गंभीर
501 से आगे		आपातकालीन

न भोजन न पानी, एअर इंडिया के यात्रियों को मिली सिर्फ परेशानी

कनाडा जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान घंटों विलंब के बाद हुई रद

गौतम कुमार मिश्रा ● जागरण

नई दिल्ली: कनाडा जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान पहले कई घंटे विलंब की भेंट चढ़ी और फिर उसे रद कर दिया गया। परेशान यात्रियों ने एयरपोर्ट पर एयरलाइंस कर्मियों को जमकर खरीखोटी सुनाई। यात्रियों का आरोप है कि एयरपोर्ट पर जो यात्री फंसे रह गए, उनके लिए एअर इंडिया ने पानी और भोजन की व्यवस्था करना भी मुनासिब नहीं समझा। उड़ान के इंतजार में बैठे 250 यात्री परेशानी में रहे। बाद में एअर इंडिया ने इस पूरे प्रकरण पर खेद प्रकट किया।

एअर इंडिया की दिल्ली से कनाडा के टोरंटो जाने वाली उड़ान संख्या एआइ-187 को आइजीआइ के टर्मिनल-3 से सोमवार देर रात पौने चार बजे उड़ान भरनी थी। अंतरराष्ट्रीय यात्रा होने के कारण यात्रियों को कस्टम व इमिग्रेशन से जुड़ी प्रक्रिया पूरी करनी थी। यात्री उड़ान के लिए तय समय से पांच घंटे पहले एयरपोर्ट पर पहुंच गए। तमाम प्रक्रिया पूरी करने के बाद जब यात्री बोर्डिंग करने वाले थे, तब उन्हें पता चला कि उड़ान में अभी विलंब होगा, तभी यात्रियों को पता चला कि यह उड़ान कई दिनों से तय समय से रवाना होने के बजाय आधा घंटे की देरी से उड़ान भर रही है। यात्रियों को लगा कि शायद उन्हें भी आधा से एक घंटे की देरी उड़ान भरना पड़े। जब काफी देर हो गई तो एअर इंडिया के कर्मियों से इस बारे में पूछते, तो उन्हें सही उत्तर नहीं मिलता। यात्रियों का आरोप है कि वस्तुस्थिति से अवगत कराने के बजाय कर्मियों का व्यवहार काफी रूखा था। वे सहयोग नहीं कर रहे थे। इस बीच यात्रियों ने हंगामा शुरू कर दिया। यात्रियों का आरोप है कि घंटों इंतजार करने के दौरान भी उन्हें भोजन और पानी नहीं मिला।

इस पूरे प्रकरण पर संजय मिश्रा नामक व्यक्ति ने अपने एक्स हैंडल से पोस्ट करते हुए, लिखा है कि विमान को रद करने के बाद यात्रियों के लिए पानी व भोजन तक का प्रबंध नहीं किया जा रहा है। उन्होंने वीडियो भी एक्स हैंडल पर साझा किया है, जिसमें यात्री परेशान दिख रहे हैं।

विलंब से परेशान यात्री एअर इंडिया कर्मी से बात करते हुए। ● वीडियो ग्रैब

एम्स में इंप्लांट मिलने में आ रही दिक्कत का मुद्दा पहुंचा मंत्रालय

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली: एम्स में मरीजों को इंप्लांट मिलने में आ रही परेशानी का मामला केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय पहुंच गया है। एम्स प्रशासन की शिकायत के मद्देनजर मंगलवार शाम को मंत्रालय में इस मामले को लेकर एक बैठक हुई।

बताया जा रहा है कि इस बैठक में एम्स में जेनरिक फार्मेसी व अमृत फार्मेसी का संचालन करने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एचएलएल लाइफ केयर को इलाज में इस्तेमाल होने वाले हर तरह के इंप्लांट की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। लेकिन अमृत फार्मेसी के प्रबंधन को हटाने की सिफारिश पर कार्रवाई नहीं की गई है। एम्स में ओपीडी में इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों को दवा उपलब्ध कराने के लिए दो तरह की व्यवस्था है। एक जेनरिक फार्मेसी से मरीजों को मुफ्त दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इस जेनरिक फार्मेसी में दवाएं सीमित होती हैं। इसके मद्देनजर दूसरे विकल्प के रूप में अमृत फार्मेसी के स्टोर हैं। जहां से ब्रांडेड दवाएं भी कम कीमत पर उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके अलावा अमृत स्टोर से इंप्लांट भी किफायती कीमत पर उपलब्ध कराने का प्रविधान है। इन दोनों फार्मेसी का संचालन एचएलएल करती है।

अस्पताल में जेनरिक दवा स्टोर व अमृत फार्मेसी के प्रबंधन को हटाने की सिफारिश पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में हुई बैठक

अगले माह मई में एम्स के साथ इस कंपनी का अनुबंध समाप्त होने वाला है। लेकिन अभी तक अनुबंध का नवीनीकरण नहीं हो पाया है। ऐसे में यदि अनुबंध नवीनीकरण नहीं हुआ तो एम्स में मरीजों को दवा मिलने में परेशानी बढ़ सकती है। संस्थान के डाक्टरों ने अमृत फार्मेसी से इंप्लांट उपलब्ध न होने की शिकायत थी। जिसके बाद एम्स ने मंत्रालय से अमृत फार्मेसी के संचालन की जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारियों को हटाने की सिफारिश की थी। एम्स के मीडिया डिविजन की प्रभारी डा. रीमा दादा ने मामले पर कुछ भी बोलने से इन्कार किया।

जल्द समाधान जरूरी » संपादकीय

नार्थ ब्लाक में आग, सभी फाइलें सुरक्षित

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: रायसीना हिल्स में गृह मंत्रालय और कार्मिक मंत्रालय वाले नार्थ ब्लाक में मंगलवार सुबह दूसरी मंजिल पर आग लग गई। सूचना पर पहुंची दमकल की सात गाड़ियों ने कुछ मिनटों में आग पर काबू पा लिया। आग के चलते कार्यालय में रखा फर्नीचर और एसी,पंखे व एक फोटो स्टेट मशीन जल कर क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि आग में कोई घायल नहीं हुआ और सभी फाइलें सुरक्षित रहीं। आग का कारण शार्ट सर्किट होना माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार जिस वक्त आग लगी उस वक्त गृहमंत्री अमित शाह इमारत में नहीं थे,मगर कई वरिष्ठ अधिकारी वहां मौजूद थे।

जानकारी के अनुसार दिल्ली दमकल विभाग को मंगलवार सुबह 9.22 बजे नार्थ ब्लाक में दूसरी मंजिल पर आग लगी थी।

फ्लाईओवर से नीचे गिरी कार, एक की मौत

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम: सुखराली से राजीव चौक की तरफ जा रही तेज रफ्तार किआ सेल्टास कार सोमवार रात साढ़े दस बजे दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे के झाड़सा फ्लाईओवर पर अनियंत्रित हो गई। कार दाहिनी तरफ डिवाइडर से टकराकर दो फ्लाईओवर के बीच वाले खाली स्थान से नीचे जा गिरी। कार में तीन लोग सवार थे। पुलिस ने इन्हें मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया था। इलाज के दौरान सेक्टर 17 के ऋषभ की मौत हो गई। वहीं दो का इलाज अब भी आइसीयू में चल रहा है।

आप का दावा, चनप्रीत सिंह ने भाजपा के लिए भी किया काम

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को दावा किया कि आबकारी घोटाले में ईडी द्वारा गिरफ्तार चनप्रीत सिंह ने कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के लिए भी काम किया है। लेकिन भाजपा इसे ऐसे पेश करने की कोशिश कर रही है, जिससे आप और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की छवि खराब हो।

ईडी ने सोमवार को दिल्ली आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में चनप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने कथित तौर पर गोवा विधानसभा चुनाव के लिए आप के फंड का प्रबंधन किया था। आधिकारिक सूत्रों ने कहा था कि चनप्रीत को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया गया है। मंगलवार को आप नेता सौरभ भारद्वाज ने भाजपा पर उनकी पार्टी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की छवि खराब करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ईडी द्वारा गिरफ्तार चनप्रीत सिंह को पिछले साल भी सीबीआइ ने पकड़ा था। उन्हें पिछले साल ही सीबीआइ कोर्ट ने जमानत दे दी थी। चनप्रीत विभिन्न पार्टियों के लिए फ्रीलांसर के रूप में काम करते हैं।

सीएम से जेल में आतंकियों की तरह व्यवहार हो रहा : संजय

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली: तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से कांच की दीवार बीच में लाकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से कराई गई मुलाकात पर आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को फिर मोदी सरकार पर हमला बोला। आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के साथ जेल में आतंकवादियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है। इससे आहत होकर केजरीवाल ने देश की जनता के नाम संदेश भेजा है। उन्होंने बताया कि केजरीवाल ने संदेश भेजकर देशवासियों से कहा है कि मेरा नाम अरविंद केजरीवाल है और मैं आतंकवादी नहीं हूं। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नफरत और बदले की भावना से ग्रसित हो अरविंद केजरीवाल के साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार कर रहे हैं। इसलिए केजरीवाल से उनके परिवार और पंजाब के सीएम की मुलाकात कांच की दीवार लगाकर करा रहे हैं।

संजय सिंह ●

जनता को भ्रमित नहीं कर सकते आप नेता : सचदेवा

वि, नई दिल्ली: दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली के लोगों की अरविंद केजरीवाल के प्रति सहानुभूति खत्म हो गई है। केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और सांसद संजय सिंह लोगों को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं, परंतु जनता सच्चाई जानती है। लोग जानते हैं कि तिहाड़ आप सरकार के अधीन है और उन्हें वहां किसी उत्पीड़न का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा, मोदी जी ऐसा करके केजरीवाल और 'आप' के नेताओं का मनोबल तोड़ना चाहते हैं।

आप ने इलेक्टोरल बांड को सही ठहराने पर भी मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। संजय सिंह ने कहा कि इलेक्टोरल बांड महा घोटाला आजाद भारत का सबसे बड़ा घोटाला है और मोदी सरकार इसके पक्ष में खड़ी है, खुद प्रधानमंत्री भी इसके समर्थन में बोलते हैं।

निशानेबाज की याचिका पर केंद्र से मांगा जवाब

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली हाई कोर्ट ने निशानेबाज मानिनी कौशिक की आगामी पेरिस ओलिंपिक के लिए ट्रायल में भाग लेने की अनुमति देने की याचिका पर केंद्र और भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआइ) से जवाब दाखिल करने को कहा है।

न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन निशानेबाज की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए अधिकारियों से याचिकाकर्ता को 18 अप्रैल से होने वाले ट्रायल में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देने के पहलू पर अगले सप्ताह तक निर्देश मांगने को कहा।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना सं. SPJW-24-BVCM300-BODY. भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मुख्य कारखाना प्रबन्धक, पू.म.रेल, समस्तीपुर के द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए अनुभवी और वित्तीय रूप से सक्षम निविदाकारों से भारतीय रेलवे के IREPS वेब पोर्टल पर ई-निविदा माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित किए जाते है:- 1. कार्य का नाम : यांत्रिक कारखाना, पू.म.रेल, समस्तीपुर में बीवीसीएम वैगनों के सुपरस्ट्रक्चर और बॉडी डिटेल्स व फिटिंग्स की आपूर्ति, फिटमेंट एवं उनके कमीशनिंग का कार्य। 2. कार्य की अनुमानित लागत : ₹13,54,02,575.00, 3. बयाना की राशि : ₹8,27,000.00, 4. निविदा बंद होने की तारीख और समय : 13.05.2024 at 15:00 Hrs., 5. ई-निविदा के लिए वेबसाइट का विवरण, जहां पूर्ण विवरण देखा जा सकता है, इत्यादि : www.ireps.gov.in.

मुख्य कारखाना प्रबन्धक/ पूमरे/समस्तीपुर

पीआर/00084/एसपीजे/यां./टी/24-25/28

U.P. POWER CORPORATION LIMITED Power Management Cell, Gomti Nagar, Lucknow-226010, Email - cepmc@uppcl.org/ cepmcuppcl@gmail.com, PROCUREMENT OF POWER ON SHORT-TERM BASIS THROUGH TARIFF BASED COMPETITIVE BIDDING PROCESS, Tender Specification No. 30/ DEEP / PMC/SUMMER 2024, Uttar Pradesh Power Corporation Limited(UPPCL) intends to buy Firm Power, for the month of June-2024 under Short Term basis. Trading licensees /Generators/State utilities /CPPS/Distribution licensees/ SEBs, across the country may offer power, from one or more than one source subject to condition that offers from each source shall not be less than 25 MW, as per the details given below :- Period : 01.06.2024 to 30.06.2024 (For month of June 2024), Duration(in Hrs.) : 19:00-24:00, Quantum(in MW) : 1000, Submission of EMD BG : 13.05.2024 (16:00) , Submission of RFP-Bid(Non financial Bid & IPOs) : 13.05.2024(16:00), Opening of RFP(Non financial Bid) : 14.05.2024 (12:00), Opening of IPO/Start of e-RA- 14.05.2024(14:00)/14.05. 2024(17:00), Request for Proposal' Activation of Event shall take place on 17.04.2024 The link for e-bidding portal and detail terms and condition of the tender is available at www.mstcecommerce.com and is also available on the website of Ministry of Power (www.powermin.nic.in) and PFC Consulting Limited (www.pfcindia.com). Bidders are requested to familiarize the above said revised guideline carefully before submitting the offer. CHIEF ENGINEER(PMC) UPPCL. R-19 Dt16-4-24

गुमशुदा लड़की की तलाश

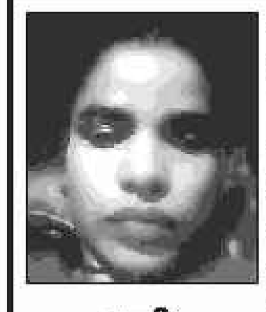

मुन्नी

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक लड़की जिसका नाम मुन्नी, पुत्री नसीर अहमद, निवासी झुग्गी नं. 415, डीडीयू कैम्प, रोड नं. 77, गांव, पश्चिमी पंजाबी बाग, दिल्ली। आयु 14 वर्ष, कद 4'9", रंग गेहुंआ, चेहरा गोल, पतला शरीर, जो पीले रंग का सूट तथा पैरों में काले रंग का चप्पल पहने हुए दिनांक 06.04.2024 को अपने घर से लापता है। स्थानीय पुलिस द्वारा हर संभव प्रयास करने के बावजूद भी इस लड़की के बारे में पता नहीं चल सका है। इस संदर्भ में एक मुकदमा प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 224/2024, दिनांक 12.04.2024 को धारा 363 भा.द.सं. के तहत थाना पंजाबी बाग, दिल्ली में दर्ज है।

यदि किसी व्यक्ति को इस लापता लड़की के बारे में कोई भी जानकारी या सूचना हो तो निम्नलिखित को सूचित करने की कृपा करें।

वेबसाइट: http://cbi.nic.in
ईमेल: cic@cbi.gov.in
फैक्स: 011-23011334
फोन नं.: 011-23014046, 23015216

थाना प्रभारी
थाना: पंजाबी बाग, दिल्ली
फोन: 8287641531, 9990009888, 8750871124

DP/4421/WD/2024

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय सोनीपत

मु. नं. 106, दिनांक 01.04.2024 धारा 346 भा.द.स.

थाना बहालगढ़ जिला सोनीपत

गुमशुदा की पहचान

नाम : अनीता
पति का नाम : औमकार
पता : वासी गांव पिलखवा जिला हापुड यूपी, हाल किरायेदार दिपालपुर बहालगढ़, सोनीपत।
उम्र : 35 वर्ष
कद : 5 फुट 5 इंच
हुलिया : रंग गोरा, लम्बूतरा चेहरा, पताल फुर्तिला शरीर कद 5 फुट 5 इंच, उम्र 35 वर्ष।
पहनावा : काले रंग का सूट सलवार व बाएं हाथ पर हिन्दी में औमकार सुरमा से लिखा हुआ है।

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अनिता पत्नी औमकार वासी थाना पिलखवा जिला हापुड बिना किसी को कुछ बताए अपने घर से कहीं पर चली गई है। जो अब तक घर वापिस नही आयी है। जिस संबंध में मुकदमा उपरोक्त दर्ज रजिस्टर है। अगर उपरोक्त गुमशुदगी बारे किसी व्यक्ति को कोई सूचना मिले तो निम्नलिखित नंबरों पर सूचित करें।

प्रबंधक थाना मोबाईल नं. : 7419410539
अनुसंधानकर्ता मोबाईल नं. : 7015952434
कंट्रोल रुम सोनीपत : 0130-2222903, 100

अपराध अभिलेख अधिकारी
कृते पुलिस उपायुक्त।
मुख्यालय, सोनीपत

PRDH-1084/11/2288/2025/26123/67/7

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, सोनीपत।

अपराधी का नाम व पता	मुकद्दमों का विवरण
1. Manohar Lal S/o Mangat Ram R/o Ploh Teh. Ambh, Distt. Una, Himachal Pradesh	FIR NO. 546 of 2015 US 279/304 IPC PS GANAUR

उपरोक्त सूची में दर्शाया गया अपराधी माननीय न्यायालय Ms. Soniya Sheokand SDJM/GNR से 82 CRPC में Warrant of Arrest जारी किए गए है। उपरोक्त अपराधी को दिनांक 08.05.2024 को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश होना है। यदि वह न्यायालय के समक्ष पेश नहीं होता है तो उसके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की जाएगी। यदि इस अपराधी के बारे में किसी भी व्यक्ति को सूचना मिलती है तो वह निम्नलिखित नम्बरों पर सूचित कर सकता है।

प्रबन्धक थाना गन्नौर 9485600329, 7419410542
कंट्रोल रूम 0130-2222903

अपराध अभिलेख अधिकारी,
कृते पुलिस आयुक्त,
सोनीपत।

PRDH-1084/11/2289/2025/26124/67/7

क्लासीफाइड

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा मुवक्किल श्री स्वामी नाथ गिरी, सीनियर सिटीजन पुत्र स्व. श्री शिव दत्त गिरी, निवासी- RZ-C-13, C- ब्लॉक, द्वारका पुरी, विजय एनक्लेव, नई दिल्ली-110045, ने अपने पुत्र राजू गिरी व पुत्रवधू पूनम कुमारी का मेरे मुवक्किल के प्रति अभद्र व्यवहार, अपराधिक प्रवृति तथा कन्ट्रोल से बाहर होने के कारण उनसे अपने सभी संबंध समाप्त कर लिए हैं तथा अपने सभी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके किए गए किसी भी कार्य या लेन देन के प्रति मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नहीं है। एस के श्रीवास्तव एडवोकेट

General public is hereby informed that my client Sh. Vijay Kumar S/o Sh. Bhagwan Dass R/o H. No. L-167, Phase- 2, Vijay Vihar, Sector-4, Rohini, Delhi-85, has disowned and debarred his son Sh. Harsh and his daughter in law Smt. Renu Wife of Sh. Harsh, due to their, misconduct and misbehaviour, from his all movable and immovable property and also has severed all connections with them and in case anybody dealing with them, will do that at his own cost and consequence and my client shall not be responsible in any manner. Dharmendar Kumar (Advocate) Ch. No.1410, Rohini Courts, Delhi.

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे मुवक्किल श्री मामराज वशिष्ठ आत्मज स्व. जी.आर. वशिष्ट एवं उनकी पत्नी श्रीमती सविता वशिष्ठ दोनों निवासी फ्लैट सं.450, एल.आई.जी. फ्लैटस, हस्तसाल, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 ने अपने ज्येष्ठ पुत्र हिमांशु वशिष्ठ से उसके हिंसक, क्रूर, स्वच्छंद, अभद्र व्यवहार, बुरे आचरण, अपने नियंत्रण से बाहर होने तथा आये दिन लड़ाई झगड़ा करने और धमकियां देने के कारण अपने सारे संबंध विच्छेद कर लिये हैं साथ ही अपनी समस्त चल और अचल संपत्ति से भी बेदखल कर दिया है भविष्य में हिमांशु वशिष्ठ द्वारा किये गये किसी भी कार्य, लेनदेन और कानूनी कार्यवाही के लिये मेरे मुवक्किल किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होंगे तथा मेरे मुवक्किल एवं उनकी पत्नी की चल और अचल संपत्ति पर हिमांशु वशिष्ठ का कोई अधिकार नहीं होगा। रीटा (अधिवक्ता)

वर्षा के आसार नहीं, तीन दिन चलेगी तेज हवा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली: फिलहाल राजधानी में अगले दो से तीन दिन वर्षा होने के आसार तो नहीं हैं, लेकिन तेज हवा का दौर रहेगा। इस दौरान हवा की गति 40 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। इसके चलते दिल्लीवासियों को गर्मी से राहत भी मिलती रहेगी। मंगलवार को सुबह से ही तेज धूप ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया, हालांकि बीच-बीच में बादलों की आवाजाही भी बनी रही।

पांचवां स्थान पाने वाली रुहानी सेंट स्टीफंस की रही हैं छात्रा

प्रथम पृष्ठ से आगे

27 वर्षीय रामकुमार तिरुअनंतपुरम स्थित कालेज आफ आर्किटेक्चर से स्नातक हैं और उनका वैकल्पिक विषय मानव विज्ञान था। केरल में कोच्चि के रहने वाले रामकुमार ने 2022 की परीक्षा में 121वीं रैंक हासिल की थी। पांचवां स्थान पाने वाली रुहानी दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कालेज से अर्थशास्त्र में स्नातक (आनर्स) हैं और उनका वैकल्पिक विषय अर्थशास्त्र था। गुरुग्राम की रहने वाली 28 वर्षीय रुहानी ने 2022 की परीक्षा में 159वीं रैंक हासिल की थी। उन्होंने 2019 में इंडियन इकोनामिक सर्विस की परीक्षा भी उत्तीर्ण की थी और वह नीति आयोग में काम कर चुकी हैं। उनके माता-पिता दिल्ली सरकार में अध्यापक हैं।

आइएएस, आइएफएस और आइपीएस में अधिकारियों का चयन करने के लिए यूपीएससी हर वर्ष तीन चरणों में सिविल सेवा परीक्षा आयोजित करता है। प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन पिछले वर्ष 28 मई को किया गया था। कुल 10,16,850 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जिनमें 5,92,141 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए थे। 14,624 अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा के लिए उत्तीर्ण हुए थे। साक्षात्कार के लिए 2,855 अभ्यर्थी चयनित हुए थे। उत्तीर्ण हुए 1,016 अभ्यर्थियों में 347 सामान्य वर्ग, 115 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, 303 अन्य पिछड़ा वर्ग, 165 अनुसूचित जाति और 86 अनुसूचित जनजाति के हैं। आयोग ने बताया कि सरकार ने 1,143 रिक्तियों की सूचना दी थी, जिनमें आइएएस में 180, आइएफएस में 37, आइपीएस में 200, विभिन्न ए ग्रुप सर्विसेज में 613 और ग्रुप बी सर्विसेज में 113 पद शामिल हैं।

COURT NOTICE

IN THE COURT OF "DR. YADVENDER SINGH", ADDITIONAL DISTRICT JUDGE - 02 (SOUTH) ROOM NO. 15, NEW COURT BLOCK 1, THIRD FLOOR, SAKET COURTS, NEW DELHI.

PC-13/2024

DHEERAJ SHARMA
Date of hearing :-03-05-2024
S/O LATE CAPT. SH SURESH KUMAR .... Petitioner
R/O H. NO. 48, M. B. ROAD, ANUPAM APARTMENT, SAIDULA JAB, MAIDAN GARHI, SOUTH DELHI, NEW DELHI-110068

V/S

STATE (NCT DELHI) .... Defendant

Whereas, the petitioner above named has applied by a petition under section 278 of the Indian succession Act, 1925, for grant of letters of Administration, or Probate or Succession Certificate in respect of the estates left by the deceased LATE SH.SURESH KUMAR S/O LATE SH. JANARDHAN SWAROOP SHARMA R/O H. NO. 48, M. B. ROAD, ANUPAM APARTMENT, SAIDULA JAB, MAIDAN GARHI, SOUTH DELHI, NEW DELHI-110068 (SCHEDULE OF ESTATES LEFT BEHIND THE DECEASED WITHIN THE JURISDICTION OF COURT), SCHEDULE OF WHO DIED ON 05-11-2013 THE PROPERTY IS H. NO. 48, M. B. ROAD, ANUPAM APARTMENT, SAIDULA JAB, MAIDAN GARHI, SOUTH DELHI, NEW DELHI-110068

Notice is hereby given to the general public having any interest in the Letters of Administration/ Succession certificate of the estate of the above named deceased may if he/she desires, appears in this court on 03-05-2024 at 10:00 a.m. and participate in the proceedings before the grant of Letter of Administrations/Probate/Succession certificate or if desire to oppose the application of the petitioner aforesaid, he/she should enter appearance in persons in this court on the aforesaid date and be prepared to adduce on that day any documentary and oral evidence which he/she may desire to adduce in support of his/her claim to opposition to the application of the petitioner aforesaid.

Given under my hand and the seal of this court on this 2nd Day of April, 2024.

(Dr. Yadvender Singh)
Addl. District Judge-02, South, Saket, New Delhi

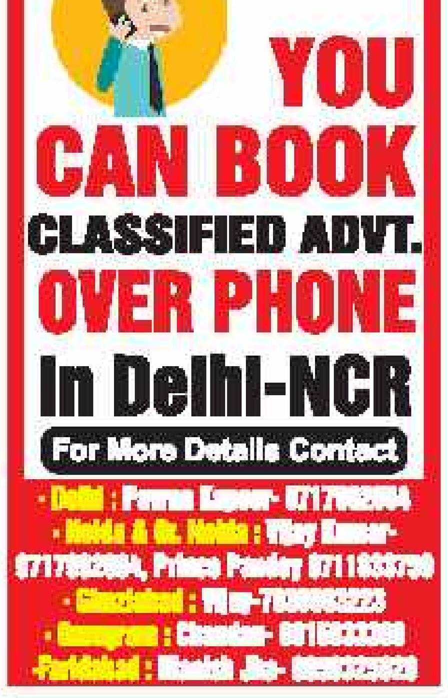

भाकृअनुप-भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान करनाल - हरियाणा

निविदा

संस्थान द्वारा निविदा के माध्यम से इच्छुक खरीदारों को धान स्क्रीन (जीरी) और गेंहू एवं जौं के फसल अवशेष के विक्रय का प्रस्ताव है। निविदा संबंधित जानकारी संस्थान की वेबसाइट https://iiwbr.org.in/announcement/ पर उपलब्ध है।

क्रम सं	सामग्री का विवरण	मात्र (कुंटल) लगभग
1	धान स्क्रीन (जीरी)	110 (कुंटल)
2	गेंहू एवं जौं के फसल अवशेष	85 (एकड़)

sd
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P. C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त हीरा लाल उर्फ दीपक पुत्र किशन लाल निवासी मकान नंबर 1735 झुग्गी AMB, नगर हैदरपुर लोहिया कैंप, दिल्ली ने FIR. No. 0680/20 U/s 379/411 IPC., के अंतर्गत थाना: शालीमार बाग, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त हीरा लाल उर्फ दीपक मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त हीरा लाल उर्फ दीपक फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि FIR. No. 0680/20 U/s 379/411 IPC., थाना: शालीमार बाग, दिल्ली के उक्त अभियुक्त हीरा लाल उर्फ दीपक से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 15.05.2024 को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
रितिका कंसल, Ld. MM,
कमरा नंबर 208, NW, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/4462/NW/2024

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, कुरूक्षेत्र।

मुकद्दमा नं. 179 दिनांक 08.04.2024 धारा 346 भा.द.सं. थाना सदर थानेसर।

गुमशुदा की तलाश

नाम - अजय ऊर्फ मांगे
लिंग : पुरूष
उम्र : 26 साल।
रंग : सांवला।

अजय ऊर्फ मांगे पुत्र सुरेन्द्र कुमार वासी गांव मथाना जिला कुरूक्षेत्र है जो दिनांक 06.04.2024 को अपने घर से बिना कुछ बताए कहीं चला गया है जिसने काले कलर की कमीज व काले रंग की पैंट पहनी हुई है। जिसके बारे अभी तक कोई सुराग नहीं पता चला है। जिस भी व्यक्ति को अजय ऊर्फ मांगे पुत्र सुरेन्द्र कुमार के बारे में कोई भी सूचना मिले तो नीचे लिखे नंबरों पर सूचित करें।

प्रबन्धक थाना सदर थानेसर-7056700112
कन्ट्रोल रूम कुरूक्षेत्र-01744-222100, 233924

अपराध अभिलेख अधिकारी
कृते पुलिस अधीक्षक, कुरूक्षेत्र।

PRDH-1084/11/2291/2025/26126/67/7

U.P. POWER CORPORATION LIMITED Power Management Cell, Gomti Nagar, Lucknow-226010, Email - cepmc@uppcl.org/ cepmcuppcl@gmail.com, PROCUREMENT OF POWER ON SHORT-TERM BASIS THROUGH TARIFF BASED COMPETITIVE BIDDING PROCESS, Tender Specification No. 29/DEEP / PMC/SUMMER 2024, Uttar Pradesh Power Corporation Limited(UPPCL) intends to buy Firm Power, for the month of MAY-2024 under Short Term basis. Trading licensees /Generators/State utilities /CPPS/Distribution licensees/ SEBs, across the country may offer power, from one or more than one source subject to condition that offers from each source shall not be less than 25 MW, as per the details given below :- Period : 01.05.2024 to 31.05.2024 (For month of May 2024), Duration(in Hrs.) : 19:00-24:00, Quantum(in MW) : 700, Submission of EMD BG : 25.04.2024 (16:00) , Submission of RFP-Bid(Non financial Bid & IPOs) : 25.04.2024(16:00), Opening of RFP(Non financial Bid) : 26.04.2024 (12:00), Opening of IPO/Start of e-RA- 26.04.2024(14:00)/26.04. 2024(17:00), Request for Proposal' Activation of Event shall take place on 17.04.2024 The link for e-bidding portal and detail terms and condition of the tender is available at www.mstcecommerce.com and is also available on the website of Ministry of Power (www.powermin.nic.in) and PFC Consulting Limited (www.pfcindia.com). Bidders are requested to familiarize the above said revised guideline carefully before submitting the offer. CHIEF ENGINEER(PMC) UPPCL. R-18 Dt16-4-24

पुलिस विभाग — जिला गुरुग्राम

नीलामी से पहले वाहन क्लेम करने की सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पुलिस कमिश्नरेट के थाना सेक्टर-65, गुरुग्राम में 18 वाहनों को विभिन्न अभियोगों, पुलिस एक्ट व मोटर वाहन एक्ट के तहत पुलिस कब्जा में लिया गया है, जिनकी कानूनी प्रक्रिया के तहत नीलामी की जानी है। अतः वाहन के मालिकों को सूचित किया जाता है कि अगले 06 माह तक वाहनों का रजिस्ट्रेशन नंबर, इंजन नंबर व चेसिस नंबर नीचे दी गई लिस्ट में चैक करके अपने वाहन के क्लेम के लिए पुलिस थाना सेक्टर-65, गुरुग्राम के मालखाना प्रभारी के मोबाइल नंबर 9654169502 पर संपर्क कर सकते हैं। इन वाहनों की लिस्ट पूर्ण विवरण सहित गुरुग्राम पुलिस की वेबसाइट http://gurgaon.haryanapolice.gov.in पर भी उपलब्ध है।

S. No.	VEHICLE NO	ENGINE NO	CHASSIS NO
1	HR28C6373	HA10EFAB9A06499	HA10EZB9A04421
2	HR26AF4917	G4HG6M8 84278	MALAB51HR6M909831
3	HR26CH8366	PAZREL86358	MD2A57AZ1ERL78398
4	HR26CW1286	DUZPGM31617	MD2A18AZ0GPM26411
5	DL1RT5164	F8DN4590090	MA3EAA67S0182818
6	HR66A3438	GLD1C50406	MA1ZP2GLKD1C29057
7	HR26DU9514	JF50E87111043	ME4JF50AHJ8111000
8	HR26DV1596	U3S5C2JN346127	ME3U3S5C2KA373238
9	HR72D8852	BE4CJ2025920	MD634BE47J2C25834
10	DL3SDC6406	0E4KF2848299	MD634KE44F2K13242
11	UP11U4096	07D15M02240	07D16C01778
12	HR26DP8271	HA10AGJHE50176	MBLHAR074JHE42724
13	UP13N2826	DXEBNH06095	MD2DSDXZZNAH05930
14	HR30J1970	F8DN3765246	MA3EYD81S01532374
15	HR55AH5348	57306	86103
16	HR72C3175	HA10ERGHL88625	MBLHA10CGGHLF9507
17	HR26EF1794	2951	80052
18	HR82 3731	HA10EJEHK34584	MBLHA10AMEHK86622

PRDH-1084/11/2281/2025/26111/67/7

****

आज का मौसम

बुधवार को आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे। 25 से 35 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाएं चलेंगी।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
17 अप्रैल	35.0	22.0
18 अप्रैल	37.0	23.0
नोएडा		
17 अप्रैल	37.0	19.0
18 अप्रैल	37.0	19.0
गुरुग्राम		
17 अप्रैल	36.0	22.0
18 अप्रैल	37.0	23.0

डिग्री सेल्सियस में

कारावास से अधिक दर्दनाक है झूठे मुकदमे का कलंक

विनीत त्रिपाठी • जागरण

- नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले में निचली अदालत के निर्णय को रद करते हुए अदालत ने की टिप्पणी
- शिकायतकर्ता ने कई बार अपना बयान बदला, आंतरिक चिकित्सा जांच से भी इन्कार कर दिया था

नई दिल्ली: नाबालिग से छेड़छाड़ मामले में दोषी करार दिए गए अपीलकर्ता को राहत देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति अनूप कुमार मेंहदीरत्ता की पीठ ने टिप्पणी की कि नाबालिग से छेड़छाड़ का झूठा मामला सामाजिक कलंक है जो मुकदमेबाजी व कारावास की कठोरता से अधिक दर्दनाक है। अपीलकर्ता को आरोपों से बरी करते हुए अदालत ने कहा कि अभियोजन के मामले में गंभीर खामियां हैं और झूठे आरोप की स्थिति में आरोपित को सामाजिक कलंक झेलना पड़ता है।

अदालत ने कहा कि एक तरफ जहां गलत तरीके से बरी करना लोगों के विश्वास को हिला देता है, वहीं गलत तरीके से सजा देना इससे भी कहीं अधिक खराब होता है। अदालत ने यह टिप्पणी भारतीय दंड संहिता की धारा 506 (आपराधिक धमकी के लिए सजा) और पाक्सो एक्ट की धारा 10 (गंभीर यौन उत्पीड़न के लिए सजा) के तहत अपराधों के लिए अपनी दोषसिद्धि को चुनौती देने वाली अपीलकर्ता की याचिका पर सुनवाई करते हुए की।

अपीलकर्ता को दोनों अपराधों के लिए पांच साल के कठोर कारावास और चार हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई थी। साथ ही शिकायतकर्ता को 20 हजार रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने कहा कि पीड़िता ने अपनी मर्जी से कई बार अपना बयान बदला। इतना ही नहीं बिना किसी ठोस कारण के आंतरिक चिकित्सा जांच से भी इन्कार कर दिया। अदालत ने कहा कि इन तथ्यों को देखते हुए आरोप को साबित करने के लिए आवश्यक मूलभूत तथ्य के अभाव में दोषी ठहराए जाने का निचली अदालत का आदेश निरस्त किया जाता है। इस मामले में पीड़िता ने आरोप लगाया था कि वह अपनी दादी, चाचा व चाची के साथ रहती है और उसके पिता का निधन हो चुका है। 12 वर्षीय पीड़िता का आरोप था कि 10 सितंबर 2016 को चाची का भाई आया था और वह उनसे मिलने चाची के कमरे में गई थी। इस बीच चाची वहां से गई तो आरोपित ने उसके साथ आपत्तिजनक हरकतें कीं। वहीं, अपीलकर्ता ने कहा था कि परिवार में विवाद होने के कारण झूठा आरोप लगाया गया था।

केजरीवाल की याचिका पर ईडी से मांगा जवाब

जासं, नई दिल्ली: आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की डाक्टर से परामर्श लेने की याचिका पर अदालत ने ईडी ने जवाब दाखिल करने को कहा। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश राकेश सयाल ने ईडी को 18 अप्रैल तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। केजरीवाल ने वीडियो कान्फ्रेंस से अपने नियमित डाक्टर से परामर्श करने की अनुमति मांगी थी। याचिका में उन्होंने कहा था कि उनके शुगर के स्तर में उतार-चढ़ाव हो रहा है और वह अपने नियमित डाक्टर से परामर्श करना चाहते हैं। उनकी याचिका का विरोध करते हुए ईडी की ओर से पेश अधिवक्ता ने दलील दी कि जेल में ऐसे मरीज के जेल में जांच की सुविधा है।

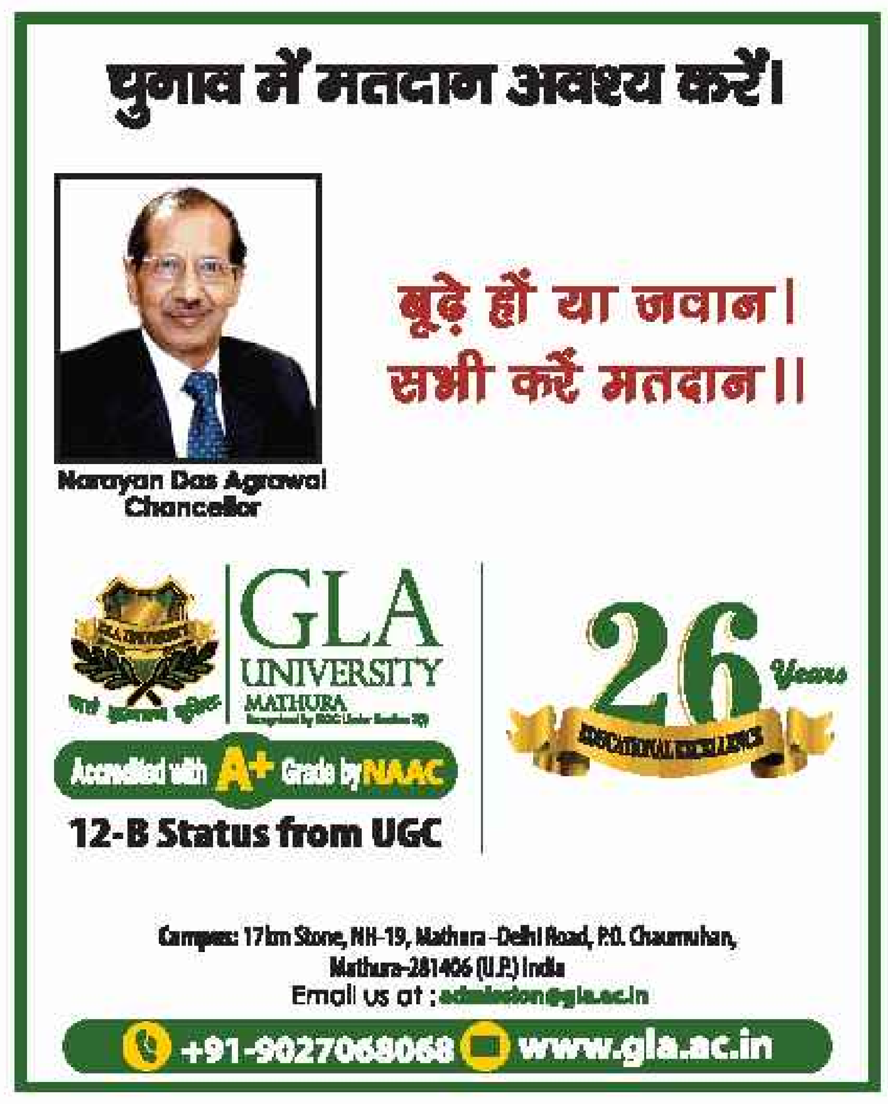

वासंतिक नवरात्र के नौवें दिन देवी के नवम स्वरूप देवी सिद्धिदात्री का दर्शन-पूजन, आराधना की जाती है। इससे भक्त के जीवन में अद्भुत सिद्धि और क्षमता प्राप्त होती है। इसके फलस्वरूप पूर्णता के साथ सभी कार्य संपन्न होते हैं। भगवान शिव ने भी इन्हीं की कृपा से सिद्धियों को प्राप्त किया था। इन्हीं की कृपा से भगवान शिव का आधा शरीर देवी का हुआ और वे लोक में अर्द्धनारीश्वर रूप में स्थापित हुए। नवरात्र के अंतिम दिन योगी साधक इन्हीं माता सिद्धिदात्री की शास्त्रीय विधि-विधान से पूजा करते हैं। माता सिद्धिदात्री चतुर्भुज और सिंहवाहिनी हैं। अचला रूप में कमल पुष्प पर आसन होती हैं। माता के दाहिनी ओर के निचले हाथ में चक्र और ऊपरी हाथ में गदा है। बाईं ओर के निचले हाथ में शंख व ऊपरी हाथ में कमल पुष्प है। कहा जाता है कि केवल नवरात्र के नौवें दिन भी कोई एकाग्रता और निष्ठा से इनकी विधिवत पूजा करे तो सभी सिद्धियां प्राप्त हो जाती हैं। सृष्टि में कुछ भी उसके लिए असंभव नहीं रहता और ब्रह्मांड पर पूरी विजय प्राप्त करने की सामर्थ्य उसमें आ जाती है। देवी को विभिन्न प्रकार के अनाज जैसे-हलवा-पूरी, चना, खीर-पुए आदि का भोग लगाने से जीवन में सब प्रकार से सुख-शांति का वरदान प्राप्त होता है।

बीज मंत्र : *ॐ ऐं ह्रीं क्लीं सिद्धिदात्र्यै नमः*

-प्रो. विनय कुमार पांडेय
पूर्व अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

एलजी ने जल संकट के लिए आप सरकार को **उत्तरदायी** ठहराते हुए सीएम को लिखा खुला पत्र, कहा-

अक्षमता का कुबूलनामा है जल मंत्री का पत्र

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली: एलजी वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को खुला पत्र लिखकर दिल्ली के जल संकट के लिए आप सरकार को कठघरे में खड़ा किया है।

वीके सक्सेना •

उन्होंने जल मंत्री आतिशी की ओर से पानी को लेकर हुई घटना पर उन्हें लिखे गए पत्र का मुद्दा उठाया है। एलजी का कहना है कि आप सरकार की नाकामियों के चलते ही दिल्ली में पेयजल की परेशानी हो रही है। वहीं मंत्री जिम्मेदारी लेने के बजाय असंवेदनशील तरीके से पत्र लिख रहे हैं।

एलजी ने अपने पत्र में कहा है कि पूर्वी दिल्ली की घटना के पीछे पानी की अपर्याप्त आपूर्ति को मुख्य वजह बताते हुए आतिशी ने अपनी ही सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उनका पत्र बीते लगभग 10 वर्षों के दौरान सरकार की निष्क्रियता और अक्षमता का कुबूलनामा है। एलजी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना दिल्ली में अपनी तरह का इकलौता मामला नहीं है। राष्ट्रीय राजधानी में पानी की कमी को लेकर पहले भी कई घटनाएं दिल्ली सरकार की विफलता के कारण सामने आ चुकी हैं। एलजी ने अपने पत्र में कुछ घटनाओं का हवाला भी दिया है। उन्होंने लिखा है कि मैं 2017 से हुई कुछ रिपोर्टों का स्नैपशाट पत्र के साथ संलग्न कर रहा हूं। पानी की समस्या बीते एक दशक के दौरान पहले से गंभीर हो गई है। खासकर उन बस्तियों में जहां गरीब रहते हैं।

एलजी ने लिखा है कि दिल्ली विधानसभा के हालिया बजट सत्र में पेश किया गया आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 कुछ हैरान करने वाले तथ्य सामने ला रहा है। बीते एक दशक में जल उपचार क्षमता 906 एमजीडी से बढ़कर 946 एमजीडी हुई है। यह मात्र 4.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी है जबकि इसी अवधि के दौरान दिल्ली की आबादी में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नतीजतन जल आपूर्ति में करीब 290 एमजीडी की कमी बनी हुई है। एलजी ने कहा है कि शहर के लगभग 2.5 करोड़ लोगों में से दो करोड़ से अधिक (यानी 80 प्रतिशत से अधिक) लोग विभिन्न स्तरों पर जलापूर्ति के लाभ से वंचित हैं। इनमें अनधिकृत कालोनियों, झुग्गी-झोपड़ियों के साथ कुछ हद तक संगठित विकसित कालोनियों के निवासी भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री के नाम लिखे एलजी के पत्र की प्रमुख बातें

- पिछले नौ वर्षों में यानी 2015 से जल बोर्ड द्वारा पूंजीगत व्यय के रूप में 28,400 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।
- पानी की चोरी और लीकेज 2015 में 45 प्रतिशत से बढ़कर 2022- 2023 में 58 %हो गई है। तुलनात्मक रूप से सिंगापुर में पानी की यह बर्बादी केवल पांच प्रतिशत है।
- अन्य भारतीय शहरों का प्रदर्शन भी दिल्ली से काफी बेहतर है- चेन्नई (35 %), मुंबई (27%), पुणे (35 %)।
- 2015 में 906 एमजीडी जल उपचारित में से केवल 498 एमजीडी का उपयोग किया गया था। 2022-23 में, 946 एमजीडी उपचारित में से बमुश्किल 397 एमजीडी का हिसाब रखा गया है।
- 250 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से खरीदे गए फ्लो मीटर पानी के रिसाव को रोकने में पूरी तरह से विफल रहे हैं।
- शहर में समृद्ध कालोनियों में रहने वाले अमीरों को चौबीसों घंटे पानी की आपूर्ति होती है और प्रति व्यक्ति प्रति दिन 500 लीटर तक पानी मिलता है, जिसका अर्थ है प्रति व्यक्ति प्रति दिन लगभग 35 बाल्टी पानी।
- अनधिकृत कालोनियों और स्लम बस्तियों में, पानी की उपलब्धता प्रति व्यक्ति प्रति दिन 50 लीटर से कम है। इनमें से कई बस्तियों में दिन में बमुश्किल आधे घंटे पानी की आपूर्ति होती है। कुछ मामलों में, पानी की आपूर्ति एक दिन के अंतराल पर की जाती है।
- दिल्ली में सात प्रतिशत घरों यानी औसतन 20 लाख लोगों को अभी भी पाइप से पानी की आपूर्ति नहीं मिलती है।
- जल बोर्ड की संचित ऋण और ब्याज देनदारी 73,000 करोड़ रुपये है।

'एलजी के लापरवाह चहेते अधिकारी पानी की समस्या के लिए जिम्मेदार'

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली: राजधानी में पानी की समस्या पर एलजी द्वारा मुख्यमंत्री के नाम लिखे गए खुले पत्र पर दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एलजी को दिए जवाब में उनके इसको दुर्भाग्यपूर्ण संदेश बताया है। आतिशी ने कहा कि यह पत्र दिल्ली की चुनी हुई सरकार के लिए एक अपमान जैसा है। मंत्री ने एलजी से कहा कि मैंने आपसे उस अधिकारी को निलंबित करने का अनुरोध किया था जो बार-बार काम में रुकावट डाल रहा है। मगर आपने उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं की। इस अधिकारी ने अपने कर्तव्यों को पूरा करने के लिए समय पर काम किया होता, तो इस गर्मी में राजधानी के सामने आने वाले संकट को टाला जा सकता था।

आतिशी •

मंत्री ने कहा कि पिछले साल 19 मई को मुख्यमंत्री ने डीजेबी को छह महीने की समय-सीमा के भीतर दिल्ली सरकार की भूमि पर ट्यूबवेल कार्यों को पूरा करने के निर्देश जारी किए थे। साथ ही उन्होंने डीजेबी के अधिकारियों को ट्यूबवेल लगाने के लिए डीडीए के साथ संयुक्त निरीक्षण करने का निर्देश दिया था। इसी तरह 5 जून, 2023 को भी डीजेबी की परियोजनाओं की एक अन्य समीक्षा में भी मुख्यमंत्री ने डीजेबी को सभी ट्यूबवेलों की कार्यक्षमता सुनिश्चित करने और अगले चार महीनों के भीतर निगरानी के लिए ट्यूबवेल समूहों की स्थापना में तेजी लाने का निर्देश दिया था। यह सब कागजों में ही रह गया। क्योंकि अधिकारियों ने इस पर काम ही नहीं किया।

दिल्ली सरकार के शिक्षा व स्वास्थ्य विभाग में हुआ भ्रष्टाचार : सचदेवा

राज्य ब्यूरो. जागरण • नई दिल्ली: भाजपा ने दिल्ली सरकार के शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि एक के बाद एक अरविंद केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार उजागर हो रहे हैं। आइएनडीआइ के कई नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। केजरीवाल सरकार व आप दिल्ली में शिक्षा व स्वास्थ्य क्रांति का दावा करती रही है, परंतु दोनों विभागों के भ्रष्टाचार सामने आ रहे हैं।

वीरेंद्र सचदेवा •

प्रेसवार्ता में सचदेवा ने वर्ष 2021 में स्कूल आफ एक्सीलेंस के लिए परियोजना प्रबंधन इकाई द्वारा काम आवंटित करने में अनियमितता का आरोप लगाया। कहा, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप और अनस एंड यंग नाम की दो कंपनियों ने बोली लगाई थी। अधिक बोली लगाने के बाद भी बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप को काम आवंटित कर दिया गया। यह कंपनी आम आदमी पार्टी से संबंधित सीमा बंसल से जुड़ी हुई है।

सचदेवा ने कहा कि पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया और शिक्षा मंत्री आतिशी को जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन से जुड़े अधिकारी आरएन दास की अध्यक्षता वाली समिति ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में दवाओं की आपूर्ति के लिए टेंडर किया था। मेसर्स तिरुपति मेडिलाइन पी लिमिटेड को काम दिया गया था। इस कंपनी का सत्यापन फेल होने के बाद भी काम आवंटित कर दिया गया। यह कंपनी आम आदमी पार्टी के नजदीकी मुदित गुप्ता और शुभम गुप्ता की है।

भाजपा की भूमिका सिर्फ सफेद झूठ फैलाना : आप

आप ने कहा है कि दिल्ली में भाजपा की एकमात्र भूमिका प्रेसवार्ता करना और सफेद झूठ फैलाना है। भाजपा जनता का ध्यान चुनावी बांड घोटाले से हटाने की कोशिश कर रही है। कथित "साउथ लिकर लाबी" किंगपिन सरथ रेड्डी से 60 करोड़ लिए और फिर उसे केजरीवाल के खिलाफ सरकारी गवाह बना दिया। भाजपा जिस भी राज्य में सत्ता में है स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में कुछ नहीं किया है। नीति आयोग ने भी पिछले 10 वर्षों से लगातार भाजपा शासित राज्यों के सरकारी अस्पतालों को सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले अस्पतालों में रखा है।

सफाईकर्मी ने हत्या की पहले से बना ली थी योजना

- पांच लाख ऋण पर ब्याज के 25 हजार रुपये हर महीने एएसआइ को दे रहा था आरोपित
- सफाई कर्मचारी ने हमेशा के लिए पीछा छुड़ाने को एएसआइ को खुद ही मिलने बुलाया था

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली: ब्याज का झंझट और उधारी खत्म करने के लिए सफाई कर्मचारी ने मंगलवार को एएसआइ को मिलने के लिए मीत नगर फ्लाईओवर के पास बुलाया था। एएसआइ दिनेश शर्मा घर से ड्यूटी के लिए तो निकले, लेकिन वह अपने कार्यालय जाने के बजाय पहले सफाई कर्मचारी से मिलने के लिए पहुंच गए। एएसआइ बिना वर्दी एक बैग लेकर अपनी बाइक से सफाई कर्मी से मिलने आए थे।

एएसआइ कुछ वर्ष पहले सफाई कर्मचारी मुकेश के संपर्क में आए थे। एएसआइ ब्याज पर लोगों को रुपये देते थे। मुकेश को रुपयों की जरूरत थी। उसने एएसआइ से करीब तीन साल पहले पांच लाख रुपये ब्याज पर उधार लिए थे। वह ब्याज के 25 हजार रुपये प्रति माह एएसआइ को दे रहा था। अधिक उधार के कारण उसकी आर्थिक स्थिति खराब होती जा रही थी। इन सबसे पीछा छुड़ाने के लिए उसने एएसआइ को मिलने के लिए बुलाया।

हत्या का आरोपित मुकेश • सौ. स्वजन

फोन काल से पता चला है कि दोनों की बात हुई थी। पुलिस को पता लगा है कि सफाई कर्मचारी ने योजना बनाकर वारदात को अंजाम दिया है। पुलिसकर्मी की हत्या के लिए उसने अवैध पिस्टल खरीदी थी। किससे खरीदी थी, पुलिस इसका पता लगा रही है।

अष्टमी की पूजा कर घर से निकले थे एएसआइ: एएसआइ के परिवार में पत्नी सुमन, दो बेटे पंकज और अंशु व एक छोटी बेटी है। उनकी सबसे बड़ी बेटी सपना दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल है, द्वारका में तैनात है। परिवार ने बताया कि 1998 में दिनेश कुमार कांस्टेबल के पद पर दिल्ली पुलिस में भर्ती हुए थे। कुछ ही दिनों पहले माडल टाउन थाने से उनका तबादला स्पेशल ब्रांच में हुआ था। बेटे अंशु ने कहा कि मंगलवार को अष्टमी की पूजा करके घर से ड्यूटी जाने के लिए निकले थे।

गोलियां चलते ही मची भगदड़: गोलियां चलते ही मीत नगर फ्लाईओवर के पास भगदड़ मच गई। पुलिसकर्मी की हत्या करने के बाद सफाईकर्मी ने जब स्कूटी सवार को गोली मारी, तो आसपास के वाहन चालक सहम गए। उन्हें डर सताने लगा कि कहीं आरोपित उन पर गोली न चला दे। गोली चलते ही वहां सवारी के इंतजार में खड़े आटो व रिक्शा चालक जान बचाने के लिए भागने लगे।

ड्यूटी के लिए गुरुग्राम जा रहा था स्कूटी सवार

हादसे में घायल स्कूटी सवार अमित कुमार परिवार के साथ प्रेम विहार में रहते हैं। परिवार में पत्नी पूजा, एक वर्ष की बेटी, मां रोशनी और भाई विनीत है। अमित गुरुग्राम की एक कंपनी में लिफ्ट मेंटेनेंस का काम करते हैं। घायल के भाई ने बताया कि अमित सुबह 10 बजे घर से गुरुग्राम जाने के लिए निकले थे। अमित फ्लाईओवर से जा रहे थे, अचानक एक शख्स ने उनकी कमर पर गोली मार दी।

1998 में दिनेश कुमार शर्मा कांस्टेबल के पद पर दिल्ली पुलिस में भर्ती हुए थे

हत्यारोपित ने दो शादियां की थीं, खर्चीली थी जीवन शैली

शुजाउद्दीन • जागरण

मुकेश की ड्यूटी मीत नगर फ्लाईओवर के पास ही थी, सुबह उसने ड्यूटी की फिर वारदात को अंजाम दिया

पूर्वी दिल्ली: सफाई कर्मचारी मुकेश ने दो शादियां की थीं। पहली शादी उसने 1999 में मीनू से की थी, जबकि 2018 में दूसरी शादी ज्योति से की थी। वह अपनी दोनों पत्नियों को नंद नगरी में अलग-अलग घर में रखता था। पहली पत्नी से उसे 14 वर्ष की एक बेटी भी है। भले ही उसने मोटा कर्ज लिया हुआ था, वह अपने लाइफ स्टाइल में कोई बदलाव नहीं ला रहा था। छह माह पहले ही उसने अपनी दोनों पत्नियों को एक-एक पामेरियन नस्ल का कुत्ता तोहफे में दिया था।

मीनू स्वामी दयानंद अस्पताल में अस्थायी सफाई कर्मचारी है। उसने बताया कि अपने पति के खिलाफ कड़कड़डूमा कोर्ट में खर्चे और साथ में रहने का केस दायर किया था। अभी मामला कोर्ट में चल रहा है। मुकेश हर माह मीनू को घर का खर्च देता था। मुकेश ने उन्हें कभी नहीं बताया कि किससे कितना कर्ज लिया हुआ था। वहीं, पड़ोसियों ने बताया कि मुकेश को सट्टा खेलने की लत थी, जिसके चलते उसके ऊपर काफी कर्ज हो गया था। मुकेश के तीन बड़े भाई विजय, सुदेश और नरेश भी दिल्ली नगर निगम में सफाई कर्मचारी हैं।

सूत्रों से पता चला है कि मुकेश की ड्यूटी मीत नगर फ्लाईओवर के पास में ही थी। मंगलवार सुबह उसने ड्यूटी की और उसके बाद वारदात को अंजाम दिया। सुबह से वह घबराया हुआ था।

प्रबीर के खिलाफ यूएपीए के तहत चलेगा मुकदमा

न्यूजक्लिक मामला

जासं, नई दिल्ली: समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक के संस्थापक व प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ के खिलाफ दिल्ली पुलिस को आतंकवाद विरोधी कानून यूएपीए के तहत मुकदमा चलाने के लिए मंजूरी मिल गई है। दिल्ली पुलिस ने पटियाला हाउस कोर्ट को इस बारे में सूचित किया है। पुरकायस्थ पर चीनी कंपनियों से करोड़ों रुपये लेकर चीन के पक्ष में भारत सरकार के खिलाफ प्रायोजित खबरें चलाने का आरोप है। अभियोजन पक्ष ने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरदीप कौर को बताया कि मंजूरी दस्तावेज मामले में पूरक आरोप पत्र के एक हिस्से के रूप में दायर किए गए हैं।

मर्यादा के अनुरूप किया आचरण ही महान बनाता है

ईवीएम पर संदेह

एक लंबे समय से यह देखने में आ रहा है कि जब भी चुनाव आते हैं, तब कुछ राजनीतिक दल, गैर-राजनीतिक संगठन और स्वयंभू तकनीकी विशेषज्ञ इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम के खिलाफ मुहिम छेड़ देते हैं। जनहित याचिकाओं को एक उद्योग में बदल चुके कुछ वकील भी इस मुहिम में शामिल होकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच जाते हैं। ईवीएम पर संदेह जताने वाले कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो मतपत्रों से चुनाव कराने की मांग करते रहते हैं। यह और कुछ नहीं, देश को बैलगाड़ी युग में ले जाने वाली मांग है। यह मांग इसके भली तरह परिचित होने के बाद भी की जाती है कि जब मतपत्रों से चुनाव होते थे, तब किस तरह मतपत्र के साथ मतपेटियां भी लूटी जाती थीं। बंगाल में पंचायत चुनावों के दौरान तो अब भी ऐसा होता है। मतपत्रों से चुनावों के दौर में केवल धांधली ही नहीं होती थी, बल्कि चुनाव नतीजे आने में भी अच्छा-खासा समय लगता था। यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम पर सवाल उठाने वालों को यह याद दिलाया कि उसे पता है कि जब मतपत्रों से चुनाव होते थे, तब क्या होता था।

हालांकि ईवीएम को लेकर उठने वाले सवालों का समाधान करने के लिए, समय-समय पर कई कदम उठाए गए और इसी के तहत अब मतदाताओं को सात सेकेंड तक वीवीपैट यानी एक पर्ची दिखती है, जिससे उन्हें पता चलता है कि उनका वोट उनकी पसंद के प्रत्याशी को गया। यह पर्ची स्वतः एक बाक्स में चली जाती है। इसके बाद प्रत्येक विधानसभा के किन्हीं पांच मतदान केंद्रों की वीवीपैट का मिलान ईवीएम से मिले नतीजों से किया जाने लगा। अभी तक इसमें कोई गड़बड़ी नहीं मिली, लेकिन इसके बाद भी यह मांग की जा रही है कि सभी वीवीपैट का मिलान ईवीएम से मिले नतीजों से किया जाए। यह और कुछ नहीं पिछले दरवाजे से मतपत्रों के युग में लौटने की मांग है। सभी वीवीपैट यानी समस्त वोटों की गिनती करने से चुनाव नतीजे आने में 10-12 दिन तो लगेंगे ही, अतिरिक्त संसाधन भी खर्च होंगे। एक मांग यह भी की जा रही है कि वीवीपैट मतदाताओं को स्पर्श करने और उन्हें ही बाक्स में रखने की सुविधा दी जाए। इसका कोई मतलब नहीं, क्योंकि जितना मानवीय दखल बढ़ेगा, गड़बड़ी होने की आशंका उतनी ही बढ़ेगी। कहना कठिन है कि ईवीएम पर जो संदेह जताए गए, उन पर सुप्रीम कोर्ट किस नतीजे पर पहुंचता है, लेकिन इतना अवश्य है कि शक का कोई इलाज नहीं। समस्या यह है कि कुछ लोगों ने ईवीएम पर उलटे-सीधे सवाल उठाने और अफवाहों को हवा देने को अपना पेशा बना लिया है। हास्यास्पद यह है कि इनमें वे राजनीतिक दल भी हैं, जो ईवीएम के जरिये हुए चुनावों के जरिये ही सत्ता तक पहुंचे हैं।

जल्द समाधान जरूरी

दिल्ली स्थित एम्स में मरीजों को इंप्लांट मिलने में आ रही समस्या निराशाजनक है। यही नहीं, अस्पताल में जेनरिक दवा स्टोर और अमृत फार्मेसी का प्रबंधन देख रही कंपनी का अनुबंध मई में समाप्त हो जाने और अनुबंध का नवीनीकरण न होने से इन स्टोर से दवाएं मिलने पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं, जो चिंताजनक है। मरीजों को अमृत फार्मेसी से विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए इंप्लांट मिलने में दिक्कत होने की कई वरिष्ठ डाक्टरों ने शिकायत की थी। इंप्लांट की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए गए थे। इस पर एम्स प्रशासन ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से अमृत फार्मेसी के संचालन का प्रबंधन संभाल रही टीम को हटाने की सिफारिश की थी। इस मामले को लेकर मंत्रालय ने मंगलवार शाम बैठक की, हालांकि फिलहाल अमृत फार्मेसी के प्रबंधन को हटाने पर कोई निर्णय नहीं हुआ है।

> यदि अमृत फार्मेसी से मरीजों को इंप्लांट उपलब्ध नहीं हो रहे हैं और उनकी गुणवत्ता ठीक नहीं है, तो फार्मेसी प्रबंधन पर कार्रवाई की जानी चाहिए

देश के सर्वाधिक प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान एम्स में मरीजों को दवाएं और अच्छी गुणवत्ता वाले इंप्लांट उपलब्ध कराए ही जाने चाहिए। यदि अमृत फार्मेसी से मरीजों को इंप्लांट उपलब्ध नहीं हो रहे हैं और उनकी गुणवत्ता ठीक नहीं है, तो फार्मेसी प्रबंधन पर कार्रवाई की ही जानी चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय और एम्स प्रशासन को इस बात की भी चिंता करनी चाहिए कि मरीजों को इन स्टोर से मिलने वाली दवाएं निर्बाध रूप से मिलती रहें। इसके लिए इन फार्मेसी के प्रबंधन का नवीनीकरण करने या किसी अन्य विकल्प पर जल्द से जल्द निर्णय लिया जाना चाहिए, ताकि नवीनीकरण न होने के कारण ये स्टोर बंद न होने पाएं और देश के दूरदराज से आने वाले मरीजों को किसी तरह की परेशानी न होने पाए।

कह के रहेंगे

माधव जोशी

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या पूर्व न्यायाधीशों का यह कहना सही है कि न्यायपालिका को दबाव में लेने की कोशिश हो रही है?

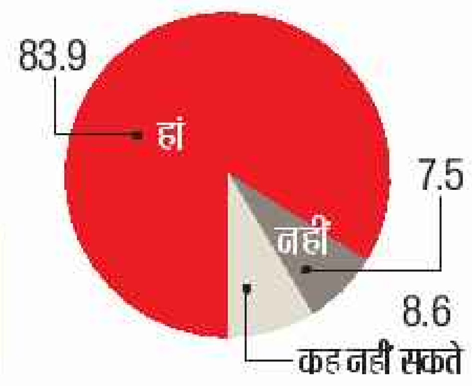

आज का सवाल
क्या चुनावी बांड से जुड़े फैसले पर पुनर्विचार की मांग सही है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है। सभी आंकड़े प्रतिशत में।

दलबदल कानून की दुर्गति

शंकर शरण

यह कोरी कल्पना है कि अधिक कठोर कानून बनाने से दलबदल रुकेगा, क्योंकि स्वयं कानून बनाने वाले ही दलबदल करते-कराते हैं

अवधेश राजपूत

आम चुनावों की घोषणा के पहले से शुरू हुआ दलबदल का सिलसिला अब तक कायम है। इससे अनेक जगह मतदाता भ्रमित होंगे कि चेहरा किसका है और चुनाव चिह्न कौनसा है? दलबदल केवल चुनाव के समय ही नहीं, बल्कि चुनाव बाद भी होता है। विधायी संस्थाओं को इससे बचाने के लिए दलबदल रोधी कानून बनाया गया, लेकिन वह भी अभीष्ट की पूर्ति नहीं कर पाया। आखिर दलबदल कानून क्यों विफल रहा? सर्वप्रथम, यह कानून अपनी बुनियाद में ही असंगत है। यूरोप, अमेरिका या अन्य किसी प्रतिष्ठित लोकतंत्र में ऐसा कानून नहीं है। न्यूजीलैंड में बना था, लेकिन वहां भी इसे जल्द हटा दिया गया। फिर पोलैंड, चेक, एस्टोनिया, लिथुआनिया और लातविया के अध्ययन से पाया गया कि सांसदों को दलबदल का अधिकार रहने से वास्तव में वहां दलीय व्यवस्था बेहतर एवं स्थिर हुई है। दक्षिण अफ्रीका का अनुभव भी ऐसा ही है। सभी जगह पाया गया कि सांसदों की स्वतंत्रता रहने से दलों में अपनी नीतियों-गतिविधियों को सुविचारित रखने की प्रवृत्ति रहती है।

जिन कुछ देशों में दलबदल विरोधी कानून हैं, वहां कोई खास उपलब्धि हासिल नहीं हुई। भारत का ही अनुभव है कि इससे केवल सत्ताधारी दलों के मैनेजरों की ताकत बढ़ती है। वे सांसदों, विधायकों पर पूर्ण नियंत्रण रखते हैं, जिससे दलों की महत्ता जनप्रतिनिधियों से भी ऊपर हो जाती है। सत्ताधारी दलों के शीर्ष पर विराजमान कुछ चुनिंदा लोग जनप्रतिनिधियों पर अपनी इच्छा थोपकर मनमाने फैसले करते हैं। दलबदल विरोधी कानून संविधान की भावना के भी विरुद्ध है। मूलतः इसीलिए यूरोपीय देशों में सांसदों को वैचारिक या कार्यगत स्वतंत्रता है। उन पर दलीय अंकुश नहीं है, क्योंकि संसद सर्वोच्च कानून-निर्मात्री संस्था है। यदि उसी के सदस्य के हाथ-मुंह बंधे हों, तब संसद में वे राजनीतिक दल के प्रबंधकों की कृपा के मोहताज रहेंगे। यह भी किसी से छिपा नहीं कि दलीय सूत्रधारों की तिकड़मों से ही अनेक सांसद और विधायक इस या उस पार्टी में आते-जाते हैं। प्रायः इसमें खरीद-बिक्री के आरोप लगते हैं। विधायकों को बसों में भर कर बंदी की तरह ले जाने के दृश्य बहुत आम दिखते हैं। दलबदल कानून न केवल निष्फल है, बल्कि इससे नेताओं का चरित्र गिरने-गिराने की प्रवृत्ति ही बढ़ी है। सांसदों, विधायकों की दलगत स्वतंत्रता रहने पर संयम, मर्यादा और नैतिकता का महत्व अधिक होता। यूरोप, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जापान आदि का यही अनुभव है। आखिर इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, जापान जैसे लोकतांत्रिक देशों में ऐसा कानून न होने से वहां कोई भगदड़ नहीं मची रहती। अमेरिकी संसद में सत्ताधारी दल की सदस्य-संख्या विपक्ष से दो-तीन कम रहने पर भी दलबदल कराकर सत्तारूढ़ की स्थिति ऊंची करने की घटनाएं नहीं होतीं।

दलबदल विरोधी कानून सिद्धांतहीन भी है। आखिर जब किसी दल के दो तिहाई सांसद/विधायकों का दूसरी पार्टी में जाना जायज है, तो दो-चार सांसद/विधायक का जाना नाजायज क्यों? इसीलिए थोक दलबदल के बाद 'असली' पार्टी और चुनाव-चिह्न वाले दावों पर न्यायालयों के फैसलों में भी विसंगति रही है। कभी वे विधायक की संख्या को आधार बताते हैं, तो कभी संगठन की बात करते हैं। जबकि पार्टी के विधायकों या सांसदों में टूट के मामलों में असली-नकली की बात ही बेमानी है। संविधान के अनुसार संख्या का मामला विधायी सदन का है। सरकार बनाने, कोई कानून या प्रस्ताव पास करने में सदन में मत संख्या का स्थान है। किसी राजनीतिक दल की वैधता उसके सांसद/विधायक की संख्या से तय करना असंगत है। इसीलिए न्यायालय और चुनाव आयोग के निर्णय अंतर्विरोधी होते रहे हैं। यह स्थिति पुनर्विचार की मांग करती है। दलबदल को कानून द्वारा रोकना असंभव सा है। कानून बनाकर कभी भी चरित्र या नैतिकता नहीं सुनिश्चित होती। जब नैतिकता और चरित्र हो, तभी अच्छा कानून बनता है। यह कोरी कल्पना है कि कठोर कानून बनाने से दलबदल रुकेगा, क्योंकि स्वयं कानून बनाने वाले ही दलबदल करते-कराते हैं। रोग की जड़ कहीं और है। राजनीतिक दल कोई राजकीय संस्थान नहीं हैं। वे अन्य सामाजिक, व्यापारिक संस्थाओं की तरह स्वैच्छिक संस्था हैं। इससे राज्य और संविधान का कोई लेनादेना नहीं। इसलिए दलों को विशेष महत्व न देकर अन्य संस्थाओं की तरह सामान्य एवं जवाबदेह बनाया जाए। गड़बड़ी यही हुई है कि समय के साथ हमारे राजनीतिक दल अनुचित महत्व हासिल कर राजकीय उपकरण बन गए हैं, जबकि संविधान ने राजनीतिक दलों का नोटिस तक नहीं लिया था। जैसे कोई एक कंपनी छोड़ दूसरी कंपनी में काम करने के लिए स्वतंत्र है, वही स्थिति दलों और उनके सदस्यों की भी होनी चाहिए।

आखिर आम मतदाता भी समय-समय पर अपना वोट इस पार्टी के बदले अन्य को देते हैं। वही अधिकार किसी सांसद, विधायक को भी है। संविधान ने इस पर कोई रोक नहीं लगाई थी। कानून बनाकर इसे रोकने से केवल सत्ताधारी दल के मैनेजरों को ही ताकत मिली, जो अपने विधायकों-सांसदों पर लगाम लगाए रखते हैं और दूसरे दलों के विधायक-सांसद तोड़ते हैं। ऐसे में यह कानून न केवल निष्फल और अदृश्य पार्टी मैनेजरों को अनुचित ताकत देता है, बल्कि विधायक, सांसद के स्वतंत्र विचार और कार्य-अधिकार को भी बाधित करता है। इसीलिए किसी पुराने परिपक्व लोकतंत्र में ऐसा कोई कानून नहीं, क्योंकि यही मानवीय स्वतंत्रता-गरिमा के अनुकूल है।

हमारी संसद, चुनाव आयोग तथा सुप्रीम कोर्ट को प्रतिष्ठित लोकतंत्रों के आदर्श व्यवहारों का आकलन कर देश में भी राजनीतिक दलों के विशेषाधिकार खत्म करने चाहिए। दल और राज्य का घालमेल बंद होना चाहिए। दलों को भी अन्य सामाजिक संस्थाओं की तरह अपने आय-व्यय के लिए समान रूप से सार्वजनिक स्तर पर उत्तरदायी बनाना चाहिए। तभी दलों की ओर संदिग्ध, लोभी और अयोग्य लोगों का आकर्षण घटेगा। जब राजनीतिक दल अन्य सामाजिक संस्थाओं की तरह जवाबदेह बनाए जाएंगे, तभी उनके अनुपयुक्त तत्वों द्वारा राज्य-तंत्र का दोहन करने की आशंका घटेगी। तब स्वतः अनेक बुराइयां कम हो जाएंगी, जो अभी दलों को तरह-तरह के कानूनों से छूट तथा अन्य कई विशेषाधिकार मिल जाने से बनी हुई हैं। मुख्य ध्यान इस बिंदु पर ही देना चाहिए। यही न्यायोचित और संविधानसम्मत भी होगा।

(लेखक राजनीतिशास्त्र के प्राध्यापक एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

response@jagran.com

जन-जन तक पहुंचे श्रीराम का संदेश

प्रवीन लखेड़ा

आज प्रभु राम की वंदना करने के साथ यह भी आवश्यक है कि हम उनके दिखाए मार्ग पर भी चलें

सदियों बाद रामनवमी एक ऐसे अवसर पर मनाई जा रही है, जब रामलला अयोध्या में अपने जन्मस्थान पर निर्मित भव्य मंदिर में विराजमान हैं। इसीलिए इस बार रामनवमी का विशेष महत्व है और देश के साथ विदेश में भी उसे लेकर अतिरिक्त उत्साह है। जन-जन के आराध्य भगवान राम अधर्म पर धर्म की जीत के प्रतीक और पर्याय हैं। होली, दीवाली, दुर्गा-पूजा, कृष्ण जन्माष्टमी की तरह रामनवमी भी यही संदेश देती है कि अंत में धर्म की ही विजय होती है और इसलिए मनुष्य को सदैव धर्म के पथ पर चलना चाहिए। हमारे प्राचीन ऋषि-मुनियों ने हमेशा धर्म, सत्य और ज्ञान को अपना आधार बनाया। ज्ञान, जो हमें अज्ञान रूपी अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। उनके लिए धर्म वह है, जो सदाचरण के मार्ग पर चलना और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना सिखाता है। राम भारतीय संस्कृति में धर्म, सत्य, शौर्य, शील, संयम, विनम्रता आदि गुणों के प्रतीक हैं। इन गुणों के कारण ही हम उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में जानते हैं। रामनवमी का पर्व उस आराध्य के प्रति समर्पण है, जो स्वयं सदैव धर्म के मार्ग पर चले और जिन्होंने अन्य सभी को धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। इसी कारण रामकथा न सिर्फ भारत, बल्कि अन्य देशों, जैसे म्यांमार, कंबोडिया, नेपाल, थाइलैंड, मलेशिया और इंडोनेशिया आदि देशों में महत्व रखती है।

अपने आराध्य भगवान श्रीराम के जन्मस्थान अयोध्या में बने मंदिर को पुनः प्राप्त करने के लिए 500 वर्षों तक जो संघर्ष चला, उसमें असंख्य लोगों ने बलिदान दिया। यह भारतीय संस्कृति और उसकी सहिष्णुता की विशेषता ही है कि सब कुछ जानने के पश्चात भी हिंदू समाज ने अपने एक सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल की वापसी के लिए न्यायालय के निर्णय की प्रतीक्षा की। ऐसी ही प्रतीक्षा वह मथुरा और काशी के अपने धार्मिक स्थलों को लेकर कर रहा है। यदि स्वतंत्रता के उपरांत तत्कालीन सरकार चाहती तो सोमनाथ मंदिर की तरह अयोध्या, काशी और मथुरा के मंदिरों से जुड़े विवादों का भी समाधान कर सकती थी। ध्यान रहे कि पोलैंड की सरकार ने आजादी मिलने के बाद सबसे पहला काम रूस की गुलामी के समय बनाए गए आर्थोडाक्स चर्च को हटाकर किया था, किंतु छद्म पंथनिरपेक्षता और संकुचित सोच के कारण भारत में ऐसा नहीं हो सका।

श्रीराम के आदर्श अपनाने का समय ● फाइल

श्रीराम हजारों वर्ष बाद भी भारतीय संस्कृति का आधार बने हुए हैं तो इसीलिए कि वह हमारी चेतना में समाए हैं। राम जन्मस्थान पर बने मंदिर की तरह विदेशी आक्रमणकारियों ने हमारे अन्य अनेक मंदिरों को तोड़ा, लेकिन वे हमारे मनोबल और धार्मिक विश्वासों को नहीं तोड़ सके, क्योंकि हमारे आराध्य हमें संबल देते रहे। राम केवल इसलिए हमारे आराध्य नहीं हैं कि वनवासी जीवन व्यतीत करते हुए उन्होंने शक्तिशाली रावण को पराजित किया। वह इसलिए भी पूजनीय हैं, क्योंकि वह विनम्र और मर्यादित रहे और उन्होंने सदैव धर्म का अनुसरण किया। वैदिक संस्कृति के अनुसार सत्य के मार्ग का अनुसरण करते हुए उचित-अनुचित का ध्यान रखकर अपने कर्तव्यों का पालन करना ही धर्म है। राम ने अपने जीवन में छात्र-धर्म, पुत्र-धर्म, भ्रातृ-धर्म, पति-धर्म, मित्र-धर्म, राज-धर्म का आदर्श रूप में पालन कर एक अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। राम के चरित्र को जानकर ही हम समझ सकते हैं कि भारतीय दर्शन में कर्तव्य-पालन का क्या महत्व है। राम ने धर्म के मार्ग पर चलकर अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए जो आदर्श स्थापित किया, वह आज भी हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है। राम अपने पिता दशरथ के बाद अयोध्या की राजगद्दी संभालते, किंतु माता कैकेयी ने अपने पुत्र भरत के लिए राजगद्दी और राम के लिए वनवास की मांग कर दी। कैकेयी को दिए गए वचन की प्रतिज्ञा में बंधे राजा दशरथ को जब यह सूझ नहीं रहा था कि वह कैसे राम को वन जाने के लिए कहें, तब राम को जैसे ही पिता की समस्या का भान हुआ, उन्होंने राजसी वैभव त्यागने में संकोच नहीं किया। जहां इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा है कि राजगद्दी के लिए पुत्रों ने पिता और भाई ने भाई को खत्म किया, वहां राम ने पिता के वचन की रक्षा के लिए अनुज भरत के लिए राजगद्दी त्याग दी। विश्व ऐसे उदाहरणों से भी भरा पड़ा है कि राजाओं ने दूसरे राज्यों को विजित कर उन्हें अपने अधीन कर वहां शासन किया, लेकिन राम विभीषण को लंका का शासन सौंपकर अयोध्या लौट आए। वनवास की अवधि में जब राम पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ वन की ओर गए, तब निषादराज ने उन्हें अपने यहां रुकने का आग्रह किया। यदि वह वहां रुक जाते, तब भी अपने पिता की आज्ञा का पालन करते, लेकिन उन्होंने निषादराज के अनुरोध को अस्वीकार कर कैकेयी की इच्छा का अक्षरशः पालन करने के लिए वन प्रस्थान करना पसंद किया। वनवास की अवधि में जब शबरी ने राम को आमंत्रित किया तो उन्होंने उनका आतिथ्य स्वीकार कर यह स्पष्ट संदेश दिया कि न कोई छोटा है-न बड़ा और न कोई ऊंचा है और न नीचा। यदि हमें जातिगत भेदभाव से पूर्ण रूप से मुक्त होना है तो श्रीराम के आदर्शों पर चलना ही होगा। आज चुनावों के अवसर पर हम इस कटु सत्य से मुंह नहीं मोड़ सकते कि कैसे कुछ लोग नागरिक-धर्म एवं मानव-धर्म की अनदेखी कर जातीय स्वाभिमान और गौरव के नाम पर समाज को विभाजित करने का प्रयत्न कर रहे हैं।

प्रभु श्रीराम हमारी धार्मिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर के प्रतीक हैं। हमारे लिए आज आवश्यक केवल यह नहीं है कि हम राम की वंदना करें। यह भी आवश्यक है कि हम उनके दिखाए मार्ग पर चलें और जन-जन तक उनका संदेश पहुंचे। ऐसा करके ही हम रामराज्य की स्थापना के स्वप्न को साकार कर पाएंगे।

(लेखक इतिहासकार हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

राम का प्राकट्य

महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के माध्यम से विश्व को राम नाम की महिमा से परिचित कराया। महर्षि वाल्मीकि को 'रामनाम' की महत्ता के बारे में देवर्षि नारद ने बताया था। उसके उपरांत वाल्मीकि जी के जीवन की धारा ही बदल गई। महर्षि वाल्मीकि ने नारद जी की देखरेख में इतनी गहरी साधना की कि उनकी जिह्वा से नहीं, बल्कि नाभि और त्वचा के रोम रोम से 'राम' शब्द निकलने लगा। जब गहरी साधना होती है तब यह स्थिति स्वभावतः हो जाती है और कुंडलिनी जागृत हो जाती है। कुंडलिनी वह कुंड है जहां से नलिनी (कमल) खिलती है। भगवान विष्णु की नाभि से खिले कमल पर ही ज्ञान एवं सृजन के देवता ब्रह्मा विराजमान होते हैं। वस्तुतः, योग-सिद्धि के बाद किसी भी व्यक्ति की यह स्थिति हो जाती है कि फिर ब्रह्म को वह बाहर नहीं, अपितु अपने भीतर ही खोजता है।

प्रायः पूजा-पाठ के समय अधिकांश उपासक आंख बंद कर आकाश या मंदिर तथा आश्रम आदि में अधिष्ठापित पत्थर, धातु, लकड़ी, प्लास्टिक या फाइबर आदि के देव विग्रह पर ध्यान लगाते हैं, लेकिन वाल्मीकि या उन जैसे सिद्धपुरुष बाह्य-यात्रा से विरत होकर अंतर्जगत की यात्रा आरंभ करते हैं। बाहर की मूर्तियों पर ध्यान सिर्फ इसलिए लगाने के लिए बताया गया कि उपासक यह जाने कि भगवान की जिस मूर्ति पर ध्यान केंद्रित किया गया, उस भगवान के कौन-कौन से कार्य थे, जिनसे वे पूजनीय हुए। बस पूजनीय कार्यों को मन के साफ्टवेयर में डाउनलोड करते ही भगवान के करीब पहुंचना सहज हो जाता है। एक दिव्य प्रकाश दिखाई पड़ता है तथा परम आनंद की अनुभूति होने लगती है। जीवन की सार्थकता सिद्ध होने लगती है। तब खुद ही महसूस होने लगता कि जीवन की कुशलता के लिए कौशल्या के गर्भ से 'राम' प्रकट हो गए हैं। तब दैवीय आकर्षण की आभा से अंतस का साक्षात्कार होता है। ऐसी स्थिति में महल, सत्ता और वाह्य आकर्षण सब फीके लगने लगते हैं। हमें उसी स्थिति के लिए प्रयासरत रहना चाहिए।

सलिल पांडेय

पाठकनामा

pathaknama@nda .jagran.com

भविष्य के बारे में सोचते पीएम मोदी

'चुनाव बाद की तैयारी में मोदी' शीर्षक से प्रकाशित आलेख में संदीप घोष ने प्रधानमंत्री मोदी की अपने लक्ष्य को लेकर प्रतिबद्धता एवं भारत के भविष्य को लेकर गंभीरता का अच्छा विश्लेषण किया है। जहां मोदी इतने आत्मविश्वास से भरे हुए हैं कि उन्हें अपनी जीत का भरोसा है और वह बिना कोई समय गंवाए अपने सौ दिन के एजेंडे का सोचकर आगे बढ़ रहे हैं। वहीं, विपक्ष कोई कारगर वैकल्पिक एजेंडा प्रस्तुत नहीं कर पाया है और केवल मोदी विरोध के भरोसे चुनाव में जुटा है। चुनावी वादों में कांग्रेस तीस लाख सरकारी नौकरियों की भर्ती का वादा करके अपनी पीठ थपथपा रही है, लेकिन जिस देश में हर महीने कामकाज योग्य आबादी में लाखों का जुड़ाव हो जाता हो वहां इतनी नौकरियों की पेशकश सागर में एक बूंद सरीखी हैं। दूसरी ओर, मोदी कौशल विकास और उद्यमिता को प्रोत्साहन देकर नए दौर की नौकरियों के सृजन की आकांक्षा जगा रहे हैं। लेखक ने मोदी और अमित शाह की जुगलबंदी का भी बढ़िया विश्लेषण किया है कि अपने वादों को पूरा करने के लिए यह जोड़ी कितने जी-जान से चुनाव अभियान में लगी हुई है।

केशव तिवारी, आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश)

लोकतंत्र से छल

संपादकीय आलेख 'लोकतंत्र से छल' में इस बार लोकसभा चुनाव के पूर्व विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपनी तरफ मोड़ने के लिए उनके बीच शराब और नकदी के वितरण पर चिंता जताते हुए सही कहा गया है कि इस तरह की घिनौनी हरकतें लोकतंत्र से छल करने जैसा है। लोकसभा चुनाव के 75 साल के इतिहास में इस बार देश में संदिग्ध रूप से ले जाई जा रही नकदी, नशीले पदार्थ, शराब, कीमती धातुओं और मुफ्त बांटी जाने वाली वस्तुओं की सर्वाधिक जब्ती की गई। राजस्थान जब्ती के मामले में देश में पहले स्थान पर है। प्रदेश में जब्ती का आंकड़ा 812 करोड़ रुपए पार हो गया है, इसमें से आचार संहिता के दौरान एक माह में पकड़ी गई नकदी व अन्य वस्तुओं की कीमत 712 करोड़ रुपए से ज्यादा है। चुनाव आयोग से मिले आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में बीते 44 दिनों में 11.28 करोड़ नकद के अलावा कुल 236 करोड़ रुपये के अवैध सामान बरामद किए गए हैं। इसमें बहुमूल्य धातु और चुनाव में मुफ्त सामान बांटने जैसी चीजें भी हैं। 18वीं लोकसभा के लिए शुक्रवार को पहले चरण का मतदान शुरू होने से पहले धनबल के खिलाफ निर्वाचन आयोग के संघर्ष की दृढ़ता के साथ प्रवर्तन एजेंसियों ने 4650 करोड़ से अधिक रुपये की रिकार्ड जब्ती की। अधिक राजनीतिक वित्तपोषण के अलावा काले धन का उपयोग और उसका सटीक पर्दाफाश, विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्रों में अधिक साधन संपन्न पार्टी या उम्मीदवार के पक्ष में समान अवसर को बिगाड़ सकता है। यह बरामदगी लोकसभा चुनाव को प्रलोभन और चुनावी कदाचार से मुक्त कराने और समान अवसर सुनिश्चित करने के ईसीआइ के संकल्प का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। आयोग ने लगभग 106 सरकारी सेवकों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की है, जो चुनाव प्रचार में राजनेताओं की सहायता करते हुए आचार संहिता और निर्देशों का उल्लंघन करते हुए पाए गए। आने वाले दिनों में अभियान तेज होने के साथ, आयोग अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रलोभन मुक्त चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए अपनी सतर्कता बढ़ाने के लिए तैयार है।

युगल किशोर राही, ग्रेटर नोएडा

विपक्ष का भ्रामक प्रचार

संदीप घोष ने अपने आलेख "चुनाव बाद की तैयारी में मोदी" सटीक विश्लेषण किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "अबकी बार चार सौ पार" के नारे के विषय में राजनीतिक पंडितों की अलग-अलग राय आ रही है। जहां मोदी में सत्ता में वापसी के लिए पूर्ण आत्मविश्वास की झलक दिखाई पड़ रही है। वहीं विपक्षी खेमे का हौसला पस्त होता नजर आ रहा है। विपक्षी खेमा डरा हुआ और भयभीत है। उसे विपक्ष को रौंदने के प्रयास के साथ तानाशाही की ओर बढ़ता हुआ कदम दिखाई पड़ रहा है। राहुल गांधी आजकल आरोप लगाते हुए अपनी हर सभा में एक रटा-रटाया टेप बजा रहे हैं कि भाजपा की योजना संविधान बदलने और लोकतंत्र के मूल स्वरूप को बदलने की तैयारी हो रही है। ऐसी मनगढ़ंत बातों से अंतरराष्ट्रीय मीडिया में गलत संदेश जा रहा है। विपक्ष के भ्रामक प्रचार से अंतरराष्ट्रीय मीडिया भी प्रभावित होकर विपक्ष के आरोपों में अपना सुर मिलाने लगता है परंतु मोदी भ्रामक आरोपों की चिंता किए बिना अपनी चुनावी सभाओं में विपक्ष को सटीक उत्तर देकर जनता के मनोबल को टूटने नहीं देते हैं। पिछले दस वर्षों में मोदी ने डबल इंजन सरकार की महत्ता को समझा है। राज्य और केंद्र सरकार के आपसी तालमेल से ही विकास का एजेंडा प्रगति कर सकता है। भाजपा और मोदी 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। ऐसा भारत, जो मुफ्त रेवड़ियां के बजाय समृद्ध भारत की राह चुनेगा।

बीरसैन सरल, गाजियाबाद

पोस्ट

एक समय था जब ऊल जलूल बयान को 'डाक्टर्ड' कहकर बचा जाता था। आजकल इसको 'डीप फेक' और 'एआइ' कहकर संबोधित किया जाता है।

संकेत उपाध्याय@sanket

डीप फेक एक बड़ी चुनौती के रूप में उभर रहा है। जब देश में चुनाव चल रहे हैं तब किसी के चेहरे और आवाज के साथ छेड़खानी कर जनता में भ्रम फैलाने से रोकना होगा। चुनाव आयोग को इस चुनौती से निपटने के लिए उपाय करने चाहिए।

आस्था कौशिक@ASTHAKAUSHIIK

लालू जी गिरफ्तार हुए तो लोकतंत्र खतरे में नहीं पड़ा। जयललिता जी गिरफ्तार हुईं, तब भी लोकतंत्र जिंदा रहा। केंद्रीय मंत्री ए. राजा से लेकर कनिमोई और हेमंत सोरेन से लेकर छगन भुजबल गिरफ्तार हुए तो तानाशाही नहीं आई, लेकिन केजरीवाल के गिरफ्तार होते ही देश में तानाशाही आ गई।

दिलीप मंडल@Profdilipmandal

लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने 262 रन बना दिए और उसके बाद भी टीम 25 रनों से मैच हार गई। आखिर टी-20 क्रिकेट किस दिशा में जा रहा है?

अयाज मेमन@cricketwallah

जनपथ

भैया होती आजकल वादों की बौछार,
सोच समझकर कीजिए अब इन पर एतबार।
अब इन पर एतबार कहेंगे दूंगा चंदा,
पर चुनाव के बाद दिखेगा ना वह बंदा।
करके गलत चुनाव करोगे दइया-दइया,
सोच-समझकर वोट इसलिए देना भैया!

- ओमप्रकाश तिवारी

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन, चीफ एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेंद्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, नीतेंद्र श्रीवास्तव द्वारा जागरण प्रकाशन लि. के लिए डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित एवं 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित, संपादक (दिल्ली एनसीआर)-विष्णु प्रकाश त्रिपाठी, स्थानीय संपादक-प्रदीप कुमार शुक्ल*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No 50755/90 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त। वर्ष 34 अंक 273

****

घटना के बाद पहली बार दिखे सलमान खान, मुख्यमंत्री शिंदे की अगवानी की

एकनाथ शिंदे ने सलमान खान और उनके पिता सलीम खान से मुलाकात की● एएनआइ

तृतीय पृष्ठ से आगे

गोलीबारी की घटना के बाद सलमान खान मंगलवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से नजर आए। उन्होंने अपने गैलेक्सी अपार्टमेंट स्थित आवास पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगवानी की। पत्रकारों से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि गोलीबारी में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सीएम ने यह भी कहा कि उन्होंने सलमान और उनके परिवार की सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया है। लारेंस बिश्नोई गिरोह को खत्म करने का संकल्प लेते हुए शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र में अब भी गिरोह बचे हैं। हम सभी को उखाड़ फेंकेंगे। गिरोहों और गुंडों को यहां अपनी हुकूमत चलाने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

एएनआइ के अनुसार, गोलीबारी की घटना के सिलसिले में अनमोल बिश्नोई के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। नरकटियागंज (पश्चिम चंपारण) से जागरण संवाददाता के अनुसार, पुलिस ने गोलीबारी मामले में विक्की गुप्ता के पिता साहब साह और सागर पाल के बड़े भाई राहुल पाल को सोमवार की रात गौनाहा थाने लाकर पूछताछ की।

अमिताभ को मिलेगा लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार

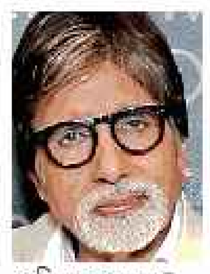

अमिताभ बच्चन●

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई : हिंदी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन को इस साल 24 अप्रैल को मुंबई में आयोजित होने वाले तीसरे लता दीनानाथ मंगेशकर अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। इसकी घोषणा मंगलवार को मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति प्रतिष्ठान पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट और मंगेशकर परिवार की तरफ से प्रेस वार्ता में की गई। ट्रस्ट और मंगेशकर परिवार की तरफ से कुछ अन्य पुरस्कारों की भी घोषणा की गई। इसके तहत संगीतकार एआर रहमान को भारतीय संगीत, अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरी को सिनेमा के क्षेत्र में उनकी सेवाओं, रूप कुमार राठौर को संगीत के क्षेत्र में उनकी सेवाओं और अभिनेता रणदीप हुडा को बेस्ट फिल्म प्रोडक्शन और एक्टर का विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। इस पुरस्कार की शुरुआत ट्रस्ट और मंगेशकर परिवार की तरफ से भारत रत्न और स्वर कोकिला दिवंगत लता मंगेशकर की स्मृति में साल 2022 में की गई थी।

झामुमो नेता के आवास सहित चार ठिकानों पर ईडी के छापे

भूमि घोटाले में अंतु तिर्की और उनके सहयोगियों पर कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, जागरण ● रांची : रांची में भूमि घोटाला मामले में मनी लांड्रिंग के तहत जांच कर रही ईडी ने मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता अंतु तिर्की के आवास सहित चार ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इन ठिकानों में अंतु के बरियातू में झामुमो मुख्यालय के समीप स्थित आवास के अलावा जमीन कारोबारी विपिन सिंह, कोकर में बैंक कालोनी के समीप रहने वाले प्रियरंजन सहाय का आवास शामिल है। ईडी की टीम गाड़ीगांव के समीप रहने वाले जमीन कारोबारी शेखर कुशवाहा के ठिकाने पर भी पहुंची थी, जहां वे नहीं मिले, जिस कारण छापेमारी नहीं हो सकी। गत वर्ष भी जमीन घोटाले के एक अन्य मामले में अंतु तिर्की को छोड़ अन्य सभी के ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की थी। इधर, मंगलवार को दिनभर चली छापेमारी में ईडी को जमीन से जुड़े कुछ दस्तावेज मिले हैं, जिनका सत्यापन चल रहा है। बहुत जल्द ईडी इन सभी आरोपितों को पूछताछ के लिए समन करेगी।

यह छापेमारी पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े केस में हुई है। एक आरोपित सद्दाम हुसैन से रिमांड पर पूछताछ के दौरान मिले इनपुट के आधार पर ईडी ने छापेमारी की यह कार्रवाई की है।

झामुमो नेता के बिगड़े बोल– मोदी को 400 फीट नीचे गाड़ देंगे

राज्य ब्यूरो, जागरण ● रांची : झारखंड में साहिबगंज के झामुमो नेता मो. नजरूल इस्लाम का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। इस वीडियो में नजरुल यह कहते नजर आ रहे हैं कि मोदी को 400 फीट नीचे गाड़ देंगे। हालांकि दैनिक जागरण प्रसारित वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता। उधर, भाजपा ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विपक्षी महागठबंधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध साजिश रचने का आरोप लगाया है। झारखंड भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि सरकार जिहादी तत्वों को बढ़ावा दे रही है।

नौसेना ने अरब सागर में पकड़ी 940 किलोग्राम ड्रग्स की खेप

- 'क्रिमसन बाराकुडा' के तहत मार्कोस कमांडो ने की कार्रवाई
- सीएमएफ सदस्य के रूप में पहली बार पकड़ी ड्रग्स की खेप

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय नौसेना ने पश्चिमी अरब सागर में 940 किलोग्राम ड्रग्स की खेप जब्त की है। कनाडा के नेतृत्व वाले संयुक्त कार्य बल (सीटीएफ)- 150 की सहायता से यह कार्रवाई की गई है। सीटीएफ 150 दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक साझेदारी सीएमएफ के तहत पांच टास्क फोर्स में से एक है।

नौसेना ने मंगलवार को बताया कि भारतीय नौसेना ने पहली बार संयुक्त समुद्री बल (सीएमएफ) के सदस्य के रूप में ड्रग्स की बरामदगी की है। सीएमएफ 42 देशों की नौसैनिक साझेदारी है जिसका उद्देश्य समुद्र में सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देकर अंतरराष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को बनाए रखना है। नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि समुद्री सुरक्षा अभियानों के लिए पश्चिमी अरब सागर में तैनात भारतीय नौसेना के जहाज आइएनएस तलवार पर तैनात भारतीय नौसेना के मार्कोस कमांडो ने 'क्रिमसन बाराकुडा' अभियान के तहत समुद्र में गश्ती के दौरान 13 अप्रैल को 'ढाउ' (विशेष नौका) से 940 किलोग्राम ड्रग्स को जब्त किया। मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार ड्रग्स का निपटारा कर दिया गया। सीटीएफ 150 के कमांडर, रायल कैनेडियन नेवी के कैप्टन कालिन मैथ्यूज ने कहा, मैं इस अभियान के दौरान प्रयासों के लिए आइएनएस तलवार के चालक दल की सराहना करता हूं और उनकी कड़ी मेहनत से 940 किलोग्राम ड्रग्स को सफलतापूर्वक जब्त किया जा सका।

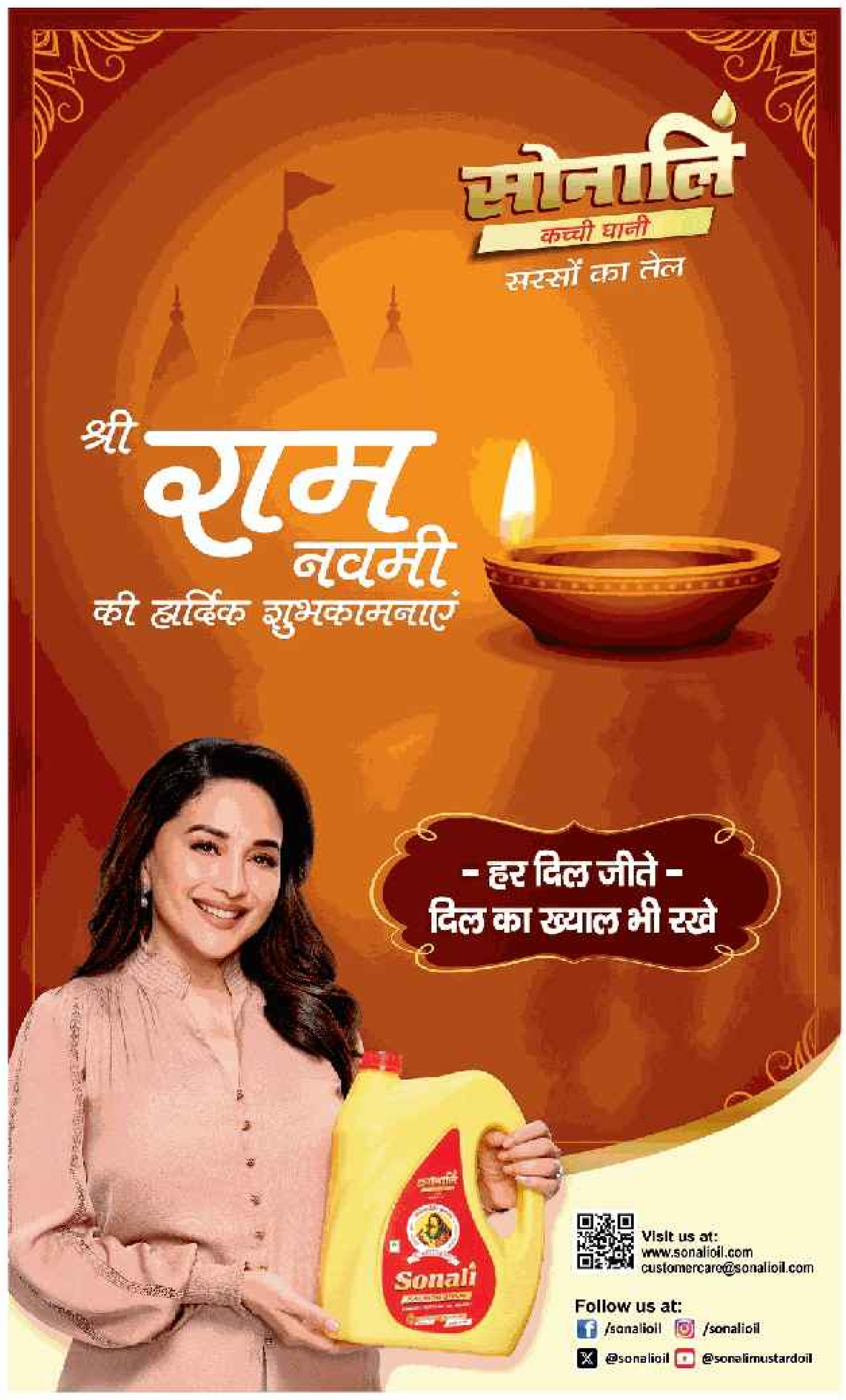

कैमूर की पहाड़ियों पर 12 हजार वर्ष पुराने देवी उपासना स्थल

तरुण मिश्र ● नईदुनिया

कैराई गांव का देवी चबूतरा● नईदुनिया

जबलपुर : जगत जननी के 12 हजार वर्ष पुराने दुर्लभ उपासना स्थल विंध्य की कैमूर की पहाड़ियों में मिलते हैं। मप्र के सीधी जिले के सिंहावल के समीप कैराई, बघोर व मेधौली गांवों में स्थित खुले चबूतरों पर स्थित इन देवी स्थलों का प्रत्येक पत्थर रहस्यमय शक्ति पुंज समेटे प्रतीत होता है। इस स्थलों का दो बार अध्ययन और मूल्यांकन कर चुके इंडोलाजिस्ट (भारतीय साहित्य, इतिहास, दर्शन के विद्यार्थी) ललित मिश्र कहते हैं कि अपर पैलियोलिथिक युग का यह भारत का एकमात्र स्थल है, जिनमें आस्था के प्रमाण मिले हैं। इनकी सुरक्षा और संरक्षण की तुरंत आवश्यकता है। बघोर-1 व बघोर-2 की उपलब्ध कार्बन डेटिंग के आधार पर कैमूर के इन तीन गावों में स्थित देवी स्थलों की प्राचीनता लगभग 8300 वर्ष से 11,800 वर्ष के बीच है। वर्ष 1982-83 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. जीआर शर्मा के साथ कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, बर्कले की टीम के प्रो. जेडी क्लार्क के नेतृत्व में इन स्थलों का सर्वेक्षण किया गया था। सर्वे की रिसर्च जरनल एंटीक्विटी में रिपोर्ट भी प्रकाशित हुई थी।

कैराई, बघोर व मेधौली में विश्व के मिले पहले मानव निर्मित उपासना स्थल के हर एक चबूतरे पर 12 हजार वर्ष पहले पत्थरों पर बारीकी से उकेरी हुई त्रिकोण आकृति पहली नजर में ही आकर्षित करती है। कैमूर के ये स्थल प्रतीकों की वैश्विक जन्मस्थली के रूप में भी सामने आए हैं। ऋग्वेद के दसवें मंडल के 146वें सूक्त की अरण्यानि देवी के वर्णन से इनकी समरूपता प्राप्त होती है, अरण्यानि अर्थात वन देवी। ग्रामीणों द्वारा इन देवीस्थलों की अधिष्ठात्री को वनसती के नाम से जाना जाता है। पश्चिमी लेखकों में जान मुइर ने वर्ष 1870 में अरण्यानि देवी का अध्ययन किया था। इस स्थलों का अध्ययन कर चुके ललित मिश्र कहते हैं कि अभी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्य सबसे प्राचीन उपासना स्थलों में तुर्की स्थित गोबेक्ली टेपे एवं लंदन स्थित स्टोनहेंज क्रमशः पहले व दूसरे नंबर पर आते हैं, किंतु इन सबको पछाड़ते हुए कैमूर में बघोर -1 के नाम से चिह्नित देवी स्थल पहले नंबर पर दावा पेश करता है। इसके पहले भारत का कोई मंदिर या अन्य धार्मिक स्थल वैश्विक स्तर पर प्रचीनता के पैमानों पर अपना स्थान नहीं बना सका। एएसआई के अधीक्षक शिवकांत बाजपेयी के मुताबिक एएसआई संरक्षित स्थल पर कार्य करती है, चूंकि यह प्री हिस्टोरिक साइट है। अतः इस पर ध्यान नहीं दिया गया, भविष्य में विभाग की टीम इस साइट का दौरा करेगी, तब कुछ कहा जा सकेगा।

वृंदावन में 210 मीटर ऊंचा होगा श्रीकृष्ण मंदिर

वाशिंगटन, प्रेट्र : इस्कान के एक शीर्ष पदाधिकारी ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश के वृंदावन में भगवान श्रीकृष्ण का गगनचुंबी मंदिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय संस्कृति के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरेगा और भारत में पर्यटन व अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा। 70 मंजिला वृंदावन हेरिटेज टावर 210 मीटर ऊंचा होगा। इसे आठ करोड़ डालर की लागत से बनाया जा रहा है। ग्लोबल हरे कृष्णा मूवमेंट के उपाध्यक्ष और इस्कान बेंगलुरु के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंचलपति दास ने एक साक्षात्कार में कहा कि आध्यात्मिकता के लिए कोई टूटा-फूटा बुनियादी ढांचा नहीं हो सकता और मंदिर हमेशा जर्जर स्थिति में नहीं रह सकते।

हत्यारोपित 35 वर्ष जंगलों में छिपता रहा, पुलिस ने वेश बदल दबोचा

चंडीगढ़ पुलिस ने 35 साल से फरार आरोपित को साधु बनकर पकड़ा● पुलिस

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : चंडीगढ़ पुलिस के हाथ बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने 35 वर्ष पुराने हत्या के एक मामले में फरार आरोपित अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) निवासी आनंद कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। उसने 18 नवंबर, 1989 को 11 वर्ष के एक बच्चे का पहले अपहरण किया और फिर उसकी हत्या कर दी। आरोपित कभी पुलिस के हाथ नहीं आया था। वह पिछले कई वर्षों से यूपी के जंगलों में साधु बनकर छिपा हुआ था। चंडीगढ़ पुलिस की टीम ने भी साधु का चोला ओढ़कर आरोपित को दबोच लिया। दरअसल, उसे पकड़ने के लिए पीओ सेल की टीम के सदस्य खुद साधु बनकर कई महीनों तक जंगल में भटकते रहे। आखिर में आरोपित उन्हें कासगंज के जंगल में मिल गया, जहां उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

35 साल पहले आरोपित वारदात को अंजाम देकर अपने गांव अलीगढ़ की अतरौली तहसील स्थित गांव हरनपुर कलां भाग गया था। वह एक ठिकाने पर दो महीने से ज्यादा नहीं रहता था। उसके यूपी में होने के बारे में चंडीगढ़ पुलिस को सूचना मिली तो पुलिस ने नौ महीनों तक उसका पीछा किया। पुलिसकर्मी खुद साधु का चोला पहनकर उसे ढूंढते रहे। आखिर में पता चला कि वह कासगंज के आश्रम में छिपा है।

नई दिल्ली, दिल्ली के उच्च न्यायालय में
(मूल कंपनी क्षेत्राधिकार)
कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले मे तथा
एपेक्स कॉन्टिनेंटल लिमिटेड (प्रोवि. परि. में) के मामले में
सी. पी. नं. 248/2010

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 529-ए तथा 530 के अंतर्गत अपने दावों को साबित करने हेतु समस्त श्रमिकों / सुरक्षित लेनदारो / असुरक्षित लेनदारो हेतु सूचना का विज्ञापन

एतद्द्वारा उपरोक्त नामित कंपनी के श्रमिकों / सुरक्षित लेनदारो / असुरक्षित लेनदारो को सूचित किया जाता हैं कि उन्हे दिल्ली में कंपनीज् (न्यायालय) नियम, 1959 के प्रपत्र क्रमांक 66 मे बिना न्यायायिक स्टाम्प पत्र में उनके मूल दस्तावेजों की फोटोकॉपी के साथ साथ उनके निवेश/ऋण/दावों तथा कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 529 ए तथा 530 के अधिन प्राथमिकता के किसी अधिकार के साथ एवं अपने निवेश/ऋण/दावों को साबित करने वाला एक शपथ पत्र को आधिकारिक परिसमापक के कार्यालय में प्रदायगी द्वारा नामित कंपनी के विरुद्ध अपने तत्सम्बन्धित निवेश/ऋण/दावा के प्रमाण माननीय उच्च न्यायालय के आधिकारिक परिसमापक को 15.05.2024 को या उससे पूर्व प्रस्तुत करने होंगे या पोस्ट द्वारा भेजने होंगे जो उनके पास कथित तिथि से पहले पहुंच जाएं। कोई भी श्रमिक / सुरक्षित लेनदार / असुरक्षित लेनदार जो उपरोक्त अनुसार सीमित समय के अंदर प्रमाण का अपना शपथपत्र प्रस्तुत नहीं करता हैं तो उसे ऐसे वितरण की विषयवस्तु से उनका ऋण साबित होने से पहले या जैसा भी मामला होगा, लाभांश के सभी वितरण के लाभ से बाहर कर दिया जाएगा।

कोई भी श्रमिक / सुरक्षित लेनदार / असुरक्षित लेनदार जो अपना प्रमाण भेजते हैं, यदि वे आधिकारिक परिसमापक से लिखित में सुचना द्वारा ऐसा चाहते हैं तो, या तो स्थल या अपने अधिवक्ता द्वारा ऐसे ऋण या दावें की जाच में ऐसे समय एंव स्थान पर जैसा कि ऐसी सूचना में निर्दिष्ट हैं, भाग ले सकते हैं और अपने ऋण या दावें जैसा अपेक्षित हो का ऐसा आगे साक्ष्य प्रस्तुत कर सकते हैं।

कंपनीज् (न्यायालय) नियम, 1959 के प्रपत्र क्रमांक 66 प्राप्ति हेतु वेबसाईट ww.mca.gov.in तथा www.delhiol.com देखें।

दिनांक : 10/04/2024

हस्ता/-
(एस. मीनाक्षी)
आधिकारिक परिसमापक
दिल्ली उच्च न्यायालय से संलग्न
8वां तल, लोक नायक भवन, खान मार्केट, नई दिल्ली - 110003. फोन : 011-24693393-94, फेक्स : 011-24693314.

पांच दशक की कानूनी लड़ाई के बाद रेल कर्मी को मिला न्याय

जागरण संवाददाता, जागरण, प्रयागराज : अगस्त, 1976 में बर्खास्त रेलवे अधिकारी को 47 वर्ष की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकार 79 वर्ष की आयु में न्याय मिला है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने रेलवे के सीनियर रक्षक की सेवा समाप्ति संबंधी आदेश को अवैध करार देते हुए रद कर दिया है और सेवा जनित सभी परिलाभ पाने का हकदार ठहराया है। कोर्ट ने 'काम नहीं तो दाम नहीं' के सिद्धांत के तहत कहा कि याची को बकाया वेतन नहीं मिलेगा, लेकिन सेवाजनित अन्य परिलाभ पाने का हक है। यह आदेश न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन ने पांचू गोपाल घोष की याचिका स्वीकार करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि 'याची को 79 वर्ष की आयु में विभाग को फिर निर्णय लेने के लिए भेजना उचित नहीं होगा। विभाग के काम के चलते यह स्थिति पैदा हुई। जांच में आरोप साबित नहीं हुआ। इसलिए बर्खास्तगी अवैध है।'

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
उप क्षेत्रीय कार्यालयः नोएडा
बी-64, सैक्टर-57, नोएडा-201301, दूरभाषः 0120-4555101
ईमेलः sro-noida@esic.nic.in, वेबसाइटः www.esic.gov.in

इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है की निम्नलिखित नियोक्ताओ को उल्लिखित विवरण के अनुसार, नियोक्ता के खिलाफ ईएसआई अधिनियम 1948 की धारा 45ए के तहत योगदान के निर्धारण के मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के कई अवसर प्रदान किए गए थे। इस संबंध मे नियोक्ता की ओर से कोई जवाब/पत्राचार प्राप्त नहीं हुआ है। अतः नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों को ध्यान मे रखते हुए इस मामले मे सुनवाई का अंतिम अवसर दिनांक 25.04.2024, प्रातः 11 बजे, उप क्षेत्रीय कार्यालय, क.रा.बी.निगम, बी-64, सैक्टर-57, नोएडा मे अधोहस्ताक्षरी के समक्ष निर्धारित किया गया है। नियोक्ता 25.04.2024 को सुबह 11 बजे व्यक्तिगत रूप से या अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से व्यक्तिगत सुनवाई मे भाग ले सकते हैं। मामले मे दस्तावेजों के साथ व्यक्तिगत सुनवाई मे उपस्थित होने मे विफल रहने की स्थिति मे मामले का निर्णय रिकॉर्ड पर सामग्री के आधार पर किया जाएगा।

ईएसआई कोड संख्या	फैक्ट्री/प्रतिष्ठान का पता	नियोक्ता का पता	सूचना की तिथि	डिफाल्ट राशि एवं अवधि (सी-18 तदर्थ)
67000686280000699	मैसर्स वाई एन कंस्ट्रक्शन कंपनी पता- लखनवाली, मकान नंबर 68, सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा-201306	मैसर्स वाई एन कंस्ट्रक्शन कंपनी (यतेंदर नागर) पता- लखनवाली, मकान नंबर 68, सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा-201306	04.03.2024	रु. 556306/- अवधि - अप्रैल 2019- दिसंबर 2019 एवं अप्रैल 2020- जून 2020 एवं दिसंबर 2020- मार्च 2022 एवं मार्च 2023

प्राधिकृत अधिकारी

****

एक नजर में

श्रीलंका को 10 हजार टन प्याज निर्यात करेगा भारत

नई दिल्ली : भारत सरकार ने सीमित मात्रा में श्रीलंका को प्याज निर्यात की अनुमति दी है। साथ ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को प्याज निर्यात का कोटा बढ़ाया गया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने कहा कि श्रीलंका को 10 हजार टन प्याज की अनुमति दी गई है। यूएई को 10 हजार टन अतिरिक्त प्याज निर्यात की जा सकेगा। यूएई को 24 हजार टन प्याज निर्यात की जा चुकी है। (एएनआइ)

महिंद्रा ने पेश की नौ सीटों वाली बोलेरो नियो प्लस

नई दिल्ली: दिग्गज वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा ने मंगलवार को नौ सीट वाली बोलेरो नियो प्लस के दो वैरिएंट पेश किए। इनका शुरुआती मूल्य 11.39 लाख रुपये रखा गया है। कंपनी के अनुसार, बोलेरो नियो प्लस का पी4 वैरिएंट प्रवेश-स्तरीय विकल्प है जबकि पी10 प्रीमियम विकल्प है। बोलेरो नियो प्लस सीरीज में 2.2 लीटर का एमहाक डीजल इंजन है। (आइएएनएस)

तीन दिन में लगभग 2100 अंक टूटा सेंसेक्स

इजरायल-ईरान तनाव के चलते मुनाफावसूली कर रहे निवेशक, रुपया भी रिकार्ड निचले स्तर पर पहुंचा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : देश का शेयर और मुद्रा बाजार वैश्विक तनाव के फैलने के चलते अनिश्चितता में फंसता दिख रहा है। मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स में 0.62 प्रतिशत और निफ्टी में 0.56 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। 456 अंकों की गिरावट के साथ सेंसेक्स 72,944 अंकों पर और निफ्टी 125 अंकों की गिरावट के साथ 22,148 के स्तर पर बंद हुआ है। वैसे यह गिरावट सोमवार के मुकाबले कम है, लेकिन पिछले तीन कारोबारी दिनों में हुई गिरावट को जोड़ा जाए तो सेंसेक्स में अब तक 2094 अंक गिर चुका है।

वैश्विक बाजारों का जो माहौल है, उससे लगता है कि यह मंदी का दौर आगे भी जारी रह सकता है। ईरान और इजरायल के बीच जारी विवाद की वजह से सिओल, टोक्यो, हांगकांग, शंघाई के अलावा यूरोपीय बाजार में भी मंदी का माहौल है। बुधवार को रामनवमी की वजह से भारतीय शेयर बाजार बंद रहेंगे।

125 अंकों की गिरावट के साथ 22,148 के स्तर पर बंद हुआ निफ्टी

17 पैसे की कमजोरी के साथ डालर के मुकाबले रुपया 83.61 के रिकार्ड स्तर पर हुआ बंद

456 अंकों की गिरावट के साथ 72,944 के स्तर पर आया सेंसेक्स

11,295 करोड़ रुपये की बिक्री की पिछले दो दिनों के दौरान विदेशी निवेशकों ने

> ईरान-इजरायल के बीच युद्ध जैसे हालात की वजह से समूचे डालर सूचकांक में काफी अस्थिरता है। उम्मीद है कि इस पूरे हफ्ते रुपया अस्थिर रहेगा और यह 83.22 से 84.05 के बीच रहेगा।
> **-राहुल कालांतरी,** वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी), मेहता इक्विटीज लिमिटेड

अगर मुद्रा बाजार की तरफ देखा जाए तो डालर के मुकाबले रुपये ने एक बार फिर रिकार्ड बनाया है। कोराबारी दिन में रुपया 17 पैसे की भारी कमजोरी के साथ डालर के मुकाबले 83.61 के स्तर पर बंद हुआ। यह डालर के मुकाबले रुपया का अभी तक का सबसे न्यूनतम स्तर है। जानकार इसके लिए भी खाड़ी क्षेत्र में पनप रहे तनाव को ही जिम्मेदार बता रहे हैं।

कुछ जानकारों ने भारतीय शेयर बाजार की गिरावट और हाल के दिनों में विदेशी संस्थागत निवेशकों की तरफ से भारतीय बाजार से पैसा निकालने की प्रक्रिया को भी इसका कारण बताया है। पिछले दो दिनों में विदेशी निवेशकों ने कुल 11,295 करोड़ रुपये की बिक्री की है। सोमवार को भी रुपये में छह पैसे की गिरावट दर्ज की गई थी। रुपये को कच्चे तेल की कीमतों ने काफी प्रभावित किया है। हालांकि आश्चर्यजनक तौर पर इजरायल पर ईरान के हमले के बाद दो दिनों से कच्चे तेल की कीमतों में कमी आई है फिर भी डालर के सापेक्ष रुपया कमजोर हुआ है।

तीन दिन में 7.93 लाख करोड़ घटी निवेशकों की संपत्ति

नई दिल्ली, प्रेट्र: घरेलू शेयर बाजारों में बीते तीन सत्रों से जारी गिरावट के चलते निवेशकों की संपत्ति में 7.93 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की कमी आई है। अब बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण घटकर 394.25 लाख करोड़ रुपये रह गया है। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत तापसे का कहना है कि वैश्विक तनाव से निवेशकों को कच्चे तेल का मूल्य बढ़ने का भय है जिससे महंगाई में फिर से बढ़ोतरी होगी।

700 रुपये बढ़कर नए रिकार्ड स्तर पर पहुंचा सोना

नई दिल्ली, प्रेट्र: पश्चिम एशिया में तनाव से वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतों में आई तेजी का घरेलू बाजारों में भी असर दिख रहा है। मंगलवार को दिल्ली में सोना 700 रुपये बढ़कर 73,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया। सोमवार को यह 73,050 के स्तर पर बंद हुआ था। इसी तरह चांदी भी 800 रुपये बढ़कर सर्वकालिक उच्च स्तर 86,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है।

वर्ष 2028 तक बेरोजगारी दर में 0.79 प्रतिशत की कमी संभव

- ओआरएफ ने कहा, बेरोजगारी दर मौजूदा 4.47 प्रतिशत से घटकर 3.68 प्रतिशत रह जाएगी
- पांच ट्रिलियन डालर अर्थिकी के करीब पहुंचने के साथ देश में 22% बढ़ सकते हैं कुल रोजगार

नई दिल्ली, प्रेट्र: देश में बेरोजगारी दर में 2028 तक 0.79 प्रतिशत अंक की कमी आ सकती है। शोध संस्थान 'आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ)' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, देश की अर्थव्यवस्था के पांच ट्रिलियन डालर तक पहुंचने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, जिससे बेरोजगारी दर घटेगी। 'भारत रोजगार परिदृश्य 2030' रिपोर्ट के मुताबिक, श्रमबल में बिना रोजगार वाले लोगों का प्रतिशत यानी बेरोजगारी दर वर्ष 2024 के 4.47 प्रतिशत से घटकर 2028 में 3.68 प्रतिशत रह जाने का अनुमान है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 'भारत का रोजगार बाजार व्यापक बदलाव का अनुभव कर रहा है। कोरोना महामारी के बाद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है।' रिपोर्ट के मुताबिक, 'भारत 7.8 प्रतिशत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के साथ 2026-27 तक पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य हासिल कर सकता है। मजबूत निजी खपत और सार्वजनिक निवेश से इस वृद्धि को समर्थन मिलेगा।' भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का आकार वर्ष 2024 में चार ट्रिलियन डालर से थोड़ा कम रहने का अनुमान है। ओआरएफ ने एक बयान में कहा, 'भारत के पांच ट्रिलियन डालर के लक्ष्य के करीब पहुंचने के साथ कुल रोजगार 22 प्रतिशत बढ़ सकता है जबकि बेरोजगारी दर 2028 तक 0.79 प्रतिशत कम हो सकती है।'

> अगली पीढ़ी के रोजगार में सुधार के लिए उद्यमिता को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण होगा। उद्यमियों का एक नया वर्ग रोजगार सृजन को प्रोत्साहित कर सकता है।
> **-नीलांजन घोष,** निदेशक, ओआरएफ

अप्रैल के पहले पखवाड़े में पेट्रोल की बिक्री बढ़ी

नई दिल्ली : एक से 15 अप्रैल के दौरान पेट्रोल की बिक्री सात प्रतिशत बढ़कर 12.2 लाख टन हो गई, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 11.4 लाख टन थी। वहीं इस अवधि में डीजल की मांग 9.5 प्रतिशत घटकर 31.4 लाख टन रह गई। पेट्रोल की कीमतों में आंशिक कटौती से निजी वाहनों का इस्तेमाल बढ़ने के कारण बिक्री बढ़ गई। हालांकि आगे चलकर डीजल की मांग भी बढ़ने का अनुमान है। (प्रेट्र)

केंद्र सरकार ने कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ाया

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित होने वाले कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर को बढ़ाकर 9,600 रुपये प्रति टन कर दिया है। यह अभी 6,800 रुपये प्रति टन था। यह मूल्य वृद्धि मंगलवार से प्रभावी हो गई है। इस मूल्य वृद्धि का सबसे ज्यादा असर तेल उत्पादन कंपनियों ओएनजीसी व आयल इंडिया लिमिटेड पर पड़ेगा। (आइएएनएस)

अब तक 3.10 करोड़ टन चीनी का उत्पादन

नई दिल्ली, प्रेट्र: कर्नाटक में कम उत्पादन से चालू सीजन (2023-24) के दौरान 15 अप्रैल तक देश का चीनी उत्पादन 3.1 करोड़ टन रहा। 2022-23 की समान अवधि में चीनी का उत्पादन 3.12 करोड़ टन रहा था। चीनी का मौसम अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। वर्तमान में चीनी निर्यात पर प्रतिबंध है।

इंडियन शुगर मिल एसोसिएशन (आइएसएमए) ने 2023-24 सीजन के लिए शुद्ध चीनी उत्पादन अनुमान को संशोधित कर 3.2 करोड़ टन कर दिया है। एसोसिएशन के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, देश के प्रमुख चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन चालू सीजन के 15 अप्रैल तक 1.09 करोड़ टन से अधिक रहा। जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 1.05 करोड़ टन था। इसी तरह, देश के दूसरे सबसे चीनी उत्पादन राज्य उत्तर प्रदेश में उक्त अवधि तक उत्पादन 90.67 लाख टन से बढ़कर 1.01 करोड़ टन हो गया।

आइएमएफ ने भारत के विकास दर अनुमान को बढ़ाकर 6.8% किया

नई दिल्ली, रायटर: मजबूत घरेलू मांग के चलते अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने 2024-25 के लिए आर्थिक विकास दर के अनुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है। आरबीआइ ने चालू वित्त वर्ष में विकास दर सात प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया है। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय एजेंसी ने 2023-24 के लिए विकास दर के आंकड़े को भी संशोधित कर 6.7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.8 प्रतिशत कर दिया है। 6.7 प्रतिशत की विकास दर का अनुमान आइएमएफ ने जनवरी में लगाया था।

भारत ने अपने अनुमान में 7.6 प्रतिशत की विकास दर का अनुमान लगाया है। आइएमएफ ने 2024 और 2025 के लिए वैश्विक जीडीपी की वृद्धि 3.2 प्रतिशत रहने की भविष्यवाणी करते हुए कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था लचीली बनी हुई है। कई देशों में कोरोना महामारी और जीवन-यापन की लागत संबंधी चिंताओं का असर कम दिखाई दे रहा है। उत्पादन पहले की भविष्यवाणी की तुलना में महामारी पूर्व के स्तर पर तेजी से लौट रहा है।

6.5% की दर से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था: अंकटाड

नई दिल्ली, आइएएनएस: अंकटाड की मंगलवार को जारी रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2024 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि 2.6 प्रतिशत रहेगी। हालांकि, निराशाजनक वैश्विक परिदृश्य के बीच मजबूत सार्वजनिक निवेश और सेवा क्षेत्र में वृद्धि के चलते भारत की विकास दर 2024 में 6.5 प्रतिशत की दर से वृद्धि का अनुमान है। जहां तक अमेरिका का सवाल है तो वहां पर भी वृद्धि दर धीमी पड़ने का अनुमान है।

एक्स के नए यूजर्स को देना होगा शुल्क

नई दिल्ली, प्रेट्र: बाट्स और फर्जी अकाउंट के प्रसार पर लगाम लगाने के लिए इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर नए यूजर को लाइक, पोस्ट, बुकमार्क और किसी पोस्ट पर जवाब देने का विकल्प इस्तेमाल करने के लिए वार्षिक शुल्क देना पड़ सकता है। हालांकि कंपनी ने कहा है कि यूजर प्लेटफार्म का निश्शुल्क इस्तेमाल कर सकेंगे और उस पर किसी अन्य अकाउंट को फालो भी कर सकते हैं।

प्लेटफार्म की वेबसाइट पर सोमवार को 'अपडेट' के बाद जानकारी दी गई कि नए खातों को पोस्ट करने, लाइक करने, बुकमार्क करने और उत्तर देने से पहले मामूली सा वार्षिक शुल्क देना होगा। कंपनी ने कहा, 'इसका मकसद अवांछित ईमेल (स्पैम) कम करना और सभी को बेहतर अनुभव देना है।' हालांकि, नए मानदंड चुनिंदा स्थानों पर लागू किए जाएंगे या दुनियाभर में अभी यह स्पष्ट नहीं है। एक्स के सीईओ ने लिखा, 'यह फर्जी अकाउंट के रोकने का एकमात्र तरीका है।'

वित्त वर्ष 2023-24 में भारत से आइफोन का दोगुना निर्यात

- 2022-23 के 6.27 अरब डालर से बढ़कर 12.1 अरब डालर हुआ
- पिछले वर्ष कुल स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 16.5 अरब डालर रहा

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत से एपल के आइफोन का निर्यात 2023-24 में दोगुना होकर 12.1 अरब डालर हो गया है। पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 6.27 अरब डालर था। ट्रेड इंटेलिजेंस प्लेटफार्म द ट्रेड विजन के मुताबिक, पिछले वित्त वर्ष के दौरान भारत से कुल स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 16.5 अरब डालर हो गया है जो 2022-23 में 12 अरब डालर था। कंपनी ने कहा कि निर्यात में यह उछाल मैन्युफैक्चरिंग ईकोसिस्टम में विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के प्रभाव को रेखांकित करता है। द ट्रेड विजन एलएलसी ने कहा कि आइफोन निर्यात में तेज वृद्धि उस महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है जो भारत अब एपल की वैश्विक सप्लाई चेन में निभाता है।

भारत से सबसे ज्यादा स्मार्टफोन का निर्यात अमेरिका को किया जाता है। 2023-24 में भारत ने अमेरिका को छह अरब डालर के स्मार्टफोन का निर्यात किया। अकेले 5.46 अरब डालर के एपल के आइफोन अमेरिका को निर्यात किए गए। वित्त वर्ष 2022-23 में मात्र 2.1 अरब डालर के आइफोन अमेरिका को निर्यात किए गए थे। निर्यात में हुई यह वृद्धि अमेरिका के लोगों के बीच भारत में निर्मित आइफोन की बढ़ती प्राथमिकता को दर्शाता है। द ट्रेड विजन एलएलसी की सेल्स एंड मार्केटिंग की वाइस प्रेसिडेंट मोनिका ओबेराय ने कहा, 'भारत सरकार द्वारा शुरू की गई उत्पादन प्रोत्साहन योजना (पीएलआइ) जैसी पहल ने एपल जैसी कंपनियों को स्थानीय मैन्यूफैक्चरिंग में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया है।'

कूल ने पेश किया नया पंखा एक्सजेल एच1

नई दिल्ली, वि.: देश के तेजी से उभरते पंखा ब्रांड कूल ने कूलर जैसी ठंडी हवा और पानी से ठंडी ओस जैसे एहसास देने वाला पंखा एक्सजेल एच1 पेश किया है। कंपनी का कहना है कि स्टैंड वाले पेडस्टल फैन एक्सजेल को कमरे में एयर कंडीशनर जैसी ठंडक देने के लिहाज से डिजाइन किया गया है।

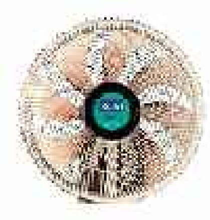

आधुनिक बीएलडीसी मोटर रिमोट कंट्रोल के साथ यह पंखा 65 प्रतिशत बिजली की बचत करता है। यह अल्ट्रासोनिक मिस्ट ह्यूमिडिफायर से लैस है जिससे ये हमेशा ठंडी हवा का एहसास देता है। कूल पंखा बनाने वाली कंपनी केंट आरओ सिस्टम्स लिमिटेड के संयुक्त निदेशक वरुण गुप्ता का कहना है कि एक्सजेल एच1 से न केवल घर की खूबसूरती निखरेगी बल्कि बिजली के बिल में भी बचत होगी।

राष्ट्रीय जागरण

सीयू क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सब्जेक्ट रैंकिंग में प्रथम

चंडीगढ़ (वि.) : चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी (सीयू) घड़ुआं ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सब्जेक्ट रैंकिंग-2024 में फिर से उत्कृष्टता के साथ अपनी वैश्विक प्रतिष्ठा साबित की है। प्रवक्ता के अनुसार निजी विश्वविद्यालयों में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने तीन विषयों - हास्पिटैलिटी मैनेजमेंट, पेट्रोलियम इंजीनियरिंग और सोशल साइंस एंड मैनेजमेंट में भारत में शीर्ष स्थान हासिल किया है। यूनिवर्सिटी हास्पिटैलिटी मैनेजमेंट और पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में दुनिया के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में शामिल हुई है। वहीं, यूनिवर्सिटी ने क्यूएसवर्ल्ड सब्जेक्ट रैंकिंग 2024 में आठ विषयों में शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। इनमें बिजनेस और मैनेजमेंट स्टडीज, इंजीनियरिंग और टेक्नोलाजी, कंप्यूटर साइंस और सूचना प्रणाली, इंजीनियरिंग-मैकेनिकल, हास्पिटैलिटी और लेयर मैनेजमेंट, सोशल साइंसेज और मैनेजमेंट, पेट्रोलियम इंजीनियरिंग तथा इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग शामिल हैं।

कोविड से हुई मौतों के लिए मुआवजा कोई इनाम नहीं : कोर्ट

मुंबई, प्रेट्र : बांबे हाई कोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने कहा है कि कोविड-19 वारियर्स की मौत के लिए मुआवजा कोई इनाम नहीं है और मुआवजा राशि मांगने वाले मामलों को लापरवाह तरीके से नहीं निपटाया जा सकता। अदालत ने यह टिप्पणी एक महिला की याचिका खारिज करते हुए की, जिसका पति हैंडपंप सहायक था और महामारी के दौरान उसकी मौत हो गई थी।

जस्टिस रवींद्र घुगे और जस्टिस आरएम जोशी की खंडपीठ ने कहा कि 50 लाख रुपये के मुआवजे की मांग करने वाली महिला की अर्जी खारिज करने के महाराष्ट्र सरकार के आदेश में कुछ भी गलत नहीं है। गत 28 मार्च को पारित फैसले की प्रति मंगलवार को उपलब्ध कराई गई।

अदालत ने यह आदेश नांदेड़ जिले की कंचन हामशेट्टे की याचिका पर पारित किया, जिन्होंने यह कहते हुए सरकार से 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की थी कि उनके पति को सरकार ने तैनात किया गया था, जिनकी कोविड-19 से मौत हो गई थी। महामारी के दौरान राज्य सरकार ने उन कर्मचारियों के लिए 50 लाख रुपये की व्यापक व्यक्तिगत दुर्घटना योजना शुरू की थी जो सर्वेक्षण, रोगियों का पता लगाने, परीक्षण, रोकथाम और उपचार एवं राहत गतिविधियों से संबंधित सक्रिय ड्यूटी पर थे। हामशेट्टे ने अपनी याचिका में कहा कि अप्रैल, 2021 में जान गंवाने वाले उनके पति ऐसा कार्य कर रहे थे, जो आवश्यक सेवाओं की श्रेणी में आता है। उन्होंने हाई कोर्ट से नवंबर, 2023 में उनका आवेदन खारिज किए जाने के राज्य सरकार के निर्णय को रद करने का आग्रह किया था।

आक्सीजन न मिलने से पांच माह के बच्चे की मौत

जागरण संवाददाता, जयपुर : राजस्थान के बूंदी जिले में स्थित राज्य सरकार के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आक्सीजन नहीं मिलने से पांच माह के बच्चे की मौत हो गई। स्वजन ने सांस की समस्या के चलते बच्चे को अस्पताल में भर्ती करवाया था। भर्ती करने पर उसे आक्सीजन लगाया गया था। इसी दौरान बिजली चली गई। हैरान करने वाली बात यह है कि स्वास्थ्य केंद्र में रखे जेनरेटर में डीजल खत्म हो गया था। इस कारण जेनरेटर नहीं चला और बच्चे को आक्सीजन नहीं मिल पाई, जिससे उसकी मौत हो गई। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. ओपी तंवर ने बताया कि इस मामले की जांच के लिए कमेटी बनाई गई है।

सुप्रीम कोर्ट में माब लिंचिंग पर सुनवाई के दौरान उदयपुर के टेलर का आया जिक्र

- सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा- राजस्थान की घटना (कन्हैया लाल) में क्या हुआ
- राज्यों से कहा-माब लिंचिंग रोकने के लिए क्या कदम उठाए, छह सप्ताह में दाखिल करें हलफनामा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को माब लिंचिंग पर सुनवाई के दौरान उदयपुर के टेलर कन्हैया लाल का मामला उठा। कोर्ट ने राज्य सरकारों से माब लिंचिंग की घटनाओं पर कार्रवाई की मांग कर रहे जनहित याचिकाकर्ता के वकील से पूछा कि राजस्थान में टेलर (कन्हैया लाल) के मामले में क्या हुआ? जब याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इस याचिका में वह मामला शामिल नहीं है तो कोर्ट ने कहा कि माब लिंचिंग के मामलों को उजागर करने के दौरान उन्हें सेलेक्टिव नहीं होना चाहिए। इसके बाद कोर्ट ने राज्यों को छह सप्ताह में हलफनामा दाखिल कर यह बताने को कहा है कि माब लिंचिंग की घटनाएं रोकने के लिए, उन्होंने क्या किया है? 2022 में भाजपा नेत्री नुपुर शर्मा का विवादित पोस्ट इंटरनेट मीडिया पर कथित तौर पर साझा करने पर उदयपुर में टेलर कन्हैया लाल की हत्या कर दी गई थी।

नेशनल फेडरेशन आफ इंडियन वूमन संस्था ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल कर माब लिंचिंग की घटनाओं में कार्रवाई करने और पीड़ितों को मुआवजा दिए जाने की मांग की है। इस याचिका पर मंगलवार को जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस संदीप मेहता ने सुनवाई की। याचिकाकर्ता के वकील निजाम पाशा जब देश के विभिन्न हिस्सों में कथित गोरक्षकों और भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने (माब लिंचिंग) के मामलों का जिक्र करते हुए, कार्रवाई की मांग कर रहे थे और कोर्ट के पूर्व आदेश में दिए गए दिशा निर्देशों का पालन न किए जाने की दलीलें दे रहे थे, तभी पीठ ने उनसे टेलर मामले पर सवाल किया। इस दौरान गुजरात की ओर से पेश वकील अर्चना पाठक दवे ने कहा, इस याचिका में सिर्फ मुस्लिमों की माब लिंचिंग की घटनाएं उठाई गई हैं। कोर्ट ने कहा कि यह मामला धर्म या जाति का नहीं है, यह एक पूरा मुद्दा है और इसे एक मुद्दे की तरह ही लिया जाना चाहिए।

पीठ ने आदेश दिया-'हमने पाया है कि अधिकतर राज्यों ने माब लिंचिंग के उदाहरण पेश करने वाली रिट याचिका पर अपने जवाबी हलफनामे दाखिल नहीं किए हैं। हम उन राज्यों को छह सप्ताह का समय देते हैं जिन्होंने अपना जवाब अभी तक दाखिल नहीं किया है।' सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता संगठन की ओर से पेश वकील निजाम पाशा ने कहा कि मध्य प्रदेश में माब लिंचिंग की एक घटना हुई थी, लेकिन पीड़ितों के खिलाफ गोहत्या की प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

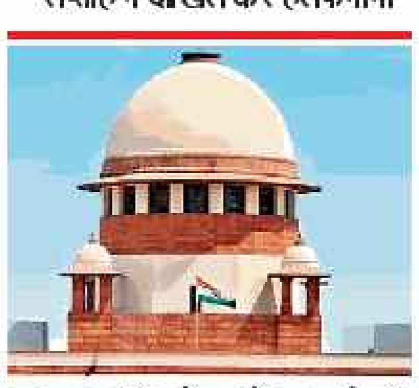

डीएल संबंधी कानून में बदलाव पर सुनवाई टाली

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इस कानूनी सवाल पर सुनवाई 30 जुलाई तक के लिए टाल दी कि क्या हल्के मोटर वाहन के लिए ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) रखने वाला व्यक्ति 7,500 किलोग्राम तक के वजन वाले ऐसे वाहन को चला सकता है जिस पर कोई सामान नहीं लदा हो। संविधान पीठ ने अटार्नी जनरल द्वारा एक नोट प्रस्तुत करने के बाद मामले को स्थगित कर दिया।

अदालत के बाहर अपराध स्वीकार करना कमजोर साक्ष्य : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने 1998 में हत्या के एक मामले में दोषी व्यक्ति को बरी करते हुए मंगलवार को कहा, अदालत के बाहर अपराध स्वीकार करना कमजोर साक्ष्य है। हालांकि, इसका उपयोग ठोस सुबूत के साथ एक पुष्टिकारक साक्ष्य के रूप में किया जा सकता है।

शीर्ष अदालत ने पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली दोषी की अपील स्वीकार कर ली। हाई कोर्ट ने निचली अदालत के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें उसे दोषी करार दिया गया था और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि अपीलकर्ता ने जून 1998 में भिवानी के सिनेमाघर में एक व्यक्ति की इस संदेह में हत्या कर दी थी कि उसका उसकी (आरोपित की) पत्नी के साथ अवैध संबंध था। कोर्ट ने कहा, अभियोजन का मामला प्राथमिक रूप से दो गवाहों के बयान पर आधारित है, जिनमें मृतक का भाई व एक अन्य शामिल है। उन्होंने दावा किया था कि आरोपित ने उनके समक्ष इकबालिया जुर्म कुबूल किया था। पीठ ने कहा, ये दोनों गवाह अविश्वसनीय गवाहों की श्रेणी में आते हैं और अपराध की पुष्टि के लिए उनके बयान पर भरोसा करना सही नहीं होगा।

झेलम में बच्चों से भरी नौका डूबी, छह की मौत

जासं, श्रीनगर: कश्मीर के झेलम दरिया में मंगलवार सुबह स्कूली बच्चों व स्थानीय लोगों से भरी एक नौका रस्सियां टूटने के बाद निर्माणाधीन पुल से टकराकर दो हिस्सों में टूटकर पलट गई।

हादसे में दो जुड़वा भाइयों सहित छह लोगों की मौत हो गई, जिनके शव बरामद हो गए हैं। वहीं, 10 को बचा लिया गया। नौका में 19 लोग सवार थे, जिनमें स्कूली बच्चे व उनके अभिभावक थे। पिता-पुत्र व एक अन्य छात्र लापता हैं।

बिहार में टेंपो पलटने से दो बच्चों समेत सात की मौत

जासं, पटना: बिहार की राजधानी पटना में मंगलवार की भोर लगभग पौने चार बजे तेज रफ्तार टेंपो पलट गया, जिसमें दो बच्चों समेत सात सवारियों की मौत हो गई। एक युवक को गंभीर हालत में पटना मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कंकड़बाग थाना क्षेत्र में हुए हादसे के बाद चालक टेंपो लेकर भाग गया था, जिसे घटनास्थल से 200 मीटर दूर बरामद कर लिया गया। दोनों परिवार रामनवमी मनाने गांव जा रहे थे।

देश के पहले फाइटर पायलट दिलीप सिंह मजीठिया का निधन

2022 में राजभवन गोल्फ क्लब नैनीताल आए थे डीएस मजीठिया ● सौ. हरीश साह

जासं, रुद्रपुर : देश के सबसे पहले फाइटर पायलट स्क्वाड्रन लीडर (रि.) दिलीप सिंह मजीठिया का सोमवार देर रात 103 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। मजीठिया ने रुद्रपुर के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। मंगलवार को सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। स्वजन ने बताया कि दो सप्ताह से उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था। चार दिन पहले निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

हमें चुनावी प्रक्रिया में आस्था और विश्वास बनाए रखना होगा : कोर्ट

तृतीय पृष्ठ से आगे

भूषण ने कहा-दूसरी मांग यह है वीवीपैट पर्ची मतदाता को मिले और फिर वह उसे बाक्स में डाले। तीसरी वीवीपैट मशीन में पारदर्शी शीशा लगाया जाए, जो कि 2017 में मशीन के डिजाइन में परिवर्तन करके हटा दिया गया है। उसकी जगह अब धुंधला शीशा लगा दिया गया है। सात सेकंड के लिए लाइट जलती है, जब मतदाता अपनी पर्ची देख सकता है, लेकिन वह अंदर यह नहीं देख सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों भारत इलेक्ट्रानिक लिमिटेड व इलेक्ट्रानिक कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड में निदेशक भाजपा से जुड़े हुए लोग हैं।

कुछ यूरोपीय देशों के बैलेट सिस्टम पर लौटने की दलीलों पर जस्टिस दत्ता ने कहा, 'यह बहुत बड़ा काम है। कोई भी यूरोपीय देश ऐसा नहीं कर सकता। आपने जर्मनी की बात की, लेकिन वहां की आबादी कितनी है। मेरा गृह राज्य बंगाल ही जर्मनी से कहीं अधिक आबादी वाला है। हमें चुनावी प्रक्रिया में आस्था और विश्वास बनाए रखना होगा। इस तरह सिस्टम को ध्वस्त करने की कोशिश न करें।' जब भूषण ने कहा कि ज्यादातर लोग ईवीएम पर भरोसा नहीं करते तो जस्टिस दत्ता ने सवाल किया कि ये आंकड़ा उन्हें कहां से मिला। भूषण ने जब एक प्राइवेट पोल का हवाला दिया तो न्यायाधीश ने कहा, आप प्राइवेट पोल पर भरोसा कर रहे हैं। पीठ ने कहा, उन्होंने इस मामले में चुनाव आयोग से आंकड़े मंगाए हैं और पूरी प्रक्रिया बताने को कहा है। चुनाव आयोग आंकड़े देगा और कोर्ट उसे देखेगा। मामले में गुरुवार को फिर सुनवाई होगी।

एअर इंडिया ने वैकल्पिक मार्ग के साथ पश्चिम की उड़ानों की योजना बनाई

नई दिल्ली, प्रेट्र: एअर इंडिया ने मंगलवार को कहा कि उसने सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग के साथ पश्चिम की ओर जाने वाली कुछ उड़ानों की योजना बनाई है। उड़ानों की निगरानी करने वाली कुछ वेबसाइट ने दिखाया कि पश्चिम एशिया संकट के बीच एअर इंडिया की तीन उड़ानों ने ईरानी हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल किया।

इस संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि परिचालन जोखिम मूल्यांकन के तहत हमने पश्चिम की ओर जाने वाली कुछ उड़ानों की योजना एक सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग के साथ बनाई है। दूसरी एयरलाइंस भी इस मार्ग का उपयोग करती हैं। उधर, मामले से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि वैकल्पिक उड़ान पथ ईरानी हवाई क्षेत्र में एक सुरक्षित गलियारा था।

झारखंड में रामनवमी जुलूस रोकने पर बवाल

- बिना अनुमति मुस्लिम मोहल्ले से होकर निकाला जुलूस, वापसी में रोकने पर हंगामा
- पथराव और लाठी चार्ज में सीओ के चालक समेत आधा दर्जन लोग घायल, स्थिति नियंत्रण में

जागरण टीम, हजारीबाग/रांची : झारखंड के हजारीबाग में मुस्लिम मोहल्ले से होकर रामनवमी जुलूस निकालने के मुद्दे पर मंगलवार को बवाल हो गया। उग्र लोगों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। उग्र ग्रामीणों ने पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों पर पथराव किया और बीडीओ, सीओ, थाना प्रभारी की गाड़ियों में तोड़फोड़ की। लोगों ने गांव की दो मचानों को फूंक दिया, जबकि पथराव में सीओ के चालक समेत आधा दर्जन ग्रामीणों के घायल होने की सूचना है। उपायुक्त व एसपी ने स्थिति को नियंत्रण में बताया है।

बड़कागांव इलाके के महुदी गांव में रामनवमी जुलूस के मार्ग को लेकर 40 वर्षों से विवाद है। मंगलवार को ग्रामीण जुलूस निकालकर मेलाटांड़ इलाके में पहुंचे। बताया जाता है यहां ग्रामीणों ने बगैर प्रशासन को सूचना दिए जुलूस निकाला। सूचना पर बड़कागांव थाने की पुलिस महुदी गांव पहुंची। पुलिस-प्रशासन ने वापसी में बैरिकेडिंग कर जुलूस को रोका। ग्रामीणों ने आगे बढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने लाठी चार्ज कर दिया।

बंगाल में पहली बार रामनवमी पर रहेगी सरकारी छुट्टी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता: रामनवमी के मौके पर बुधवार को बंगाल में सरकारी छुट्टी रहेगी। मार्च के पहले हफ्ते में ही ममता बनर्जी सरकार ने अधिसूचना जारी कर रामनवमी पर 17 अप्रैल को छुट्टी की घोषणा की थी। यह पहली बार है जब प्रदेश में रामनवमी पर सभी सरकारी कार्यालय और स्कूल-कालेज बंद रहेंगे। बता दें कि रामनवमी पर केंद्र सरकार के कार्यालयों में सरकारी छुट्टी रहती है। आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर राज्य सरकार और उससे जुड़े सभी विभागों व संस्थानों में छुट्टी रहेगी। इस निर्णय को लोस चुनाव से पहले ममता बनर्जी का मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से रामनवमी पर राज्य के विभिन्न हिस्सों में सांप्रदायिक हिंसा की खबरें सामने आती रही हैं। पिछले साल हावड़ा व हुगली जिले में रामनवमी जुलूस पर हमले के बाद हिंसा भड़क गई थी। इसके बाद हाई कोर्ट के आदेश पर हनुमान जयंती पर राज्य के संवेदनशील इलाकों में केंद्रीय बल तैनात किए गए थे।

चौथा स्थान पाने वाले रामकुमार के पिता को टीवी से मिली जानकारी

कोच्चि, आइएएनएस : सिविल सेवा परीक्षा, 2023 में चौथा स्थान हासिल करने वाले पीके सिद्धार्थ रामकुमार के माता-पिता को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उनका बेटा इस बार भी प्रतिष्ठित परीक्षा में सम्मिलित हुआ था। उन्हें टीवी पर प्रसारित खबर से इसे बारे में पता चला। रामकुमार की मां ने बताया, 'हमें नहीं पता था कि वह इस बार परीक्षा में सम्मिलित हुआ था, परीक्षा पास कर ली थी और फिर साक्षात्कार में भी शामिल हुआ था। जब उसका नाम टीवी पर आया तभी हमें इसके बारे में पता चला। इसके बाद उसने हमें सूचित करने के लिए छोटी सी फोन काल की।' उन्होंने बताया कि अब उनका बेटा आइपीएस छोड़कर आइएएस बनेगा। रामकुमार वर्तमान में हैदराबाद स्थित आइपीएस अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

****

11 प्रत्याशियों की पांचवीं सूची बसपा ने जारी की। इनमें मैनपुरी सीट का बदलाव भी शामिल हैं। पार्टी ने अब तक यूपी में 55 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। 11 उम्मीदवारों में तीन मुस्लिम व दो ब्राह्मण चेहरे शामिल हैं।

वाराणसी में मोदी से मुकाबला करेंगे बसपा के अतहर जमाल

- जौनपुर से धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला को दिया टिकट
- मैनपुरी से अब शिव प्रसाद यादव को बनाया गया प्रत्याशी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ: बसपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ वाराणसी सीट से अतहर जमाल लारी को चुनाव मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने यहां से पीएम मोदी के खिलाफ प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को चुनाव मैदान में उतारा है। वहीं, मैनपुरी में सपा प्रत्याशी डिंपल यादव के खिलाफ बसपा ने गुलशन देव शाक्य का टिकट काटकर अब शिव प्रसाद यादव को चुनाव मैदान में उतारा है। मंगलवार को बसपा ने 11 प्रत्याशियों की पांचवीं सूची जारी की, इनमें मैनपुरी सीट का बदलाव भी शामिल हैं। पार्टी ने अब तक यूपी में 55 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है।

मैनपुरी सीट से प्रत्याशी बदलकर शिव प्रसाद यादव को टिकट देने से सपा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। भाजपा ने मैनपुरी से योगी सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को टिकट दिया है। बसपा ने जौनपुर से बाहुबली धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला सिंह को उतारा है। वहीं, बदायूं से मुस्लिम खां, बरेली से छोटेलाल गंगवार, सुलतानपुर से उदराज वर्मा, फर्रुखाबाद से क्रांति पांडेय, बांदा से मयंक द्विवेदी, डुमरियागंज से ख्वाजा समसुद्दीन, बलिया से लल्लन सिंह यादव, गाजीपुर से उमेश कुमार सिंह को टिकट दिया है।

पहले चरण के मतदान को लेकर निगरानी बढ़ाने के निर्देश

- चुनाव आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को चेताया, गड़बड़ी मिली तो होंगे सीधे जिम्मेदार
- पहले चरण में देशभर की 102 लोकसभा सीटों पर होगा शुक्रवार को होगा मतदान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : पहले चरण के मतदान में सिर्फ दो दिन बचे हैं, ऐसे में चुनाव आयोग ने पहले चरण में शामिल लोकसभा की सभी 102 सीटों पर निगरानी और बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आदर्श चुनाव आचार संहिता का भी और सख्ती से पालन कराने को कहा है। देशभर में आदर्श आचार संहिता लगे हुए एक महीना पूरा होने पर चुनाव आयोग ने इसके अनुपालन की भी समीक्षा की। इस दौरान कुछ मामलों को छोड़कर मोटे तौर पर इसके पालन पर संतोष जताया और उम्मीद जताई कि राजनीतिक दल व प्रत्याशी आगे भी आदर्श आचार संहिता का ठीक तरीके से पालन करेंगे। विपक्षी दलों के इस आरोप के बीच कि सरकार उनके नेताओं को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है, चुनाव आयोग ने कहा कि वह पार्टियों और उम्मीदवारों के समान अवसर और प्रचार अधिकार की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

आयोग ने इस दौरान सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों और मैदानी अमले को चुनावी तैयारियों को पुख्ता रखने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा है कि गड़बड़ियां मिलने पर उनकी जिम्मेदारी तय होगी। इस दौरान सुरक्षा से जुड़े इंतजामों को विशेष रूप से परखने के निर्देश दिए गए हैं। आयोग के मुताबिक चुनाव आचार संहिता लगने के बाद से अब तक यानी एक महीने में सात राजनीतिक दलों के 16 प्रतिनिधिमंडलों ने इसके उल्लंघन से जुड़ी शिकायतों को लेकर मुलाकात की है। इस बीच आयोग व राज्यों के स्तर पर आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ी करीब दो सौ शिकायतें दर्ज की गईं। इसमें से 169 मामलों पर कार्रवाई भी की गई है। आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारियों से यह भी कहा है कि वह चुनाव में सभी दलों और प्रत्याशियों के साथ एक समान और पारदर्शी व्यवहार रखें। यह भी सुनिश्चित करें कि सभी को चुनाव लड़ने के समान अवसर मुहैया हों। पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होना है।

किस दल ने कितनी शिकायतें कराई दर्ज

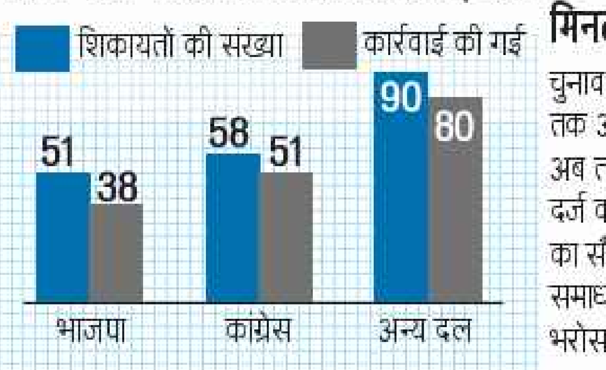

92 प्रतिशत शिकायतों का सौ मिनट से कम समय में समाधान

चुनाव आचार संहिता लगने के बाद से अब तक आम लोगों ने सी-विजिल एप के जरिए अब तक 2.28 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज कराई हैं। इनमें से 92 प्रतिशत मामलों का सौ मिनट के तय समय के भीतर ही समाधान कर दिया गया। इससे जनता का भरोसा स्वस्थ चुनाव को लेकर और बढ़ा है।

भाजपा का कांग्रेस के 'गारंटी कार्ड' अभियान को रोकने का अनुरोध

- अभियान को भ्रष्ट आचरण और रिश्वतखोरी के तहत बताते हुए चुनाव आयोग से की शिकायत
- कार्ड बांटने वाले कांग्रेसियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की भी मांग की

नई दिल्ली, प्रेट्र: भाजपा ने मंगलवार को कांग्रेस के 'घर-घर गारंटी' अभियान को रिश्वतखोरी के समान भ्रष्ट आचरण बताया और निर्वाचन आयोग से इसे रोकने का अनुरोध किया। भाजपा ने कहा कि यह अभियान तीन अप्रैल को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुरू किया था और पार्टी कार्यकर्ता लोगों के बीच गारंटी कार्ड बांट रहे हैं तथा उन्हें पार्टी के वादे के अनुसार लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र दे रहे हैं।

निर्वाचन आयोग से की गई शिकायत में भाजपा ने कहा है कि कार्ड पर कांग्रेस के प्रमुख नेताओं राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के हस्ताक्षर हैं। सत्तारूढ़ पार्टी ने दावा किया कि इस तरह की पहल खुले तौर पर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के सिद्धांत का उल्लंघन है। भाजपा ने चुनाव आयोग से मांग की कि कांग्रेस को गारंटी कार्ड या ऐसी किसी भी सामग्री के प्रकाशन, प्रसार और वितरण से रोका जाए जिसका उद्देश्य चुनावी रिश्वतखोरी को बढ़ावा देना और मतदाताओं को लुभाना है। कार्ड बांटने वाले कांग्रेस सदस्यों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की भी मांग की गई।

एक नजर में

ममता के भतीजे के खिलाफ भाजपा के अभिजीत दास

नई दिल्ली : भाजपा ने मंगलवार को लोस चुनावों के लिए सात उम्मीदवारों की 12वीं सूची जारी की। भाजपा ने बंगाल की हाई हॉट सीट डायमंड हार्बर में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के खिलाफ अभिजीत दास (बाबी) को मैदान में उतारा है। महाराष्ट्र के सतारा से छत्रपति उदयनराजे भोंसले को टिकट दिया है। उप्र में विश्वदीप सिंह फिरोजाबाद से जबकि, शशांक मणि त्रिपाठी देवरिया से चुनाव लड़ेंगे। पंजाब में पार्टी ने खडूर साहिब से मंजीत सिंह मियांविंड, होशियारपुर से अनीता सोम प्रकाश और बठिंडा से परमपाल कौर सिद्धू को मैदान में उतारा है। (एजेंसी)

'गनीमत है मोदी ने यह नहीं कहा-अबकी बार 600 पार'

बेंगलुरु: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले ही अगले पांच साल के कार्यक्रमों के लिए सचिवों की बैठक बुला रहे हैं। इस तरह का अतिआत्मविश्वास और घमंड देश व लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। गनीमत है मोदी ने यह नहीं कहा-अबकी बार 600 पार। कहा कि आइएनडीआइए के पीएम पद के चेहरे का मुद्दा चुनाव के नतीजों के बाद सुलझाया जाएगा। (प्रेट्र)

मल्लिकार्जुन खरगे

'असम में चाय बागान श्रमिकों की दिहाड़ी बढ़ाएगी कांग्रेस'

विश्वनाथ: कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि आगामी लोस चुनाव में यदि विपक्षी गठबंधन विजयी होता है तो असम के चाय बागानों के श्रमिकों की दिहाड़ी बढ़ाई जाएगी। प्रियंका असम के जोरहाट जिले में पार्टी के प्रत्याशी गौरव गोगोई के समर्थन में रोड शो करने पहुंचीं थीं। (प्रेट्र)

प्रियंका गांधी वाड्रा

नेकां, पीडीपी, कांग्रेस ने थमाई बंदूकें, मोदी सरकार ने दिया काम : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने की अपील - परिवारवादी पार्टियों से दूर रहें

राज्य ब्यूरो, जम्मू, जागरण : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू में कहा कि कांग्रेस, नेशनल कान्फ्रेंस और पीडीपी ने जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र को विकसित नहीं होने दिया। सुरक्षा के बहाने इन्होंने हमारे कश्मीरी युवाओं का शोषण किया। उन्होंने कहा कि मैं नेकां के अध्यक्ष डा. फारूक अब्दुल्ला और पीडीपी से पूछना चाहता हूं कि किसके शासन में सबसे ज्यादा फर्जी एनकाउंटर हुए? कश्मीर के बच्चों पर गोली किसने चलाई और उनके हाथ में बंदूकें किसने थमाईं? शाह ने कहा कि ये तीन पार्टियां ही इस सबके लिए जिम्मेदार हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में शांति बहाल की और विकास का मार्ग प्रशस्त किया। प्रधानमंत्री ने आतंक, पथराव और अलगाववाद को खत्म किया और युवाओं को काम दिया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट ने जो तिथि (30 सितंबर) तय की है, उसी के अनुसार जम्मू-कश्मीर में विस चुनाव कराए जाएंगे।

भाजपा के स्टार प्रचारक अमित शाह ने जम्मू-रियासी लोस सीट से भाजपा प्रत्याशी जुगल किशोर शर्मा के समर्थन में रैली को संबोधित करते हुए मोदी सरकार की उपलब्धियां और विकास कार्यों को गिनवाया तो कांग्रेस, नेकां और पीडीपी की परिवारवादी राजनीति को आड़े हाथ लिया। इस सीट के लिए मतदान दूसरे चरण में 26 अप्रैल को है।

लोगों का प्यार मिला तो कश्मीर में खिलेगा कमल: गृह मंत्री ने कहा कि अब जम्मू-कश्मीर के लोगों का प्यार मिलेगा तो कमल खिल जाएगा। कश्मीर के लोगों से अपील की कि जिसको भी वोट देना हो दें, लेकिन वे तीन परिवारवादी पार्टियों से दूर रहें। कहा कि फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती व सोनिया गांधी अपने बेटे-बेटी के लिए काम करते हैं, आपके लिए नहीं। गृह मंत्री ने कहा कि उन्होंने संसद में कहा था कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि गुज्जरों और बक्करवालों के आरक्षण के हिस्से में कटौती किए बिना पहाड़ियों को उचित आरक्षण दिया जाएगा। हमने सभी को उचित आरक्षण दिया।

चीन सीमा से सटे गांवों में बंद होगा पलायन: अमित शाह ने कहा कि चीन की सीमा से सटे हर गांव में पलायन बंद होगा। पलायन रोकने के लिए, उत्तराखंड में पर्यटन को बढ़ाना होगा। प्रदेश के हर गांव तक वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम को पहुंचाया जाएगा। अमित शाह गढ़वाल संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी के समर्थन में मंगलवार को कोटद्वार में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की मांग कर रहे निहत्थे युवाओं पर कांग्रेस ने गोलियां चलवाई थी।

जम्मू में मंगलवार को भाजपा की जन आशीर्वाद रैली को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ● जागरण

केंद्रीय गृह मंत्री ने विश्वास दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय तिथि के अनुसार ही कराए जाएंगे जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव

यह भी बोले

- शाह ने कहा कि महबूबा मुफ्ती कहती थीं कि अनुच्छेद 370 हटेगा तो तिरंगे को कंधा देने वाला कोई नहीं रहेगा। 370 चला गया और तिरंगा शान से लहरा रहा है।
- फारूक कहते थे कि मोदी 10 बार भी प्रधानमंत्री बनें तो भी अनुच्छेद-370 को हटा नहीं सकते हैं। मोदी ने दूसरी बार प्रधानमंत्री बनते ही इसे हटा दिया।
- डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का एक विधान, एक प्रधान, एक निशान का सपना पूरा हो गया है।

'पीएम चार जून के बाद भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई तेज करेंगे'

रामनाथपुरम (तमिलनाडु) प्रेट्र: भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिला स्थित परमकुडी में राजग प्रत्याशी और पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम के समर्थन में रोड शो किया। कहा कि द्रमुक का अर्थ-डी यानी डायनेस्टी (वंशवाद), एम यानी मनी लांड्रिंग (पैसों की हेराफेरी) और के यानी कट्टापंचायत (कंगारू अदालत) है। नड्डा ने कहा कि चार जून के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई तेज कर देंगे। ये सभी लोग जेल में होंगे या जमानत पर होंगे। देश में सात चरणों में लोकसभा चुनाव होने के बाद चार जून को मतगणना होगी। नड्डा ने एक खुले वाहन में सवार होकर रोड शो किया। उन्होंने पन्नीरसेल्वम की प्रशंसा करते हुए उन्हें वरिष्ठ और अनुभवी नेता बताया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी ने कोष आवंटन में इस दक्षिण राज्य का विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने तमिल संस्कृति एवं भाषा को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पहुंचाया।

जेपी नड्डा

राहुल गांधी ने मोदी को बताया अमीरों की कठपुतली

कोझिकोड (केरल), प्रेट्र: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्हें देश के पांच-छह बड़े कारोबारियों की कठपुतली करार दिया। आरोप लगाया कि मोदी का काम असल मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाना, अमीर उद्योगपतियों की रक्षा करना और उनके बैंक कर्जों को माफ करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी ने देश में 20-25 लोगों को करीब 16 लाख करोड़ रुपये दिए हैं।

वायनाड के सांसद राहुल ने जिले के कोडियाथुर में रोड शो के दौरान कहा कि मोदी उन मुद्दों पर बात नहीं करते जिनका आज देश के किसान सामना कर रहे हैं। वह बेरोजगारी और महंगाई पर भी कुछ नहीं कहते। उन्होंने कहा कि चूंकि मोदी देश के कुछ अमीर लोगों को पैसा दे रहे हैं, इसलिए कांग्रेस ने सत्ता में आने पर गरीबों को पैसा देने का फैसला किया है। उन्होंने देश के प्रत्येक गरीब परिवार की एक महिला को प्रति वर्ष एक लाख रुपये देने का वादा किया। महिलाओं के लिए उन्होंने सरकारी नौकरियों, पीएसयू और सरकारी कंपनियों में 50 प्रतिशत आरक्षण देने का भी आश्वासन दिया।

चुनावी बांड के मुद्दे पर राहुल ने कहा कि यह योजना प्रधानमंत्री मोदी द्वारा की गई एक तरह की जबरन वसूली थी। इसके जरिये लक्षित व्यापारियों को डराने-धमकाने की रणनीति तैयार की गई। उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर संविधान को नष्ट करने और बदलने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव का यही एकमात्र बड़ा मुद्दा है और बाकी सभी मुद्दे इसी से निकले हैं। एक अन्य रोड शो के दौरान राहुल ने आरोप लगाया कि मोदी के पास देश चलाने की समझ नहीं है। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री के उस बयान का भी मजाक उड़ाया जिसमें उन्होंने लोगों से कोविड-19 महामारी के दौरान स्टील के बर्तन बजाने और अपने मोबाइल फोन की लाइटें जलाने के लिए कहा था। राहुल लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद 15 अप्रैल को दूसरी बार अपने संसदीय क्षेत्र आए।

कोझिकोड में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ● एएनआइ

- कहा- मोदी का काम वास्तविक मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाना
- संविधान को बदलने की कोशिश में हैं भाजपा और आरएसएस

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन के भाई बोले-राहुल के कारण कांग्रेस डूबी

जागरण संवाददाता, जयपुर: पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के भाई दलजीत सिंह ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के कारण कांग्रेस पूरी तरह से डूब गई है। कांग्रेस में पूरी तरह से बिखराव हो चुका है। मंगलवार को बीकानेर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कभी मनमोहन की आलोचना नहीं की है। मोदी ने मनमोहन की आर्थिक नीतियों को हमेशा आगे बढ़ाने की बात की है। मनमोहन के अधूरे कार्यों को मोदी ने पूरा किया है। खुद के कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मोदी देश को आगे बढ़ा रहे हैं। देश की अर्थव्यवस्था लगातार प्रगति कर रही है। ऐसे में मोदी के नेतृत्व में आस्था हर वर्ग की बढ़ने लगी है।

द्रमुक और कांग्रेस ने भ्रष्टाचार का पेटेंट कराया : राजनाथ सिंह

कृष्णागिरी, एएनआइ: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी आइएनडीआइए पर भ्रष्टाचार और राजवंशी राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इन दोनों दलों ने भ्रष्टाचार का पेटेंट करा लिया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को एक चुनावी रैली में कहा कि द्रमुक ने तमिलनाडु को केवल भ्रष्टाचार और राजशाही शासन दिया है। भाजपा कहती है राष्ट्र पहले, लेकिन द्रमुक कहती है परिवार पहले है। पूरा द्रमुक ही पारिवारिक उद्यम है। इसके कारण तमिलनाडु के युवाओं को प्रगति का अवसर ही नहीं मिलता है। तमिलनाडु के युवाओं के लिए भाजपा ही एकमात्र सुलभ और जीवंत विकल्प है। उन्होंने द्रमुक के भ्रष्टाचार पर प्रहार करते हुए कहा कि इस बात का पता चला है कि रेत माफिया ने पिछले दो सालों में 4600 करोड़ रुपये का नुकसान कराया है। केंद्र सरकार हजारों करोड़ रुपया दिल्ली से तमिलनाडु के विकास कार्यों के लिए भेजती है, लेकिन यह पैसा द्रमुक के भ्रष्टाचार में चला जाता है।

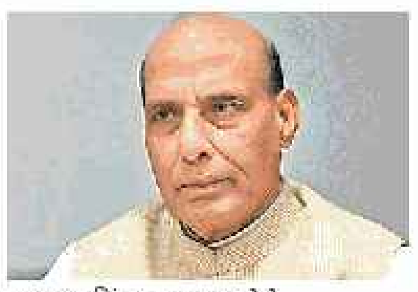

राजनाथ सिंह ● फाइल फोटो

'माफिया के घर फातिहा पढ़ रहे सपा, बसपा व कांग्रेस के नेता'

जागरण टीम, मेरठ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नगीना व कैराना में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि किसी हिंदू के लिए संवेदना का एक शब्द न बोलने वाले सपा, बसपा और कांग्रेस के नेता माफिया के घर जाकर फातिहा पढ़ रहे हैं। कैराना में कहा कि 'जिन्होंने पलायन के लिए मजबूर किया, हमने उनका धरती से पलायन करा दिया'। कहा 'भाजपा सरकार सामान्य लोगों के लिए 'राम' और माफिया के 'राम नाम सत्य' की नीति पर काम कर रही है।' सीएम ने सहारनपुर में रोड शो भी किया।

कांग्रेस ने आंबेडकर को हरवाया था: नगीना में योगी ने कहा कि अयोध्या में रामनवमी पर होने वाले कार्यक्रम में लाखों रामभक्त हिस्सा लेंगे। यह सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कारण ही संभव हो पाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब को चुनाव हरवाया था और सपा के नेता 2012 में सरकार बनने पर वंचित समाज के स्मारक तोड़ने की बात कहते थे। कैराना में सीएम ने कहा 'अब यहां से पलायन नहीं, बल्कि अपराधियों का राम नाम सत्य होता है'। गठबंधन का जिक्र करते हुए कहा कि, जहां नल है वहां तो कमल खिलेगा ही।

योगी आदित्यनाथ ● फाइल फोटो

पीएम की सभाओं में मंच पर अब नजर नहीं आएंगे नीतीश

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ● फाइल फोटो

नीतीश कुमार ● फाइल फोटो

राज्य ब्यूरो, पटना: बिहार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सभी चुनावी सभाओं में अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नजर नहीं आएंगे। हां, कुछ खास सभाओं में दोनों मंच साझा कर सकते हैं। राजग इसे रणनीति का नाम दे रहा है, जबकि राजनीतिक गलियारे में इसकी अलग-अलग व्याख्या हो रही है। कई ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर भाजपा और राजग के रुख अलग हैं। इसके अलावा नीतीश के भाषण का भटकाव भी है। नवादा की चुनावी सभा में मुख्यमंत्री बोल गए कि इस बार राजग के सांसदों की संख्या चार हजार पार कर जाएगी। नीतीश जब यह बोल रहे थे, प्रधानमंत्री उन्हें गौर से देख रहे थे।

भाषण के क्रम में प्रधानमंत्री अंतिम वक्ता होते हैं। ठीक उनसे पहले नीतीश कुमार बोलते हैं। उनके भाषण में राज्य और केंद्र सरकार की उपलब्धियां रहती हैं - सड़क, पुल, हर घर बिजली, सरकारी आवास, स्वरोजगार, नौकरी, स्वास्थ्य सुविधाएं, बेहतर कानून व्यवस्था, लालू-राबड़ी शासन का कथित जंगलराज। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भाषण भी इन्हीं के आसपास रहता है। उनमें नया विषय जुड़ता है- अयोध्या में रामलला का मंदिर, सनातन पर आइएनडीआइए का प्रहार और अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की बढ़ती प्रतिष्ठा। कहते हैं कि नवादा के मंच पर प्रधानमंत्री ने मजाक के लहजे में मुख्यमंत्री को टोक भी दिया था- आप सबकुछ बोल जाते हैं। मेरे लिए कुछ बचता नहीं है। चुनावी अधिसूचना से पहले पीएम मोदी की बेतिया, बेगूसराय और औरंगाबाद में सभा हुई थी। बेतिया को छोड़ दोनों सभाओं में मुख्यमंत्री थे।

रणनीति का हिस्सा

गया और पूर्णिया की चुनावी सभा में मुख्यमंत्री नीतीश की अनुपस्थिति राजग की रणनीति का हिस्सा है। राजग ने चुनावी अभियान को लेकर यह तय किया है कि बड़े नेता एक साथ नहीं, बल्कि अलग-अलग सभाओं में दिखेंगे। जमुई और नवादा की सभाओं में राजग के घटक दलों के सभी नेता एकसाथ जुटे थे। उसी के बाद तय हुआ कि बड़े नेताओं की अलग-अलग सभाएं हों।

चंडीगढ़ में कांग्रेस की बढ़ी मुश्किलें, पहले वाले माने नहीं, 30 और ने दिया इस्तीफा

राजेश ढल्ल ● जागरण

चंडीगढ़: चंडीगढ़ में नाराज नेताओं ने कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अभी जिन 40 नेताओं ने इस्तीफा दिया था, उन्हें मनाने की तैयारी चल ही रही थी कि मंगलवार को 30 और ने इस्तीफा दे दिया। इनमें हिमाचल प्रकोष्ठ के चेयरमैन और जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी भी शामिल हैं। इससे पहले सोमवार को दो जिला अध्यक्ष बंटी नारंग और रवि ठाकुर भी इस्तीफा दे चुके हैं। सभी पदाधिकारियों ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना इस्तीफा भेज दिया है। इन नेताओं ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष एचएस लक्की ने जिस तरह से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन कुमार बंसल के बारे में अपशब्द कहे, इससे शहर के हर कांग्रेसी कार्यकर्ता को ठेस पहुंची है। आरोप है कि लक्की ने बंसल के बारे में अपनी इंस्टाग्राम की स्टोरी में पोस्टर जारी किया, जिसमें लिखा है कि पवन बंसल के साथ खेल हो गया। इस्तीफा देने वाले नेता महिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपा दुबे के सेक्टर-15 घर पर एकत्र हुए, जहां उन्होंने लक्की के खिलाफ नारेबाजी भी की।

कांग्रेस अध्यक्ष लक्की के खिलाफ नारेबाजी करते नाराज कांग्रेसी नेता ● जागरण

चुनावी बांड योजना पैसे से भरे सूटकेस देने से बेहतर : निर्मला

जागरण संवाददाता, जयपुर: केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि चुनावी बांड योजना पार्टियों को पैसे से भरे सूटकेस देने की पिछली प्रणाली से बेहतर है। यह सिस्टम सही है या नहीं यह अलग बात है लेकिन यह पहले की तुलना से बेहतर है क्योंकि पैसा दोनों तरफ से बैंक खातों में दिखाई देता है। चुनावी बांड योजना को संसद में पारित कानून के माध्यम से पेश किया गया था।

वित्त मंत्री ने मंगलवार को जयपुर में मीडिया से बात की और फिर प्रबुद्धजनों एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट के साथ संवाद के दौरान यह बातें कहीं।

कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव में वादे कर जनता को गुमराह करके वोट लेना और फिर वादों को भूल जाना कांग्रेस की आदत है। वर्ष 2014 से पहले देश निराशा में था। पिछले दस साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार आगे बढ़ा है। हर तरफ सकारात्मकता है। इस वर्ष अंतिम तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था में 8.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह अपने आप में रिकार्ड है।

निर्मला सीतारमण

राजपूत समाज से माफी मांगकर रुपाला ने भरा नामांकन पत्र

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद : केंद्रीय मंत्री परशोत्तम रुपाला ने गुजरात की राजकोट संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी के रूप में नामांकन भरा। बहुमाली चौक में नामांकन से पहले हुई जनसभा में रुपाला ने एक बार फिर राजपूत समाज से माफी मांगते हुए कहा कि देश व भाजपा को राजपूत समाज की जरूरत है। उनके साथ मंच पर कई राजपूत नेता भी नजर आए।

रुपाला की एक विवादित टिप्पणी के चलते गुजरात के राजपूत समाज की कई संस्थाएं उनके खिलाफ मोर्चा खोले थीं। उनकी एक ही मांग है कि राजकोट सीट से रुपाला का टिकट रद किया जाए। रुपाला ने विवाद के बीच ही गत दिनों अपने नामांकन का एलान कर दिया था। लेकिन, 14 अप्रैल को राजपूत समाज की विभिन्न संस्थाओं की संकलन समिति ने राजकोट के रतनपुर इलाके में एक महारैली का आयोजन कर उनकी दावेदारी वापस लेने की मांग रखी। रुपाला ने पीएम मोदी के कार्यों का जिक्र करते हुए भाजपा का समर्थन करने की अपील की।

राजकोट में नामांकन दाखिल करने से पहले अपने समर्थकों को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री परशोत्तम रुपाला ● प्रेट्र

40.17 करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं सिंधिया, पांच वर्ष में 4.84 करोड़ बढ़ी संपत्ति

नईदुनिया, शिवपुरी: भाजपा से गुना-शिवपुरी लोस सीट के प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया करीब 40.17 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक हैं। हालांकि, सिंधिया के दादा स्वर्गीय सर जीवाजीराव सिंधिया के नाम 382 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति है। पिछले चुनाव के समय जो हलफनामा दिया गया था, उसमें सिंधिया ने 35.33 करोड़ रुपये की संपत्ति बताई थी। मंगलवार को नामांकन पत्र दाखिल करते समय सिंधिया ने जो हलफनामा दिया है, उसके अनुसार उनके बैंक खातों में करीब 2.55 करोड़ रुपये जमा हैं।

ज्योतिरादित्य सिंधिया

गोविल के संविधान में बदलाव की बात पर सियासी हल्ला

डा. आंबेडकर जयंती पर भाजपा प्रत्याशी का मीडिया से बातचीत का वीडियो हो रहा प्रसारित, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर मामले को दी हवा

जागरण संवाददाता, मेरठ : भाजपा के मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट से प्रत्याशी अरुण गोविल के संविधान संबंधी बयान पर राजनीतिक हल्ला मच गया है। आंबेडकर जयंती पर मीडिया से बातचीत के दौरान गोविल ने यह बयान दिया था।

गोविल के बयान का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो के कुछ अंश को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, 'जो लोग संविधान में प्रगतिशील संशोधन करने और मूलभूत बदलाव करने के बीच का अंतर नहीं समझते उन्हें टिकट देकर भाजपा ने भारी भूल की है। दरअसल भाजपा संविधान को पलटकर गरीबों, वंचितों, शोषितों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के हक-अधिकार व आरक्षण मारकर और पूंजीपतियों के हक में नीति-योजना बनाकर, सारा फायदा-मुनाफा अपने खेमे के कुछ गिने-चुने खरबपतियों को दे देना चाहती है।' इस पोस्ट के बाद विपक्ष ने इसे हवा दे दी कि भाजपा संविधान बदलना चाहती है। इस पर अरुण गोविल ने कहा कि उनकी व भाजपा की संविधान में आस्था है। उनके कहने का आशय संविधान में संशोधन को लेकर था। आवश्यकतानुसार संशोधन होते रहने चाहिए। यह प्रगति की निशानी है। उन्होंने कहा कि संविधान को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक दिन पूर्व दिए साक्षात्कार में स्पष्ट कर दिया है।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखी पोस्ट ● इंटरनेट मीडिया

****

टी-20 आइपीएल

पर्पल कैप

गेंदबाज	टीम	विकेट
चहल	राजस्थान	12
बुमराह	मुंबई	10
मुस्तफिजुर	चेन्नई	10

आरेंज कैप

बल्लेबाज	टीम	रन
विराट कोहली	आरसीबी	361
रियान पराग	राजस्थान	318
सुनील नारायण	केकेआर	276

विराट और रोहित करेंगे ओपनिंग तो यशस्वी को होगी मुश्किल

रोहित शर्मा फाइल फोटो, प्रेट्र

- विराट कोहली ने खुद के खेलने पर स्पष्टता चाही थी, टीम प्रबंधन ने हां में जवाब दिया
- चोट के कारण मयंक यादव का खेल बिगड़ा, रियान पराग पर भी चयनकर्ताओं की हैं नजरें

अभिषेक त्रिपाठी • जागरण

नई दिल्ली: पिछले साल वनडे विश्व कप के ठीक बाद नवंबर में दिल्ली में बीसीसीआइ पदाधिकारियों, कोच राहुल द्रविड़, मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर और रोहित शर्मा (आनलाइन) के बीच बैठक हुई थी। उस बैठक में अधिकतर लोग इस बात पर सहमत थे कि 2024 में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 विश्व कप में विराट कोहली टीम में जगह बनाने के स्वभाविक दावेदार नहीं हैं। रोहित के अलावा विराट ने 2022 टी-20 विश्व कप के बाद से 2023 वनडे विश्व कप तक कोई भी टी-20 मैच नहीं खेला था। इस साल अफगानिस्तान के विरुद्ध तीन मैचों की टी-20 सीरीज से ठीक पहले विराट ने इस प्रारूप में खेलने की इच्छा जताई, यही नहीं उन्होंने टी-20 विश्व कप के लिए भी खुद को उपलब्ध बता दिया इसके बाद से टीम प्रबंधन ऊहापोह में था।

बीसीसीआइ के कुछ शीर्ष पदाधिकारी भी विराट को बाहर करके, खासतौर पर चुनावी मौसम में विवाद पैदा करने के इच्छुक नहीं थे। उन्होंने विराट के कद और नाम को देखते हुए रोहित, द्रविड़ और अजित अगरकर को संकेत दे दिए थे। इसके बाद विराट ने अभी चल रहे आइपीएल के सात मैचों में एक शतक सहित 350 से ज्यादा रन बनाकर आरेंज कैप हासिल कर ली। सूत्रों के मुताबिक कुछ समय पहले विराट ने टीम प्रबंधन से उनके टी-20 विश्व कप में खेलने पर स्पष्टता मांगी थी। जानकारी के अनुसार टीम प्रबंधन ने उन्हें इस पर स्पष्टता दे भी दी है। पिछले सप्ताह मुंबई में बीसीसीआइ मुख्यालय में द्रविड़, अगरकर और रोहित के बीच जून में होने वाले विश्व कप में जाने वाली टीम पर चर्चा हुई। चूंकि विराट आइपीएल में ओपनर के तौर पर खेलते हैं तो विश्व कप में रोहित और विराट को ओपनर के तौर पर उतारने को लेकर भी बात हुई। हालांकि ऐसी स्थिति में यशस्वी जायसवाल का अंतिम-11 से पत्ता कट जाएगा। अगर रोहित-विराट ओपनिंग करेंगे तो यशस्वी और शुभमन गिल में से किसे वैकल्पिक ओपनर के तौर पर ले जाना है उस पर भी चर्चा हुई। जब बैठक हुई थी तब तक के आइपीएल के प्रदर्शन के आधार पर गिल का पलड़ा भारी था। यशस्वी ने इंग्लैंड के विरुद्ध टेस्ट सीरीज में दो दोहरे शतक सहित 700 से ज्यादा रन बनाए थे। आइपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले असम के युवा आलराउंडर रियान पराग को लेकर भी बैठक में चर्चा हुई। रियान सात मैचों में 318 रन बना चुके हैं। वह अगले कुछ मैचों में अपने प्रदर्शन को बरकरार रखते हैं तो वह भी 15 सदस्यीय टीम में जगह बनाकर अमेरिका की फ्लाइट पकड़ सकते हैं। अपनी गति से बल्लेबाजों के लिए सिरदर्द बने दिल्ली के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव के नाम पर भी बैठक में चर्चा हुई, लेकिन उनका चोटिल होना उनके विरुद्ध गया है। चयनकर्ताओं का मानना है कि मयंक को ले जाना एक जोखिम भरा निर्णय हो सकता है।

हार्दिक की गेंदबाजी पर नजर: बैठक में हार्दिक पांड्या को स्पष्ट कर दिया गया है कि अगर उन्हें टीम में जगह बनानी है तो बाकी बचे आइपीएल मैचों में गेंदबाजी से कमाल दिखाना होगा। चयनकर्ताओं का मानना है कि पांड्या की टीम में वापसी तभी होगी, जब वो लगातार अच्छी गेंदबाजी करें। पांड्या ने छह मैचों में केवल चार मैचों में ही गेंदबाजी की है। पांड्या की इकोनोमी 12 की रही है और उन्होंने केवल तीन ही विकेट लिए हैं। बल्ले से भी वह प्रभावित नहीं कर पाए हैं और छह मैचों में केवल 131 रन ही बना पाए हैं। वहीं आइपीएल में सभी खिलाड़ियों पर नजर रख रहे चयनकर्ता हार्दिक के स्थान पर बाएं हाथ के आलराउंडर शिवम दुबे में दिलचस्पी दिखाई है। तेज गेंदबाजों के विरुद्ध दुबे की पावरहिटिंग मध्यक्रम को ताकत देती है, लेकिन उनके साथ सबसे बड़ी समस्या है कि सीएसके ने उनका इस्तेमाल इंपैक्ट खिलाड़ी के रूप में ज्यादा किया है, जिससे उन्हें गेंदबाजी का मौका नहीं मिल पाया है। ऐसे में अगर उनका चयन होता है तो गेंदबाजी में वह कितना प्रभावी होंगे, ये थोड़ी चिंता का विषय है। मालूम हो कि रोहित को हटाकर हार्दिक को मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाया गया है जबकि रोहित भारतीय टी-20 टीम के कप्तान हैं। बीसीसीआइ सचिव जय शाह ने इंग्लैंड के विरुद्ध टेस्ट सीरीज के दौरान राजकोट में रोहित को कप्तान और हार्दिक को उपकप्तान बताया था। ऐसे में रोहित के लिए हार्दिक को प्रदर्शन के आधार पर हटाना आसान नहीं होगा। अप्रैल के आखिर में चयनकर्ताओं की बैठक होगी जिसमें 15 सदस्यीय टीम का चयन होगा। इसमें पांच अतिरिक्त खिलाड़ी भी जाएंगे जो किसी के चोटिल होने की स्थिति में विकल्प बनेंगे क्योंकि अमेरिका और वेस्टइंडीज में तुरंत वैकल्पिक खिलाड़ी भेजना आसान काम नहीं है।

विराट कोहली फाइल फोटो, प्रेट्र

बटलर ने ठंडा किया केकेआर का जोश

इंग्लिश बल्लेबाज ने जड़ा आइपीएल में सातवां शतक राजस्थान रायल्स ने दो विकेट से जीता मुकाबला

आइपीएल में सर्वाधिक शतक

8	विराट कोहली
7	जोस बटलर
6	क्रिस गेल

लक्ष्य का पीछा करते हुए सर्वाधिक शतक

3	जोस बटलर
2	विराट कोहली
2	बेन स्टोक्स

केकेआर के विरुद्ध मैच जिताने के बाद राजस्थान रायल्स के बटलर ने इस तरह जश्न मनाया • एएफपी

विशाल श्रेष्ठ • जागरण

996 रन अंतिम दो आइपीएल मैचों में बने हैं, मुंबई व आरसीबी मैच में 549 तो केकेआर-रायल्स मैच में 447 रन बने

कोलकाता: इंग्लिश विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर क्रीज पर हों तो कुछ भी मुमकिन है। चोट से उबरते ही बटलर ने कोलकाता को जख्म देकर यह फिर साबित कर दिया। बटलर के शानदार शतक के बूते राजस्थान रायल्स ने मंगलवार को कोलकाता नाइटराइडर्स को उसी के मैदान ईडन गार्डेंस स्टेडियम में बेहद रोमांचक मुकाबले में दो विकेट से हरा दिया। कोलकाता ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट खोकर 223 रन बनाए। 224 रनों के लक्ष्य को राजस्थान ने जोश के बूते मैच की आखिरी गेंद पर साध लिया। बटलर को उनकी इस अद्भुत पारी के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

बटलर का जवाब नहीं: बटलर राजस्थान के लिए कितने महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, उन्होंने फिर से बता दिया है। उन्होंने क्रिस गेल (छह) को पीछे छोड़ते हुए आइपीएल में अपना सातवां शतक ठोक डाला। अब वे सिर्फ बेंगलुरू के विराट कोहली (आठ) से पीछे हैं। बटलर ने 60 गेंदों पर अविजित 107 रनों की पारी खेली, जिसमें नौ चौके और छह छक्के शामिल रहे। चोटिल होने से पहले बटलर ने बेंगलुरु के विरुद्ध 47 गेंदों पर अविजित 100 रनों की शानदार पारी खेली थी। उस मैच में विराट ने भी शतक लगाया था। रियान पराग (35) व रोवमैन पोवेल (26) ने भी राजस्थान के लिए छोटी मगर उपयोगी पारियां खेलीं। राजस्थान की सात मैचों में यह छठी जीत है, जिसके साथ वह अंक तालिका में पहले स्थान पर कायम है।

ईडन में नारायण-नारायण की गूंज: हार के बावजूद सुनील नारायण के हरफनमौला प्रदर्शन की तारीफ तो करनी ही पड़ेगी, जिन्होंने पहले आइपीएल में अपना पहला शतक लगाया, फिर दो विकेट चटकाए। सुनील नारायण को कोलकाता का सनथ जयसूर्या कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। उन्होंने 90 के दशक के जयसूर्या की याद दिला दी है। जिस तरह जयसूर्या एकाएक स्पिनर से विस्फोटक आरंभिक बल्लेबाज में बदल गए थे, सुनील नारायण भी उन्हीं के नक्शेकदम पर हैं। अंतर बस इतना है कि सनथ को श्रीलंका के तत्कालीन कोच डेव व्हाटमोर ने जयसूर्या बनाया था और सुनील को टीम के मेंटर गौतम गंभीर ने। नारायण ने राजस्थान के विरुद्ध महज 56 गेंदों पर 109 रनों की लाजवाब पारी खेली, जिसमें 13 चौके और छह छक्के शामिल रहे। आइपीएल के 168 मैचों में यह उनका पहला शतक है। इससे पहले वे पांच अर्धशतक लगा चुके हैं। नारायण ने पहले 50 रन 30 गेंदों पर बनाए तो बाद के 50 रन सिर्फ 19 गेंदों पर पूरे किए। उन्होंने कोई और नहीं, बल्कि आइपीएल के इतिहास व वर्तमान सत्र के अब तक के सबसे सफल गेंदबाज युजवेंद्र सिंह चहल के ओवर में दो छक्के व दो चौके लगाकर अपना पहला शतक पूरा किया। नारायण ने इससे पहले दिल्ली के विरुद्ध 39 गेंदों पर 85 रनों की आतिशी पारी खेली थी।

रंग लाया गंभीर का भरोसा: सुनील नारायण ने पहली बार बिग बैश लीग में ओपनिंग की थी। आइपीएल में वे गौतम गंभीर के कहने पर आरंभिक बल्लेबाज बने। गंभीर तब टीम के कप्तान थे। शुरुआती कुछ मैचों में नारायण को सफलता मिली। 2018 में उन्होंने बल्ले से जौहर दिखाते हुए 189.89 के स्ट्राइक रेट से 357 रन बनाए थे, हालांकि बाद में वांछित नतीजे मिलने बंद हो गए तो बाद के कप्तानों ने उन्हें फिर से निचले स्तर पर धकेल दिया लेकिन वर्तमान सत्र में मेंटर बनकर टीम से जुड़ते ही गंभीर ने नारायण से फिर पारी की शुरुआत कराई, जिसका शानदार फल मिलने लगा है।

ऐतिहासिक ईडन में इतिहास रचने से चूके चहल: राजस्थान के स्टार स्पिनर युजवेंद्रा चहल ईडन में आइपीएल में अपने 200 विकेट पूरे नहीं कर पाए। उन्होंने श्रेयस का विकेट चटकाया तो लगा कि वे इसी ग्राउंड में इतिहास रच देंगे लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। चहल के अब 152 मैचों में 199 विकेट हो गए हैं।

20 ...Where Achievements Redefine Excellence... BATCH 2024
STELLAR PACKAGE #6
By COMMVAULT
PSIT Kanpur
₹ 32 LACS
AMAN TRIPATHI
B.Tech - CS
linkedin.com/in/aman28857
www.psitkanpur.ac.in
[As on 12th March 2024]
B.TECH | M.TECH | D.PHARM | B.PHARM | M.PHARM | MBA | MCA | BBA | BCA
HELPLINE : +91 767 099 8888

स्कोर बोर्ड

केकेआर : 223/6 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
फिल साल्ट का. एंड बो. आवेश	10	13	1/0
सुनील नारायण बो. बोल्ट	109	56	13/6
रघुवंशी का. अश्विन बो. सेन	30	18	5/0
श्रेयस अय्यर एलबीडब्ल्यू बो. चहल	11	07	1/1
आंद्रे रसेल का. ध्रुव बो. आवेश	13	10	2/0
रिंकू सिंह अविजित	20	09	1/2
वेंकटेश अय्यर का. ध्रुव बो. सेन	08	06	1/0
रमनदीप सिंह अविजित	01	01	0/0

अतिरिक्त: 21 (बा-4 लेबा-4, वा-13)
कुल: 20 ओवर में छह विकेट 223 रन.
विकेट पतन: 1-21 (साल्ट, 3.3), 2-106 (रघुवंशी, 10.4), 3-133 (श्रेयस, 12.6), 4-184 (रसेल, 16.1), 5-195 (नारायण, 17.3), 6-215 (वेंकटेश, 19.2). गेंदबाजी: ट्रेंट बोल्ट 4-0-31-1, आवेश खान 4-0-35-2, कुलदीप सेन 4-0-46-2, युवेंद्रा चहल 4-0-54-1, आर अश्विन 4-0-49-0

राजस्थान : 224/8 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
जायसवाल का. वेंकटेश बो. वैभव	19	09	3/1
बटलर अविजित	107	60	9/6
सैमसन का. नारायण बो. हर्षित	12	08	2/0
रियान पराग का. रसेल बो. हर्षित	34	14	4/2
ध्रुव जुरैल एलबीडब्ल्यू बो. नारायण	02	04	0/0
अश्विन का. अंगकृष बो. चक्रवर्ती	08	11	1/0
हेटमायर का. श्रेयस बो. चक्रवर्ती	00	01	0/0
रोवमैन एलबीडब्ल्यू बो. नारायण	26	13	1/3
ट्रेंट बोल्ट रन आउट	00	01	0/0
आवेश खान अविजित	00	00	0/0

अतिरिक्त: 16 (लेबा-1, वा-14, नोबा-1), कुल: 20 ओवर में आठ विकेट 224 रन, विकेट पतन: 1-22 (जायसवाल, 1.5), 2-47 (सैमसन, 4.2), 3-97 (पराग, 7.5), 4-100 (ध्रुव, 8.4), 5-121 (अश्विन, 12.1), 6-121 (हेटमायर, 12.2), 7-178 (रोवमैन, 16.5), 8-186 (बोल्ट, 17.3). गेंदबाजी: स्टार्क 4-0-50-0, वैभव 3-0-45-1, हर्षित राणा 4-0-45-2, नारायण 4-0-30-2, चक्रवर्ती 4-0-36-2, आंद्रे रसेल 1-0-17-0

केकेआर के लिए शतक बनाने वाले बल्लेबाज

रन	बल्लेबाज	बनाम	स्थान	वर्ष
158*	ब्रेंडन मैकुलम	आरसीबी	बेंगलुरु	2008
109	सुनील नारायण	राजस्थान	कोलकाता	2024
104	वेंकटेश अय्यर	मुंबई इंडियंस	मुंबई	2023

खराब फार्म से जूझ रहे मैक्सवेल 'मानसिक व शारीरिक' ब्रेक पर गए

ग्लेन मैक्सवेल • एएनआइ

बेंगलुरु, प्रेट्र: आरसीबी के आस्ट्रेलियाई आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने बल्लेबाजी में खराब फार्म के चलते आइपीएल 2024 से अनिशिचितकालीन 'मानसिक और शारीरिक' ब्रेक लेने का निर्णय किया है। सनराइजर्स हैदराबाद के विरुद्ध सोमवार को आरसीबी के मैच के लिए मैक्सवेल को अंतिम एकादश में शामिल नहीं किया गया था। इसका कारण मुंबई के विरुद्ध मैच में लगी अंगुली की चोट बताया गया था, लेकिन बाद में मैक्सवेल ने खुद को टीम से बाहर करने की बात स्वीकार कर ली।

मैच के बाद मैक्सवेल ने कहा, यह काफी आसान निर्णय था। मैं पिछले मैच के बाद कप्तान फाफ डुप्लेसिस और कोच के पास गया और कहा कि शायद अब समय आ गया है कि मेरी जगह किसी और को आजमाया जाए। यह खुद को थोड़ा मानसिक और शारीरिक आराम देने के अलावा अपने शरीर को फिट करने का अच्छा समय है। अगर टूर्नामेंट के दौरान मुझे शामिल कराने की जरूरत होती है तो उम्मीद है कि मैं मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत स्थिति में वापस आ सकता हूं तथा प्रभाव डाल सकता हूं।

पोंटिंग बोले, पंत को टी20 विश्व कप में खेलता देखना चाहूंगा: आइपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान रिषभ पंत ने अब तक शानदार बल्लेबाजी की है। इस कारण मुख्य कोच रिकी पोंटिंग टी20 विश्व कप में भारतीय टीम में पंत को खेलता देखना चाहते हैं। यद्यपि उनके अलावा भी कई बेहतरीन खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में अपनी प्रतिभा दिखाई है।

पोंटिंग को यकीन नहीं था कि दिसंबर 2022 में हुए भीषण कार दुर्घटना के बाद रिषभ पंत वापसी कर पाएंगे, लेकिन जिस तरह से उन्होंने रिकवरी की और आइपीएल में शानदार वापसी की है, इसमें कोई संदेह नहीं रह जाता कि उन्हें ही टी20 विश्व कप के लिए न्यूयार्क जाने वाली फ्लाइट में बैठना चाहिए।

'घर' में टाइटंस की परीक्षा लेगी पंत की पलटन

KAMLA PASAND
SILVER COATED ELAICHI
Watch at: YouTube
Anokha Swad
THIS CONTAINS SODIUM SACCHARIN (INS 954) or SUCRALOSE (INS 955) and NEOTAME (INS 961) NOT RECOMMENDED FOR CHILDREN, NO SUGAR ADDED IN THE PRODUCT.
CONTAINS ARTIFICIAL SWEETENER AND FOR CALORIE CONSCIOUS.

अंक तालिका		मैच	जीत	हार	टाई	नेट रन रेट	अंक
1	राजस्थान	7	6	1	0	+0.677	12
2	केकेआर	6	4	2	0	+1.399	8
3	सीएसके	6	4	2	0	+0.726	8
4	हैदराबाद	6	4	2	0	+0.502	8
5	लखनऊ	6	3	3	0	+0.038	6
6	गुजरात	6	3	3	0	-0.637	6
7	पंजाब	6	2	4	0	-0.218	4
8	मुंबई	6	2	4	0	-0.234	4
9	दिल्ली	6	2	4	0	-0.975	4
10	आरसीबी	7	1	6	0	-1.185	2

अहमदाबाद, प्रेट्र: निरंतरता प्राप्त करने की कोशिश में जुटी गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स दोनों ही टीम बुधवार को होने वाले आइपीएल मुकाबले में प्रदर्शन कर एक दूसरे को पराजित करने के इरादे से मैदान में उतरेंगी। पिछले दो चरण की तरह गुजरात टाइटंस अब तक एकजुट होकर प्रदर्शन नहीं कर पाई है। वहीं, दिल्ली ने भी इकाई के रूप में पिछले मैच में प्रभावित किया है।

गुजरात ने तालिका में शीर्ष पर चल रही राजस्थान रायल्स के विरुद्ध अंतिम गेंद में जीत हासिल की थी और अगर उसे अपने अभियान में जान फूंकनी है तो उसे ऐसा ही प्रदर्शन करने की आवश्यकता होगी। टीम अपने पहले छह मैच में केवल दो में ही जीत सकी है और अभी आठ मैच बाकी हैं तो शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम के पास चीजों का रुख बदलने के लिए काफी समय है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स की बात की जाए तो टीम फार्म और फिटनेस मुद्दों के कारण अभी तक अपनी सर्वश्रेष्ठ अंतिम एकादश जुटाने में असफल रही है। पांच मुकाबलों में चार हार के बाद सुपरजायंट्स पर मिली जीत से टीम का मनोबल बढ़ा। लेकिन अगर उन्हें प्लेआफ में जगह बनाने के लिए खुद को दौड़ में बनाए रखना है तो अपनी कमियों में सुधार करके मुकाबले जीतने होंगे। फिट होकर वापसी करने वाले कुलदीप यादव की मौजूदगी से काफी बड़ा अंतर पड़ा। जैक फ्रेजर मैक्गार्क के रूप में दिल्ली कैपिटल्स को तीसरे नंबर पर अच्छा खिलाड़ी मिल गया है और टीम आशा कर रही होगी कि वह बेहतर प्रदर्शन करें।

मैच से पहले वार्नर के खेलने पर होगा निर्णय

अहमदाबाद, प्रेट्र: दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने मंगलवार को बताया कि डेविड वार्नर की सूजी हुई उंगली के एक्सरे में किसी बड़ी चोट की पुष्टि नहीं की गई है लेकिन लेकिन गुजरात टाइटंस के विरुद्ध आइपीएल मैच में उनके खेलने पर निर्णय मैच से पूर्व उनके फिटनेस परीक्षण के बाद ही लिया जाएगा।

गुकेश ने नेपोमनियाच्ची से ड्रा खेल संयुक्त बढ़त बरकरार रखी

कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट

डी गुकेश • प्रेट्र

टोरंटो, प्रेट्र : भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के 10वें दौर में रूस के इयान नेपोमनियाच्ची से ड्रा खेलकर इस खिलाड़ी के साथ संयुक्त शीर्ष बढ़त कायम रखी। भारतीयों के बीच हुए मुकाबले में आर प्रगनानंद और विदित गुजराती ने भी अंक बांटे, जबकि फेबियानो कारूआना ने फिरोजा अलीरेजा को और हिकारू नाकामूरा ने निजात अबासोव को पराजित किया। अब साल के इस सबसे बड़े टूर्नामेंट में महज चार राउंड शेष हैं। गुकेश और नेपोमनियाच्ची के समान छह-छह अंक हैं जबकि प्रगनानंद, कारूआना और नाकामूरा इनसे आधा अंक पीछे हैं। गुजराती के छह अंक हैं, जिससे वह अकेले छठे स्थान पर बने हुए हैं, जबकि अलीरेजा 3.5 अंक और अबासोव दो अंक लेकर दौड़ से बाहर हो गए हैं।

नेपोमनियाच्ची काले या सफेद मोहरों से ज्यादा जोखिम नहीं ले रहे हैं जिससे उन्हें अपने मजबूत खेल की बदौलत अभी तक 10 दौर में हार का मुंह नहीं देखना पड़ा है। प्रगनानंद को भी बस दूसरे दौर में गुकेश से हार का सामना करना पड़ा जो उनकी एकमात्र पराजय थी। उन्होंने और गुजराती ने 39 चाल के बाद अंक बांटने पर सहमति दी।

महिला वर्ग में चीन की टिनजी लेई ने रूस की एलेक्सांद्रा गोरयाचकिना की अपराजेय लय तोड़ दी और हमवतन झोंग्यी टान के साथ संयुक्त बढ़त हासिल करने में सफल रही जिन्होंने भारत की कोनेरू हंपी से ड्रा खेला। प्रगनानंद की बहन आर वैशाली ने लगातार हार से वापसी करते हुए बुल्गारिया की नुरग्युआल सालिमोवा को पराजित किया, जबकि रूस की कैटरीना लाग्नो ने यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक से ड्रा खेला।

सनत सांगवान ने खेली तूफानी शतकीय पारी

सनत सांगवान •

जासं, नई दिल्ली: साकेत स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में चल रहे डीडीए साकेत टूर्नामेंट के तहत मंगलवार को खेले गए दो मुकाबलों में सनत सांगवान ने बल्ले से तूफान मचाते हुए विरोधी टीमों के हौसलों को पस्त कर दिया। पहले मुकाबले में सनत ने दमदार शतक लगाते हुए भवानी यूथ क्रिकेट अकादमी को बीएम स्पार्टंस के विरुद्ध 57 रन से जीत दिलाई। सनत ने 59 गेंद पर सात चौके और 12 छक्कों की मदद से 124 रन की आक्रामक पारी खेली थी। टास जीतकर भवानी अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 213 रन बनाए थे। जवाब में उतरी बीएम स्पार्टंस की टीम 18.1 ओवर में 156 पर ही सिमट गई। पराजित टीम की ओर से समर ने सर्वाधिक 65 रन की पारी खेली थी।

वहीं, दूसरे मुकाबले में भवानी यूथ क्रिकेट अकादमी ने 22 यार्ड टीम को दो विकेट से पराजित किया। इस मुकाबले में सनत शतक पूरा करने में आठ रन से चूक गए थे।

हालैंड और हैरी केन को घर पर दिखाना होगा दम

चैंपियंस लीग

मैनचेस्टर सिटी vs रीयल मैड्रिड
रात 12:30 बजे स्थान: मैनचेस्टर
बायर्न म्यूनिख vs आर्सेनल
रात 12:30 बजे स्थान: म्यूनिख
सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर

नई दिल्ली, जेएनएन : एर्लिंग हालैंड चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में बिल्कुल शांत रहे थे, परंतु घर पर होने वाले दूसरे चरण के मुकाबले में उन्हें रीयल मैड्रिड के विरुद्ध दम दिखाना होगा। वहीं, दूसरे मुकाबले में बायर्न म्यूनिख इस सत्र की अपनी अंतिम ट्राफी की दौड़ में बने रहने के लिए आर्सेनल के विरुद्ध घर पर दूसरे चरण के मैच में पूरा जोर लगाएगी। इस मुकाबले में बायर्न के लिए सर्वाधिक गोल दागने वाले हैरी केन बहुत महत्वपूर्ण होंगे। पहले चरण के मुकाबले में बायर्न म्यूनिख और आर्सेनल ने जहां 2-2 से ड्रा खेला था, रीयल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के बीच 3-3 से मैच बराबरी पर रहा था।

मैनचेस्टर सिटी को होगी बढ़त: गत चैंपियन मैनचेस्टर सिटी को घर पर खेलने के कारण इस मैच में बढ़त प्राप्त होगी। टीम के युवा स्ट्राइकर फोडेन, ग्रीलीश इस मैच में पिछले मुकाबले के प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगे। वहीं, केविन डिब्रून की वापसी से टीम की स्थिति मजबूत होगी। रीयल मैड्रिड का घर पर प्रदर्शन प्रभावित करने वाला नहीं था, परंतु 14 बार के चैंपियन को अपने स्ट्राइकर विनिसियस जूनियर और जूड बेलिंघम से बहुत आशाएं होंगी। इस मैच में डिफेंडरों की भूमिका एक बार फिर महत्वपूर्ण होगी।

बायर्न का घर पर रिकार्ड बेहतर: बायर्न म्यूनिख का रिकार्ड घर पर बहुत बढ़िया है। पहले चरण के मैच में ड्रा रखने के कारण इस मैच में उनके पास बढ़त लेने का अवसर होगा। आर्सेनल को प्रीमियर लीग में लगे झटके से उबरकर इस मैच में पूरा दम लगाना होगा। बायर्न भी बुंडिसलीगा में 11 वर्षों के बाद पहली बार ट्राफी की दौड़ से बाहर हो गया है। साथ ही डीएफबी पोकल में भी उन्हें हार का सामना करना पड़ा है।

तीन महीने बाद नडाल की विजयी वापसी

खेल डायरी

राफेल नडाल • एएफपी

बार्सिलोना, एपी : चोट के कारण तीन महीने कोर्ट से दूर रहे राफेल नडाल ने मंगलवार को बार्सिलोना ओपन के पहले दौर में फ्लावियो कोबोली को हराकर शानदार वापसी की। क्ले कोर्ट के बादशाह नडाल दूसरे दौर में एलेक्स डि मिनोर से भिड़ेंगे, जिन्हें पहले दौर मे बाई मिली है। नडाल 12 बार यहां खिताब जीत चुके हैं। पहले दौर में नडाल ने 62वीं रैंकिंग वाले इतालवी खिलाड़ी के विरुद्ध दूसरे मैच प्वाइंट को बदलकर मैच 6-2, 6-3 से अपने नाम किया।

नडाल ने मार्च में कार्लोस अलकराज के साथ एक मैत्री मैच खेला था और उसके बाद से ही वह चोट के कारण खेल से दूर थे। वहीं, उन्होंने अपना अंतिम प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट जनवरी में ब्रिसबेन ओपन खेला था। इस टूर्नामेंट में भी वह केवल तीन ही मैच खेल पाए थे।

यूनान में पेरिस ओलिंपिक की जलाई गई लौ

पेरिस ओलिंपिक में जलने वाली लौ दक्षिणी यूनान में प्राचीन खेलों के स्थल पर जलाई गई। बादलों के कारण मंगलवार को पारंपरिक तरीके से लौ जलाने के प्रयास विफल हो गए। पारंपरिक तरीके में चांदी की मशाल जलाने के लिए सूरज का इस्तेमाल किया जाता है। मंगलवार को एक 'बैकअप' लौ का उपयोग किया गया था, जिसे सोमवार को अंतिम 'रिहर्सल' के दौरान उसी स्थान पर जलाया गया था • एपी

पेरिस में पदकों का रिकार्ड तोड़ेगा भारत: गौरव

गौरव शर्मा

नई दिल्ली, जेएनएन : विश्व चैंपियन पावरलिफ्टर गौरव शर्मा का मानना है कि हाल के वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा एथलीटों को प्रदान किए गए समर्थन और विदेशी अनुभव के बाद भारत पेरिस ओलिंपिक में पदक जीतेगा। गौरव ने कहा कि अब समय बदल गया है। भारत खेलों में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को जाता है। खिलाड़ियों को सरकार से विदेशी अनुभव, अहार, प्रशिक्षण सुविधाएं मिलती हैं और मुझे विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी पेरिस में अच्छी संख्या में पदक जीतेंगे, टोक्यो का रिकार्ड तोड़ेंगे। गौरव ने कहा कि एक समय था जब एथलीट सुविधाओं के बारे में शिकायत करते थे, लेकिन सरकार ने सभी का समाधान कर दिया है।

****

सफलता के आकाश पर लखनऊ का 'आदित्य'

आदित्य श्रीवास्तव सौ. स्वजन

लखनऊ (उप्र) के आदित्य श्रीवास्तव ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में देशभर में पहला स्थान प्राप्त कर लखनऊ का गौरव बढ़ा दिया है। बचपन में पिता ने आइएएस बनाने का सपना देखा था। स्कूल से इसके लिए उन्हें प्रेरित भी किया गया। आइआइटी कानपुर में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग करते हुए अक्टूबर 2017 से सिविल सेवा की गंभीरता से तैयारी शुरू की। वर्ष 2021 में पहले प्रयास में प्री नहीं निकला। वर्ष 2022 में दूसरे प्रयास में 236वीं रैंक प्राप्त कर आइपीएस में चयनित हुए। अब तीसरे प्रयास में टापर बन गए। सफलता के शीर्ष पर पहुंचे आदित्य की राह आसान नहीं थी। हर रोज 12 से 14 घंटे घर से पढ़ाई करके उन्होंने कामयाबी की कहानी लिखी है।

तैयारी के लिए छोड़ी एमएनसी की नौकरी: आदित्य ने लखनऊ के सिटी मांटेसरी स्कूल (अलीगंज) से 10वीं और 12वीं की। इसके बाद आइआइटी कानपुर से ड्यूल डिग्री के तहत बीटेक और एमटेक किया। आइआइटी में पढ़ने के दौरान ही उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू की। 11वीं और 12वीं की एनसीईआरटी की पुस्तकों से अपने सामान्य ज्ञान को मजबूत किया। यहां डिग्री लेने के बाद आदित्य के दोस्तों को देखकर कैंपस प्लेसमेंट लिया। बेंगलुरु में 40 लाख रुपये सालाना के पैकेज पर मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी मिली। आदित्य बताते हैं कि नौकरी के साथ दो से तीन घंटे का समय मुश्किल से निकल पाता था। हालांकि पर्याप्त समय नहीं मिलने से 2021 में प्रारंभिक परीक्षा से डेढ़ महीने पहले नौकरी छोड़ दी। पर उस बार उन्हें सफलता नहीं मिली। मुख्य परीक्षा में ऐच्छिक विषय के रूप में उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियर लिया था। पहली बार में कामयाबी न मिलने पर उन्होंने आइआइटी के सीनियर से मदद ली। फिर अपने घर से ही सेल्फ स्टडी की। इसका परिणाम यह हुआ कि 2022 की परीक्षा में 236वीं रैंक प्राप्त करके आइपीएस में चयनित हुए। तीन माह आइपीएस की ट्रेनिंग से एक्सटेंशन लेकर उन्होंने वर्ष 2023 की सिविल सेवा मुख्य परीक्षा की तैयारी घर से ही की। हैदराबाद में आइपीएस की साढ़े पांच महीने की ट्रेनिंग के दौरान ही वह साक्षात्कार की तैयारी भी करते रहे। इस दौरान उन्होंने दिल्ली में कई माक इंटरव्यू भी दिए। तैयारी के दौरान हर दिन आधे घंटे समाचार पत्रों का भी नियमित अध्ययन करके सामयिक विषयों से स्वयं को अपडेट रखा।

साक्षात्कार में पुलिस सेवा से अधिक प्रश्न: आदित्य के मुताबिक साक्षात्कार के दौरान आइपीएस की ट्रेनिंग चल रही थीं, इसलिए साक्षात्कार में अधिकांश प्रश्न पुलिस सेवा को लेकर ही पूछे गए। आइपीएस में जब चयन हुआ था, उस समय आइएएस न हो पाने की वजह से मायूस हुआ था। हालांकि आइपीएस की ट्रेनिंग के दौरान वह इस सेवा का पूरा आनंद भी ले रहे थे। इसलिए पुलिस सेवा के बारे में पूछे गए सभी प्रश्नों के उत्तर पर बोर्ड के सदस्य संतुष्ट दिखे। मुख्य परीक्षा में अच्छा हुआ था, इसलिए चयन की पूरी उम्मीद थी, लेकिन टापर बनने के विषय में नहीं सोचा था।

मिला मां-पिता का पूरा साथ: आदित्य की मां आभा श्रीवास्तव भी पढ़ाई के दौरान टापर रही थीं, पर उन्होंने बेटे के लिए नौकरी नहीं की। आठवीं कक्षा तक आदित्य को स्कूल के साथ घर पर भी पढ़ाते रहे। सिविल सेवा परीक्षा के विषय में स्कूली शिक्षा के दौरान ही बताते रहे। बेटे की पढ़ाई के लिए पिता अजय श्रीवास्तव और मां ने बाहर घूमना भी बंद कर दिया। परीक्षा का नोट्स बनाते समय आदित्य की अंगुलियों में दर्द होने लगता था, तो छोटी बहन प्रियांशी गर्म पानी करके उसकी सिंकाई करती थीं।

परीक्षा में धैर्य जरूरी है: सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी में जुटे अभ्यर्थियों को सुझाव देते हुए आदित्य कहते हैं कि इस परीक्षा के लिए धैर्य सबसे पहली शर्त है। पहली बार प्री नहीं निकला। तीसरी बार में टापर बन गया। इसके पीछे धैर्य और कड़ी मेहनत का योगदान है। असफल होने पर अपनी कमियों को देखकर दूर करने की जरूरत होती है। जिस विषय में स्नातक किया है, उस विषय को विकल्प के तौर पर चुनने से आसानी रहती है। प्री, मेन और साक्षात्कार तीनों पर साथ-साथ फोकस करना भी जरूरी है।

प्रस्तुति : विवेक राव, लखनऊ

सिविल सेवा परीक्षा-2023

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा घोषित सिविल सेवा परीक्षा-2023 के अंतिम परिणाम में इस बार भी छोटे शहरों के युवाओं ने सर्वोच्च स्थान पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। इन्होंने यह भी दिखाया है कि यदि संकल्प दृढ़ हो, तो किसी भी लक्ष्य को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। इस विशेष आयोजन में मिलते हैं सिविल सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले कुछ युवाओं से और जानते हैं उनकी सफलता की कहानी...

छोटे शहरों के युवाओं की ऊंची उड़ान

ये हैं यूपीएससी में टाप 10 रैंक लाने वाले अभ्यर्थी

- आदित्य श्रीवास्तव
- अनिमेष प्रधान
- दोनरु अनन्या रेड्डी
- पीके सिद्धार्थ रामकुमार
- रुहानी
- सृष्टि डबास
- अनमोल राठौड़
- आशीष कुमार
- नौशीन
- ऐश्वर्यम प्रजापति

4 लड़कियां हैं इस बार भी टाप 10 में।

352 महिलाएं शामिल हैं सिविल सेवा परीक्षा के सफल उम्मीदवारों में

1016 उम्मीदवारों का कुल चयन हुआ है इस बार।

2846 उम्मीदवारों को बुलाया गया था साक्षात्कार के लिए।

14,624 उम्मीदवार शामिल हुए थे सिविल सेवा मुख्य परीक्षा में।

लक्ष्य बनाकर करें पढ़ाई, न गिनें घंटे

नौशीन सौ. स्वजन

- सिविल सेवा परीक्षा में हासिल किया सर्वोच्च नौवां स्थान
- बिना कोचिंग किए ही चौथे प्रयास में मिली बड़ी सफलता, खुद की रणनीति पर रहा पूरा भरोसा

किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के लिए पढ़ाई के घंटे गिनने की जरूरत नहीं होती। लक्ष्य के मुताबिक पढ़ाई करने की जरूरत होती है। लक्ष्य से ही पढ़ाई के घंटे तय होते हैं। सिविल सेवा परीक्षा में नौवीं रैंक हासिल करने वाली गोरखपुर (उप्र) की नौशीन ने स्वयं ऐसा ही किया। अपनी उपलब्धि की कहानी जागरण से साझा करने के दौरान उन्होंने यही सलाह उन अभ्यर्थियों को दी, जो इस परीक्षा के जरिये अपने लक्ष्य को हासिल करने में जुटे हैं।

नौशीन ने बताया कि उन्हें यह सफलता चौथे प्रयास में मिली है। पहले दो प्रयास में वह साक्षात्कार तक नहीं पहुंच सकीं। तीसरे प्रयास में जब प्रारंभिक परीक्षा में फेल हुईं तो निराशा की स्थिति बनी, लेकिन तब वह हार न मानते हुए एक बार फिर पूरे उत्साह के साथ लक्ष्य साधने में जुट गईं और चौथे प्रयास में अब टापरों की सूची में शामिल हो गईं। मूल रूप से कुशीनगर के पिपरा कनक गांव के मठिया टोला की रहने वाली नौशीन की शिक्षा गोरखपुर के रैंपस स्कूल से हुई। दिल्ली विश्वविद्यालय के एसजी टीबी खालसा कालेज से स्नातक करने के बाद वह सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी में जुट गईं। नौशीन ने बताया कि उन्हें इस बात की काफी खुशी है कि उन्होंने यह सफलता बिना किसी कोचिंग के खुद की बनाई अध्ययन रणनीति से हासिल की है। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी में जुटे भावी अभ्यर्थियों को भी यही टिप्स दिया कि खुद की रणनीति बनाकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करें, क्योंकि हर किसी की अपनी क्षमता और शैली होती है। प्रारंभिक व मुख्य परीक्षा की तैयारी के तरीके के सवाल पर नौशीन ने बताया कि इसके लिए उन्होंने अध्ययन को कभी विश्राम नहीं दिया और इसे लेकर खुद की बनाई रणनीति पर भरोसा किया। साक्षात्कार से जुड़े अनुभव साझा करते हुए नौशीन ने बताया कि उनसे ज्यादातर प्रश्न उनके ऐच्छिक विषय इतिहास से पूछे गए। इतिहास में बदलाव को अवसर मिले तो क्या बदलना चाहेंगी? इस प्रश्न के उत्तर में उन्होंने इतिहास के पन्नों से युद्ध और औपनिवेशिक व्यवस्था हटाने की इच्छा जताई। आकाशवाणी के सहायक निदेशक (अभियांत्रिक) अब्दुल कयूम की बेटी नौशीन अपनी सफलता का श्रेय मां जेबा खातून, बहन नगमा और भाई अकरम को देती हैं। नौशीन ने बताया कि उन्हें सफलता मिलने की पूरी उम्मीद थी, लेकिन नौवीं रैंक हासिल होने को लेकर वह व परिवार उत्साहित हैं।

बातचीत : डा. राकेश राय, गोरखपुर

पढ़ाई अपनी रणनीति से ही करें

ऐश्वर्यम प्रजापति सौ. स्वजन

- महराजगंज (उप्र) की ऐश्वर्यम को दूसरे प्रयास में मिला 10वां स्थान
- समाचार-पत्र और एनसीआरटी की किताबें तैयारी में रहीं बेहद मददगार

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के दौरान दूसरों से परामर्श बेशक लें, लेकिन पढ़ाई की रणनीति स्वयं की ही बनाएं। लक्ष्य निर्धारित करके उसे पाने के लिए भरपूर परिश्रम करने पर ही सफलता मिल सकती है। परीक्षा की तैयारी और सफलता के इन मंत्रों को साझा किया महराजगंज (उप्र) की ऐश्वर्यम प्रजापति ने, जिन्हें यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा में 10वीं रैंक मिली है। उनके अनुसार, इस परीक्षा की दृष्टि से किसी भी विषय को गहराई में जाकर समझने के लिए एनसीईआरटी की किताबें सर्वाधिक प्रभावी होती हैं। करेंट्स अफेयर्स के लिए नियमित रूप से समाचार पत्र पढ़ना परीक्षार्थियों के लिए उपयोगी है।

ऐश्वर्यम ने जागरण से विशेष बातचीत में बताया कि बिना किसी संस्थान में कोचिंग किए उन्होंने यह सफलता हासिल की है। वह सिविल सेवा परीक्षा के लिए प्रतिदिन आठ घंटे पढ़ाई करती थीं। तनावमुक्त रहने के लिए दो घंटे के बाद कुछ देर के लिए विराम लेती थीं। कभी किसी कारणवश यदि समाचार पत्र नहीं पढ़ पाती थीं, तो दूसरे दिन उसे अनिवार्य रूप से पढ़ती थीं। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी 2021 से शुरू की। पहली बार 2022 में परीक्षा दी, लेकिन सफलता नहीं मिली। पुनः 2023 के परीक्षा में शामिल हुईं और सफलता मिली। तैयारी के सवाल पर उन्होंने बताया कि एक बार में एक विषय उठाती थीं। इंटरव्यू में बीटेक के दौरान की गई पढ़ाई व वर्तमान नौकरी के संबंध में अधिक सवाल पूछे गए। उन्होंने बताया कि घर पर पढ़ाई करने से परिवार का पूरा सहयोग मिला। पिता डा. रामकोमल प्रजापति हमेशा चाहते थे कि मैं यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करूं। उनके इस सपने को साकार कर अपने को गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। भावी अभ्यर्थियों से यही कहना चाहूंगी कि अपने विषय पर मजबूत पकड़ आवश्यक है। जो भी अध्ययन करें, उसे पूरी गहनता से करें। सफलता निश्चित रूप से मिलेगी।

बातचीत : विश्वदीपक त्रिपाठी, महराजगंज

हेड कांस्टेबल का बेटा पहले प्रयास में ही बन गया आइपीएस

विशाल दुबे सौ. स्वजन

बिना कोई कोचिंग किए स्वाध्याय से हासिल कर ली मंजिल

यदि मंजिल स्पष्ट रूप से पता हो और वहां पहुंचने के लिए संकल्प दृढ़ हो, तो कोई भी बाधा सफल होने से नहीं रोक सकती। इसे साबित किया है फर्रुखाबाद (उप्र) के नीब करौरी निवासी हेड कांस्टेबल संजय दुबे के बेटे विशाल दुबे ने। बिल्हौर में एसीपी कार्यालय में तैनात संजय दुबे के बेटे विशाल का पहले प्रयास में ही आइपीएस (296 रैंक) के लिए चयन हुआ है। पिता संजय ने बताया कि बेटे ने वर्ष 2022 में स्नातक किया था। उसके मन में सिविल सेवा ही बसी थी, इसलिए स्नातक के तुरंत बाद ही वह तैयारी के लिए दिल्ली चला गया।

अच्छी बात यह है कि आज के समय में जहां ज्यादातर युवा अपने लक्ष्य को साधने के लिए कोचिंग को अनिवार्य मान बैठते हैं, वहीं विशाल को अपने आप पर पूरा भरोसा था। उन्हें अपना लक्ष्य अच्छी तरह पता था और उसे हासिल करने के लिए वह दृढ़ संकल्पित थे। यही कारण है कि उन्होंने बिना कोई कोचिंग के स्वयं पढ़ाई करते हुए पहले ही प्रयास में यह सफलता हासिल की है। इस समय वह परास्नातक की पढ़ाई भी कर रहे हैं। सिविल सेवा में अपनी रैंक बेहतर करने के लिए वह आगे पुनः प्रयास भी करना चाहते हैं। पिता संजय दुबे ने बताया कि बेटे का आइपीएस में चयन होने की जानकारी मिलने पर एसीपी ने उन्हें परिवार के साथ खुशी मनाने के लिए घर जाने की दो दिन की छुट्टी दे दी।

बातचीत : अरुण पांडेय, बिल्हौर

बड़ौत की बेटी ने लड़कियों को और कर दिया प्रेरित

रूपल राणा सौ. स्वजन

सपना था देश की सर्वोच्च सेवा में जाना और इसे उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा की बदौलत पूरा कर दिखाया। डीयू की टापर रहीं बड़ौत (बागपत) की बिटिया रूपल राणा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने चौथे प्रयास में सिविल सेवा परीक्षा में 26वीं रैंक प्राप्त की है। मुख्य परीक्षा में उन्होंने ऐच्छिक विषय के रूप में राजनीति विज्ञान लिया था। वह बताती हैं कि पहले तीन प्रयासों में वह प्रारंभिक परीक्षा तक उत्तीर्ण नहीं कर सकी थीं, क्योंकि सभी प्रश्नों को हल नहीं कर पा रही थीं। लेकिन चौथे प्रयास में अपनी इस कमी को दूर करने पर काम किया और आखिरकार सफलता मिल गई।

राणा का परिवार फिलहाल दिल्ली में रह रहा है। पिता जसवीर राणा दिल्ली पुलिस में दारोगा हैं। रूपल ने 10वीं तक की पढ़ाई बड़ौत के जेपी पब्लिक स्कूल से की। 12वीं पिलानी के बिरला इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी एंड साइंस से की। इसके बाद दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कालेज से बीएससी किया, जिसमें वह विश्वविद्यालय टापर रहीं। स्नातक की पढ़ाई करने के दौरान ही उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी थी। रूपल राणा तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ी हैं। उनकी माता अंजू राणा रूपल को हमेशा देश की सर्वोच्च परीक्षा की तैयारी करने के लिए प्रेरित किया करती थीं। हाल ही में अंजू का हृदय गति रुकने से देहांत हो गया था।

बातचीत : नवीन चिकारा, बागपत

****

विमान से अकेले दुनिया का चक्कर लगाने वाली पहली महिला बनीं जेरी

1964 में आज ही अमेरिका की गेराल्डिन जेरी विमान से अकेले दुनिया का चक्कर लगाने वाली दुनिया की पहली महिला बनी थीं। उन्होंने 19 मार्च को एकल इंजन वाले विमान सेसना माडल 180 से अपनी यात्रा शुरू की थी। यात्रा के दौरान 37,346 किमी की दूरी तय की।

बिना किसी गोलीबारी के समाप्त हुआ दुनिया का सबसे लंबा युद्ध

1986 में आज ही सिसली द्वीप समूह और नीदरलैंड के बीच शांति संधि की घोषणा के बाद 1651 में शुरू हुआ युद्ध बिना किसी गोलीबारी के समाप्त हुआ था। शांति की संधि न करने की वजह से दस्तावेज में यह दोनों देश 335 वर्षों तक युद्ध में रहे थे।

भारत की पहली दृष्टिहीन आइएफएस अधिकारी हैं बेनो जेफाइन

आइएफएस अधिकारी बेनो जेफाइन का जन्म 1990 में आज ही चेन्नई में हुआ था। स्कूल के दिनों से ही बेनो ने सिविल सर्विसेज में जाने का मन बना लिया था। इसके लिए उन्होंने ब्रेल लिपि में लिखी किताबें पढ़कर एवं इंटरनेट पर अपने विषयों को सुनकर अपनी तैयारी की। करियर की शुरुआत भारतीय स्टेट बैंक के साथ की। 2014 में अपने दूसरे प्रयास में यूपीएससी परीक्षा में 343वीं रैंक हासिल की। 2015 में भारत की पहली पूरी तरह से दृष्टिहीन आइएफएस अधिकारी बनकर इतिहास रच दिया।

इधर-उधर की

नशे में सिर पर रख लिया जलते पटाखों का डब्बा

कपड़े में आग पकड़ने के बाद फेंका डब्बा ● इंटरनेट मीडिया

जेएनएन, नई दिल्ली : शादियों में कुछ शरारती लोग अति उत्साह में कभी-कभी ऐसी हरकतें कर बैठते हैं, जिससे वह अपने साथ अपने आस-पास के लोगों की जान को भी खतरे में डाल देते हैं। ऐसा ही एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। इसमें एक शख्स बारात में नाचते नाचते जलते पटाखों का डब्बा अपने सिर पर रख लेता है। कुछ ही सेकेंड में इसमें से चिंगारी निकलने लगती है लेकिन कथित तौर पर नशे में धुत्त व्यक्ति बेखबर नाचता रहता है। कुछ देर बाद उसकी हुडी में आग लग जाती है जिससे वह जमीन पर गिर जाता है फिर वह डब्बे को दूर फेंक देता है। इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर्स ने लिखा कि ऐसे शरारती लोग ही बारात को बर्बाद कर देते हैं।

ईरान-इजरायल विवाद के विस्तार की आशंका कम

ईरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दे रहा संदेश, वह हालात को और बिगाड़ने के पक्ष में नहीं

जयप्रकाश रंजन ● जागरण

नई दिल्ली : इजरायल पर ईरान की तरफ से दागी गईं मिसाइलों के बाद कुछ विशेषज्ञ यह मान रहे हैं कि स्थिति बहुत ज्यादा बिगड़ने की आशंका कम है। एक वजह तो यह है कि ईरान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह संदेश भेजना शुरू कर दिया है कि वह हालात को और बिगाड़ने के पक्ष में नहीं है। दूसरी बड़ी वजह यह है कि अमेरिका व दूसरे सहयोगी देश इजरायल को मनाने में पूरी तरह से जुटे हैं कि उसके हमले का बहुत ही व्यापक असर हो सकता है।

पूर्व राजदूत व कूटनीतिक विशेषज्ञ अशोक सज्जनहर ने कहा-' ईरान के दमाकस (सीरिया) स्थित कंसुलेट पर इजरायल के घातक हमले के बाद से ही वहां की सरकार पर कार्रवाई करने का दबाव था। ईरान ने पहली बार इजरायल पर सीधे तौर पर हमला किया है लेकिन पैटर्न को देखकर यह लगता है कि इसका मकसद गंभीर नुकसान पहुंचाने का नहीं बल्कि सिर्फ संदेश देना था। हमले के तुरंत बाद ईरान की तरफ से घोषणा की गई है कि दूसरा हमला नहीं किया जाएगा। मेरा मानना है कि ईरान को यह बखूबी पता है कि अगर इजरायल व उसके सहयोगी देशों की तरफ से कार्रवाई होती है तो वह टिक नहीं पाएगा। देश के अन्य रणनीतिक विश्लेषक ब्रह्मा चेलानी ने एक्स में लिखा -' ईरान ने जवाबी हमले से पहले कई बार चेतावनी दी थी, जिससे लगता है कि यह पूर्वनियोजित दिखावा था। इनकी प्लानिंग इस तरह से की गई थी कि इजरायल व अमेरिका के एयर सिस्टम उन्हें रोक सके।' सज्जनहर का कहना है कि अगर इजरायल की तरफ से कार्रवाई होती है तो इसका भारत पर बड़ा असर पड़ने की संभावना है। ईरान में भारत चाबहार पोर्ट विकसित कर रहा है। वहां 10 हजार भारतीय रहते हैं जबकि इजरायल में 20 हजार भारतीय हैं। युद्ध होने पर ईरान अपने समुद्री इलाके से गुजरने वाले जहाजों पर पाबंदी लगा सकता है। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं।

'इजरायल-ईरान में तनाव वैश्विक चिंता का विषय'

बेंगलुरु, आइएएनएस : विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि इजरायल और ईरान के बीच तनाव वैश्विक स्तर पर चिंता का विषय है। इस तरह के तनाव से तेल की कीमतें, खाद्य पदार्थों की कीमतें और मुद्रास्फीति में वृद्धि होगी। वह आइसीएसआइ द्वारा आयोजित विश्व बंधु भारत सत्र को संबोधित कर रहे थे।

इजरायल-फलस्तीन-ईरान तनाव के बीच अमेरिका के कई शहरों में प्रदर्शन किए गए। कैलिफोर्निया के आकलैंड में प्रदर्शन करते लोग ● एएफपी

इजरायल की किसी कार्रवाई का परिणाम दर्दनाक होगा : ईरान

बर्लिन, आइएएनएस : ईरान के विदेश मंत्री रईसी ने इजरायल को फिर चेतावनी दी है कि अगर उसने ईरान के राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध कोई भी कार्रवाई की तो उसे व्यापक और दर्दनाक परिणाम भुगतने होंगे। ईरान की सुरक्षा परिषद ने कहा कि इजरायल की जवाबी कार्रवाई पर तेहरान की प्रतिक्रिया 10 गुना कठोर होगी। उधर अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने चेतावनी दी कि अमेरिका ईरान पर नए प्रतिबंध लगाने का इरादा रखता है और इससे उसकी तेल निर्यात की क्षमता कम हो सकती है।

इजरायल के विदेश मंत्री काट्ज ने ईरान के मिसाइल कार्यक्रम पर प्रतिबंध का आह्वान किया। इजरायली सेना के प्रमुख हलेवी ने कहा है कि वह पीएम नेतन्याहू के निर्देश के इंतजार में हैं। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने पड़ोसी देशों को लक्षित न करने पर ईरान की प्रशंसा की।

अमेरिका के एनएसए सुलिवन ने भारत दौरा टाला

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जैक सुलिवन ● जागरण आर्काइव

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जैक सुलिवन ने अपना बहुप्रतीक्षित भारत दौरा टाल दिया है। सुलिवन ने ईरान-इजरायल के बीच हालात को देखते हुए इस यात्रा को टाला है। उन्हें 17 अप्रैल को दो दिवसीय यात्रा पर भारत आना था। उनकी भारत के एनएसए अजीत डोभाल के साथ वार्ता होनी थी। अमेरिका के उप विदेश मंत्री कुर्ट कैम्पबेल का दौरा भी रद हो गया है। सुलिवन ने उम्मीद जताई है कि वह शीघ्र भारत में होने वाली आइसीईटी (अमेरिका व भारत के बीच क्रिटिकल व इमर्जिंग प्रौद्योगिकी पर सहयोग के लिए गठित समूह) की बैठक में हिस्सा लेंगे।

भारत ने रूसी हथियारों पर निर्भरता घटाई : अमेरिका

वाशिंगटन, प्रेट्र : भारत ने 2023 में स्वयं को एक वैश्विक अगुआ के रूप में प्रदर्शित किया। भारत ने पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की गतिविधियों का मुकाबला करने की इच्छा दिखाई और सेना को आधुनिक बनाने और रूसी उपकरणों पर निर्भरता कम करने की दिशा में कदम उठाए। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के शीर्ष खुफिया अधिकारी ने संसद को यह जानकारी दी है।

रक्षा खुफिया एजेंसी के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल जेफरी क्रूस ने चीन का मुकाबला करने के लिए रक्षा खुफिया जानकारी के विषय पर संसद में चल रही बैठक के दौरान सदन की सशस्त्र सेवा समिति और खुफिया उपसमिति के सदस्यों को बताया, 'पिछले वर्ष भारत ने जी-20 के आर्थिक शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर खुद को एक वैश्विक अगुआ के रूप में प्रदर्शित किया है और पूरे हिंद प्रशांत क्षेत्र में पीआरसी (चीन जनवादी गणराज्य) की गतिविधि का मुकाबला करने की इच्छा जाहिर की है।'

उन्होंने कहा कि भारत ने प्रशिक्षण और रक्षा बिक्री के माध्यम से फिलीपींस जैसे क्षेत्रीय दक्षिण चीन सागर दावेदारों के साथ हिंद प्रशांत क्षेत्र में उन्नत साझेदारी की है और अमेरिका, आस्ट्रेलिया, फ्रांस व जापान के साथ सहयोग को और मजबूत किया है। बीजिंग दक्षिण चीन सागर के अधिकांश भाग पर दावा करता है। दूसरी ओर फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ब्रूनेई और ताइवान का भी समुद्री क्षेत्र पर दावा है।

क्रूस ने कहा कि इस वर्ष संसदीय चुनाव से गुजर रहा भारत अपना आर्थिक विकास और सैन्य आधुनिकीकरण के अपने प्रयास के तहत मेक इन इंडिया को जारी रखेगा। इसका उद्देश्य चीन का मुकाबला करना है। 2020 में गलवन संघर्ष के बाद से भारत और चीन के द्विपक्षीय तनाव में कमी नहीं आई है।

पाकिस्तान का परमाणु आधुनिकीकरण जारी

आर्थिक अस्थिरता और नकदी संकट का सामना कर रहे पाकिस्तान ने अपना परमाणु आधुनिकीकरण का प्रयास जारी रखा है। पिछले वर्ष पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और नागरिकों के विरुद्ध आतंकी हिंसा में वृद्धि हुई। 2023 में पाकिस्तान के करीब 400 सुरक्षाकर्मी मारे गए। इन सबके बावजूद पाकिस्तान कश्मीर राग से पीछे नहीं हटा है।

ड्रोन लाइसेंसिंग को आसान बनाएगी सरकार : वुअलनाम

- सार्वजनिक व औद्योगिक उपयोग के लिए बनाए जा रहे अलग-अलग नियम
- ड्रोन मार्ग के लिए समस्त भौगोलिक क्षेत्र की मैपिंग का काम हो गया पूरा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : नागरिक उड्डयन सचिव वुमलुनमंग वुअलनाम ने कहा है कि ड्रोन के सार्वजनिक और औद्योगिक इस्तेमाल के लिए अलग-अलग नियम बनाए जा रहे हैं और सरकार की मंशा है कि सभी सेक्टरों में ड्रोन का समान विकास हो। ड्रोन के पायलट लाइसेंसिंग के नियम को भी आसान बनाया जा रहा है। औद्योगिक संगठन सीआइआइ के एक कार्यक्रम में वुअलनाम ने कहा कि ड्रोन के इस्तेमाल के लिए नियम बनाने का काम चल रहा है।

ड्रोन मार्ग के लिए समस्त भौगोलिक क्षेत्र की मैपिंग का काम पूरा हो गया है। सिर्फ 10 प्रतिशत क्षेत्र को रेड जोन में रखा गया है, 90 प्रतिशत क्षेत्र ग्रीन जोन में है। रेड जोन में ड्रोन उड़ाने के लिए केंद्र सरकार की अनुमति आवश्यक है, जबकि ग्रीन जोन में कुछ नियमों के पालन के साथ ड्रोन उड़ाने के लिए अनुमति नहीं चाहिए। ड्रोन मार्ग का पूरा विवरण आनलाइन दिया जा रहा है। ड्रोन सर्विस व पायलट प्रशिक्षण जैसी सेवा प्रदान करने वाली कंपनी 'ड्रोन डेस्टिनेशन' के प्रबंध निदेशक चिराग शर्मा ने बताया कि 2030 तक भारत में ड्रोन कारोबार 40 अरब डालर पहुंचने का अनुमान है। कुछ वर्षों में तीन लाख ड्रोन पायलट की जरूरत होगी।

यूएई व आसपास भारी बारिश, ओमान में 18 लोगों की मौत

दुबई में मंगलवार को हुई भारी बारिश के दौरान सड़कों पर बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए। जलभराव के बीच जाती कारें ● रायटर

दुबई, एपी : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और उसके आसपास के देशों में मंगलवार को जमकर बारिश हुई। यूएई में प्रमुख राजमार्गों के कुछ हिस्सों में पानी भर गया और पूरे दुबई में वाहन सड़कों पर खड़े हो गए। दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 25 मिनट संचालन बंद रहा। कई उड़ानें रद करनी पड़ीं और कई विलंबित हो गईं। पड़ोसी देश ओमान में बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या 18 हो गई है और कई अन्य लापता हैं।

भारी बारिश के कारण यूएई प्रशासन ने मंगलवार को लोगों से घरों में ही रहने का अनुरोध किया। सड़कों से पानी निकालने के लिए पंप लगाने पड़े। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने दुबई, अबु धाबी, शारजाह व कुछ अन्य अमीरात के निवासियों से अगले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश व ओलावृष्टि के लिए तैयार रहने को कहा है। फ्लाईदुबई ने दुबई से रवाना होने वाली उड़ानों को बुधवार सुबह 10 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

'भारतीय छात्रों को अनुकूल माहौल देने में जुटा अमेरिका'

वाशिंगटन, प्रेट्र : इस वर्ष 11 भारतीय या भारतवंशी छात्रों की मौत के समाचारों के बीच एक प्रतिष्ठित भारतवंशी शिक्षाविद् ने कहा कि अमेरिका, भारतीय छात्रों को स्वागत योग्य माहौल प्रदान करने में जुटा है। भारतीय और भारतवंशी छात्रों की मौत ने समुदाय और भारत में छात्रों के माता-पिता के मन में चिंता पैदा कर दी है।

इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल एजुकेशन की ओपन डोर्स रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में 2014-2015 में भारतीय छात्रों की संख्या 1,32,888 थी। 2024 में लगभग तीन गुना बढ़कर यह 3,53,803 हो गई है। भारतीय या भारतवंशी छात्रों की मौतों का कोई निश्चित कारण स्थापित नहीं हुआ है। अमेरिका में भारतीय राजनयिक मिशनों ने सक्रिय रूप से भारतीय छात्रों के साथ मेलजोल रखना शुरू कर दिया है। वर्जीनिया में जार्ज मेसन यूनिवर्सिटी में स्कूल आफ कंप्यूटिंग के डिवीजनल डीन गुरदीप सिंह ने कहा, 'इस वर्ष ऐसी घटनाओं में वृद्धि होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसे लेकर माता-पिता का चिंतित होना उचित है। लेकिन जो मैं देख रहा हूं वह यह है कि मैंने किसी भी तरह का कोई मुद्दा नहीं देखा है। अचानक घृणा अपराध के होने का कोई कारण नहीं है।'

आजादी के बाद से भारत के स्वत्व को नकारा गया: मनमोहन वैद्य V

कूचा महाजनी में किन्नरों के प्रवेश पर रोक: योगेश सिंघल V

SAYA
RELATIONSHIPS FOREVER
THANK YOU
FOR YOUR DELIGHTFUL RESPONSE.
55 FAMILIES CELEBRATED GRIHA PRAVESH ON NAVARATRI'S FIRST DAY
PAY JUST
25%*
MOVE IN NOW
REST, PAY IN APRIL 2025*
Lush Greens
Sprawling Clubhouse
Gold Spa Center
Semi-Olympic Size Swimming Pool
Serene Yoga Center
State-of-the-Art Gym
*T&C APPLY
OVER 2 HECTARES OF PLANNED AREA | FULLY PAID-UP LAND
OVERLOOKING NH-9 | DESIGNED BY HAFEEZ CONTRACTOR
7432 SQ. M. SPRAWLING CLUB AREA | 1200+ FAMILIES RESIDING
SAYA
GOLD
AVENUE
IMMEDIATE REGISTRY & POSSESSION
SAYA HOMES PVT. LTD.
Corporate Office: Saya SouthX, C-01, Sector 12, Greater Noida West- 201306
Site Office: Saya Gold Avenue, Plot 10/1, 10, Vaibhav Khand, Opposite Shipra Mall, Indirapuram, GZB. - 201014 (U.P.)
Registered Office: B-7/45, Safdarjung Enclave Extension, New Delhi - 110029 | E: info@sayahomes.in
RERA No.: PHASE 1 - UPRERAPRJ6548 - PHASE II - UPRERAPRJ6678 | CIN No.: U70101DL2010PTC211055 | www.up-rera.in Follow us on:
Saya Gold Avenue: Collection A/C: Account Name - SAYA HOMES COLL ESCROW ACC PH-I, A/c No. 003866200000242 | IFSC Code YESB0000038
Saya Gold Avenue: Collection A/C: Account Name - SAYA HOMES COLL ESCROW ACC PH-II, A/c No. 003866200000292 | IFSC Code YESB0000038
8888 71 8888
INDIRAPURAM, GHAZIABAD
Disclaimer: The elevations, designs, plans, and dimensions are as per current sanctioned approvals and plans, specifications, amenities and facilities will be set out in the agreements for sale/ sub-lease and images are artistic impressions and purely for representational purposes. The same may be subject to alterations/ changes/ revisions in terms of directions, approvals, orders, and/ or regulations of the concerned/ relevant authorities, and/ or for compliance with laws/ regulations in force from time to time. In view of the above, and in line with our customer policies, we may change/ alter the above in consonance with approvals, orders, directions, applicable laws, regulations, etc. Unless otherwise stated, all the images, visuals, materials and information contained herein are purely artistic/ creative concepts and may not be actual representations of the product and/ or any amenities. None of the above may be construed to form any basis of or serve as an inducement or invitation for payment of any advance and/ or deposit, to be made by a prospective customer, under relevant provisions of Law or otherwise. Solely the amenities/ specifications, and features mentioned in the agreement for sale (if any) shall be final. For more information refer to http://www.up-rera.in/. *T&C applies.

कन्याओं के निर्माण से उज्ज्वल राष्ट्र का निर्माण होता है और समाज की नींव मजबूत होती है। आर्य समाज के गुरुकुल में हम इसी कार्य में लगे हुए हैं। यहां कन्याओं को अपनी परंपरा के साथ ही वर्तमान शिक्षा से अवगत कराया जा रहा है। इससे उन्हें केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि संस्कृति का भी ज्ञान हो रहा है। वार्षिकोत्सव में कन्याओं की प्रतिभा जो देखने को मिली है वह अदभुत है।

–अनिल आर्य, अध्यक्ष, केंद्रीय आर्य युवक परिषद

॥ प्रणाम ॥

- इंडिया हैबिटेट सेंटर में चित्रकार सजल कुमार मित्रा की चित्रकलाओं की प्रदर्शनी, कन्वेंशन सेंटर फायर। सुबह 11 से शाम सात बजे तक। प्रदर्शनी 18 अप्रैल तक लगी रहेगी।

दैनिक जागरण कार्यालय

स्थानीय ब्यूरो

प्यारे लाल भवन, बहादुरशाह जफर मार्ग, आइटीओ, दिल्ली

प्रिय पाठकगण,

आप एक जागरूक शहरी के रूप में दैनिक जागरण अखबार व अपने समाज की आंख व कान बन सकते हैं। अपने शहर की जिन समस्याओं, मुद्दों व बातों को जिम्मेदार लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं, हमें बताएं। हम समाचार पत्र के माध्यम से आपकी आवाज को उन लोगों तक ले जाएंगे जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। संपर्क करें : 8175813532 ईमेल : reporter@nda.jagran.com

अगर आपको अपना प्रिय समाचार पत्र दैनिक जागरण मिलने में कोई परेशानी हो रही है तो कृपया हमें जरूर बताएं। 9873067812

जनमत
मुद्दा

क्या आप मानते हैं कि एनसीआर में स्कूल वाहनों को सुरक्षित बनाने के लिए अभी भी ठोस उपाय करने की जरूरत है?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बाक्स में जाकर MUDDAD लिखें, स्पेस देकर YES या NO लिखकर 57272 पर भेजें

muddad@jagran.com

एक नजर में

बच्चे को स्वजन से मिलाया

दक्षिणी दिल्ली : दक्षिण जिला पुलिस ने तीन वर्षीय बच्चे को आपरेशन मिलाप के तहत स्वजन से मिलाया। वह घर से निकलकर बदरपुर रोड पर आ गया था। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि 15 अप्रैल को तिगरी थाना पुलिस को सूचना मिली कि एक बच्चा महरौली–बदरपुर रोड पर घूम रहा है। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चे को थाने पर ले आई। पुलिस ने आपरेशन मिलाप के तहत एक्स व आरडब्ल्यूए व अन्य ग्रुपों पर बच्चे के फोटो डालकर उसकी तलाश शुरू कर दी। बाद में बच्चे को संगम विहार स्थित प्रधान मार्केट से बरामद कर लिया। (जासं)

बंद रहेगी पीआरएस सेवा

नई दिल्ली : बृहस्पतिवार को मध्य रात्रि 12.15 बजे से 01.15 बजे तक दिल्ली यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) से जुड़ी सेवाएं स्थगित रहेंगी। उत्तर रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार स्थिर पीआरएस से संबंधित जरूरी कार्य के लिए इससे जुड़ी सेवाएं एक घंटे तक बंद रखने का निर्णय लिया है। इस दौरान आरक्षण, निरस्तीकरण, चार्ट बनाने, पूछताछ सेवा (139 पर काल करके व काउंटर सेवा), इंटरनेट बुकिंग के काम नहीं होगा। (वि)

दो माह तक मुश्किल में रहेगा सफर

सरिता विहार फ्लाईओवर पर एक मई से शुरू होगी मरम्मत, 30 जून तक चलेगा कार्य

आश्रम–फरीदाबाद मार्ग

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली: आश्रम–फरीदाबाद मार्ग पर दो माह तक सफर लोगों के लिए मुश्किल भरा होगा। सरिता विहार फ्लाईओवर पर एक मई से पीडब्ल्यूडी विभाग मरम्मत का कार्य शुरू करने की तैयारी कर रहा है। यह कार्य तीस जून तक चलेगा। इधर से गुजरने वाले वाहन चालकों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ेगा।

दिल्ली–फरीदाबाद मार्ग से रोजाना 50 हजार से अधिक वाहनों का आवागमन होता है। यह वाहन मथुरा रोड से होते हुए जाते है। सरिता विहार फ्लाईओवर की मरम्मत का कार्य पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा जल्द शुरू किया जाएगा। विभाग की तरफ से मरम्मत का कार्य चार चरणों में किया जाएगा। यह कार्य जून 2023 में शुरू होना था। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस से एनओसी मांगी थी, लेकिन कुछ शर्तों के कारण मरम्मत का कार्य अटका रहा। अब सभी शर्तों को पूरा कर लिया गया है। इसलिए अब इस कार्य को एक मई से शुरू कर तीस जून तक किया जाएगा। कार्य शुरू होने के कारण एक बार में एक तरफ तक का मार्ग बंद रहेगा और दूसरी तरफ से वाहनों को निकाला जाएगा। एक तरफ का कार्य पूरा करने में एक माह का समय लगेगा। जब एक तरफ का कार्य पूरा हो जाएगा, तो दूसरी तरफ कार्य शुरू किया जाएगा।

सरिता विहार फ्लाईओवर ● जागरण आर्काइव

वाहन चालकों को उठानी पड़ेगी परेशानी

सरिता विहार फ्लाईओवर पर कार्य शुरू होने से वाहन चालकों को जाम की समस्या का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में वैकल्पिक रास्तों की सूची तैयार की जा रही है। जिससे लोगों को आवागमन में किसी भी प्रकार की दिक्कत से बचाया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि न्यू फ्रैंड्स कालोनी, ओखला, कालिंदी कुंज, बदरपुर, सरिता विहार, फरीदाबाद की तरफ जाने वाले वाहन चालकों को जाम का सामना करना पड़ सकता है।

पराली संभावित क्षेत्रों की होगी मैपिंग

संजीव गुप्ता ● जागरण

- सीएक्यूएम ने पंजाब, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से मांगी पराली प्रबंधन पर कारगर कार्ययोजना
- ब्लाक स्तर पर भी नियुक्त होंगे नोडल अधिकारी, पराली जलाने की घटनाओं पर लगाएंगे अंकुश

नई दिल्ली : इस साल फिर से सर्दियों में दिल्ली का दम न घुटे, इसके लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने अभी से ही कमर कस ली है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान को न केवल लिखित निर्देश जारी किए गए हैं बल्कि उनसे पराली जलाने की घटनाओं पर रोकथाम के लिए पुख्ता कार्ययोजना तैयार करने को भी कहा गया है। सभी राज्यों को प्रतिमाह इसे लेकर सीएक्यूएम को प्रगति रिपोर्ट भी भेजनी होगी।

गौरतलब है कि पराली का धुआं सर्दियों के दिनों में दिल्ली वासियों के लिए जी का जंजाल बन जाता है। हालांकि पहले की तुलना में पराली जलाने की घटनाएं कम तो हुई हैं, लेकिन खासतौर पर पंजाब में अभी भी स्थिति भयावह ही बनी हुई है। बीती सर्दियों में भी पंजाब में ही इस संदर्भ में सबसे ज्यादा निरंकुशता देखने को मिली थी। इसीलिए एक बार फिर सीएक्यूएम ने समय रहते इस समस्या का संज्ञान लेते हुए अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। सीएक्यूएम के सदस्य सचिव अरविंद नौटियाल ने उक्त सभी राज्यों को दिशा निर्देश जारी करते हुए पत्र लिखा है।

इस पत्र में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों से कहा गया है कि उन सभी चिह्नित स्थानों, जहां पराली जलाई जाती है, की जल्द से जल्द मैपिंग कराई जाए। इन स्थानों की वेब मानिटरिंग भी सुनिश्चित की जाए ताकि व्यक्तिगत रूप से जाए बिना भी वहां की हकीकत सामने आ सके। प्रत्येक क्लस्टर, गांव और ब्लाक स्तर पर नोडल अधिकारी की नियुक्ति समय से कर दी जाए। कृषि अवशेष काटने वाली मशीनों की खरीद जुलाई–अगस्त तक सुनिश्चित कर ली जाए। इसरो प्रोटोकाल का पालन करते हुए लगातार समीक्षा बैठकें की जाएं और जन जागरूकता अभियान भी चलाए जाएं।

इसके अलावा जिला प्रशासन और राज्य सरकार से अपेक्षा जताई गई है कि पराली प्रबंधन को लेकर तैयार की जा रही नई कार्ययोजना के क्रियान्वयन पर लगातार निगरानी की जाए। दिल्ली और राजस्थान में चूंकि पराली जलाने की घटनाएं अपेक्षाकृत कम होती हैं, तो इनके मुख्य सचिवों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि वहां ऐसी कोई घटना ना हो। पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए मासिक स्तर पर सीएक्यूएम को विस्तृत प्रगति रिपोर्ट भेजने को भी कहा है।

जेएनयूएसयू ने की हड़ताल, नहीं चलीं कक्षाएं

- लैंगिक न्याय की प्रक्रिया को तेज किए जाने की मांग की
- बराक छात्रावास शुरू करने और छात्रवृत्ति की राशि बढ़ाने को कहा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) ने मंगलवार को अपनी मांगों को लेकर परिसर में हड़ताल की। इस दौरान कक्षाओं का संचालन प्रभावित रहा। छात्र संघ ने जेएनयू प्रशासन से सभी मांगों पर जल्द से जल्द गौर करने का आह्वान किया है।

हड़ताल सुबह नौ बजे से ही शुरू हो गई। जेएनयूएसयू के पदाधिकारी सभी कक्षाओं में पहुंचकर हड़ताल में शामिल होने की अपील करते रहे। स्कूल आफ आर्ट्स एंड एस्थेटिक्स, स्कूल आफ लैंग्वेज, लिटरेचर एंड कल्चर स्टडीज, स्कूल आफ फिजिकल साइंसेज और स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज जैसे विभिन्न स्कूल हड़ताल में शामिल हुए। जेएनयूएसयू अध्यक्ष धनंजय ने कहा कि जेएनयू के आला अधिकारियों से बातचीत की गई, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद ही हड़ताल का निर्णय लिया गया।

हड़ताल के जरिये हमने मांग की है कि लैंगिक न्याय की प्रक्रिया में तेजी लाई जानी चाहिए। छात्रों की चिंताओं को दूर करने के लिए जिम्मेदार सभी समितियों में जेएनयूएसयू प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाना चाहिए। एमसीएम को बढ़ाकर पांच हजार किया जाए। यौन उत्पीड़न की जांच में तेजी लाई जाए, व्यावसायिक फिल्म की शूटिंग रोकी जाए और चुनावों में शिकायत निवारण समिति का हस्तक्षेप बंद होना चाहिए। प्रवेश में जेएनयूईई को प्राथमिकता दी जाए, मौखिक परीक्षा का महत्व कम करना और पुस्तकालय में सुधार होना चाहिए। छात्रावासों का नवीनकरण हो और बराक छात्रावास को जल्द शुरू किया जाए।

परिसर में बस सेवाओं को फिर से शुरू किया जाए और ई-रिक्शा की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। सभी स्कूलों के बुनियादी ढांचे में सुधार हो और शिक्षकों की भर्ती की जाए। धनंजय ने कहा कि जेएनयू प्रशासन को छात्र समुदाय के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

हड़ताल का नेतृत्व करते जेएनयूएसयू अध्यक्ष धनंजय और सचिव प्रियांशी ● वीडियो ग्रैब

डीयू पुस्तकालय में बढ़ाई जाएं सुविधाएं : एबीवीपी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने डीयू के केंद्रीय पुस्तकालय के अध्यक्ष डा. राजेश सिंह को ज्ञापन दिया है। इसमें पुस्तकालय में स्वच्छ व ठंडे पानी की व्यवस्था करने, पुस्तकालय में कंप्यूटर सेंटर बनाने, विभिन्न नए जर्नलों को उपलब्ध कराने, सीटिंग क्षमता बढ़ाने, पंखे, कूलर व एसी की व्यवस्था करने व नई पुस्तकें उपलब्ध कराने की मांग की गई है। प्रतिनिधिमंडल में एबीवीपी के प्रदेश सहमंत्री आशीष सिंह, एबीवीपी डीयू इकाई अध्यक्ष नवनीत कुमार, डीयू इकाई मंत्री सौम्या वर्मा आदि उपस्थित रहे।

एबीवीपी ने कहा कि पुस्तकालय में वाटर कूलर से पानी ठीक नहीं आ रहा है, गर्मी होने के कारण यह समस्या और भी बढ़ गई है। छात्रों की संख्या के अनुरूप आरओ और वाटर कूलर लगाए जाने की जरूरत है। उनकी नियमित सफाई तथा मेंटेनेंस का ध्यान रखा जाना चाहिए। एबीवीपी ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में तेजी से डिजिटलाइजेशन बढ़ रहा है, इसलिए यह आवश्यक है कि विश्वविद्यालय के सभी पुस्तकालयों में उचित संख्या में कंप्यूटर हों।

BE INDUSTRY READY
MBA
SPECIALISATION
16th Batch
MKT., HR, FIN., IT, IB, Operation
Affl. to AKTU Approved by AICTE
120 hrs. module with University Syllabus
• Advance EXCEL • Digital Marketing
• Supply Chain • Mandatory Internship to all
HBS alumni are working with GOOGLE, AMAZON, MICROSOFT, TCS, AXIS Bank, ANZ Bank, HDFC, ICICI, HCL, WIRPO, GODREJ, RELIANCE, UNIBIC, KARVY, AIRTEL, JIO & many more...
ADMISSION OPEN
Highly Qualified Faculty from DU/PU/AMU/IIT/IIM/ Corporates
Oldest B.School Providing Job Ready Degree Since 2006
Placement Upto 81%
HIERANK BUSINESS SCHOOL
Enhancing Competence
A-42, Sector-62, Noida (Opp. 63 Metro Stn.) www.hierank.org
99101 72577 • 78381 67295 • 96508 48777

लोडिंग के दौरान चुराए थे आइफोन, चार पकड़े

जासं, नई दिल्ली: आइजीआइ एयरपोर्ट थाना पुलिस ने एअर इंडिया के मालखाने में काम करने के दौरान आइफोन चुराने वाले चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने चोरी के तीन आइफोन भी बरामद किए हैं। आरोपितों में सुनील मिश्रा, प्रहलाद कुमार, चंदन प्रसाद और विनय कुमार सिंह शामिल हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि उनके पास आइफोन लेने के पैसे नहीं थे, इसलिए उन्होंने सामान की लोडिंग के दौरान आइफोन चुराए थे। पुलिस आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

आइजीआइ पुलिस उपायुक्त उषा रंगनानी ने बताया कि दिल्ली कार्गो सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ सुरेंद्र सिंह यादव ने कुछ दिनों पहले एक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि एअर इंडिया के गोदाम में सामान का पार्सल आया था, जिसे शिकागो, यूएसए भेजा गया था। इसमें से पांच आइफोन गायब मिले हैं।

80 किलो गांजा संग तीन धरे

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने तीन अंतरराज्यीय ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार कर उनके पास से 80 किलो गांजा बरामद किया है। तस्कर गांजे की खेप ओडिशा से लाए थे। इसकी आपूर्ति एनसीआर के छोटे तस्करों को की जानी थी। क्राइम ब्रांच ने आरोपितों के कब्जे से तस्करी में इस्तेमाल कार भी जब्त की है।

डीसीपी क्राइम ब्रांच के मुताबिक गिरफ्तार किए गए तस्करों के नाम निबाश विश्वास उर्फ राज (ओडिशा), सौरभ सिंह सोनू (फर्रुखाबाद) व सकलैन राजा खान उर्फ रफ्तार (मोहनपुर, बरेली) है। 14 अप्रैल को एएसआइ संदीप को एनसीआर में गांजा की खेप की सप्लाई के बारे में सूचना मिली। जांच से पता चला कि यूपी नंबर की मारुति स्विफ्ट कार से गांजा ओडिशा से दिल्ली लाया जा रहा है। उसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने शालीमार बाग इलाके में हैदरपुर अस्पताल के पास से कार सवार तीनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। ओडिशा का रहने वाला निबाश बिश्वास इस अवैध कारोबार का मास्टरमाइंड है। आसानी से पैसा कमाने के लिए वह मादक पदार्थों की तस्करी के धंधे में शामिल हो गया। इसे 2016 में यूपी के मैनपुरी और 2020 में हरियाणा के फरीदाबाद में एनडीपीएस के दो मामलों में गिरफ्तार किया गया था। मैनपुरी जेल में इसकी मुलाकात सौरभ सिंह से हुई थी। जमानत पर रिहा होने के बाद दोनों ने ड्रग्स का अवैध व्यापार शुरू कर दिया।

यह ओडिशा के जंगलों से सीधे गांजा इकट्ठा करता था और एनसीआर में ड्रग्स तस्करों के अलावा अपने ग्राहकों को होम डिलीवरी कराता था। सौरभ सिंह पहले 2014 में यूपी में आर्म्स एक्ट के एक मामले में पहले जेल जा चुका है।

दाखिला कराने स्कूल आने वाले अभिभावक होंगे सम्मानित

धर्मेंद्र यादव ● जागरण

बाहरी दिल्ली: पहली से पांचवीं कक्षा तक बच्चों के दाखिले के लिए दिल्ली नगर निगम ने तैयारी तेज कर दी हैं। अपने बच्चों के प्रवेश के लिए स्कूल आने वाले अभिभावकों का सम्मान किया जाएगा। सभी स्कूल मुखिया से कहा गया है कि अभिभावकों के लिए बैठने और पानी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रधानाचार्य व अध्यापकों को कहा है कि किसी भी कारणवश स्कूल में प्रवेश के लिए मना न किया तो कार्रवाई की जाएगी।

निगम के अपर निदेशक (शिक्षा) की ओर से सभी उप व सहायक निदेशक और स्कूल प्रमुखों को दाखिलों को व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। नरेला नगर निगम ने अभिभावक व बच्चों की सहूलियत के लिए सभी 170 स्कूलों में अलग से दाखिला कक्ष बनाने का निर्णय लिया है। निगम की उप निदेशक (शिक्षा) की ओर से सभी स्कूलों को भेजे गए सर्कुलर में कहा गया है कि स्कूल के जिस कमरे में दाखिला प्रक्रिया चल रही है, उस कमरे को अच्छी तरह से सुसज्जित किया जाए और बच्चों के अनुकूल हो। प्रवेश प्रक्रिया कक्ष में कालीन के साथ फर्नीचर का भी प्रबंध किया जाए। कक्षा में ही बच्चों के खेलने के स्थान निर्धारित करने के साथ ही वहीं खिलौनों का प्रबंध होना चाहिए। निगम नरेला जोन के उपायुक्त पवन कुमार यादव ने बताया कि अभिभावकों और बच्चों को सुखद अहसास दिलाने की जरूरत है।

निगम स्कूल में प्रवेश के लिए आयु सीमा

- नर्सरी कक्षा में दाखिले के लिए बच्चे ने 31 मार्च 2024 तक तीन आयु पूरी कर ली हो
- केजी में प्रवेश के लिए 31 मार्च को चार वर्ष की आयु पूरी कर ली हो
- प्रथम कक्षा के लिए 31 मार्च को पांच वर्ष की आयु पूरी कर ली हो
- द्वितीय कक्षा में प्रवेश के लिए 31 मार्च को छह वर्ष की आयु हो
- तृतीय कक्षा में प्रवेश के लिए 31 मार्च को सात वर्ष की आयु पूरी कर ली हो

प्रवेश से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां

- स्कूल प्रमुख पूर्व अनुमति से नर्सरी से पहली कक्षा में दाखिले के लिए आयु सीमा में मिल सकती है 30 दिन की छूट
- स्कूल प्रमुख की अनुमति से दिव्यांग बच्चे के प्रवेश के लिए आयु सीमा में छूट के लिए है प्रविधान
- नए दाखिले के लिए स्पेशल एजुकेटर से प्रशस्त स्क्रीनिंग जरूरी
- ग्रीष्म अवकाश (10 मई से 30 जून तक) के दौरान भी जारी रहेगी दाखिला प्रक्रिया।

ये करेंगे स्कूल मुखिया

- स्कूल के मुख्य गेट पर दाखिला प्रक्रिया से संबंधित सभी जानकारी व दिशा–निर्देश के अलावा क्यूआर कोड भी चस्पा करना अनिवार्य
- स्कूल के मुख्य द्वार पर मुख्यालय का टेलीफोन नंबर (011-23226508) लिखा जाए
- निगम स्कूल में अधिक से अधिक दाखिले लिए आसपास के क्षेत्र में प्रचार जरूरी
- निगम स्कूल में ज्यादा प्रवेश के लिए बच्चों के अभिभावकों के वाट्सएप ग्रुप की मदद लें।

Pearl Academy
Become a
COMPLETE CREATIVE PROFESSIONAL
B.DES., BBA, M.DES., MBA DEGREES*
AND 11-MONTH PROFESSIONAL CERTIFICATE COURSES.

FASHION | BUSINESS | INTERIORS | COMMUNICATION
PRODUCT DESIGN | FILM | GAMING
Global Immersion[#] | Unreal Engine Authorised Campuses | Start-Up Support | Lifetime Placement Support**
Merit-Based Scholarship Available**
APPLY BY: 20TH APRIL'24
www.pearlacademy.com | 1800 103 3005
Bengaluru | Delhi-South | Delhi-West | Jaipur | Mumbai
EXPLORE MORE
*From Rajiv Gandhi National Institute of Youth Development (Recognised University of National Importance)

सफलता की उड़ान

5 वीं रैंक लाने वाली रुहानी आइएएस बनने के लिए पहले छह प्रयास कर चुकी थीं, लेकिन उन्हें मनमुताबिक सफलता नहीं मिल रही थी। आखिरी प्रयास में उन्होंने मुकाम पा लिया।

10 वीं में 9.1 सीजीपीए और 12वीं में 95% अंक पाए थे वरदाह खान ने। उन्होंने दूसरे प्रयास में सफलता पाई है। स्नातक करते समय ही सिविल सेवा में जाने का निर्णय ले लिया था।

डोनुरु अनन्या रेड्डी ने तीसरा और रुहानी ने पांचवीं रैंक पाई

हर विषय को महत्व दे पहली बार में सफल हुई अनन्या

उदय जगताप ● जागरण

नई दिल्ली: संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) में शीर्ष पांच में दो महिलाओं ने जगह बनाई है। पहले ही प्रयास में दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस कालेज की छात्रा रहीं डोनुरु अनन्या रेड्डी ने देशभर में तीसरा स्थान हासिल किया है। वहीं सेंट स्टीफेंस कालेज की पूर्व छात्रा रुहानी ने पांचवीं रैंक हासिल की है।

अनन्या ने मिरांडा हाउस कालेज से भूविज्ञान में बीएससी (आनर्स) की डिग्री हासिल की है। 2021 में स्नातक होने के बाद से ही उन्होंने यूपीएससी की तैयारी शुरू कर दी थी। हैदराबाद में रहकर वे तैयारी कर रहीं थीं। अनन्या ने कहा, कालेज में उन्हें अच्छा माहौल मिला, जिसके चलते वे सफल हो सकीं। पिछले दो वर्ष से वे तैयारी कर रही हैं और इस वक्त उनकी उम्र महज 22 वर्ष है। अपने तैयारी के अनुभवों के बारे में अनन्या ने कहा कि मैंने स्मार्ट तरह से पढ़ना चुना। पहले मैंने पुराने प्रश्नपत्र खंगाले और जाना कि किस विषय के कौन से चैप्टर से अधिकतर प्रश्न पूछे जाते हैं। यह नुस्खा काफी काम आया।

मुख्य विषयों पर फोकस किया और इसमें सफल होने में काफी मदद मिली। पढ़ने के रिसोर्स का चयन बहुत उपयोगी है। इसमें आनलाइन कक्षाओं की सहायता ली। रिवीजन और अभ्यास ऐसे दो फैक्टर थे, जिन्होंने सफल होने में अहम भूमिका निभाई। प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के लिए, मैंने तैयारी का यही तरीका रखा। उन्होंने सलाह देते हुए कहा कि जो छात्र यूपीएससी की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें जिस विषय में वे स्नातक हैं, उसकी अच्छी जानकारी होना चाहिए। साक्षात्कार में इससे संबंधित अधिकतर प्रश्न होते हैं और आप जिस जगह के रहने वाले हैं, उससे जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। अनन्या ने कहा कि साक्षात्कार में आपके ज्ञान का नहीं आपके व्यक्तित्व का आकलन होता है। अनन्या ने कहा कि यूपीएससी में भाग लेने वाले हर छात्र को योजना अपने मुताबिक बनानी चाहिए। क्या कमजोर है और क्या बेहतर कर सकते हैं।

वे खुद का आकलन खुद करें तो बेहतर है न कि किसी और से पूछें। अनन्या तेलंगाना के महबूब नगर जिले की रहने वाली हैं। उनके पिता व्यापारी हैं और उनकी मां गृहिणी हैं। उनसे पहले उनके परिवार में कोई यूपीएससी में चयनित नहीं हुआ है।

डोनुरु अनन्या रेड्डी ●

डोनुरु अनन्या रेड्डी ने 2021 में स्नातक करने के बाद से ही यूपीएससी की तैयारी शुरू कर दी, उनकी उम्र है महज 22 वर्ष

रुहानी ●

रुहानी को आखिरी प्रयास में मिल ही गई सफलता

पांचवीं रैंक लाने वाली रुहानी हैदराबाद में आइपीएस का प्रशिक्षण ले रही हैं। इससे पहले वे छह प्रयास कर चुकी थीं, लेकिन आइएएस के लिए चयनित नहीं हो सकी थीं, लेकिन अंतिम प्रयास में उन्होंने मुकाम पा लिया। उनके पिता सुरेश ने बताया कि वे और उनकी पत्नी सरकारी शिक्षक हैं। रुहानी ने गुरुग्राम से स्कूली शिक्षा हासिल की है। इकोनामिक्स आनर्स में सेंट स्टीफेंस कालेज से स्नातक किया है। इससे पहले वे नीति आयोग में यूपीएससी के जरिये तीन वर्ष तक असिस्टेंट डायरेक्टर रह चुकी हैं। कोविड के दौरान उन्होंने आनलाइन पढ़ाई पर अधिक जोर दिया और इससे काफी सहायता मिली। पिछले साल रुहानी का आइपीएस में चयन हुआ था। उनकी इच्छा आइएएस में जाने की थी। पहले उनका इरादा सिविल सेवाओं में जाने का नहीं था, लेकिन सेंट स्टीफेंस कालेज में माहौल से उन्हें रुचि उत्पन्न हो गई।

सृष्टि ने 95वीं रैंक के साथ उत्तीर्ण की परीक्षा

सुशील भाटिया ● जागरण

फरीदाबाद: यह भारतीय विदेश सेवा में नियुक्ति पाए पिता आदर्श कुमार मिश्रा का सपना था कि बेटी आइएएस या आइपीएस अधिकारी बने। इसलिए, बेटी को उसकी मौसी के यहां छोड़ कर मिश्रा परिवार विदेश में रह कर देश सेवा करने में व्यस्त हो गए।

इधर, बेटी सृष्टि को माता-पिता की याद तो आती थी, मां के लाड की कमी भी खलती थी, पर मां के स्नेह की कमी को दूर किया ग्रेटर फरीदाबाद स्थित अमोलिक हाईट्स में रहने वाली मां सी यानी मौसी सुनीता पांडेय ने। मौसियों से मां जैसा प्यार पाकर सृष्टि ने पिता के सपने को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी और दूसरे ही प्रयास में यूपीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण कर माता-पिता, गृह क्षेत्र जौनपुर का व मौसी के परिवार का नाम रोशन कर ही दिया। लेडी श्रीराम कालेज आफ कामर्स से स्नातक सृष्टि मिश्रा ने यूपीएससी की परीक्षा में टाप 100 में रहते हुए 95वीं रैंक के साथ उत्तीर्ण की है। आइएफएस अधिकारी के रूप में आदर्श मिश्रा ब्राजील में नियुक्त हैं। मूलरूप से जौनपुर की निवासी सृष्टि ने बताया कि पहले प्रयास में वो प्री-लिम्स में भी उत्तीर्ण नहीं हो पाई थी, पर मंजिल को पाने के लिए जुट गई। प्रतिदिन दस घंटे तक पढ़ाई करने वाली सृष्टि के अनुसार पिता की बड़े पद पर नियुक्त होने के बाद ही यह प्रेरणा मिली कि यूपीएससी की परीक्षा देकर वो भी बड़ी अधिकारी बने।

यूपीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली सृष्टि मिश्रा का मुंह मीठा कराती मौसी सुनीता पांडेय व अनीता मिश्रा ● सौजन्य : भाई उदैय पांडेय

नोएडा की वरदाह खान को यूपीएससी में 18वीं रैंक

जागरण संवाददाता, नोएडा: यूपीएससी के मंगलवार को जारी परिणाम में शहर के सेक्टर-82 की वरदाह खान ने 18वीं रैंक पाई है। उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में सफलता पाई है। मूलतः प्रयागराज की वरदाह ने डीयू से श्रीकाम आनर्स किया है। स्नातक के समय ही उन्होंने सिविल सेवा में जाने का निर्णय कर लिया था। स्नातक के बाद कुछ माह नौकरी के बाद उन्होंने समर्पित होकर तैयारी शुरू की। समाजशास्त्र उनका वैकल्पिक विषय था।

वरदाह खान ●

पहले प्रयास में उनकी प्रारंभिक परीक्षा भी नहीं निकल सकी थी, पर वह परेशान नहीं हुई और दूसरे प्रयास में टाप-20 में जगह बनाई। उनका भारतीय विदेश सेवा में जाने का मार्ग भी प्रशस्त हो गया है। वरदाह के पिता अब्दुल रहमान का तीन वर्ष पहले निधन हो गया था। उनकी मां अफसर जहां केंद्रीय विद्यालय में गणित की प्रवक्ता पद से सेवानिवृत्त हैं। उनकी स्कूल शिक्षा प्रयागराज से हुई है। 10वीं में उन्होंने 9.1 सीजीपीए और 12वीं में 95 प्रतिशत अंक पाए थे। तैयारी कर रहे छात्रों को उनकी सलाह है कि सबसे पहले पठन सामग्री एकत्रित कर लें व बार-बार उनको ही पढ़ें। बहुत ज्यादा किताबों के चक्कर में न पड़ें। सिविल सेवा में सफलता के लिए निरंतरता जरूरी है। वह प्रवासी भारतीयों को देश के और नजदीक लाने और द्विपक्षीय वार्ता वाले मंचों पर मजबूती से देश का प्रतिनिधित्व करने को लेकर काम करेंगी।

जेएमआइ की कोचिंग आरसीए से 31 छात्र यूपीएससी में चयनित

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआइ) की आवासीय कोचिंग अकादमी (आरसीए) में कोचिंग और प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 31 उम्मीदवारों का चयन यूपीएससी परीक्षा में हुआ। पिछले वर्ष की तुलना में आठ छात्रों की बढ़ोतरी है। आरसीए के 71 छात्र यूपीएससी के 2023 के साक्षात्कार में शामिल हुए, जिनमें से 31 का चयन किया गया।

अखिल भारतीय स्तर पर 9वीं रैंक हासिल करने वाली नौशीन आरसीए की इस साल की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली छात्रा हैं। चयनित 31 उम्मीदवारों में से 11 लड़कियां हैं। जेएमआइ के कार्यवाहक कुलपति प्रोफेसर इकबाल हुसैन ने अकादमी के सफल उम्मीदवारों और अन्य छात्रों से बातचीत की और उन्हें उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी। प्रो. हुसैन ने कहा कि सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए छात्रों को प्रशिक्षण देने में आरसीए, जेएमआइ के सफलता दर साल लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन हमारे विश्वविद्यालय के लिए, बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है। वि. प्रशासन आरसीए को सभी प्रकार की सहायता प्रदान कर रहा है और इस प्रकार के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन द्वारा आगे भी सहायता प्रदान की जाएगी।

टैक्सी चालक के पुत्र ने पाई 457वीं रैंक

जागरण संवाददाता, खेड़ी: शहर के गुलाबी बाग में रहने वाले शिवम ने यूपीएससी में 457वीं रैंक प्राप्त कर सफलता प्राप्त की। शिवम के पिता हरदयाल टैक्सी चलाते थे। पिछले दिनों टैक्सी पुरानी होने के कारण उन्होंने बेच दी।

मूल रूप से गांव नांगल के रहने वाले शिवम ने दूसरे प्रयास में सफलता प्राप्त की। वर्तमान में वह दिल्ली में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रहे थे। दो बहनों के इकलौते भाई शिवम की बड़ी बहन पूजा यादव की शादी हो चुकी है वहीं दूसरी बहन संजू राव असम के केंद्रीय विद्यालय में फिजिक्स विषय में प्रवक्ता के पद पर कार्यरत हैं। शिवम की मां कमलेश देवी स्नातकोत्तर तक पढ़ी हैं। पिता हर दयाल का कहना है कि भले वह दसवीं कक्षा तक भी नहीं पढ़े हैं लेकिन शिक्षा का महत्व उन्हें पता है। इसलिए बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर उन्हें आदर्श नागरिक बनाने का सपना देखा था जो अब पूरा होने लगा है। कमलेश देवी घर पर बच्चों को ट्यूशन पढ़ाती हैं। शिवम का कहना है कि समय प्रबंधन, लगातार मेहनत कर वह 10 से 12 घंटे की पढ़ाई करते थे।

शिवम अपने पिता हरदयाल, माता कमलेश व बहन पूजा यादव के साथ ● जागरण

60वीं रैंक लाकर अभिमन्यु ने लहराया परचम

जागरण संवाददाता, सोनीपत: सेक्टर-23 के रहने वाले अभिमन्यु मलिक ने यूपीएससी की परीक्षा में 60वीं हासिल की। उन्होंने पांचवीं बार परीक्षा दी थी। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए स्वयं पढ़ाई की। अभिमन्यु दिल्ली में एसडीएम की ट्रेनिंग ले रहे हैं। उनका मानना है कि यदि कोई भी लक्ष्य बनाकर मेहनत करे तो सफलता अवश्य मिलती है। अभिमन्यु मलिक मूलरूप से माहरा गांव के रहने वाले हैं और उनके पिता रणबीर मलिक बिजली विभाग, दिल्ली में एसडीओ के पद से सेवानिवृत्त हैं। जबकि मां अनीता गृहणी हैं।

बेटे अभिमन्यु को मिठाई खिलाती मां ●

मलिक के अनुसार उनका बचपन से ही यूपीएससी की परीक्षा पास करके देश की सेवा करना का लक्ष्य था। इस लक्ष्य को पाने के लिए वे लगातार मेहनत करते रहे। इससे पहले दी परीक्षा में मिली रैंकिंग से संतुष्ट नहीं थे।

नोएडा के आकाश वर्मा ने हासिल की 20वीं रैंक

जासं, नोएडा: सेक्टर-93 एक्सप्रेस व्यू अपार्टमेंट सोसायटी में रहने वाले आकाश वर्मा ने 20वीं रैंक प्राप्त की है। मूलतः अंबेडकर नगर जिले के भीटी ब्लाक के बिशुनपुर गांव के रहने वाले आकाश 2018 से सिविल की तैयारी कर रहे थे।

आकाश वर्मा ●

नौकरी के साथ पढ़ाई कर शुभम ने पास की यूपीएससी की परीक्षा

शुभम भारद्वाज अपने माता और पिता के साथ ● सौ. सुधी पाठक

रिषभ बाजपेयी ● जागरण

पश्चिमी दिल्ली: संघ लोक सेवा आयोग ने सिविल सेवा परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। द्वारका के रहने वाले शुभम भारद्वाज ने नौकरी के साथ पढ़ाई कर इस परीक्षा में 265वीं रैंक हासिल किया। परीक्षा की तैयारी से जुड़ा मूल मंत्र साझा करते हुए उन्होंने बताया कि अगर अच्छी रणनीति के साथ पढ़ाई की जाए तो इस परीक्षा में पास करना कोई कठिन कार्य नहीं है, लेकिन ऐसा करना तब और आसान हो जाएगा जब आपको सही मार्गदर्शन मिलेगा।

द्वारका के सेक्टर-12 स्थित संत सुंदरदास सोसायटी में शुभम भारद्वाज परिवार के साथ रहते हैं। शुभम और उनकी बहन शुभिका जुड़वा हैं, जो निजी कंपनी में नौकरी करती हैं। उनकी बड़ी बहन सुकृति सरकारी स्कूल में शिक्षिका हैं। पिता सतेंद्र शर्मा दिल्ली सरकार में इंजीनियर हैं और मां अनीता शर्मा निजी स्कूल में शिक्षिका हैं। शुभम ने वेंकेटेश्वर इंटरनेशनल स्कूल से 12वीं तक की पढ़ाई कर आइआइटी मुंबई से बीटेक किया। बीटेक करने के बाद उन्होंने डेढ़ साल नौकरी की। शुभम ने बताया कि नौकरी के साथ ही उन्होंने यूपीएससी की पढ़ाई करनी शुरू कर दी। छह महीने पहले उन्होंने नौकरी छोड़ी और अपना पूरा ध्यान यूपीएससी की परीक्षा पर दिया। तीसरे प्रयास में उन्होंने परीक्षा पास कर 265वीं रैंक हासिल की है। उन्होंने बताया कि दिन में रोजाना आठ घंटे पढ़ाई की, जिसकी उन्होंने रणनीति भी बनाई। उनका मानना है कि अगर व्यक्ति की पढ़ाई को लेकर रणनीति है तो वह परीक्षा पास कर लेगा। हालांकि इसके लिए गाइड भी जरूरी है। साथ ही उन्होंने बताया कि मैं सुबह एक घंटा योग जरूर करता हूं और शाम को एक्सरसाइज करता हूं। इससे मेरी पढ़ाई करने की क्षमता बढ़ जाती है। इसलिए, पढ़ाई के साथ योग भी जरूरी है।

एक नजर में

सीट के विवाद में युवक को चलती ट्रेन से फेंका, मौत

गन्नौर (सोनीपत): माता वैष्णो देवी से गुजरात जा रही हापा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के सामान्य डिब्बे में सीट पर बैठने को लेकर दो युवकों में झगड़ा हो गया। झगड़ा इतना बढ़ गया कि एक युवक ने दूसरे को गन्नौर-राजलूगढ़ी स्टेशन के बीच चलती ट्रेन से नीचे फेंक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस पर बोगी में सवार यात्रियों ने आरोपित युवक को दबोच कर उसकी धुनाई कर दी और दिल्ली में ट्रेन के रुकने पर जीआरपी के हवाले कर दिया। जीआरपी के अनुसार मप्र का रहने वाला जहीर खान मजदूरी करता था। वह साथी अनीस के साथ दिल्ली जा रहे थे। जहीर का पंजाब के पठानकोट के सुरेंद्र से सीट पर बैठने को लेकर झगड़ा हो गया। अनीस के बयान पर सुरेंद्र के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। (संस)

'गौरव भाटिया को लेकर आपत्तिजनक वीडियो हटाएं इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म'

नई दिल्ली: नोएडा कोर्ट में एक घटना के संबंध में भाजपा नेता गौरव भाटिया से संबंधित आपत्तिजनक वीडियो को हाई कोर्ट ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्मों से हटाने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने कहा कि सार्वजनिक आलोचना की सीमा मानहानिकारक है। कोर्ट ने उक्त अंतरिम आदेश भाटिया के एक आवेदन पर दिया। पीठ ने मारपीट की घटना की निंदा की। कोर्ट ने कहा कि जनता के लाभ के लिए इस घटना की रिपोर्ट करना प्रेस और मीडिया का कर्तव्य है, लेकिन घटना के प्रति सच्चा बने रहना भी एक कर्तव्य है। डीपफेक वीडियो में भाटिया को पीटते हुए दिखाया गया है, जबकि ये तथ्य सनसनीखेज और तथ्यों के चित्रण के अलावा और कुछ नहीं है, जो स्पष्ट रूप से झूठे हैं। कोर्ट ने कहा कि ऐसे वीडियो के प्रसार से न केवल उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है, बल्कि भविष्य में उनके खिलाफ इस्तेमाल किए जाने का लगातार खतरा होने की भी संभावना है। डीपफेक वीडियो व ट्वीट को सार्वजनिक डोमेन में रहने की अनुमति दी जाती है, तो गौरव को बड़ी क्षति होगी। (जासं)

अवैध संबंध के शक में युवक ने पिता के साथ मिलकर बहन व चाचा की हत्या की

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली: घोंडा में मंगलवार को एक युवक ने अपने पिता के साथ मिलकर घर में अपनी बहन और चाचा की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। वह दोनों बच न सकें, इसके लिए उनके हाथ-पैर बांध दिए थे। हत्या के बाद युवक ने खुद पुलिस को काल करके वारदात की सूचना दी। मृतकों की पहचान दानिश (35), इसकी भतीजी शाइना (22) के रूप में हुई है। भजनपुरा थाना ने हत्या की धारा में प्राथमिकी कर आरोपित कुदुस और उसके पिता मोहम्मद शाहिद को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है।

जिला पुलिस उपायुक्त डा. जाय टिर्की ने बताया कि शाहिद मूलरूप से बुलंदशहर स्थित ऊपरकोट के रहने वाले हैं। वह फिलहाल परिवार के साथ घोंडा स्थित राम गली में किराये पर रह रहा है। पेशे से फल विक्रेता है। उनके आठ बच्चे हैं। उसका बेटा कुदुस 12वीं पास है, जिसने ग्राफिक डिजाइन को कोर्स किया हुआ है। पिता के साथ फल बेचता है। शाहिद का भाई दानिश भी पहले उनके साथ ही उसी मकान में रहता था। पुलिस को मंगलवार शाम करीब साढ़े चार बजे शाहिद के बेटे ने फोन करके सूचना दी कि उसने अपनी सगी बहन और चाचा की गला रेतकर हत्या कर दी है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि शाहिद को शक था कि उसके भाई और बेटी के बीच अवैध संबंध हैं। उसने कुछ माह पहले दोनों को फोन पर बात करते हुए देखा था और बेटी के मोबाइल में वाट्सएप पर दोनों के मैसेज भी देखे थे। दोनों को समझाया था और चार माह पहले दानिश को घर से निकाल दिया था। दानिश कैलाश नगर में किराये पर रहने लगा, वह भी पेशे से फल विक्रेता था। परिवार को शक था कि दानिश के घर से निकालने के बाद वह भी भतीजी के संपर्क में था। शाहिद के परिवार ने मंगलवार को दानिश को घर पर बात करने के लिए बुलाया। घर में शाहिद और उसका बेटा कुदुस मौजूद थे। बात इतनी बिगड़ी की पिता-पुत्र ने दानिश को जमकर पीट दिया और चाकू से उसका गला रेत दिया। उसके बाद शाइना के हाथ-पैर बांधकर उसका भी गला रेत दिया।

वारदात के बाद घोंडा स्थित राम गली में जांच करती पुलिस की टीम ● सौ. पुलिस

सांप का डर दिखा नौसेना अधिकारी की पत्नी को लूटा, तीन गिरफ्तार

- साधु की वेशभूषा में पहुंचे दो लोग, सांप दिखाकर उतरवा ली अंगूठी
- महिलाओं को बनाते थे निशाना, जेवर खरीदने वाला ज्वेलर भी धरा

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली: सांप से कटवाने का डर दिखाकर नौसेना अधिकारी की पत्नी को लूटने वाले दो व्यक्तियों समेत तीन लोगों को दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित ठग साधु की वेशभूषा में महिलाओं को निशाना बनाते थे। ज्वेलर उनसे चोरी व लूट के आभूषण खरीदता था। आरोपितों के पास से आटो, एक नकली सांप, अंगूठी आदि सामान बरामद हुआ है।

पुलिस उपायुक्त रोहित मीना ने बताया कि आरोपितों की पहचान शकूरपुर बस्ती निवासी देबूनाथ उर्फ काना, राजेंद्र शर्मा और नांगलोई स्थित निहाल विहार निवासी विनोद कामत के रूप में हुई। चौधरी झंडू सिंह मार्ग पर रहने वाले नौसेना के अधिकारी की पत्नी ने पांच अप्रैल को शिकायत दर्ज कराई थी कि साधु के वेशभूषा में दो व्यक्ति उसके पास आए और आशीर्वाद के नाम पर एक लोटे में कुछ नकदी ली। इसके बाद साधु ने सांप दिखाकर महिला से प्लेटिनम की अंगूठी उतरवा ली।

महिला की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी कैमरे से आटो की पहचान करने के बाद निहाल विहार पहुंचकर विनोद कामत को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर पंजाबी बाग स्थित सपेरा बस्ती झुग्गी से देबूनाथ को पकड़ा। उसने बताया कि वह सोने-चांदी के आभूषण एक ज्वेलर को बेचता है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर ज्वेलर राजेंद्र शर्मा को दबोचा।

पुलिस ने उनके पास से शिकायतकर्ता की सोने व प्लेटिनम की अंगूठी, आटो, बैग, लोटा, नकली सांप, साधु की पोशाक बरामद की। आरोपित देबूनाथ ने बताया कि वह साथियों के साथ मिलकर लाल बत्ती व सार्वजनिक स्थानों पर रुकने वाली महिलाओं को निशाना बनाते थे। वह उन्हें सांप का डर दिखाकर नकदी व आभूषण लूट लेते थे। भागने के लिए आटो चालक विनोद को साथ रखते और चोरी का सामान खरीदने के लिए एक ज्वेलर से संपर्क किया था। वह ज्वेलर राजेंद्र शर्मा के पास सामान बेच देते थे।

आठ करोड़ के ट्रामाडोल व कफ सिरप के साथ सरगना गिरफ्तार

- सिंडिकेट के छह सदस्यों की पहले हो चुकी है गिरफ्तारी, नशे के लिए भी किया जाता है दवाओं का प्रयोग
- ट्रामाडोल के 6,48,942 कैप्सूल व गोलियां व कोडीन आधारित कफ सिरप की 44,834 बोतलें बरामद

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दवाओं का अवैध कारोबार करने वाले एक गिरोह वांछित सरगना यूसुफ आजम को गिरफ्तार किया है। सिंडिकेट के छह सदस्य पहले ही पकड़े जा चुके हैं। वांछित की निशानदेही पर ट्रामाडोल के कुल 6,48,942 कैप्सूल व गोलियां और कोडीन आधारित कफ सिरप की 44834 बोतलें बरामद हुई हैं। बरामद दवाओं की कीमत करीब आठ करोड़ रुपये है।

डीसीपी स्पेशल सेल का कहना है कि एसीपी संजय दत्त की देखरेख में पुलिस टीम ने यूसुफ आजम को पकड़ा। वह मूलरूप से महमूद नगर चौक, लखनऊ का रहने वाला है। छह अक्टूबर 2023 को स्पेशल सेल में दर्ज एनडीपीएस अधिनियम के मामले में यूसुफ आजम वांछित था। पिछले साल टीम ने सिंडिकेट के तीन सदस्यों मोहम्मद फैजान बेगर (कर्दमपुरी), मोहम्मद जुबैर (गली मनिहारान, मोहल्ला नवाब गली, किसनगंज, उत्तर प्रदेश) व रेखा (दिल्ली) को गिरफ्तार किया था। इनकी निशानदेही पर भारी मात्रा में नशीले पदार्थ बरामद किए गए थे। फैजान और जुबैर ने बताया था कि वह राहुल और तुषार से साइकोट्रोपिक दवाएं खरीदते थे। उसके बाद इन दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इनके मोबाइल फोन और बैंक अकाउंट स्टेटमेंट की जांच से पता चला कि ग्रुप का मास्टरमाइंड यूसुफ आजम है। एसीपी संजय दत्त की टीम ने यूसुफ आजम को पकड़ने के लिए मैनुअल और तकनीकी प्रयास शुरू किए। पुलिस टीम ने लखनऊ से उसे दबोच लिया। पूछताछ के लिए उसे पांच दिनों की पुलिस कस्टडी रिमांड पर लिया गया है। यूसुफ ने बताया कि वह 15 वर्षों से अवैध व्यापार में लगा हुआ है। वह एके फार्मा के नाम से फार्मास्युटिकल फर्म चला रहा है। उसे पहले भी 2013 में गिरफ्तार किया गया था।

'कुत्तों की नस्लों पर हितधारकों की आपत्तियों पर विचार करे केंद्र'

केंद्र ने 12 मार्च को राज्यों को खतरनाक कुत्तों की 23 नस्लों की बिक्री और प्रजनन पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया था

जासं, नई दिल्ली: हाई कोर्ट ने मंगलवार को खतरनाक कुत्तों की कई नस्लों की बिक्री और प्रजनन पर प्रतिबंध लगाने से पहले नई मसौदा अधिसूचना पर हितधारकों द्वारा उठाई गई आपत्तियों पर केंद्र सरकार को विचार करने को कहा है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन व न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने यह आदेश तब पारित किया जब केंद्र सरकार के वकील ने स्वीकार किया कि पिछली अधिसूचना जारी होने से पहले सरकारी निकायों को छोड़कर किसी भी निजी संस्था या हितधारक को नहीं सुना गया था।

पीठ ने कहा कि प्रत्येक कुत्ते के मालिक को मौखिक सुनवाई का मौका देना संभव नहीं है, ऐसे में केंद्र को आधिकारिक वेबसाइट और एक राष्ट्रीय दैनिक में प्रस्तावित मसौदा अधिसूचना में संशोधन पर आपत्तियां आमंत्रित करने को सार्वजनिक नोटिस जारी करने का निर्देश दिया जाता है। सरकार की वेबसाइट व समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापन/नोटिस के जवाब में दायर आपत्ति पर अधिसूचना को अंतिम रूप देने से पूर्व विचार किया जाए।

यूपी गेट पर कार में लगी आग, दिल्ली तक लगा जाम

जागरण संवाददाता, साहिबाबाद: कौशांबी थाना क्षेत्र में यूपी गेट के पास मंगलवार शाम साढ़े सात बजे एनएच नौ पर एक स्विफ्ट डिजायर कार में आग लग गई। सूचना पर अग्निशमन की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग से जनहानि नहीं हुई, लेकिन पूरी कार जल गई। आग लगने के कारण एनएच नौ और दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे पर यूपी गेट से दिल्ली तक भीषण जाम लग गया।

फायर स्टेशन वैशाली पर मंगलवार शाम करीब साढ़े सात बजे एनएच नौ पर यूपी गेट से एलिवेटेड रोड के बीच में एक कार में आग लग गई। सूचना पर अग्निशमन कर्मी एक गाड़ी लेकर मौके पर पहुंचे। देखा दिल्ली नंबर की एक स्विफ्ट डिजायर में आग की लपटें निकल रही थीं। पूरी कार आग की चपेट में थी। एनएच नौ पर बीच सड़क पर कार में आग लगी थी। इससे पीछे की ओर आ रहे वाहन रुक गए। शाम का समय होनेसे एनएच नौ पर दिल्ली से आने वाले यातायात का दबाव भी अधिक था।

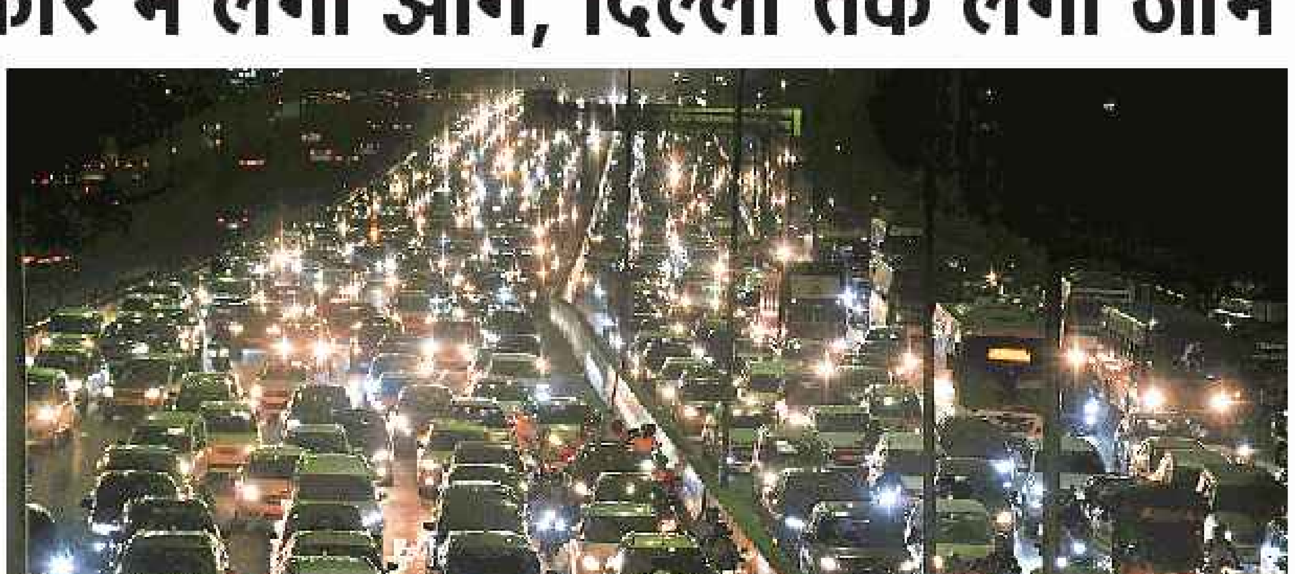

यूपी गेट के पास कार में आग लगने से दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे और एनएच-नौ पर लगा लंबा जाम ● पारस कुमार

फाउंडेशन को भंग करने का केंद्र का निर्णय सही

जासं, नई दिल्ली: मौलाना आजाद एजुकेशन फाउंडेशन (एमएईएफ) को भंग करने के केंद्र के फैसले को हाई कोर्ट ने रखा बरकरार। 1989 में शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों के बीच शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया था। कोर्ट ने याचिकाकर्ता सैयदा सैयदेन हमीद, जान दयाल और दया सिंह की जनहित याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि एमएईएफ को भंग करने का निर्णय एमएईएफ की आम सभा द्वारा विधिवत लिया गया है और इस निर्णय पर पहुंचने के लिए आम सभा द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया में कोई अनौचित्य या अनियमितता नहीं है। पीठ ने कहा कि याचिका में कोई योग्यता नहीं है और इसे खारिज किया जाता है।

****

जय श्री राम

।। श्री राम स्तुति ।।

श्री रामचन्द्र कृपालु भजुमन
हरण भवभय दारुणम।
नव कंज लोचन कंज मुख
कर कंज पद कंजारुणं ।। 1 ।।

कन्दर्प अगणित अमित छवि
नव नील नीरज सुन्दरम।
पटपीत मानहुँ तडित रुचि शुचि
नौमि जनक सुतावरम।। 2 ।।

भजु दीनबन्धु दिनेश दानव
दैत्य वंश निकन्दनं।
रघुनन्द आनन्द कन्द
कोशल चन्द दशरथ नन्दनं ।। 3 ।।

शिर मुकुट कुंडल तिलक चारु
उदारु अङ्ग विभूषणं।
आजानु भुज शर चाप धर
संग्राम जित खरदूषणं ।। 4 ।।

इति वदति तुलसीदास
शंकर शेष मुनि मन रंजनं।
मम् हृदय कंज निवास कुरु
कामादि खलदल गंजनं ।। 5 ।।

मन जाहि राच्यो मिलहि
सो वर सहज सुन्दर सांवरो।
करुणा निधान सुजान शील
स्नेह जानत रावरो ।। 6 ।।

एहि भांति गौरी असीस सुन
सिय सहित हिय हरषित अली।
तुलसी भवानिहि पूजी पुनि–पुनि
मुदित मन मन्दिर चली ।। 7 ।।

॥सोरठा॥

जानी गौरी अनुकूल सिय
हिय हरषु न जाइ कहि ।
मंजुल मंगल मूल
वाम अङ्ग फरकन लगे।

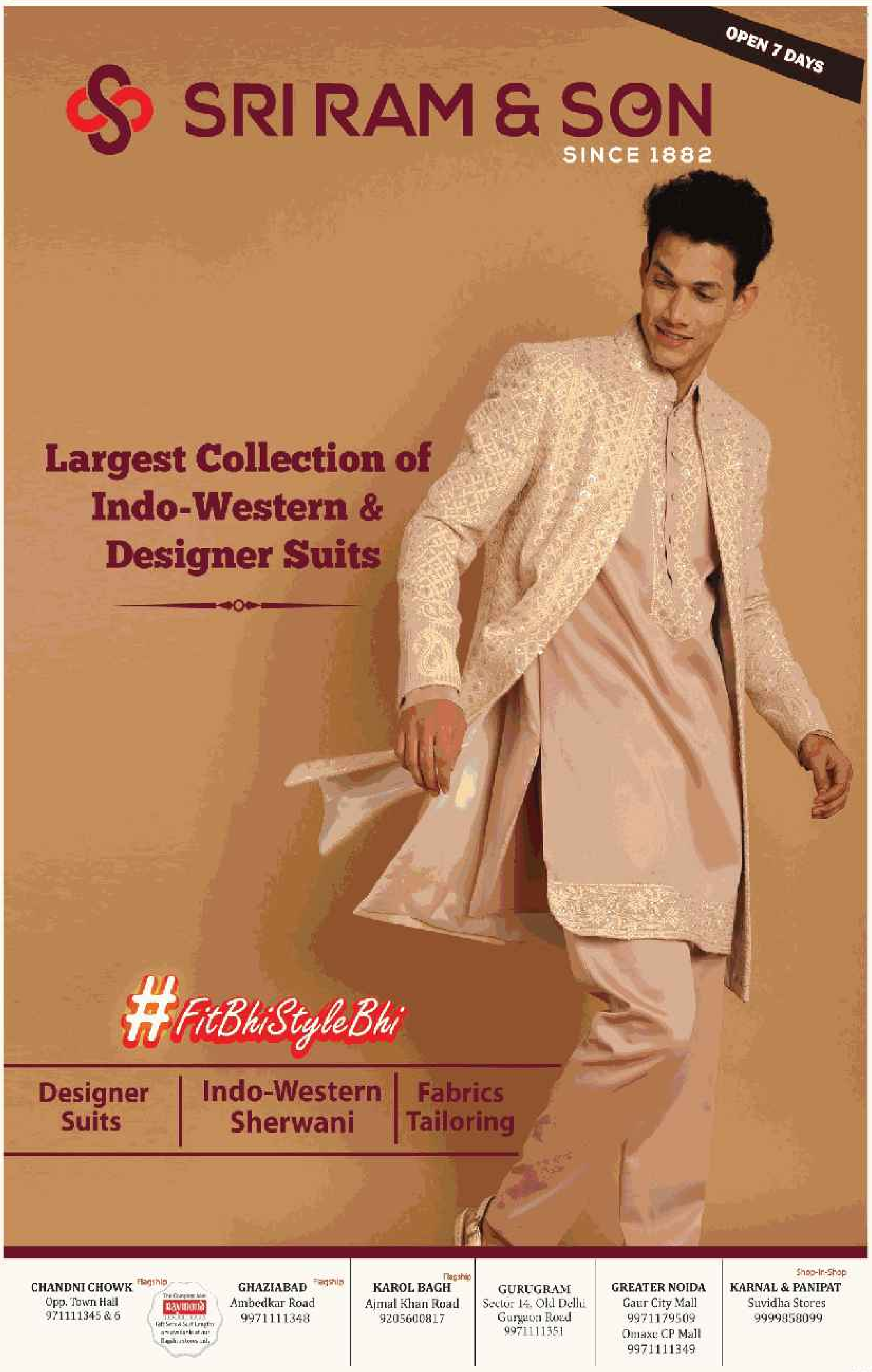

****

dainik jagran

सप्तरंग

सेहत भरे जीवन का

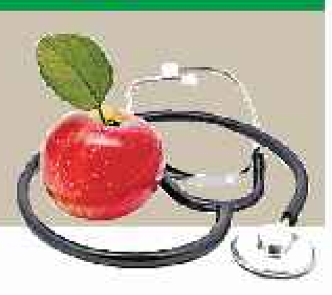

बुधवार, 17 अप्रैल, 2024

स्वस्थ व मजबूत रहे लिवर

फोटो : फ्रीपिक

भारत समेत दुनियाभर में बड़ी संख्या में लोग फैटी लिवर की समस्या से जूझ रहे हैं। यह जीवन के लिए बड़ा खतरा तो नहीं है लेकिन इसकी लगातार अनदेखी करना खतरनाक हो सकता है। आइए जानते हैं लिवर से जुड़ी कुछ सामान्य समस्याओं और बचाव के आवश्यक उपायों के बारे में...

विश्व लिवर दिवस (19 अप्रैल)

डा. विनोद अरोड़ा
एसो. प्रोफेसर, हेपेटोलाजी, इंस्टीट्यूट आफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज, दिल्ली

आजकल अव्यवस्थित जीवन शैली के चलते अनेक स्वास्थ्य समस्याएं हो रही हैं, इसमें से एक समस्या लिवर की भी है, खासकर फैटी लिवर, लिवर में सूजन व सिरोसिस जैसी समस्याएं देखने में आ रही हैं। खानपान में अशुद्धता से लिवर की दिक्कत होती है। वहीं अत्यधिक अल्कोहल ले रहे हैं तो भी लिवर के कमजोर होने की आशंका रहती है। कुल मिलाकर कहें तो लिवर समस्या का मुख्य कारण असंतुलित जीवनशैली है।

दिनचर्या का असंतुलन: लगातार घंटों बैठकर काम करने, पर्याप्त शारीरिक श्रम नहीं होने और जंक फूड, प्रसंस्कृत खाद्य, अधिक नमक व चीनी के कारण लिवर से जुड़ी दिक्कतें होती हैं। अशुद्ध भोजन से लिवर में चिकनापन और फैट बढ़ जाता है। लिवर के फैटी हो जाने से अन्य बीमारियां भी हो सकती हैं।

मुख्य समस्याएं: शिथिलता और अशुद्ध भोजन नान-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी) का कारण है। आजकल मेटाबालिक एसोसिएटेड फैटी लिवर डिजीज की एक नई समस्या भी देखने में आ रही है। सामान्य अर्थों में समझें तो यदि किसी को डायबिटीज, मोटापा या अनियंत्रित रक्तचाप है तो लिवर की बीमारी की आशंका बढ़ जाती है। कमर के पास फैट जमा हो रहा है या गर्दन मोटी और काली हो रही है तो यह लिवर की समस्या के शुरुआती संकेत हैं। ऐसे में लिवर की जांच करा लेनी चाहिए।

कब और कैसे कराएं जांच: फाइब्रो-स्कैन से बीमारी का पता चल जाता है। अगर फैट है और नियमित व अधिक अल्कोहल ले रहे हैं तो ये सभी कारण लिवर के लिए नुकसानदेह हो सकते हैं। डायबिटीज है तो बेसलाइन पर फाइब्रो स्कैन, लिपिड प्रोफाइल, एलएफटी करा लेना चाहिए। इससे बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है। हर छह महीने से लेकर एक साल के बीच जांच जरूर कराएं। अगर एलएफटी और अन्य टेस्ट सामान्य हैं तो एक से दो साल के अंतराल पर भी जांच करा सकते हैं।

हेपेटाइटिस स्क्रीनिंग जरूरी: स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या होने पर हेपेटाइटिस बी और सी की भी स्क्रीनिंग करा लेनी चाहिए। कभी जाने-अनजाने में ड्रग्स के प्रयोग, असुरक्षित यौन संबंध जैसे कारणों से भी हेपेटाइटिस की आशंका रहती है। इसका बचाव संभव है, बशर्ते सही समय पर जांच हो और सही उपचार हो। वर्तमान में हेपेटाइटिस सी के लिए आसानी से उपचार उपलब्ध है।

बनाएं खानपान और व्यायाम के नियम: स्वस्थ लिवर के लिए अच्छा आहार और पर्याप्त व्यायाम जरूरी है। भोजन में चीनी, चिकनाई कम से कम रखें। प्रोटीन का अनुपात बढ़ाएं। अगर शाकाहारी हैं तो पनीर, सोया, बादाम, अखरोट, अन्य सूखे मेवों का सेवन लाभदायक है। यदि सामिष हैं, तो रेड मीट का सेवन कम रखें। मछली और अंडे का सेवन बेहतर है। चिकन का सेवन हफ्ते में एक या दो बार ही करें। प्रतिदिन 15 मिनट का तीव्र व्यायाम जरूरी है। ब्रिस्क वाक, वजन उठाना, साइकिलिंग आदि लिवर को सेहतमंद रखने में उपयोगी होते हैं।

गर्मी में बढ़ाएं सतर्कता: हेपेटाइटिस ए और ई में मौसम के साथ परिवर्तन आता है। गर्मी के दिनों में कच्चे भोजन से बचें। फैटी लिवर है तो फाइब्रोस्कैन कराएं। इसमें फैट और हार्डनेस (एलएसएम) देखा जाता है। अगर एलएसएम छह से कम है तो सही भोजन और पर्याप्त व्यायाम से सही कर सकते हैं। अगर एलएसएम छह से ज्यादा है तो डाक्टर से जरूर परामर्श करें।

बातचीत : ब्रह्मानंद मिश्र

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

समस्या के शुरुआती लक्षण

- शुरुआत में लिवर की समस्या का कोई स्पष्ट लक्षण नहीं उभरता। ऐसे में नियमित जांच से इसका पता लगा सकते हैं।
- आमतौर पर लिवर की बीमारी एडवांस चरण में पकड़ में आती है।
- हालांकि बीमारी बढ़ने पर कुछ लक्षण उभरते हैं जिसे लेकर सतर्क हो जाना चाहिए। खासकर, सीधे हाथ में ऊपर की तरफ थोड़ा भारीपन महसूस हो सकता है।
- गंभीरता बढ़ने पर पैरों में सूजन, पेट का आकार बढ़ने, पेट में पानी इकट्ठा होने जैसे लक्षण होने लगते हैं।

आयुर्वेद

बढ़ाएं सतर्कता

डा. दिव्या कजारिया
असि. प्रोफेसर, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली

निष्क्रियता व गलत खानपान की आदतों के कारण हम अपने लिवर को बीमार बना रहे हैं। हालांकि जब हम कहते हैं कि लिवर में वसा जमा हो गई है या फैटी लिवर हो गया तो ध्यान दें कि यह कोई बीमारी नहीं। यह हमारे गलत खानपान व अपर्याप्त शारीरिक श्रम का परिणाम है। लिवर शरीर का रसोईघर है। यदि यहां आप आवश्यकता से अधिक सामान जमा कर लेंगे और उसका लंबे समय तक उपयोग नहीं करेंगे तो उसमें खराबी आएगी और इसका प्रभाव शरीर पर पड़ेगा। इसलिए, जब अधिक भोजन लेते हैं तो लिवर जितनी आवश्यकता होती है उतना लेकर शेष जमा करता है। पर एक सीमा के बाद जमा भी नहीं कर पाता। यही आगे चलकर जहरीले पदार्थों का निर्माण करता है। अनियमितता और अतिरिक्त दबाव का परिणाम होता है कि लिवर में कई बीमारियां पनपने लगती हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

- पेट का एक भाग खाली रखें तो पाचन क्रिया अच्छी रहती है।
- चार्ट बना लें कि क्या आहार ले रहे हैं और कितनी कैलोरी बर्न कर रहे हैं।
- नियमित कसरत, योग आदि से कैलोरी की खपत करने की आदत विकसित करें।
- फ्रिज से निकाल कर बार-बार खाना गर्म करके खाने की आदत को जितनी जल्दी हो बदल लेना चाहिए।
- ब्रेड या प्रसंस्कृत आहार का सेवन करना लिवर की समस्याएं पैदा कर देता है।
- ताजा व गर्म आहार का सेवन करें।
- स्थानीय अनाज और फल-सब्जी का सेवन आपको ऊर्जावान रखेगा।
- सेहत की व्यर्थ की चिंताओं के कारण पूरक आहारों और बिना मौसम के आहार का सेवन ठीक नहीं है।

वर्ग पहेली-2603

बाएं से दाएं
2 छूट व्यक्ति (3) 4 जिसे देख कर मन में दया उत्पन्न हो (4)। 5 आदत, स्वभाव (3) 6 कारण, हेतु, साधन (3) 7 रस में डूबा (4)। 10 लथपथ होना (3) 12 शरीर, देह (2) 14 सेवा-सत्कार (4)। 16 साथी, संगी (4) 18 सीमा, किनारा, अंत (2) 20 सैनिक विद्रोह (3) 22 कुशलतापूर्वक, जीवित (4) 24 गहन, चोरी (3) 25 मनमुटाव, वैमनस्य (3)। 26 विचलित, अस्थिरता (4)। 27 तथित, सूर्य (3)।

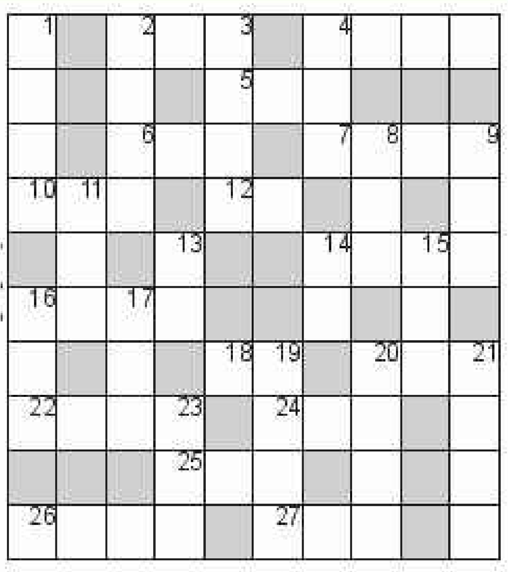

© Bird Features & Writing Agency

ऊपर से नीचे
1 बलपूर्वक, बलात (4) 2 बुरी भावना, कुविचार (4) 3 सलाह (4) 4 भयभीत, व्याकुल, अधीर (3) 8 रंगहीन, उजला, साफ (3) 9 जिगर, तिल्ली (3) 11 परोपकारी व्यक्ति, चतुर (3) 13 टहनी, शाखा (2)। 14 दुखी, उदास (2) 15 पस, पीव (3)। 16 डर, भय, खौफ (3) 17 संकट, खतरा (3)। 19 आतंक, भय (4) 20 उदास, संताप (4)। 21 युद्धभूमि (4) 23 लहर (3)।

कल का हल

	प		उ	द	य	न		ब्	
ब	र	ग	द			य	म	दू	त
	ण्य		र			न		क	
म	र	ग		चो			क	ची	ची
रि				ब्री	जा	ध्य	क्ष		नी
य		न	भ	च	र				मि
ल	ह	र			जा		चौं	ह	ट्टी
	ड़		पा		त	ह		ठ	
रौ	ब	दा	र			ज	ल	था	र
	ड़ी		से	वों	त्त	म		मी	

जागरण सुडोकू-2603

3							2	4
		7		5	2			
2	5			4	8	6		9
	3				1	9		
7		9	8				5	
	6			9		8		3
		5				1	3	
9			5		7			
	1	4	2	6		7		5

कल का हल

7	1	4	5	2	3	9	6	8
8	6	2	7	9	4	1	3	5
3	9	5	8	6	1	2	4	7
6	5	3	4	8	2	7	1	9
1	2	9	6	7	5	4	8	3
4	7	8	3	1	9	5	2	6
5	3	1	9	4	8	6	7	2
2	8	6	1	5	7	3	9	4
9	4	7	2	3	6	8	5	1

आज का भविष्यफल - 17 अप्रैल, 2024, बुधवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति: चैत्र मास शुक्ल पक्ष नवमी। आज का राहुकाल: दोपहर 12 बजे से 01 बजकर 30 मिनट तक। आज का दिशाशूल: उत्तर। आज का पर्व एवं त्योहार: श्री रामनवमी, तारा जयंती।

कल 18 अप्रैल, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल: दक्षिण
कल का पर्व एवं त्योहार: श्री धर्मराज दशमी
विक्रम संवत 2081 शके 1946 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु चैत्र शुक्ल पक्ष की दशमी तत्पश्चात एकादशी अश्लेषा नक्षत्र तत्पश्चात मघा नक्षत्र गंड योग 24 घंटे 43 मिनट तक, तत्पश्चात वृद्धि योग कर्क में चंद्रमा 07 घंटे 57 मिनट तक तत्पश्चात सिंह में।

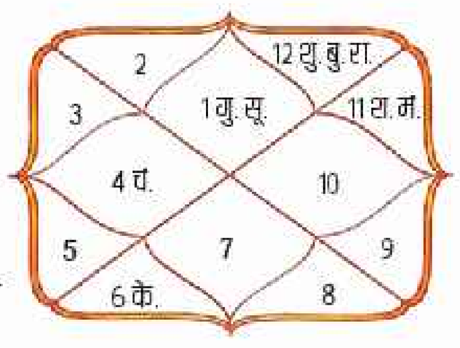

- मेष: संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा में चल रहा प्रयास सार्थक होगा।
- वृष: उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी। जीवनसाथी का सान्निध्य मिलेगा।
- मिथुन: जीविका में प्रगति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
- कर्क: आर्थिक प्रगति होगी। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी।
- सिंह: आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी।
- कन्या: संतान के प्रति सचेत रहें। आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं।
- तुला: शिक्षा में सफलता मिलेगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
- वृश्चिक: सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। महिला अधिकारी का सहयोग मिलेगा।
- धनु: आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
- मकर: आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी।
- कुंभ: दांपत्य जीवन सुखमय होगा। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।
- मीन: संतान या शिक्षा के कारण चिंतित रहेंगे। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

हीमोफीलिया दिवस आज

डा. गौरव खार्या
निदेशक, हीमेटोलाजी, इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली

हीमोफीलिया अब आसान हुआ उपचार

आमतौर पर चोट लगने, कटने पर रक्त में उपस्थित एक विशेष तरह का प्रोटीन सक्रिय हो जाता है। इससे खून में थक्के जमने की प्रक्रिया शुरू होती है और थोड़ी देर बाद रक्त का बहना रुक जाता है। पर ऐसी स्थिति में जब शरीर रक्त जमाव की प्रक्रिया नहीं कर पाता, वह स्थिति हीमोफीलिया कहलाती है। वास्तव में हीमोफीलिया रक्तस्राव से संबंधित एक आनुवंशिक विकार है। यह शरीर में रक्त के थक्के जमने की प्रक्रिया को मंद कर देता है। इस विकार का वाहक एक्स क्रोमोजोम होने के कारण महिलाओं से पुरुषों में इसका प्रवाह पाया जाता है। निदान की बात करें तो अभी इस संबंध में उस स्तर की जागरूकता नहीं आई है कि लोग हीमोफीलिया का पारिवारिक इतिहास रहने पर गर्भाधान से पूर्व सजग रह सकें। हालांकि जीन चिकित्सा की मदद से काफी हद तक इस बीमारी को रोकने में मदद मिल सकती है।

हीमोफीलिया के प्रकार: ए और बी हीमोफीलिया के सबसे सामान्य प्रकार हैं। यदि मरीज इन दोनों प्रकार के हीमोफीलिया से पीड़ित है तो उसे लंबे समय तक रक्तस्राव झेलना पड़ सकता है। यदि हीमोफीलिया है तो सबसे अधिक ध्यान रक्तस्राव से बचने और इसके उपचार पर होना चाहिए।

क्या हैं लक्षण

- शरीर पर कई बड़े या गहरे घाव।
- जोड़ों में दर्द, जकड़न या सूजन होना।
- बिना ज्ञात कारण नाक से रक्त बहना।
- हीमोफीलिया ग्रस्त बच्चे में कई टार्गेट प्वाइंट बन जाते हैं। जैसे-कभी कंधे पर तो कभी घुटने पर गांठ बन जाती है।
- बच्चे को असहनीय दर्द हो सकता है। उसे बार-बार उल्टी होती है।
- लंबे समय तक तेज सिरदर्द रहना।
- अत्यधिक थकान महसूस होना।

उपयोगी हैं ये बातें

- अब मरीजों की प्रोफाइल तैयार की जाती है, जिससे पता चल जाता है कि किस स्तर का हीमोफीलिया है।
- साप्ताहिक दवा की उपलब्धता है, जिससे हीमोफीलिया का बेहतर प्रबंधन संभव है।
- यदि घर में इस बीमारी का इतिहास है तो पति-पत्नी को बच्चे के जन्म से पहले हीमोफीलिया जांच करानी चाहिए।
- हीमोफीलिया के शिकार हैं तो तनाव लेने के बजाय उपचार पर एकाग्र रहें।
- हीमोफीलिया के मरीजों को बह चुके रक्त की पूर्ति की आवश्यकता अच्छे खानपान से करने पर ध्यान देना चाहिए।

बातचीत : सीमा झा

जागरण सिटी दिल्ली

अवैध क्रिकेट मैदान पर चला बुलडोजर

जागरण प्रभाव

- यमुना खादर में खाली कराई 12 एकड़ जमीन
- खाली कराई गई जमीन पर कराया जाएगा पौधारोपण

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली: मयूर विहार फेज-एक के विपरीत डीएनडी फ्लाईओवर के पास यमुना खादर में अवैध रूप से चल रहे क्रिकेट के मैदान पर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने बुलडोजर चलाकर जमीन को खाली करा दिया है। वहीं पिच रोलर से तैयार की गई पिच को भी खत्म कर दिया है। खादर में चल रहे अवैध क्रिकेट मैदान की खबर को दैनिक जागरण ने 15 अप्रैल के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया था। खबर पर संज्ञान लेते हुए डीडीए ने कार्रवाई कर जमीन को खाली करा दिया है। कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार के विरोध से बचने के लिए पुलिस बल की भी मौजूदगी रही। उद्यान विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 12 एकड़ जमीन को खाली कराया गया है। बहुत जल्द जमीन पर पौधारोपण कर इसका सुंदरीकरण किया जाएगा। बीते कुछ महीनों से यमुना खादर में अवैध रूप से मैदान तैयार कर क्रिकेट खेला जा रहा था। जमीन को समतल कर पिच बना ली थी। क्रिकेट खेलने वाले सभी वाहनों से पहुंचते थे, जिसकी वजह से यमुना खादर को नुकसान पहुंचता था।

खबर प्रकाशित होने के बाद खादर में कार्रवाई करता डीडीए का दस्ता ● सौजन्य -डीडीए

15 अप्रैल के अंक में दैनिक जागरण में प्रकाशित खबर

ध्रुव और अभिक ने जड़े नाबाद शतक

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: डीडीसीए लीग के तहत खेले गए दो शानदार मुकाबलों में ध्रुव सिंह और अभिक अरोड़ा ने नाबाद शतक जड़कर क्रमशः एनके खन्ना क्लब और पूसा यंगस्टर क्लब को जीत दिलाई। पहले मुकाबले में ध्रुव सिंह के दमदार नाबाद शतक (103 रन) और आदित्य चौधरी के अर्धशतक (50 रन) के दम पर एनके खन्ना क्लब (241/6) ने डीडीए (186/9) को 55 रन से पराजित किया। पराजित टीम की ओर से विमन्यु कुमार ने 57 रन की पारी खेली। विजेता टीम के गेंदबाज संपूर्ण तिवारी ने तीन और अर्पित राणा ने दो विकेट चटकाए। वहीं दूसरे मुकाबले में अभिक अरोड़ा के नाबाद शतक (101 रन) और राघव के नाबाद अर्धशतक (77 रन) की बदौलत पूसा यंगस्टर क्लब (बिना किसी नुकसान के 186 रन) ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की टीम (183/10) को दस विकेट से परास्त किया।

फिल्म रिव्यू

साइलेंस 2 : द नाइट आउल बार शूटआउट ★★★

कलाकार : मनोज बाजपेयी, प्राची देसाई, साहिल वैद, वकार शेख, पारुल गुलाटी, श्रुति बापना और नीना कुलकर्णी
निर्देशक : अबान भरूचा देवहंस
रिलीज प्लेटफार्म : जी5
अवधि : दो घंटे 21 मिनट

संवाद ज्यादा, छानबीन कम

एक हत्या। संदेह की सूई कई लोगों की ओर घूमना। हत्यारे की झलक देना। कड़ियों को जोड़ते हुए जुनूनी और बुद्धिमान पुलिस आफिसर द्वारा हत्यारे की पहचान करना साइलेंस फ्रेंचाइज का आधार रहा है। वर्ष 2021 में आई इस फ्रेंचाइज की पहली फिल्म साइलेंसः कैन यू हीयर इट? बांधने में कामयाब रही थी। साइलेंस 2 की शुरुआत पीड़ित के हाथ कुछ चौंकाने वाली फोटो लगने से होती है। फिल्म की दिक्कत यह है कि छानबीन से ज्यादा बातें संवादों के जरिए पता चलती हैं। सहयोगी भूमिका में आए पात्र कमजोर हैं।

अभिनेता मनोज बाजपेयी अपनी जिम्मेदारी में खरे उतरते हैं। चित्र सौजन्य : फिल्म टीम

फिल्म पिंक का संवाद नो मीन्स नो लोकप्रिय हुआ था। फिल्म के आरंभ में एस्कार्ट गर्ल के साथ जबरदस्ती कर रहे व्यक्ति को एसीपी अविनाश वर्मा (मनोज बाजपेयी) इसी संवाद की याद दिलाते हुए धुनाई करते हैं। तभी उन्हें द नाइट आउल बार में शूटआउट होने की जानकारी मिलती है। इस हत्याकांड में मुख्यमंत्री का पर्सनल सेक्रेटरी भी मारा जाता है। अविनाश अलग-अलग कोण से जांच में पाता है कि मारी गई लड़की हत्यारे के निशाने पर थी। उसे पर्दाफाश करने के लिए दो दिन का समय दिया जाता है। उसके पास मूल फिल्म वाली पुरानी टीम है। हालांकि जांच को लेकर तय समय सीमा से लेखक और अविनाश बेपरवाह नजर आते हैं। बीच-बीच में मानव तस्करी का रैकेट संचालित करने वाले, चेहरा ढकी महिला खलनायक जैसे लोगों की झलक मिलती है, लेकिन आप उससे कनेक्ट नहीं होते हैं। फिल्म आडिशन के नाम पर लड़कियों से जबरन वेश्यावृत्ति कराने का एंगल भी है, लेकिन उसे समुचित तरीके से दिखाया नहीं गया है।

अबान भरूचा देवहंस ने स्टोरी, स्क्रीनप्ले, संवाद और निर्देशन की कमान संभाली है। उन्होंने कहानी का तानाबाना अच्छा बुनने की कोशिश की है, लेकिन इतनी सारी जिम्मेदारियों को अकेले संभालने के चक्कर में ट्विस्ट और टर्न में रोमांच लाने में थोड़ा चूक गई हैं। हत्याकांड की जांच की वजह से कहानी को काफी विस्तार दिया गया है, लेकिन जब क्लाइमेक्स अप्रत्याशित मोड़ के साथ आता है तो यह पूरी तरह विश्वसनीय नहीं लगता। कुछ सवाल अनुत्तरित छोड़ जाता है।

फिल्म का दारोमदार मनोज बाजपेयी के कंधों पर है। हमेशा की तरह मनोज यहां भी अपनी जिम्मेदारी में खरे उतरते हैं। बिखरी कहानी की बाधा के बावजूद वह अभिनय से उसे साधने का प्रयास करते हैं। इंस्पेक्टर संजना भाटिया की भूमिका में प्राची देसाई खास सहयोग नहीं करतीं। साहिल वैद व वकार शेख के पात्र लेखन स्तर पर कमजोर हैं। फिल्म का आकर्षण पारुल गुलाटी हो सकती थीं, अगर उनके किरदार को रोचक अंदाज से दिखाया गया होता।

स्मिता श्रीवास्तव

★★★★★ उत्कृष्ट ★★★★ बहुत अच्छी ★★★ अच्छी ★★ औसत ★ औसत से कम

अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

मनोरंजन

श्रीराम रक्षा स्तोत्र गाए बिना खाने की थाली नहीं मिलती थी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी कर चुके हैं सुरेश के राम भजन की प्रशंसा ● टीम सुरेश

लगी आग सावन की.. और बोल राधा बोल... जैसे कई सदाबहार गानों के गायक सुरेश वाडकर बचपन से ही बच्चों को धर्म और संस्कार की सीख देने में विश्वास रखते हैं। पद्मश्री से सम्मानित सुरेश ने फिल्मों के साथ-साथ कई सदाबहार भजन भी गाए हैं। अयोध्या में श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा से पहले उन्होंने हृदय में श्री राम हैं.. भजन गाया था। इसके लिए उन्हें देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रशंसा मिली थी। अब रामनवमी के मौके पर उनका नया भजन गीत रामायण.. रिलीज हो रहा है जिसमें उन्होंने श्रीराम के बचपन से लेकर विवाह तक के प्रसंगों की संगीतमय प्रस्तुति दी है। इस बारे में दैनिक जागरण से बातचीत में सुरेश बताते हैं, 'इस गाने के संगीतकार गोविंद प्रसन्न सरस्वती मेरे पुराने जानने वाले हैं। उन्होंने मुझे फोन करके इस गाने के बारे में बताया। फिर मैंने कहा कि ठीक है, प्रभु श्रीराम के चरणों में अपनी सेवा जरूर अर्पित करेंगे। बस फिर यह भजन गा दिया। इसमें प्रभु श्री रामचंद्र जी के बचपन से लेकर उनके विवाह तक के प्रसंग बहुत खूबसूरती से लिखे गए हैं।'

स्थाई है भक्ति की भावना

रामकथा से जुड़ाव और अपने जीवन पर उसके प्रभाव को लेकर सुरेश कहते हैं, 'हम सब की जिंदगी पर श्री राम कथा का बहुत असर रहा है। आज भी हम जब रामायण से जुड़ा कोई प्रसंग टीवी पर देखते हैं तो बिना कारण ही आंखों में आंसू आ जाते हैं। प्यार और गुस्से जैसी बाकी की सारी भावनाएं तो क्षणभंगुर होती हैं, लेकिन भगवान से जुड़ी आस्था और उम्मीद की भावनाएं स्थाई होती हैं। माता-पिता को बचपन से ही अपने बच्चों को हमारे धर्म, हमारी संस्कृति और भगवान की शक्ति के बारे में सीख देनी चाहिए। हमारे यहां तो ऐसा था कि बचपन में अगर राम रक्षा स्तोत्र और गायत्री मंत्र नहीं बोलते थे, तो खाने की थाली भी नहीं मिलती थी।'

अब धार्मिक कार्यों में ड्यूटी

पिछले कुछ वर्षों में फिल्मी गीतों में सुरेश की सक्रियता काफी कम दिखी है। इसका कारण वह बताते हैं, 'अब सिनेमा में नए-नए कलाकार आ गए हैं। हमारे आज के कथित संगीतकारों को लगता है कि नया बच्चा आया है तो नई आवाज ढूंढेगा। अरे भाई... हम लोग भी तो गाने के लिए ही बैठे हैं। हमारी आवाज तो पुरानी नहीं हुई है या ऐसा भी नहीं कि अब हम गा नहीं सकते हैं। फिर पता नहीं हमें क्यों नहीं बुला रहे हैं। हो सकता है कि अब ऊपर वाले ने हमारी ड्यूटी धार्मिक कार्यों में लगाई हो।'

नितेश तिवारी की रामायण में राम बने रणबीर से हैं बड़ी उम्मीदें

सुरेश की नजरें नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म रामायण पर भी हैं। वह कहते हैं, 'सुनने में आया है कि रामायण पर एक और फिल्म बन रही है, उसमें रणबीर राम की भूमिका निभा रहे हैं। आप सोच सकते हैं श्रीराम के व्यक्तित्व में कितनी शक्ति और प्रभाव है कि रणबीर जैसा आज की पीढ़ी का बच्चा यह भूमिका निभाने के लिए तैयार भी हो गया। वह बहुत अच्छे कलाकार हैं, एक्टिंग उनमें कूट-कूटकर भरी है। वो फिल्म आने के बाद अगली पीढ़ी के छोटे- छोटे बच्चे भी देखेंगे और इसके माध्यम से वो जानेंगे कि एक अच्छे पिता, पति, बेटे, भाई और राजा के तौर पर श्रीराम का व्यक्तित्व कैसा था?'

रणबीर कपूर

राम मंदिर में मेरे साथ हुआ था दिव्य चमत्कार

राम मंदिर में भावुक हो गए थे कैलाश ● @kailashkher (इंस्टाग्राम)

भारत की कल्पना श्रीराम के बिना नहीं की जा सकती है। यह कहना है गायक कैलाश खेर का। अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के दौरान वह भी मौजूद थे। दैनिक जागरण से बातचीत में कैलाश कहते हैं, 'मेरे प्रभु राम के बिना भारत नहीं, यहां के कण-कण में राम हैं। हमारी तो वर्षों की सभ्यता है, जिसमें राम-राम कहा जाता है। इस युग में 500 वर्षों की प्रतीक्षा खत्म हुई है। श्रीराम को उनका भवन मिला है, इसलिए यह रामनवमी श्रद्धालुओं के लिए खास है। मैं जब अयोध्या पहुंचा तो वहां पर मेरे साथ एक बड़ा दिव्य चमत्कार हुआ था। प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर में दर्शन के लिए बड़ी भीड़ हो गई थी। मुझे और सोनू भाई (सोनू निगम) को लगा कि अब दर्शन नहीं कर पाएंगे। प्रभु राम का चमत्कार तो देखिए, उन्हें लगा कि उनके बच्चे मिले बिना चले जाएंगे। हम जैसे ही मंदिर से बाहर निकले, सामने स्वयं योगी आदित्यनाथ जी (उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री) खड़े थे। उन्होंने पूछा दर्शन हो गए। हमने कहा नहीं हो पाए हैं। उन्होंने अपनी टीम के अफसरों से कहा कि उन्हें फलां गेट से अंदर लेके जाओ। मैं और सोनू भाई प्रभु के सबसे निकट पहुंच गए। यह पल मैं कभी नहीं भूल सकता।'

रामलला के दर्शन को बेताब हैं अभिनेत्री निहारिका

जो प्रभु श्रीराम के दर्शन अयोध्या में कर आए हैं, वह रामलाला की मुस्कान को यादों में संजोए हुए हैं। जिन्होंने दर्शन नहीं किए हैं, वह उनके दर्शन को बेताब हैं। धारावाहिक प्यार का पहला नाम राधा मोहन में राधा की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री निहारिका राय भी रामलला के दर्शन करना चाहती हैं। रामनवमी का उत्सव अपने घर पर मना रहीं निहारिका कहती हैं, 'चैत्र नवरात्र का मेरे जीवन में बहुत महत्व है। मां दुर्गा में मेरी आस्था है। बुधवार को रामनवमी है। इन नौ दिनों में मैंने हर दिन सुबह जल्दी उठकर अपनी मां के साथ पूजा की है। रामनवमी की पूजा में भी मैं अपनी मां की मदद करूंगी। घर पर श्रीराम के जन्म का उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। घर पर पूजा रखी गई है। मैं अपनी मां को धन्यवाद कहना चाहूंगी कि उन्होंने मुझे इस त्योहार की परंपराओं से परिचित कराया है। कम उम्र से ही मैं इन परंपराओं का पालन करती आ रही हूं। इस वर्ष मैं अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन के लिए जाने की भी तैयारी कर रही हूं। बहुत मन है कि रामलला की जन्मभूमि पर जाकर उनके दर्शन करूं। उम्मीद है, जल्द ही रामलला मुझे बुलाएंगे।'

रामनवमी पर घर में पूजा में व्यस्त रहेंगी निहारिका ● टीम निहारिका

****

मोड एडवरटाइजिंग एंड मार्केटिंग पर धोखाधड़ी व अमानत में खयानत का केस

जासं, नई दिल्ली: राजधानी में लाजपत नगर स्थित 'मोड एडवरटाइजिंग एंड मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड' के खिलाफ 'जागरण प्रकाशन लिमिटेड' ने कानपुर नगर कोर्ट में धोखाधड़ी व अमानत में खयानत का परिवाद प्रस्तुत किया है।

सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि 'मोड एडवरटाइजिंग एंड मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड' पता- सी-40/44, ब्लाक सी, लाजपत नगर-दो, नई दिल्ली-110024 पर विभिन्न पार्टियों के विज्ञापन प्रकाशित करवाने के उपरांत करीब 30,16,039 रुपये का भुगतान न करते हुए, उक्त राशि का अमानत में खयानत करते हुए गबन कर लिया है। इस कंपनी के निदेशक जीके धवन और जनक धवन हैं। 'जागरण प्रकाशन लिमिटेड' की ओर से इस कंपनी के विरुद्ध दायर परिवाद न्यायालय में लंबित है।

नमो देव्यै महादेव्यै
नारी सशक्तीकरण

घर खर्च में बचत कर दिव्यांगों का जीवन बना रहीं सुगम

अब तक नव चेतना सोसाइटी ने 70 दिव्यांगों को उपलब्ध कराए कृत्रिम अंग, बेटियों के लिए कौशल विकास केंद्र भी खोला

संजीव कौशिक ● जागरण

यमुनानगर: नवरात्र का नौवा दिन है। आज के दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। मां सिद्धियां प्रदान करती हैं। समाज में भी ऐसी की कुछ महिलाएं हैं जो स्वयं से जो बन पड़े समाज को दे देती हैं। ऐसी ही कुछ महिलाएं हैं जो अपने खर्च की बचत से दिव्यांगों को समाज की मुख्य धारा में जोड़ रही हैं। इनकी एक टोली ने नर सेवा को नारायण सेवा मान लिया है। चार वर्ष पहले इन महिलाओं ने नव चेतना सोसाइटी बनाकर जरूरतमंद लोगों की सहायता करने का निर्णय लिया। अब दिव्यांगजन को निश्शुल्क कृत्रिम अंग भी उपलब्ध करा रही हैं। 70 लोगों को उनकी जरूरत के अनुसार कृत्रिम अंग लगवाए जा चुके हैं। यही नहीं, समय-समय पर इन कृत्रिम अंगों की मरम्मत के साथ नए अंग भी उपलब्ध कराते हैं। इसका पूरा खर्च ये महिलाएं उठाती हैं। जेब खर्च का कुछ हिस्सा बचाकर महिलाएं सेवा में जुटी हैं।

इसलिए लिया निर्णय: नव चेतना सोसाइटी की अध्यक्ष दीपिका गुप्ता, पदाधिकारी रूपाली, दिव्या मित्तल, आरती, अर्चना, प्रीती, सुगंधा, रंजु, मीनू व पूजा गोयल ने बताया कि करीब चार वर्ष पहले उन्होंने संस्था बनाकर सामाजिक कार्यों की शुरुआत की थी। स्कूलों में शिक्षण सामग्री बांटना, जरूरत के मुताबिक कपड़े आदि दिए जाते थे। इस दौरान उन्होंने दिव्यांगजनों के दर्द को महसूस किया। चौक चौराहों पर ऐसे लोगों को भीख मांगते हुए देखा। उन्होंने उनकी लाचारी को दूर करने की ठान ली। सभी महिलाओं ने बैठक कर निर्णय लिया कि क्यों न इन लोगों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराए जाएं। क्योंकि गरीब लोग मजबूरी के चलते सुविधाओं से दूर रह जाते हैं।

भविष्य की योजना

संस्था की पदाधिकारियों ने बताया कि उन्होंने कृत्रिम अंग तैयार करने वाली जोधपुर की संस्था से संपर्क साधा है। जिन दिव्यांग जनों को कृत्रिम अंग मुहैया करवा दिए गए, अब उनकी मरम्मत भी समय-समय पर कराई जाएगी। इसके साथ ही नए शिविरों का आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों की मदद की जा सके।

पिछले कुछ समय में जिन दिव्यांगों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराए हैं उनके साथ नव चेतना सोसाइटी की सदस्य महिलाएं ● जागरण

स्वरोजगार की भी दिखाई राह

संस्था की ओर से एक सिलाई एवं कढ़ाई सेंटर भी चलाया हुआ है। इसमें बड़ी संख्या में लड़कियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वह प्रशिक्षण लेकर कौशल में दक्ष होकर स्वरोजगार शुरू कर सकें। इसके अलावा दो कोचिंग सेंटर चलाए हुए हैं। इनमें गरीब परिवारों के बच्चों को कक्षा चार से दसवीं तक की पढ़ाई मुफ्त कराई जाती है। संस्था का प्रयास है कि कोई भी बच्चा संसाधनों की कमी में अशिक्षित न रहे।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

27 अप्रैल से होगा युवा राष्ट्रीय खेलों का शुभारंभ

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: राष्ट्रीय खेल संवर्धन संगठन, स्टेयर्स फाउंडेशन ने खेलों के आरंभ की घोषणा की है। राजधानी के इंदिरा गांधी खेल परिसर में 27 अप्रैल से 30 अप्रैल तक स्टेयर्स युवा राष्ट्रीय खेलों का आयोजन होने जा रहा है। इसमें आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर सहित 15 राज्यों से चुने गए पांच हजार से अधिक स्वर्ण पदक विजेताओं की भागीदारी देखने को मिलेगी। इन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की उम्र आठ से 19 वर्ष के बीच होगी। उनके साथ 560 कोच, 490 अधिकारी और 350 स्वयंसेवक भी होंगे। स्टेयर्स के अध्यक्ष सिद्धार्थ उपाध्याय ने कहा कि यह चैंपियनशिप प्रत्येक बच्चे को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण होगी। प्रतिस्पर्धाएं राजधानी के विभिन्न स्टेडियम में होंगी।

अष्टमी पर कन्याओं को जिमाकर खोला व्रत

सुबह से ही मंदिरों में लगी श्रद्धालुओं की कतार लगे भंडारे

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: वासंतिक नवरात्र के आठवें दिन मनोकामना पूर्ण करने वाली मां महागौरी की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। भोर होते ही मंदिर के बाहर श्रद्धालुओं की कतार लग गई और मां के जयकारे लगने लगे। अष्टमी पर घरों में लोगों ने आस्थापूर्वक कन्याओं को जिमाया और प्रसाद ग्रहण कराकर अपना व्रत खोला। कन्याओं के लिए श्रद्धालुओं ने पूरी, हलवा, चना, सब्जी के साथ फल दिया। कई श्रद्धालु बुधवार को कन्या पूजन कराकर नौ दिनों का अपना व्रत पूर्ण करेंगे।

प्राचीन झंडेवाला देवी मंदिर में मां के आठवें स्वरूप महागौरी का शृंगार व पूजा-अर्चना पूर्ण विधिविधान के साथ की गई। मां का यह वर्ण पूर्णता गौर है। उनके गौरवर्ण की उपमा शंख चंद्र और कुंद के फूल से की जाती है। उनकी आयु आठ वर्ष की मानी गई है। उनके समस्त वस्त्र व आभूषण श्वेत हैं। इनकी चार भुजाएं हैं, जबकि वाहन वृषभ है। घरों के अलावा मंदिरों में भी सेवादारो द्वारा विधिपूर्वक कन्या पूजन कराया गया। सभी कन्याओं को पूजन के बाद भेंट और नकद राशि दी गई। अष्टमी के चलते मंदिरों में सुबह से भक्तों का तांता लग गया। इनकी सुविधा और सेवा के लिए बड़ी संख्या में सेवादार लगे रहे। रात्रि में अष्टमी जागरण ज्योत प्रचंड अनुष्ठान हुआ। इसके बाद आरती व कन्या पूजन भी किया। झंडेवाला मंदिर में रेत से बनी राम मंदिर की प्रतिकृति लोगों के आकर्षण बनी रही। नौवें दिन, मां के नौवें स्वरूप मां सिद्धिधात्री की पूजा अर्चना होगी।

मां के दर्शन के लिए झंडेवाला देवी मंदिर में लगी श्रद्धालुओं की भीड़ ● ध्रुव कुमार

झंडेवाला देवी मंदिर में कन्या पूजन के दौरान प्रसाद ग्रहण करती कन्याएं ● जागरण

कालकाजी और छतरपुर मंदिर भी मां के जयकारों से गूंज उठे

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली: अष्टमी पर महागौरी के दर्शन के लिए दिल्ली के मंदिरों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। छतरपुर मंदिर, कालकाजी मंदिर में कई श्रद्धालुओं ने कन्याओं को जिमाया।

कालका जी मंदिर में अष्टमी पर सुबह से रात तक मां महागौरी के दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंचते रहे। वहीं छतरपुर स्थित श्री आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर में श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की और चुनरी बांधकर घर में सुख शांति की मन्नत मांगी। मां महागौरी के जयकारों से मंदिर गूंजते रहे। भक्तों ने कन्याओं को जिमाकर अपना उपवास खोला।

श्रीनिवासपुरी, ओखला, हरकेश नगर, गोविंदपुरी, लाजपत नगर आदि स्थानों पर भंडारों का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं के कतार में लगकर प्रसाद ग्रहण किया।

छतरपुर मंदिर में उमड़े श्रद्धालु ● जागरण

कूचा महाजनी में किन्नरों के प्रवेश पर लगी रोक : सिंघल

जासं, नई दिल्ली: उत्तर भारत के प्रमुख ज्वेलरी बाजार कूचा महाजनी में किन्नरों के प्रवेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। इस बाजार के ज्वेलर्स संगठन ने यह निर्णय लिया है। साथ ही कूचा महाजनी के सुरक्षाकर्मियों को बाजार में किन्नरों के नहीं घुसने देने को लेकर सचेत किया गया। आल बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के चेयरमैन योगेश सिंघल ने बताया कि चांदनी चौक स्थित कूचा महाजनी, उत्तर भारत का प्रमुख ज्वेलरी बाजार है, जहां बुलियन और ज्वेलरी की एक हजार से अधिक कारोबारी प्रतिष्ठान हैं। बाजार संगठन के पदाधिकारियों के अनुसार, नए शो रूम के खोलने, दुकान के सुंदरीकरण के साथ ही होली व दीपावली जैसे त्योहारों पर किन्नरों की मनमानी जारी थी। किन्नर आकर में दुकानदारों से मनमाना धन मांगते थे।

योगेश सिंघल ●

अपराध संक्षिप्त

निवेश में अच्छा लाभ दिलाने के नाम पर ठगी

जासं, नई दिल्ली : उत्तरी दिल्ली इलाके में निवेश योजना के नाम पर महिला से ठगी का मामला सामने आया है। साइबर ठग ने महिला को निवेश पर अच्छा ब्याज दिलाने के नाम पर निवेश योजना की जानकारी देकर उससे लगभग सवा दो लाख रुपये ऐंठ लिए । जब आरोपित ने मुनाफा मांगने पर महिला का फोन उठाना बंद कर दिया तो उनको ठगी होने का अहसास हुआ। महिला ने उत्तरी दिल्ली के साइबर थाने में साइबर ठगी का मामला दर्ज कराया है। गौरी शुक्ला ने उत्तरी दिल्ली साइबर थाने में दर्ज करायी है कि मनीष रावत नामक व्यक्ति उसे फोन कर क्यूनेट नामक निवेश योजना के बारे में विस्तार से बताया। फोन करने वाले ने महिला को अच्छा लाभ दिलाने का वायदा किया। महिला ने अपनी कमाई से कुछ पैसे बचाए थे। महिला ने 13 दिसंबर 2023 को 2.27 लाख रुपये व्यक्ति द्वारा बताए बैंक खाता नंबर में ट्रांसफर कर दिए। जब महिला ने मुनाफ़े के बारे में पूछा तो बताया कि उसके निवेश पर अच्छा मुनाफा हुआ है। इसके बाद महिला ने अपना लाभ निकालने को कहा। इस पर महिला को आरोपित ने बताया कि अपना लाभ निकालने के लिए और अधिक राशि का निवेश करना होगा। महिला ने और पैसा लगाने से मना कर दिया। इसके बाद न तो आरोपित ने महिला का फोन उठाया और न ही उसके द्वारा भेजे गए मोबाइल संदेशों का कोई जवाब दिया। आरोपित की तरफ से कोई जवाब नहीं आया और न ही उसने पैसे वापस लौटाये। इसके बाद महिला ने पुलिस को जानकारी दी।

कैब चालक की हत्या के मामले में दो हिरासत में

जासं, नई दिल्ली: लाल किला के पास कैब चालक शाकिब की चाकू और गोली मारकर हत्या करने के मामले में जांच से पता चला है कि एक महिला समेत चार लोगों ने लूटपाट के मकसद से ही चालक की हत्या की थी। चारों में एक घोषित अपराधी है, जबकि महिला पर भी पूर्व में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उत्तरी जिला के स्पेशल स्टाफ ने महिला समेत दो को हिरासत में लिया है और दो अन्य की तलाश में संभावित स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। सोमवार को पुलिस मामले को रोडरेज मान रही थी, लेकिन अब तक की जांच से पुलिस इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि लूटपाट के मकसद से ही कैब चालक हत्या हुई। रविवार देर रात चारों संदिग्ध लाल किला के पास लूटपाट के मकसद से आए थे। इनमें दो वहां आटो से पहुंचे थे, जबकि दो अन्य स्कूटी पर थे। स्कूटी पर महिला के साथ एक बच्चा भी था। चारों वहां शिकार की तलाश में थे, इसी बीच कैब चालक की कार और ई-रिक्शा में टक्कर हो गई। उन्होंने कैब चालक के साथ मारपीट शुरू कर दी। मोबाइल फोन छीनकर भागते हुए एक आरोपित को कैब चालक द्वारा पकड़ लेने पर उसने साथियों को वापस बुला लिया और चाकू और गोली मारकर उसकी हत्या कर दी थी। वहां खड़े 15 साल के भीख मांगने वाले एक लड़के को भी एक गोली लगी थी।

छह साल से फरार चल रहा अपराधी पकड़ा

जासं, नई दिल्ली : मध्य दिल्ली की हौज काजी थाना पुलिस टीम ने छह साल से अधिक समय से आर्म्स एक्ट के मामले में मुकदमे से बच कर फरार चल रहे घोषित अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। आरोपित पर पूर्व में पांच आपराधिक मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। मध्य दिल्ली के डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया कि 14 अप्रैल को टीम को घोषित अपराधी शमशाद के बार में जानकारी मिली, जो पता बदल कर रह रहा था। टीम आरोपित के घर पहुंची मगर वह नहीं मिला। इसके बाद 15 अप्रैल को हौज काजी थाने को मिली सूचना के अनुसार आरोपित अजमेरी गेट स्थित एक शराब की दुकान पर है। टीम तुरंत शराब की दुकान पहुंची और आरोपित तुर्कमान गेट निवासी शमशाद को पकड़ लिया। आरोपित अपने खिलाफ चल रहे मुकदमे के दौरान सजा से बचने के लिए घर छोड़कर दूसरे स्थान पर रह रहा था। रिकार्ड के मुताबिक आरोपित को हौज काजी इलाके में दर्ज आर्म्स एक्ट के मामले मे चार जनवरी 2018 को अपराधी घोषित किया गया था।

दूसरे चरण के मतदान के दिन रोलर स्केटिंग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : पांचवीं रैंकिंग रोलर स्केटिंग की राष्ट्रीय चैंपियनशिप लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के दिन यानी 26 अप्रैल को अमृतसर में आयोजित होने जा रही है। मतदान के दिन राष्ट्रीय प्रतियोगिता होने से इसमें शामिल होने वाले कुछ खिलाड़ियों और उनके अभिभावकों को मतदान से विरत रहना पड़ सकता है।

चैंपियनशिप का आयोजन भारतीय रोलर स्केटिंग महासंघ के तत्वाधान में पंजाब रोलर स्केटिंग महासंघ की ओर से 25 से 28 अप्रैल के बीच किया जाना है। इस बीच 26 अप्रैल को दूसरे चरण में 12 राज्यों में मतदान होंगे। यह चैंपियनशिप पांच साल से लेकर 17 वर्ष से अधिक उम्र के बालक, बालिका, पुरुष और महिलाओं के लिए होगी। राष्ट्रीय चैंपियनशिप होने के कारण इसमें देश के करीब सभी राज्यों से खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। फेडरेशन के महासचिव नरेश कुमार शर्मा ने बताया कि चैंपियनशिप की तारीख जनवरी में ही तय कर दी गई थी। अभी तक करीब पौने चार सौ खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में मार्च निकाला

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी की छात्र इकाई छात्र युवा संघर्ष समिति (सीवायएसएस) ने मंगलवार को मशाल मार्च निकाला। मार्च दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय से विश्वविद्यालय मेट्रो तक निकाला गया। इस दौरान पुलिस ने लगभग 30 छात्रों को हिरासत में भी लिया, लेकिन बाद में सभी को छोड़ दिया गया।

युवा नेता वंदना सिंह ने मशाल मार्च का नेतृत्व करते हुए कहा, डीयू के सभी छात्र अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ एकजुट हैं। एक आइआइटी इंजीनियर, आइआरएस अधिकारी अपना सब कुछ दांव पर लगाकर, कई साल झुग्गियों में काम करके, दिल्ली और देश के लोगों की आवाज उठाकर दिल्ली का मुख्यमंत्री बना और मुख्यमंत्री बनकर भी दिल्ली के लोगों की भलाई के लिए काम कर रहा था, सरकारी स्कूलों में, अस्पतालों में, महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा, गरीबों को मुफ्त बिजली पानी की सुविधा दी जा रही है।

उस इंसान को केवल कुछ बयानों के आधार पर जेल में डाल दिया गया। यह अन्याय है। देश का युवा अब उनके साथ है। इससे पहले दिन में छात्रों ने विभिन्न कालेजों में हस्ताक्षर अभियान चलाया। छात्रों से एकजुट होने की अपील की।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में मशाल मार्च निकालते सीवायएसएस के कार्यकर्ता ● सौ. सीवायएसएस

टाउन हाल की लौटेगी रंगत, निगम कराएगा जीर्णोद्धार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली नगर निगम की ऐतिहासिक इमारत टाउन हाल की रंगत फिर लौटेगी। निगम ने इसके जीर्णोद्धार का निर्णय ले लिया है। इसके लिए आगा खां ट्रस्ट की टीम ने मुआयना करके अपनी रिपोर्ट बना ली है, जिसे अगले दो सप्ताह में निगम को सौंप दिया जाएगा। इसके बाद निगम जीर्णोद्धार के लिए आए सुझावों के आधार पर इस पर काम करेगा। खास बात यह होगी कि निगम किसी अन्य एजेंसी से यह कार्य नहीं कराएगा। निगम ने स्वयं ही आगा खां ट्रस्ट के सुझावों के आधार पर यह कार्य करने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि आगा खां ट्रस्ट ने सुंदर नर्सरी और हुमायूं के मकबरे के जीर्णोद्धार जैसे कई प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों की स्थिति सुधारने में मदद की है।

चांदनी चौक का टाउनहाल ● जागरण आर्काइव

> हम एमसीडी के साथ मिलकर 20 साल से कार्य कर रहे हैं। एमसीडी ने हमसे टाउन हाल के जीर्णोद्धार के लिए मदद मांगी थी। हमारा एक बार सर्वे हो गया है। एक दो सप्ताह में हम एमसीडी को इसकी रिपोर्ट दे देंगे।
> **– रतीश नंदा**, वरिष्ठ अधिकारी, आगा खां ट्रस्ट

दिल्ली नगर निगम की ऐतिहासिक इमारत टाउन हाल बहुत पुरानी है। 1860 से पहले जहां शाहजहां की बेटी जहांआर की सराय होती थी। 1857 की क्रांति के बाद अंग्रेजों की हुकमत ने मुगलों का मनोबल गिराने के लिए सराय को तोड़कर इस इमारत का निर्माण कराया। वहीं, इसके पिछले हिस्से में पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का निर्माण कराया गया। 1860 से लेकर 1865 के बीच में इसका निर्माण कराया। यह दिल्ली कालेज की इमारत थी (जिसे इंस्ट्टीट्यूट बिल्डिंग) भी कहा जाने लगा। 1866 में निगम ने एक लाख 37 हजार 457 रुपये में तत्कालीन नगरपालिका ने खरीद लिया। तब से यह इमारत निगम के पास है। 2010-11 तक दिल्ली नगर निगम का मुख्यालय यहां पर रहा है। फिर रामलीला मैदान के पास सिविक सेंटर का निर्माण हो गया तो इसे यही स्थानांतरित कर दिया गया। तब से यह इमारत खस्ता हालत में है। इसके बाद से कई बार इसमें निगम की परियोजनाएं आईं और जीर्णोद्धार की बात उठी, लेकिन कोई भी योजना सिरे नहीं चढ़ पाई। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय से भी निगम ने बातचीत की थी और इसमें रेस्तरां बनाने की बात चली थी। लेकिन वह भी ठंडे बस्ते में चली गई। इमारत का उचित रखरखाव न होने की वजह से इमारत में धूल के साथ ही सीलन आदि हो गई है। इसकी वजह से इसका जीर्णोद्धार किया जाना जरूरी है। निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हम प्रेस बिल्डिंग में एक संग्रहालय बना रहे हैं, जिसमें आइजीएनसीए के साथ संग्रहालय तैयार होगा। टाउन हाल के जीर्णोद्धार के लिए आगा खां ट्रस्ट की मदद ले रहे हैं। उनकी रिपोर्ट के बाद इसकी अनुमानित लागत तैयार कर इसका जीर्णोद्धार करेंगे। इस वर्ष के अंत तक कार्य पूरा होने की उम्मीद है।

मानव तस्करी रोकने के लिए दिल्ली पुलिस को दिए सुझाव

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस की महिला एवं बच्चों की विशेष इकाई के विशेष आयुक्त अजय चौधरी की अध्यक्षता में मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में दिल्ली में मानव तस्करी पर विशेष रूप से रेड लाइट क्षेत्रों में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। बैठक में एसपीयूडब्ल्यूएसी ज्वाइंट सीपी, डीसीपी और एसीपी भी शामिल हुए।

बैठक में विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव, शिकायतें और सुझाव साझा किए। बैठक के दौरान वैश्यालय या अवैध बंदी क्षेत्रों से पीड़ितों के बचाव के संबंध में कई उपयोगी और महत्वपूर्ण चर्चाएं की गईं। प्रतिनिधियों ने यह भी बताया कि मानव तस्करी के दौरान फंसी लड़कियों को बचाने के लिए दिल्ली पुलिस उनके साथ मिलकर काम करती है। अजय चौधरी ने इस बात पर जोर दिया कि गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों को प्राथमिकता के आधार पर ऐसे मुद्दों के साथ आगे आना चाहिए।

दिल्ली पुलिस पीड़ितों को उनके परिवारों से मिलाने के लिए गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग करने की पूरी कोशिश करेगी। उन्होंने गैर सरकारी संगठनों को सुनिश्चित किया कि स्थानीय पुलिस ऐसे मामलों में प्राथमिकता के आधार पर सहयोग करेगी और अपराध को रोकने के लिए ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए पर्याप्त पुलिसकर्मी उपलब्ध कराएगी।

दैनिक जागरण
आवश्यकता है
दिल्ली एनसीआर हेतु
प्रोडक्ट सेल्स एण्ड मार्केटिंग के लिए
सेल्स एक्जीक्यूटिव/सेल्स ऑफिसर
योग्यता: प्रतिष्ठित समाचार पत्र में पीसीसी टीम के रूप में कार्य करने का कम से कम 2 वर्षों का अनुभव हो।
वेतन: योग्यतानुसार
सम्पर्क करें:-
अरूण गुप्ता – 8860482523
समय: 11:00 से 4:00 बजे तक
दैनिक जागरण कार्यालय:
डी-210, सेक्टर-63, नोएडा

आजादी के बाद से भारत के स्वत्व को नकारा गया : मनमोहन वैद्य

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: भारत का स्वत्व ही उसका अध्यात्म है। देश की दिशा तब तय होगी जब हम जानेंगे कि हम कौन हैं, लेकिन आजादी के बाद भारत में स्वत्व को नकारने की परंपरा चल गई। इससे देश को बड़ा नुकसान हुआ है। 2014 के बाद से सिर्फ सरकार नहीं बदली है, इस स्वत्व की भावना को स्वीकार करने की शुरुआत हुई है। इसके परिणाम अब दिखाई देने लगे हैं। यही वजह है कि लोग भारत की ओर समाधान के लिए देख रहे हैं। यह बात राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य डा. मनमोहन वैद्य ने कही। वह इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र व भारतीय शिक्षण मंडल, प्रकाशन विभाग के नेतृत्व में उनकी पुस्तक वी एंड द वर्ल्ड अराउंड पर विमर्श के मौके पर बोल रहे थे।

पुस्तक वी एंड द वर्ल्ड अराउंड पर चर्चा के दौरान लेखक डा. मनमोहन वैद्य अपने विचार रखते हुए, साथ में आइआइजीएनसीए के अध्यक्ष राम बहादुर राय (बाएं) और डा. निर्मलजीत सिंह (दाएं) ● जागरण

डा. वैद्य ने कहा कि भारत की बात करने वालों को एंटी प्रोग्रेसिव कहा जाता था। बाद में उन्हें संघी कहा जाने लगा, लेकिन नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार के गठन के बाद बहुत कुछ बदल गया है। भारत की विदेश नीति भी बदली है। पहले के मंत्री सीमाओं के विकास को न करने से सुरक्षा की वकालत करते थे। लेकिन, अब सब बदल रहा है और शिक्षा नीति, अर्थ नीति भी बदली है। राष्ट्रीय ध्वज में अशोक चक्र, लोकसभा और राज्यसभा यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के ध्येय वाक्य में धर्म का महत्व बताया गया है। मुख्य अतिथि भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला की अध्यक्ष प्रो. शशि प्रभा कुमार ने कहा कि पुस्तक भारतीय दर्शन के अखंड दृष्टिकोण के साथ अनेकानेक सिद्धांत सहज ढंग से बताती है और भारतीय मूल्यों एवं संस्कृति का संचार करती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र न्यास के अध्यक्ष राम बहादुर राय ने की। इस मौके पर केंद्र के सचिव डा. सच्चिदानंद जोशी, एनसीवीईटी के अध्यक्ष डा. निर्मलजीत सिंह कलसी (सेवानिवृत आइएएस) और दैनिक जागरण के वरिष्ठ पत्रकार अनंत विजय ने अपने वक्तव्य दिए। प्रोफेसर अजय कुमार सिंह, गणपति तेती, राजीव नयन, प्रो. आदित्य प्रकाश त्रिपाठी रहे। संचालन राष्ट्रीय सिंधी भाषा संवर्धन परिषद् के निदेशक प्रो. रवि टेकचन्दानी ने किया। प्रो. रमेश चन्द्र गौड़ ने सबको धन्यवाद दिया।

SUMMER & WEDDING COLLECTION
Raymond
Linen, Cotton & Woollen
Formals, Casual & Party Wears
By Economy Sales: 9212758425
Latest Range of Designs & Colors
GIFT PACKS AVAILABLE
upto 60% off
BLAZER • SUIT
KURTA'S • SHIRT • TROUSER • T-SHIRT
Raymond PARK AVENUE ColorPlus parx ARROW
• GURUGRAM 306, City Center, Sector 29 (Near Hotel Pllazio)
• PUNCHKUIAN ROAD, Garwal Bhawan, (Near Jhandewalan, Gole Chkr.)
• WAZIRPUR A-5, Near Richi Rich Banquet (Opp. Shalimar Bagh)
• JANAKPURI B-1/2, Main Najafgarh Road, Opp. Metro Pillar 543
• NOIDA, Nirula's Sec-2, Near Metro Station, Sec-15, Noida, UP
• LAJPAT NAGAR, 49, Main Ring Road, Adj. Haldi Ram, Near Moolchand Crossing

****

JAYPEE EDUSPHERE | IGNITED MINDS INSPIRED SOULS

JAYPEE INSTITUTE OF INFORMATION TECHNOLOGY

(Deemed to be University)

AICTE Approved | UGC Approved | NAAC Accredited | NIRF Ranked

Shaping Leaders for Ever-changing Technological Ecosystem

ADMISSIONS 2024

B Tech

- Biotechnology (BT)
- Computer Science and Engineering (CSE)
- Electronics and Communication Engineering (ECE)
- Electronics and Computer Engineering (ECM)
- Electronics Engineering (VLSI Design and Technology)
- Electronics and Communications (Advanced Communication Technology)
- Information Technology (IT)
- Mathematics and Computing (M&C)

(Option for Specialisation/Minor in AI & ML, DA, Cyber Security 5G & Advanced Technologies, VLSI Design & Technology and Universal Human Value)

M Tech

- Biotechnology (BT)
- Computer Science and Engineering (CSE)
- VLSI Design

Integrated M Tech

- Computer Science and Engineering (CSE)
- Electronics & Communication Engineering (ECE)
- Biotechnology (BT)

Lateral Entry/Direct Admission

ADMISSION IN B TECH 2nd YEAR

- CSE • ECE • IT • Biotechnology

Diploma Course

3 Year Full Time Diploma Courses after class 10th

- Computer Science and Information Technology
- Food Technology
- Electronics Engineering (Microelectronic)

B Sc (CS)

3/4 Year Full Time Bachelor in Science (Computer Science) Programme

M Sc

- Physics • Mathematics • Microbiology • Environmental Biotechnology
- Economics

(Option for Certificate course on Data Analytics for all MSc Programs)

BCA

3/4 Year Full Time Bachelor in Computer Application Programme

MCA

2 Year Full Time Master of Computer Application Programme

BBA

3/4 year full time Bachelor of Business Administration Programme

Specializations: HR, Marketing, Finance, Information Technology, Business Analytics, Insurance and Banking, Family Business Entrepreneurship, Healthcare Management.

MBA

2 Year Full Time Master of Business Administration Programme

Specializations: HR, Finance, Marketing, Operations, Information Technology & Business Analytics, Education Management and Hospital & Healthcare Management.

PhD Programs

- Biotechnology • CSE • Computer Applications • ECE • Humanities & Social Sciences • Management • Mathematics • Physics and Materials Science & Engineering

SPECIAL FEATURES

- Declared 2021-30 as 'Decade of Innovation'
- Well equipped 130 teaching and research Laboratories
- VLSI design & Fabrication Lab
- 5G Use Case Lab
- Ramanujan Universe High Performance Computing with 110 teraflop speed.
- State-of-the-art Biotechnology & Food Technology Labs
- RIDE - Innovation Hub for start- ups
- BIRAC - Bio Incubation Hub
- State-of-the-art Digital Learning Centre
- More than 17000 Alumni serving with distinctions in India/Abroad
- Provision for Intel & Dell Certification on AI
- DST sponsored FIST Biotechnology Department

PLACEMENT : 2023 BATCH

- Approx. 165 companies visited for placement.
- Over 140% offers and 98% eligible participating students placed.
- Highest Domestic Package by Atlassian INR 82.89 Lakhs.
- Average Package Rs. 11.13 Lakhs.

Apply online at: www.getadmissions.com/jaypee

Apply online at :
www.getadmissions.com/jaypee
www.jiit.ac.in

Contact Admission Cell :
+91- 7428630800/600, +91 (120) 2594400/300
admission@jiit.ac.in

****